

3-17-27 3-193 The Gazette of India

्रप्राधिकार से प्रकाशित १७४८/ऽमहरू ४४ ४४ मुक्सार

[0 43]

नई दिल्ली, शमिवार, अक्तूबर 22, 1983 (आश्विन 30, 1905)

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 22, 1983 (ASVINA 30, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

-उच्च न्यायात्रयों, तियन्त्रक्त और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1983

सं० ए० 32014/2/8 3-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा शायोग मे कि० स० स्टे० से० संवर्ग के चयन ग्रेड वैयक्तिक इहायक श्री वी० के० आहुजा को राष्ट्रपति द्वारा 3-9-1983 से 2-12-1983 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी गहले हो, उसी संवर्ग में विरष्ठ वैयक्तिक सहायक (कि०स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर तदर्थ आधार पर सहुर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. विरिष्ठ वैयिक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इसने इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में विरिष्ठता का कोई हक नही मिलेगा।

3. श्रा वी० के० आहुजा, चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक । रिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) पद पर दीर्घकालीन पदोन्नित हेतु जोन से बाहर हैं। त: विष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर उनकी पदोन्नित

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन के अध्य-ध्रीन है ।

श्रीमित भवानी त्यागराजन अवर सचिव संघ लोक सेवा स्रायोग

गृह मन्त्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केंद्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1983

सं० जी०-3/69-प्रशासन-5—अधिसूचना सं० जी०-3/69-प्रशासन-5, दिनांक 13 जून, 1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जी० विट्ठल को दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 तक की अचिध के लिये, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में विरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-3/70-प्रशासन-5-अधिसूचना संख्या एस०-3/70-प्रशा०-5, दिनांक 13 जून, 1983 के कम में राष्ट्रपति

(18949)

अपने प्रसाद में श्री एस० के० श्रीवास्तव को दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 तक की अविध के लिये, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में विर्ष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० एस०-7/70-प्रशासन-5—अधिसूचना संख्या एस-7/70-प्रशासन-5, दिनांक 13 जून, 1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० पीं० निगम को धिनांक 31 दिसम्बर 1983 तक की अवधि के लिये, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुनत करने हैं।

सं० एस०-17/71-प्रणामन-5—अधिसूचना सं० एस०17/71-प्रणामन-5, विनांक 13 जून, 1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० आर० पांडे को दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 तक की अविधि के लिये, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, किन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में विरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करने हैं।

स० ए०-19036/11/8 3-प्रणा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पृलित महानिरीक्षक, त्रिशेष पुलिस स्था-पना एत्बारा श्री बी० बी० भेडे, पुलिस निरीक्षक, गुज-रात राज्य पुलिस को दिनांक 26 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्र से अगले आदेण तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष गृजित स्थाना में प्रतितिमुक्ति पर स्थापनापन्त पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मितम्बर 1983

सं० पी० एक०/एम०-८/73-प्रशासन-5---राष्ट्रवि अपने प्रसाद से श्री शित्र प्रमाद मिश्रा, लोक अभियोजक, केंद्रीय अन्वषण ब्यूरो को दिनांक 9 सिंतम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से दिनांक 31 विसम्बर, 1983 तक या नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, जो भी पहले षटित हो, के लिये तदर्भ आधार पर स्थानावल विरंड लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल, प्रणामनिक अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई विरुपी, दिनांक 29 मिलम्बर 1983

सं० ओ० दो-18 22/83 स्था० - राष्ट्रपित, श्री किंशन लाल, राजस्थान संवर्ग के भारतीय पुलिम सेवा अधिकारी को कोंद्रीय रिजर्व पुलिम बन में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री किशन लाल ने केन्द्रीप रिगर्वपुलिय बल के उप महानिरीक्षक, नीमव के पद का कायभार दिनांक 19-9-83 पूर्वाक्त में मंभाला । मं० ओ० दो०-1823/83-स्था०---राष्ट्रश्ति, श्री पी० एम० यादव, राजस्थान संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधि-कारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उपमहानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री यादव ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, आई० एम० ए० के उपनिदेशक माउंट आबू के पद का कार्यभार दिनांक 17-9-83 (पूर्वाह्म) से संभाता ।

> ऐ० के० सूरी महायक निदेशक (स्थापना

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 सितम्बर 1983

सं० 10/27/80-प्रका०-I—इस कार्यालय की तारी 3 अगस्त, 1982 की समसंख्यक अधिसूचना ! अनुक्रम में राष्ट्रपति नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार इं कार्यालय के उप निदेशक (आंकड़े संसाधन) श्री एन० एन० चसुर्वेदों को उसी कार्यालय में संयुक्त निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर पूर्णत: अस्थाई और तवर्य नियुक्ति की अवधि को तारीख 31 अक्तूबर 1983 तक या जब तक पर नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो विद्यमान शतौ पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/42/80-प्रणा०-1---इम कार्यालय की तारी 6 जून, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र पित गृह मंत्रालय काडर के के० स च० आणु० से० के ग्रे "ए" के अधिकारी श्री प्रेम नारायणी को महाराष्ट्र, बम्बई में जगणना कार्य निदेशक के कार्यानय में तारीख 31 दिमम्ब 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद निर्मा आधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियु पर स्थानांतरण द्वारा तव्यं आधार पर सहायक निदेशक जगणना कार्य के पद पर सहंवं नियुक्त करते हैं।

2. श्री नारायगी का मुख्यालय बम्बई में होगा।

मं० 10/19/82-प्रशा०-[—-राष्ट्रपति, नई विल्ली में भा के महारजिस्ट्रार के कार्यात्रय के अन्वेषक सर्वश्री एम०१ राव और आनन्दकुमार की उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिक के पद पर तदर्य नियुक्ति की अवधि को विद्यमान शर्ती तारीख 29 फरवरी, 1984 तक और सहर्ष बढ़ाते हैं।

2 मर्वेश्री एम० वी० राव और आतन्द कुमार मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

मं० 11/11/82-प्रगा०-1--राष्ट्रपति, उडीमा, भुवने में जनगणना कार्य निदेशांलाय में अन्वेयक श्री एम० व भुषाजी को उसी कार्यालय में तारीखा 15 जून, 1985 पूर्वाह्म से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जका पुर्वाह्म से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जका पुर्व नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि ले हो, पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मुखर्जी का मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा। दिनोकः 1 अक्तूबर 1983

सं० 10/7/83-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के उप निदेशक श्री एन० राम राव को नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में तारी ज 13 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्म से चार वर्ष से अनिधक अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियमित आधार पर सहायक महारजिस्ट्रार (जनगणना और सारणी-करण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री राम राव का मुख्यालय नई दिल्ली मे होगा।
- 3. यह अधिसूचना, इस कार्यालय की तारीख 5-8-83 की समसंख्यांक अधिसूचना क अधिक्रमण में जारी की जाती है।

दिनाक 3 अन्तूबर 1983

सं० 10/17/82-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, डा० एस० राजेंद्रन् को कलकत्ता में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में तारीख 12 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक सीधी भर्ती द्वारा अस्थाई रूप से अनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं 0 10/39/82-प्रणा 1—-राष्ट्रपति, योजना आयोग के अनुसंधान अधिकारी श्री एस० एस० संगल की नई दिल्ली में भारत के महारिजिस्ट्रार के कार्यालय में द्वारीख 23 सितम्बर, 1983 के पूर्वाक्ष से एक वर्ष से अनिधिक अविधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. उनका मुख्यालय नई विल्ली में होगा।
- 3. इस कार्यालय में उनकी प्रतिनियुक्ति वित्त मंत्रालय के यथासंशोधित तारीख 4-5-1961 के का० ज्ञा०सं० एफ० 10(24) ई० III (बी०)/60 में निहित शर्ती के अधीन मानी जाएगी।

पी० पव्मनाभ, भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क
तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण
नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्सूबर 1983

फा० सं० 345(4) सी० शु० उ० शु० स्व० नि० अ० अ०/82--श्री एस० पी० वाहरी, सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद मुस्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपीन अधिकरण के महायक पंजी-कार, जो कि पहुले निरीक्षण एवं लेखा मरीक्षा निदेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, सेवा निवृति की अवधि में पहुंच कर 30 सितम्बर 1983 अपराहन को सेवा निवृत हुए ।

> फौजा सिंह गिल, अध्यक्ष

(आर्थिक कार्य विभाग) भारत प्रतिभूति मुद्रणानय नासिक रोड, विनांक 26 सितम्बर 1983

सं० 35/क—अधिसूचना संख्या 60/क, दिनांक 25-6-83 के कम में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिकरोड, के श्री एम० एस० पण्डे, उप नियंत्रण अधिकारी और श्री के० के० पाठक, उप नियंत्रण अधिकारी की तदर्थ आधार पर नियुक्तियों को तीन माह के लिए या उक्त पद नियमित आधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो कमशः विनांक 20-7-83 और 11-7-83 से 19-10-83 और 10-10-83 तक बढ़ाया जाता है।

सं० 36/क—-निम्न हस्नाक्षरी एतद् द्वारा श्री एन० एन० मरदेसाई, मुख्य लेखापाल, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक-रोड स्थानापन्न रूप में प्रयम दौर में लेखा अधिकारी-II, के पद पर छ: माह की अवधि के लिए 22-8-1983 के पूर्वीहन से 21-2-1984 तक नियुक्त करते हैं।

(ह०) भ्रपठनीय महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई विल्ली-110002, दिनांक 28 सितम्बर 1983

सं० 2907 वा० ले० प० 1/129-69—सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री एम० एन० राये लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर वितांक 31-8-1983 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गये हैं।

> एम० ए० सोमेश्वर राव संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 अन्तूबर 1983 मं० प्रशा०1/का० आ० संख्या 300--श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 26-9-1983 पूर्वाहन से अगले आदेश सक 8 40-1200 रू० के वेतनकम में स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—-

करुसं० और नाम

- 1. श्री' बलबीर प्रसाद मालविय
- 2. श्री ध्याम नाथ दवे
- 3. श्री शिखर चन्द जैन

र्पूप्र० त्निपाठी, संयुक्त निदेशक ले०प० (प्रशा०)

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम विभाग)

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केंद्र महानिदेशालय बम्बई-400022, दिनांक 27 सितम्बर 1983

सं० 15/9/83-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना मलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, श्री आधुर वैंकटरामन वेंकटनारायणन् को कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केंद्र महानिदेशालय मे 19-9-1983 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश आने तक सहायक निदेशक (औद्योगिक स्वास्थ्य विज्ञान) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० एस० रामस्वामी महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन

गांधी धाम (कच्छ), दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० मु० क्षे० |प्रणा० | 7 | 2 | 78 | 15088 — विकास आयुक्त, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ), सीमा णुल्क समिकता, कोचीन के निवारक अधिकारी, श्री पी० एम० मोहिउद्दीन, मूल्य आंकने वाला, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ), जिसका वर्तमान पगार 650 · 30 – 740 - 35 – 810 - ई० बी० – 35 – 880 - 40 · 1000 ई० बी० – 40 - 1200 है। प्रति माह सामान्य शर्तों पर विस्त मंत्रालय के कार्यालय आवेश सं० एक 10(24) ई० III | 80 दिनांक 4-5-1961 के आधार पर जैसा कि समय-समय पर परिवर्तन हुआ है दिनांक 12-9-1983 को पूर्वाह्म से एक वर्ष के लिए नियुक्त करने है।

अशोक भाटिया विकास आयुक्त काडला मुक्त व्यापार क्षेत्र उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 सिनम्बर 1983

सं० ए० 19018/(162)/75-प्रणा० (राज०)खंड-2--राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यात्रम, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (औ० प्र० प्र०) श्री महेंद्र कुमार को इसी कार्यात्रय में दिनांक 30-8-83 (पूर्वाङ्क्ष) से, अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक ग्रेड-1 (ओ० प्र० प्र०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (693)/8 3-प्रणा० (राज०) -- विकास आयुक्त, डाक एवं तार महानिदेणालय, नई दिल्ली के कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) श्री ए.स० आर० सक्सेना को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 2 अगस्त 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक सहायक निदेशक ग्रेड-2 (सिविल इंजीनियरिंग) के रूप में नियुक्त करते हैं। सीं० सीं० राय उप निदेशक (प्रणा०)

> पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रगासन अनुसाग - ·6)

नई दिल्ली, दिनाक 26 सितम्बर 1983

सं० ए०-32013/4/79 प्र-6 (भाग-11) - -राष्ट्रपति, श्री ए० टी० बसाक, उपनिदेशक निरीक्षण (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" के ग्रेड II (वस्त्र शाखा) को दिनाक 22 अगस्त 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक 1500-60-1800 100-2000 एपये के वेतनमान में भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" के ग्रेड I, निरीक्ष निरीक्षण के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ए० टी० बनाक की मारतीय निराक्षण सेवा समूह "ए" के ग्रेड-I के निरोक्षण निदेशक के रूप में नियुक्ति विल्ली उच्च न्यायालय में लंबित सिवित्र रिट यतीचका सं० 1457/81, 1973/81 तथा 1590/81 के अतर्गत 3 एल० पी॰ ए० सं० 67/83, 68/83 तथा 69/83 के निर्णय के अधीन होगी।

दिनांक 20 ग्रगस्त, 1983 के आराह्म को था ए० टी० बसाक, ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरों निरीक्षण मंडत, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार 20 अगस्त, 1983 के अपराह्म को छोड़ दिया तथा दिनांक 22 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म को निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता, का कार्यभार संभाल लिया है।

> एस० एत० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 27 सितम्बर 1983

सं० ए०-19012(183)/83-स्था० ए०--विभागीय पदोभ्रति समिति की सिफारिश पर श्री कृष्ण कुमार, स्थायी वरिष्ठ
तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न
रूप में खनिज अधिकारी (आसूचना) के पद पर दिनांक 29 अगस्त,
1983 के अपराह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 28 सितम्बर 1983

सं० ए०—19012(62)/77-स्था० ए०—श्री कें सी० सेन गुप्ता, स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में प्रशासन अधिकारी के पव पर तदर्थ आधार पर, 6 माह की अविध के लिए दिनांक 30 अप्रैल, 1983 (अपराह्म) से नियुक्त किया गया है।

दिनांक 1 अक्तूबर 1983

सं० ए०-19012(164)/82-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर श्री आर० ए० मेंघानी, सहायक भण्डार अधिकारी (तदर्थ) को इस विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी (तर्य) को एत विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी, ग्रुप "वी", के पद पर, 18 जुनाई, 1983 (पूर्वाह्म) में नियमित रूप में पदोन्नित प्रदान की गई है।

सं० ए०-19011(218)/77-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री बी० के० जैन, रसायनिवद् को भारतीय खान ब्यूरो में वरिष्ठ रसायनिवद् के पद पर स्थानापन्न रूप में विनांक 5 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्रदान करते हैं।

मं० ए०-19011(318)/83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री बी० एस० कडूस तर, सहायक खनन भूविजानी, को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 4 जून, 1983 के पूर्वाह्म से महय नियुक्त करते हैं।

सं० ए०--19011 (329) / 83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, मंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री मोहन राम, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 5 अगस्त, 1983 के पूर्वा ह्न से स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011(330)/83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री कें बी० देशमुख, सहायक अयस्क प्रमाधन अधिकारी, को भारतीय खान ब्यूरो में उप-अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 5 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011(331)/83 स्था० ए०--राष्ट्रपति, सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री जे० सी० अग्रवाल, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी, को भारतीय खान ब्यूरो मे उप-अवस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 5 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्य स्थान।पन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान न्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1983

सं० ए०-19012(175)/83-स्या० ए०--श्री पी० पी० पुरोहित, स्यायी अशीत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक प्रमासन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर 6 माह की अवधि के लिए दिनांक 9 जून, 1983(अयराह्म) में नियुक्त किया गया है।

> आशाराम कश्यव वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनाक 28 सितम्बर 1983

मं० सी -6002/707--नीवे लिखे अधिकारी भारतीय मर्वेक्षण विभाग में अधिकारी मर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से पूर्णतया तदर्य अनन्तिम आधार पर स्थानापक्ष रूप में नियुक्त किए जाते हैं:--

——— कमाक	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्या नय	तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
	ो वी० शिवानन्दन, र्वे अक्षिस्टेंट, सिले० इ	सं० 59 पार्टी (दक्षिणी मध्य सकिल), हैदराबाद।	13-6-83 (पूर्वाह्म)
	। भगात सिंह रावत, र्वेक्षक, सिले०ग्रेड	सं० 49 पार्टी (दक्षिणी मध्य सर्किल), हैदराबाद ।	29-6-83 (पूर्वाह्म)
	। बिम <i>ेश्य</i> कुमार, र्वेक्षक, सिले० ग्रेड	सं० 16 पार्टी (सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान), हैवराबाद ।	29-6-83 (पूर्वाह्न)
	' हीरालाल मलिक, र्वेक्षक, सि० ग्रेड	सं० 15 पार्टी (सर्वेक्षण प्रशिक्षण मंस्थान), हैदराबाद ।	23-7-83 (पूर्वाह्म)
	। एस० एन० मित्रा, र्वेक्षक, सिले० ग्रेड	पूर्वी सर्किल कार्यालय, कलकत्ता ।	18-7-83 (पूर्वाह्म)

(1)	(2)	(3)	(4)
	एस० बिष्ट, सिले० ग्रेड	सं० 92 पार्टी (दक्षिण पूर्वी सकिल), वाराणसी ।	29-6-83 (पूर्वाह्म)
7. श्री राम सर्वेक्षक,	जी लाल, सिले० ग्रेड	सं० 61 पार्टी, (मध्य सकिल), जबलपुर ।	8-8-83 (पूर्वाह्म)
८. श्री हुन्य सर्वे क्ष क,	लाल, सिले० ग्रेड	सं० ৪ 5 पार्टी (दक्षिणी मध्य सक्तिल), नागपुर ।	30-6-83 (पूर्वाह्म)

जी॰ सी॰ अग्रवाल भेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय प्रकाशन विभाग

नई विल्ली, विनांक 9 मितम्बर 1983

सं० ए० 12025/5/82-प्रणासन-I—निवेशक, प्रकाणन विभाग, इस विभाग के नी वे दिए गए अधिकारियों को इस विभाग में सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर उत्तके सम्मुख वर्गायी गई नारीबों से आगामी आदेगों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—-

ऋ० संख	नःम व फ्दनःम या	त(रीव
1.	श्री एडवर्ड वैक, स्थायी तक्तीकी सहायक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (उत्पादन) श्री जी० भ्याम नाध, स्थायिवत् विक्रय-सहायक तथा स्थानापन्न	8-8-83 (पूर्वाह्न) 8-8-83 (पूर्वाह्म)
3.	व्यापार कार्यकारी । श्रीमती शकुन्तना, स्थायी तकनीकी सहायक तथा स्थानापन्न सहायक व्यापार व्यवस्थापक	2-8-83 (पूर्वाह्म)

मार्क्स एन० इलाएस उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, विनांक 26 सितम्बर 1983

सं० ए० 12025/18/80-एन०आई०सी.०डी०/प्रशा० 1/ पी०एच०(सी०डी० एंड एल०) भाग-2/पी.० एच०--राष्ट्रपति, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में श्री शिव कुमार, उप-महायक- निदेशक (कीट-विज्ञान) को 16 अगस्त, 1983 (अपराह्म) से उनके मूल कार्यालय राजस्थान सरकार, चिकित्सा और जन स्था-स्थ्य विभाग, जयपुर में वनस्पति-विज्ञानी के पद पर प्रत्यावर्तित करते हैं।

के० चन्द्रमौली अवर सचिव

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1983

मं० ए० 12024/6-82-प्रशासन-I--राष्ट्रपति ने डा० डी० आर० चावता (भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-4 के अधिकारी) को इस निदेशालय में 23 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से अस्थायी आधार पर तथा आगामी आदेशों तक सांख्यिकी विद् के पद पर निमुक्त कर विया है।

> रमेश चन्द्र उप निदेशक प्रशासन (ई० एण्ड जी०)

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितस्प्रर 1983

सं० ए० 19019/18/79-प्रशासन-1 (भाग) पी०एच० (सी०डी०एज०)--भेत्रा नितृत्ति की आयु को प्राप्त कर छेने पर डा० बी० एन० वत्तन, उपनिदेशक (एटमोलाजी), राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान 30 जुलाई, 1983 (अपराह्म) (31 जुलाई, 1983 को रिनेवार है) से सरकारी सेत्रा सेंदिटायर हो गए।

ितांक 1 अस्तूबर 1983

सं० 6-9/70 -प्रशासन -1/ई०पी०आई० --सेशा-निवृत्ति की आयु को प्राप्त कर छेने पर श्री एक० सी० मेहर, महायक विद्युत अभियंता, केन्द्रीय अनुसंज्ञान संस्थान, कसीती, 30 नशम्बर, 1982 (अपराक्ष) से सरकारी सेश से रिटायर हो गए।

सं० ए० 31013/3/82(तो०अार०आई०) प्रशासन-I/ ई०पी०आई०--राष्ट्रपति जी ने डा० भूप मिह को, केन्द्रीय अनु-संधान संस्थान, कसौली में पशु-चिकित्सा अधिकारी के पद पर, 2 जुन, 1980 से स्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

> बी० के० जाना उप निदेशक (प्रशासन)

(स्टोर-I अनुभाग) नई विस्ली, विनांक 1983

सं० ए० 1901.2/10/80-स्टोर-I--श्री सी० डी० गणपथी के हैवी व्हीकल फैक्टरी, आवड़ी, मद्दास में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी के पद पर चयन हो जाने के फत्रस्वरूप उन्होंने 23 अगस्त, 1983 (अपराह्म)को सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मद्रास के श्रम कल्याण अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मं० ए० 19012/6/8 1-स्टोर-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदे-शालय ने श्री एस० वी० नेबर को 19 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आवेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपो, बम्बई में सहायक डिपो मैनेजर के पर पर नियुक्त किया है।

> आर० सी० गुलाटी उप सहायक नि≩ेणक (स्टोर)

नई दिन्ती, दिना रू 4 अस्तूबर 1983

सं० ए० 19018/2/80-के०स०स्वा०यो०- —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० कुमारी प्रमिला श्रीकास्तव को 29 अगस्त, 1983 (पूर्वाह्म) मे केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, सखनऊ में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर नदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई उप निवेशक (प्रशासन) (के०स०स्वा०पो०-2)

नई दिल्ली दिनांक 3 अक्तूबर 1983

सं० ए० 32014/6/81-(जे॰ प्राई॰ पी॰) प्रशासन-ए/ (एफ० एण्ड एस०)- न्यास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आर० चन्द्रशखरन को 21 जुनाई 1983(पूर्वाह्म)ने आगामी आदेशों तक जवाहर नान स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिवेरी में वरिष्ठ वैज्ञानिक अजिकारी के पर पर नदर्व आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/1/82-(जिप०)/प्रशासन- - एम॰ (एफ० एण्ड एस०)---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस० आर० एस० आयंगर को, जवाहरनाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी में लेखा अधिकारी के पर्द पर 12 अगस्त, 1983 (पूर्वाक्ष) से आगमी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरणं के आधार पर नियुक्त कर दिया है।

पौ० एन० ठाकुर उप निदेश ह (प्रशासन)

कृषि मंत्रालय (कृषि व सहकारिता विभाग) विस्तार निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1983

मि० सं० 2 - 4/83 - एया० (I) -- विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप- "बी") की सिकारिश पर श्री आर० के० गौरी, स्थागी पुस्त काध्यक्ष, को विस्तार निवेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि व सहकारिता विभाग) में वितरण अधिकारी के पद पर कार्ये 650 - 30 - 740 - 35 - 810 - द० रो० - 35 - 880 - 40 - 1000 - द० रो० - 40 - 1200 के वेतनमान में अस्थायी तौर पर 2 सितम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से अग्रे आदेश तक पदीक्षत किया गया है।

वितांक 12 सितमंबर 1983

मि० सं० 2-1/79 स्था० (1) -- विस्तार निदेशालय की विभागीय पदीन्नित समिति (ग्रुप बी) की विकारिंग पर श्री औ० पो० गुप्त, स्थायी उनमंम्नादक (हिन्दी) की विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) में महायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 रा० रो० - 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमात में अस्थायी तौर पर 31-8-1983 के पूर्विह्न । श्राने आदेश तक पदोक्षत किया गया है।

आर० जी० वनर्जी निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय महस्यंकी तडवर्गो इंजीनियरी संस्थान बैगलूर-560052,दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० ए० 19 (15) 1/83/एफ० एच०—श्री एच० एल० वर्मा, स्थायी असिस्टेन्ट एवं अस्थायी अधिक्षक, केन्द्रीय भूमि जल परिवद को इस कार्यालय के नियुक्ति ज्ञापन कमांक ए/12(25)/82-एफ० एच० (भाग) दिनाक 14-6-83 के अन्धांस निर्वारित नियुक्ति गर्न के अनुसार 24-9-83 (पूर्वाह्न) क० 740/-वेसन (650-960) लोक सेवा संघ आयोग की सिकारिण से आगामी आदेश तक केन्द्रीय मत्स्यकी तटवर्ती इंजीनियरी संस्थान में अस्थायी तौर पर प्रणासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति किया जाता है।

न०प०भक्ता नि**देग**क

परमागुं क**र्जा** विभाग नंदौरां परमागु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर 202389, दिनाक 30 सितम्बर 1983 स० न० प० वि० प०/प्रशाः०/1(252)/83-एस०/10481

—इस परियोजना के सुरक्षा अधिकारी, श्री जी॰ डी॰ मूर्यी ने उनका स्थानाश्तरण वारापुर परमाणु विद्युत केन्द्र, तारापुर को होने पर, अपने पद का कार्यमार दिनाक 22 सितम्बर, 1983 के अपराह्न से छीड़ दिया।

अंतर० के० बाली प्रणासन अधिकारी-HI

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500 762, दिनांक 9 सितम्बर 1983 आदेश

सं० ना० ई० स०/का० प्र०5/2606/3474/1147-जब कि नाभिकीय देंधन सम्मिश्र के सुरक्षा अनुभाग से संबद्ध चौकीदार श्री टी० चह्नाग, दिनांक 10-7-82 से अवकाश की बिना पूर्व सूचना/अनुमोदन के अप्राधिकृतः कार्य से अनुपस्थित रह रहे हैं। और जब कि उक्त श्री चह्नाण की दिनांक 7-8-82 को एक तार प्रेषित करके उन्हें तत्काल कार्य पर आने के लिए निर्देशित किया गया;

और जब कि उक्त श्री चह्नाण कार्य पर नहीं आए;

और जब कि उन्हें दिनांक 21-8-1982 को एक और तार प्रेषित करके तत्काल कार्य पर आने के लिए निर्देशित किया गया;

और जब कि सार की डाक प्रक्षिः सं० ना० ई० स०/ का० प्र० 7/3474/सु/1649, दिनांक 21-8-82 को उनके निवास सं० 1039, खलासी गुड़ा, बोलारम, मेडचल, जनपद रंग रेड्डि-500 010 के स्थानीय निवासीय पते पर भी पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित की गई;

और जब कि सार की डाक प्रति की डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए ही इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, "प्रेषिती चला गया है, प्रेषक को लौटाया जाता है";

और जब कि उक्स श्री चहाण कार्य में निरंतर अनुपस्थित रहें तथा इस प्रकार केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3(i),(ii) एवं (iii) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया;

और जब कि उक्त श्री चल्लाण को ज्ञापन सं० ना० ई० स॰/ का प्र० 5/2606/3474/1706, दिनांक 14-10-82 के द्वारा आरोप की सथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दो गई;

और जब कि उन्स श्री चह्नाण को विनांक 14-10-82 का अरोप पत्न दिनांक 18-10-82 को प्राप्त हुआ किन्तु उन्होंने अपने बचाव के लिए कोई लिखित वक्तव्य नहीं प्रस्तुत किया;

और जब कि यह आवश्यक समझा गया कि आरोप की जांच करवाई जाए सथा तदमुसार आदेश सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/3474/1837, दिनांक 9-11-82 के द्वारा एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया ;

और जब कि जांच अधिकारी ने अपनी दिनांक 9-6-83 की रपट प्रस्तुत की जिसमें लिखा कि श्री जह्वाण ने जांच में भाग नहीं लिया तथा अभियुक्त सरकारी कर्मचारी की उपस्थिति सुनिष्टिनत करना व्यावहारिक रूप से असंभव था तथा इस कारण से एक पक्षीय जांच की गई तथा अरोप सिद्ध हो गया;

और जब कि दिनांक 9-6-83 की जांच रपट (प्रति संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का सावधानीपूर्वक मनन करने के उपरांत अधोहस्ताक्षरी आरोप को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निश्चय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री चल्लाण सेवा में रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं सथा उन पर निष्कासन का दंड ग्रिधरोपित किया जाए ; अक्षः अब, केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गिकरण, नियंत्रण, अपील) नियम के नियम 12 के उपनियम (2) के अनुच्छेद (ख) को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशाल II, दिनांक 7-7-79 के साथ मंयोजित कर उनमें प्रयत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री चह्नाण को सेवा से सहकाल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

अ० व० खान प्रशासनिक अधिकारी

श्रनुलम्नक: एक श्री टी चट्हाण निवास सं० 1039 खालासीगुड़ा, बोलारम, मेडचल, जनपद: रंग रेड्डी, 500 010,

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-16, दिनांक 23 अप्रैल 1983

सं० प० ख०प्र०-16/3/82-भर्ती—इस कार्यालय के विनांक 13 जनवरी, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के कम में परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखापाल, श्री राम नाथ की उसी प्रभाग में 27-12-82 से लेकर 27-1-83 तक की अविध के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को एतद्वारा रह किया जाता है।

डी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-24, दिनांक 19 सितम्बर, 1983

सं० 608/191/83-प्रणासन—निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान माला, खडकवासला, पुणे-24 एतद्द्वारा सौ० रो० वि० कारखानीस, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान माला, की हिन्दी अधिकारी के पद पर एक साल के लिए जिसको तीन सालों तक बढ़ाया जा सकता है, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानमाला में वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर 17 अगस्त, 1983 के पूर्वाह्म में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं। उनके प्रति नियुक्ति की मतें विस मंत्रालय के दिनांक 4-5-1961 के का० ज्ञा० संख्या 10/24/ई-III/60 उसमें समय-समय पर किए गए सुधार के अनुसार नियत होगी।

2. कार्यालय ज्ञापन संख्या एक०-1 (11) स्थापना-III (ख)/75 दिनांक 7-11-75 के पैरा 4.4 के नियमों के अनुसार वेतनमान ६० 650-1200 पर सौ० रो० वि० कारखानीस, हिन्दी अधिकारी का दिनांक 17-3-83 के पूर्वाह्न से मूल वेतन ६० 650/- प्रतिमाह उन्होंने दिनांक

5 सितम्बर 1983 को दिए विकल्प के अनुसार जो दिनांक 19 मार्च 1983 का हिन्दी अधिकारी के ग्रेड वेसन के लिए दिए विकल्प के साथ पढ़कर नियस किया गया है।

भा० ग० पटवर्धन प्रशासन अधिकारी कृते निदेशक

पर्यटन एवं नागर विमानन मंद्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 सितम्बर, 1983 सं०ई०(1)00770—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, खेद सिहित श्री कि० डी० धर्मन, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "क" के एक अधिकारी की दिनांक 2 सितम्बर 1983 को हुई मृत्यु की अधिसूचना जारी करते हैं। श्री बर्मन मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के पद पर प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता में तैनात थे।

के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी (स्थापना) कते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 26 सिप्तम्बर 1983

सं० ए० 35018/4/83-ई० ए० — क्षेत्रीय निवेशक, विस्ती के कार्यालय के श्री बी० पी० जायसवाल, उपनिवेशक मूल नियम 56(के), उपबन्धों के अधीन दिनांक 31-8-1983 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

ओ० पी० जैन सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिवेशक नागर विमामन

नई विल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1983

सं० ए० 38013/1/83-ई० ए०--क्षेतीय निदेशक कलकत्ता के कार्यालय के श्री बी० के० कार, विमान क्षेत्र अधि-कारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-7-83 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> ओम प्रकाश जैन सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० ए० 32013/1/83-ई०-ा—राष्ट्रपति ने श्री बी० के० कालड़ा, नियंत्रक संचार, बम्बई को दिनांक, 26-9-1983 से और अन्य आदेश होने तक मुख्यालय में निदेशक प्रशिक्षण और अनुजापन के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है। 2—296GI/83

दिनांक 30 सितम्बर 1983

सं० ए० 19011/48/80-ई०-I-श्री बी० बी० बग्गा, उपनिदेशक, विमान मार्ग और विमानक्षेत्र दिनांक 30 सितम्बर, 1983 अपराह्न से केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए के अन्तर्गत स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

भ्रो० पी० भ्रमवास, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादम मूल्क एवं सीमा मुल्क समाहर्तीलय गुन्टूर, दिनांक 26 अप्रैल 1983 (स्थापना)

सं० 1/8 उस्थापना—निम्नलिखित ग्रुप "ख" (राजपितत) अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तिथियों को, वार्धक्य के कारण सेवा नियुत्त हुए:—

ऋम सं०	अधिकारी का नाम व पदनाम	स्थान, जहां से सेव हुए	ानिवृत्त सेवानिवृत्ति कीतारीख
			(अपराह्म में)
1	2	3	4

1 2 3 4 सर्वश्री

सी० एस० क्रंडणम्ति, मुख्य कार्यालय, 31-8-1982
 अधीक्षक, केन्द्रीय गुन्टूर
 उत्पादन गुल्क।

जो० श्री निवास राव, ए०पी०पी० मिल्स रेंज, 30-9-198 2
 अधीक्षक, केन्द्रीय राजामुंदरी ।
 उत्पादन ग्रुल्क ।

3. वाई० सुंदर राव, मुख्य कार्यालय, गुन्दूर 31-12-1982 सहायक मुख्य लेखा अधिकारी।

4. एस०के०कनकचरयूलू, मंडलीय कार्यालय, एलूरा 31-3-1983 अधीक्षक, के० उ० गुरुक ।

5 ष० मृतुंदन, मंडल कार्यालय, गृन्टूर 31-3-1983 अधीक्षक, फे० उ० गु० । (पदोन्नति) ।

सं० 2/83—केन्द्रीय जत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुन्दूर व हैदराबाद के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों ने (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) जो कि कमशः प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी/लेखा परीक्षक, ग्रुप "ख" (राजपित्त) के संवर्ग में नियुक्त हुए थे, अपने-अपने नाम के सामने दर्शाई गई तिथियों को कार्यभार ग्रहण किया:

कम सं०	अधिकारो का नाम तथा पदनाम	तैनाती का स्थान	कार्ये भार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	र्वश्री श्री विण्वेण्यर राव, लेखा परीक्षक	मुख्य कार्यालय, गुन्दूर	4-10-1982 (पूर्वाह्न)

		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·					
1	2	3	4	1	2	3	4
2. 8	प्रार ० वी ० कृष्णराय,	ययोपरि	10-2-1983	12.		आटोनगर रेज,	15-2-83
	हायक मुख्य लेखा ।धिकारी ।		(पूर्वाह्न)		अधीक्षक, के० उ० मुल्क।	विशाखापट्टनम,प्रभाग- I	(अपराह्न)
;	सं० 3/8 3 -स्था० − ी	न्त्रीय उत्पावन गुरू	समाहर्तालय,			मुख्य कार्यालय, गुन्दुर	14-2-83
गुन्दुर	; के स्था यी वरि	्ष्ठ ग्रेड के निरीक्ष जिधीक्षक ग्रुप ''ख''	कों ने जोकि		अधीक्षक, के० उ० मुल्क।		(अपराह्म)
पद दर्शाप	के लिए नियुक्त कि ई गई तारीखों को	ए गए हैं, प्रत्येक के उक्त पद का कार्यभा	नाम के सामने र ग्रहण कियाः		बी० बैं कुराजू, अधीक्षक, के० उ० शुल्क।	मुख्य कार्यालय, गुन्टुर	1 4-2-83 (अपराह्म)
क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तैनाती का स्थान	कार्यभार ग्रहण करने को तारीख		बी० वेंकटरमद्दया,	म्रौद्योगिक एस्टेट रेंज त विशाखापट्टनम,प्रभाग-1	16-2-83
1	2	3	4	16.	.बी० नागराजू,	मुख्य कार्यालय, गुन्टूर	14-2-83
	सर्वश्री				अधीक्षक, के० उ०	- • •	(अपराह्न)
1.	एम० ए० कुरुदश	विशाखापट्टनम-IV रे	ज 1 6 -9-82		मुल्क ।	,	
	मधीक्षक, के० उ०			17.	के० एस० सुंदर राव	·	14-2-83
	शुस्क।	•			अधीक्षक, के० उ०	राजमुन्दरी	(अपराह्न)
2.	बी० वीरमद्रीया	मुख्य कार्यालय, गुन्टुर	4-10-82		शुल्क। सम्बद्धाः	familianisas and an	11000
	अधीक्षक, के० उ०			18.	एम० सूर्यनारायण चारी, अधीक्षक, के०	विशाखापट्टनम कार्यालय, - प्रभाग-II	14-2-83 (ਆਪਤਾਕਾ)
9	म्हरूकः। पी० कृष्णमूर्तिः	उपसमाहर्ता का कार्याल	°0 14-19-00		उ० मुल्क ।	4414.77	(अपराह्म)
	पाण्कुणम्।त अधीक्षक, के० उ०	उपसमाहता का कायाल विशाखापट्टनम् ।	7, 14-14-8 Z	10	डी० नागेश्वरराव,	मुख्य कार्यालय, गुन्टुर	16-2-83
	श् _र हका।	(Aviolitzan)		10.	अधीक्षक, के० उ०	नुष्य कायाराय, गुन्दुर	10-2-63
4.	~	म् खप कार्यालय, गुन्दुर	17-12-82		मुल्कः।		
	राव, अधीक्षक, के०	J	_	20.	-	सी० शु० ककींडा (बाह्य)	14-2-83
	उ० मुल्क।				अधीक्षक, के० उ०	ककींडा	(अपराह्म)
5.	जी० वी० रामताथन		14-2-83		शुल्कः।		
	अबीक्षक, के० उ०	विखापट्टनम प्रभाग-I	(अपराह्न)	21.	बी० वी० कृष्णराव	हिंदुस्तान पांलीमर रेंज	14-2-83
	गुल्क ।				अधीक्षक, के० उ०	प्रभाग-II	(अपराह्म)
6.	ए० वेंकटरायसरमा	मुख्यालय, गुन्दुर	,,		शुल्क ।		
	अध∵क्षक, के० उ०			22.	आई० आर० के०	मंडलीय कार्यालय	15-2-83
	माुल्कः।				आचारयूलू, अधीक्षक	्र विशाखापट्टनम ।	(अपराह्न)
7.		व मुख्यालय, गुन्दुर 🣑	,,		के० उ० शुल्काः		
	अधीक्षक, के० उ०			23	-	ट्रेन क्लांकिंग पार्टी विजय-	14-2-83
_	णुल्क। परिवसीक सम्बद्धाः	- 1			अधीक्षक, के० उ०	वाड़ा मंडलीय कार्यालय	(अपराह्न)
8.	. पा० वा० राघव राः ग्रावीक्षक, के० उ०	व मंडलीय कार्यालय,	एलूरा ,,		मुल्क।	^	
	अञ्चलका, कुठ उठ सुरुका।		•	24	. वाई० लक्ष्मीयाह	मु ख् य कार्यालय, गुन्दुर	14-2-83
Ω	-गुल्यः । . एम० रुद्रनारायण	गरीयती रेंच चिकाला	TFTT 18 0 0 0		अधीक्षक, के० उ०		(अपराह्म)
9	. एम० रुद्रनारायण अधीक्षक, के० उ०	गरीवदी रेंज विशाखाः प्रमाग-II ।	নহুশ+ 1 <i>5</i> −2−83 ্র	_	शुल्क। —— — ो	A A A	
	म् मुल्क I	4411-71	ı	25	. एस० ए० के० - ीः	टी०सी०पी० वाल्टेयर विकासकारकारण प्राप्ता	15-2-83
1.0	•	ए० सी० सी ० फैक्टरी	14-2-83		जीलानी । अधीक्षक, के० उ०	विभाखापट्टनम-प्रभाग-I	
. 0	अधीक्षक, के० उ०	रेंज विशाखापट्टनम	। 14-2-83 (अपराह्म)		अधाक्षक, क० उ० शुल्क।		
	मृत्क।	प्रभाग-II	(81718)	0.0		न नवागव कॉंग्वेरिक	14000
11	. च०मुकुंदुन,	मंडलीय कार्यालय, गु	∎ स्टर 1 <i>4-9</i> -93	26	. वाइ०वकटश्वर रा अधीक्षक, के० उ०	व हनुमान कॉपरेटिव (सगर) चीनी रेंज सीरी	14-2-83 (अपराब्द)
	भधीक्षक, के० उ०	The contraction of	•				(21/18/
	मुल्क।		(· · · · (d)		g		
	भधीक्षक, के० उ०	नञ्जाय कावालय, गु	न्दुर 14-2-83 (अपराह्न)	e** —	अधाक्षक, क० उ० शुल्क।	(सूगर) चीनी रेंज सीरी नरसन्नापालम वी० डी० ए० प्रभाग।	(अपराह्न

	2		
1	2	33	
27.	एन० कोटेश्वर राव	मुख्य कार्यालय गुन्दुर	14-2-83
;	अघीक्षक, के० उ०		(अपराह्न)
1	शुल्क ।		
28.	एस० ए० सलीम,	हिन्दुस्तान जिंक रेंज	14-2-83
8	अधीक्षक, के० उ०	विशाखापट्टनम	(अपराह्म)
ī	गुल्क ।	प्रभाग- ${f I}$ ।	
29.	वी० जे० बी० वेंकट	- मुख्यालय, गुन्टुर	14-2-83
₹	तव, अधीक्षक,के०		(अपराह्न)
7	उ० गुल्क ।		
30.	वाई० सूर्यनारायण	मुख्यालय गुन्दुर	14-2-83
7	र्ति, अधीक्षक,के०	•	(अपराह्न)
₹	४० मुल्का		
31. 8	के ० वी० चेलाप ति	मंडलीय कार्यालय, एलूरा	14-2-83
र	ाव, अधीक्षक,के०		(अपराह्म)
9	० मुल्क।		, , , , , , ,
32. 5	व० कमेराजू,	मंडलीय कार्यालय,	15-2-83
	घी क्षक, के० उ०	विशाखापट्टनम-I	
Ę	गुल्क।	_	
33. Q	- एम० मृतुजा	मुख्य कार्यालय, गुन्दुर	2-4-83
ં અ	धीक्षक, के० उ०		
स्	रूका		
	·		

डी० कृष्णमूर्ति समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 19 अगस्त, 1983

सं० 18/1983—--श्री एन० बी० चौकसी, वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग $\frac{1}{2}$ 'क') मण्डल- I^I , अहमद ब.द, वृद्धावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1983 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 19/1983---श्री आर० सी० भीमनायवाला, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-I, बडौदा, वृद्धा-बस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1983 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

> एन० बी० सोत,वणे समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ोदा ।

बडोक्रा, दिनांक 22 सितम्बर 1983

सं० 20/1983—श्री बी० डी० बुलचंदानी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क (वर्ग "क") मण्डल-II, अहमदाबाद, वृद्धावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1983 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

> एन० बी० सोनावणे समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क व सीमा शुल्क बड़ौदरा ।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिपको प्राइवेट लिमिटेड के थिषय में

कोचिन, दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं 0 265/लिक्यि 0 / 560 (5) / 83 -- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना वी जाती है कि सिपको प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोस्टक ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 सितम्बर, 1983

सं० 1872/लिक्बिंग/560(5)/83--कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना बी जाती है कि कोस्टक ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और इडायार कैंग्सि हरून एण्ड ओ जि इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के वित्रय में।

कोबीन, दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० 2224/लिक्बिंग | 560 (5) | 83 -- कम्पनी अधिनियम, -- 1956 की घारा 560 की उपवारा (5) के अनुनरण में एतव्दारा सूचना दी जाती है कि इडायार कैमि हल्स एण्ड ओयल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उनन कम्पनी विवटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हि.खाकरा केमिक व इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 26 सितम्बर 1933

सं० 2505/लिक्बिंग (500(5)/83 - कमाना अधिताम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि विखा करा केमिक व इन्डस्ट्रीज प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है। कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरगस इलैक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, विनांक 26 सितम्बर 1983

सं० 2634/लिक्बि०/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपबारा (5) के अनुसरण में एतप्तारा सूचना दी जाती है कि आरगस इलैक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रासालाम इन्डस्ट्रियल फैक्रिकेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचींन, दिनांक 26 सितम्बर 1983

सं० 2818/लिक्वि०/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि रामालाम इंडस्ट्रियल फैब्रिकेटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जियोरो एक्पपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट बिजिनेस इंटरप्राईसल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कोचीन, दिनाक 29 सितम्बर 1983

ं सं 2965/जिन्विन /560(3)/83-- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपबारा (3) के अनुपरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जियोरो एक्सपोर्ट एण्ड इस्पोर्ट विजिनेस एन्टरआईनस प्राईवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल ।

कम्पंनी अधिनियम, 1956 और मेटालिक ट्रेडर्स एण्ड इंडस्ट्रीज प्राईवेट निमिटेंड के विषय में । पटना-800001, दिनांक 30 सितम्बर 1983

सं० (1106)-560/पीएस/4154—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना वी जाती है कि मेटालिक ट्रेडर्स एण्ड इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अपना क्रेडिट एण्ड इन्बेस्टमेंट प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 30 सितम्बर 1983

सं० (1045) 560/पीएस/4155-- तम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा भूचना दी जाती है कि अपना क्रेडिट एण्ड इनवैस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अनामीसरण इंजीनियर्स प्राईवेट लिनिटेड के विषय में। पटना-800001, विनाक 30 सितम्बर 1983

सं० (807) 560/पीएस/4156—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि अनामी सरण इंजीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एक्सप्रेस स्वीच नीयर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। पटना-800001, दिनांक 30 सितम्बर 1983

सं० (742) 560/4157--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुमरण में एतक्षारा सूचना दी जातो है कि एक्पप्रैंग स्वोच गीयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्यानियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर ट्रीहुत पलाइंग एंड लाइडिंग क्लब लिमिटेड के विषय में। पटना—800001, दिनाक 30 सितम्बर 1983

सं० (790) 560/4158——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि ट्रीहुत पलाइंग एण्ड लाइडिंग क्लब लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर प्रोमीनेंट एजेन्सीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । पटना-800001, दिनांक 30 सितम्बर 1983

सं० (771)560/4159—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रोमोनेट एजन्सीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> ए० वहाव म्रन्सारी, कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, (पटना)

प्ररूप् आर्द्रे की त्युन त्युक्त तुननननननन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० हवेली-1जी०/ 975/83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 159/2, शनिवार पेठ, पूना-30, क्षेत्र-524 स्केयर मीटर है तथा जो पूना-30 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुवेली-I पूना नं० 2786 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अप्रैल, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च स्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे समाने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री निवास शंकर पोतनीस भौर अन्य, 1205/2, शिवाजी नगर, पूना-4।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकांत दत्तात्रय बोरकर, 159, शनिवार पेठ, पूना—30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विश के भीतर उक्त स्थावर मंगित्स में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पार्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, शही कर्ष होगा थो उस अध्याय में विया गया

वन्स्ची

मकान नं श्री श्टी श्एस श्नेत 159/2, श्रानिवार पेठ, पूना 30 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेब कम 2786 तारीख 26 अप्रैल, 1983 की दुय्यम निबन्धक, हवेली -- I, पूना, के दफ्तर में लिखा है।)

षणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 6-9-83

मोहार 😢

प्ररूप आई. टी. एन्. एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 सितम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37-ईई/241/82-83-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा, 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ छः से मिभक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, सं० नं० 82/2 ए, पर्वती सहकार नगर, पूना-411009 है तथा जो पूना-411009 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से एसे प्रयमान प्रतिफल का यन्त्रहप्रतिशत् अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल, निम्निसिसत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप् से कथित् नहीं किया ग्या है:---

- (क) बन्तरण संहुद किसी बाय की बाब्द_ा स्वत् अधिनियम् के स्थीन् करु देने के स्नार्क की दायित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; और्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनुकर **अभि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अवः, उत्कल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मैसर्स ताम्हनकर डिसा एण्ड एसोसिएट्स, 1535, सदाशिव पेठ, पूना-411030। (अन्तरक)

(2) श्री दीपक मधुकर डण्डवते, 241, शुक्रवार पेठ,

पुना-411002।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी चसे 4.5 दिन की अविधियातत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर, व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि - ` नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

फ्लैट नं० 104, सं०नं० 82/2 ए। पर्वती सहकार नगर, पूना-41109। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 394/37 ईई/82-83 तारीख जनवरी, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-9-1983

प्ररूप. आर्ड. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/243/82-83---अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भाप नं० 3, सी० टी० एस० नं० 1583, सवाभित्र पेठ, पूना—411030 है तथा जो पूना—411030 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिद्यत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :--

(1) मैसर्स ताम्हनकर डिसा एण्ड एसोसिएट्स,1535, सदाशिव पेठ,पूना-411030।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप त्रिंबक रावत,376, गुक्रवार पेठ,पूना-411002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

शाप नं 3, सी । टी । एस । नं । 1583, सदाशिव पेठ, पूना-411030 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 397/37 ईई०/82-83 ता० 12 नवम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> यशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 8 सितम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/244/82-83--अतः मुझे, शशिकांत कुंलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं शाप नं 2, सी टी एस वं 1583, सदाशिव पेठ, पूना 411030 है तथा जो पूना 411030 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अध, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्से ताम्हनकर डिसा एण्ड एसोसिएट्स,
 1535, सदाभित्र पेठ,
 पूना-411030 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद दिवंक रावत, 376, शक्रयार पेठ, पूना ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 2, सी० टी० एस० नं० 1583, सवाशिव पेठ, पूना-411030 ।

जिसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 396/82-83 तारीख 12 नवम्बर, 1982 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।]

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-9-1983

मोहर;

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 अगस्त, 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/947/ एस० आर०/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 **स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण** है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मौजे धानोरे, गट नं० 144, तालुका खेड है तथा जो जिला पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उण्धार (1) को अभीन, निम्निलिस्टिन व्यक्तियों अर्थात् :--

3-296GI/83

(1) श्री ताबुरात की जावडे प्रोर अन्य 3, मौजे धानार, तालुका खेड, जिला पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण जगन्नाथ राठी, प्लाट नं० 94, गली नं० 11, प्रभात रोड, पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन को तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार। अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मौजे धानोरे, गट नं० 144, तालुका रोड जिला पूना क्षेत्र 12 1/2 एकड ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क्रम 333 तारीख फरवरी, 1983 को दुय्यम निबन्धक पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी मक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पूना

तारीख: 16-8-1983

प्रकृप आहूर. टी. एन. एस. ------

र आधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के यधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12551—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 8/630 हैं जो तठागम रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाक्मेंट सं० 374/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रमान प्रतिफल से एसे श्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कि भत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) विजय ठीपा कन्स्ट्रक्शन्स,।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन सिंह आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वां) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मुची

भूमि श्रीर निर्माण—— टी० एस० 8/630, तठागम रोड, कोयम्बटूर । (डाक्सेंट सं० 374/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 26-9-1983

प्ररूप बार्ड, टी. एव. एक्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 29 अगस्त 1983

निदंश सं० 18105—अत. मुझे, आर० पी० पिल्ले जायकर अधिनयम, १961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुट. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 120 है जो सेंट मेरिस रोड, मद्रास—
18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकूमेंट सं० 422/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश से उपत अन्तरण लिखत में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की वावत, सर्वस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः शवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-एं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-एं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के बालासुक्रमनियम ।

(अन्तरक)

(2) सीमेन्स इण्डिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेपः →

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत अपिकतयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इतु सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण--120, सेन्ट मेरिस रोड, मब्रास-18। (डाक्मेंट सं० 422/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

प्रक्ष बाद्दै . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18081—अत: मुझे, आर० ृपी० पिल्लें भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 23, श्रांस स्ट्रीट, रागव रेड्डी कालोनी है तथा जो जाफरकान पेट, मब्रास—25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण च्या संवर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्सेंट स० 511/83) में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

का पूर्वों क्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम् के स्थ्यमान प्रतिफल के लिख् अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्तित का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्थ पाया ग्या प्रतिक्क का निम्नलिकित उद्दर्य से उक्त अन्तरण निम्नलिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्क में कभी अपने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त निर्मियम की भारा 269-ग के नमुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राघवन नायर।

(अन्तरक)

(2) श्री राममूर्ति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पृवाँकत सम्पृतित के वर्णन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---23, II ऋ।स स्ट्रीट, रागव रेड्डी कालोनी, जाफरकानपेठ, मद्रास--15। (डाक्मेंट सं० 511/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

त^नरीख : 29-8-1983

माहर:

प्रकप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निवेश स० 18091—अत. मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाबार मृस्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 32, III मेन रोड है तथा जो मद्वास-28 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेट स० 245, 246/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सपित के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के सिए;

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आर० कृष्ण मूर्ति।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नजमुन्निसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के चिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी शाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्नौर निर्माण-+32, III मन रोड, मब्रास-28। (डाक्मेंट सं० 245, 246/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नागेख : 29-8-198:

मोहर.

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18067—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 179, डिफैंन्स ग्राफिसर्स कालोनी है तथा जो महास -89 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजनठूर (डाक्सेंट मं० 560/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1983

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण निम्नित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थीस्:--- (1) मेजर आर० सी० राभैया।

(अन्तरक)

(2) श्रीवानुजैकव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टुस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -- 179, डिफैनस आफिसर्स कालोनी, नैठमबाखम, मद्रास-89। (डाक्सेंट सं० 560/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मन्नास

तारीख: 29-8-1983

मांहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आर 269-भ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IJ, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18074—-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 4/3 है तथा जो अठवार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठवार (डाक्स्मेंट सं० 132/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन'तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री वनराजन और अवर्स:

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र मिह चोपड़ा, और अवर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—-टी॰ एस॰ सं॰ 4/3, अठयार। (डाक्मेंट सं॰ 132/83)।

आर० पी० पिल्लै पक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶∐, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्टित क्यक्तियोह अर्थातु :---

तारीख: 29-8-1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेण सं० 18079 -- अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 67/2, 70/2 है तथा जो अजीस नगर, पुलियूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्सेट स० 504/83) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे अवने में सुविधा के सिष्; व्यौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभ के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्—: (1) श्री रिनिष्टरा ।

(अन्दरक)

(2) श्री चिन्नराज नाठ।र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध्यों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि —-दी॰ एस॰ सं॰ 67/2, 70/2, पुलियूर। (डाक्मेट सं॰ 504/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्राम

ता**रीख** : 29 ·8 -1983

मोहर.

श्रुरूप आर्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-II, मद्राम

मब्रास, विनांक 29 अगस्त 1983

निदेण सं० 1808 4—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिमकी सं० टी० एस० 97/4, जिलनगर है तथा जो पुलियूर, मद्रास-24 में स्थित है (और इसमे उपाबंब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाकूमेंट सं० 208/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सभने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीम :——
4—296GI/83 (1) श्री मनोहर ठाकुरदास श्री प्रकाश ठाकुर दाम।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमाजी।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 97/4, जिल नगर, पुलियूर, मद्रास-24। (डाक्मेंट सं॰ 268/83)।

> आर० पीं० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

्प्रस्प आर्इ. टी. एन . एस . -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18092 — अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7, VII मेन रोड है तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैं लापुर डाक्स्मेंट सं० 227/ 83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक इप से किथा गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कमी कपने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ब्रोर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीराम कुष्तं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुत्तूलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -- 7, VII मेन रोड, मद्रास-28। (डाकूमेंट सं० 227/83)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

नारीख : 29 8-1983

मोहर '

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज $-\Pi$, मद्राम

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18094—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 29, लस एवन्यू है तथा जो मद्रास—4 में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, मैंलापूर

(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(डाक् मेंट सं० 183/83) में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908

- (क) अन्तरण से हुई किर्ता आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजी वैद्यनाथन।

(अन्तरक)

(2) श्री समास्यिस फैनांसस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि और निर्माण—29, लस एवन्यू, मद्रास—4। (डाक्सेंट सं० 183/83)।

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मत्रास

नारीख 29-8-1983

प्ररूप शाइ. दी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मझास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश मं० 18 1 0 0 — अतः मुझं, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 19/1 बी है तथा जो नसरतपेठ, पूनमल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (डाक्मेट सं० 631/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए भा, ष्टिपान में सृविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रीवी० डी० स्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शानत कुमारो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे सं. 19/1 बी, नसरतपेट, पूनमल्ली।

(डाक् \hat{H} ट सं० 631/83)।

आर० पी० पिरलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}, मद्रास

तारीख : 29-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्ण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 29 अगस्त 1983

निर्देश सं० 12629—अतः मुझं, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हौ, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 10, 11/1, 2, 20, 21, 22, 26/1, 2, 27 है तथा जो पेठपल्ली, निल्लिगरीस में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुनूर (डाक्स्मेंट सं० 151/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रश्यमाम प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कल निग्निति ख्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण तं हुइ किसी जाय की वाबंत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बुठलीस टी० इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्ती पाठियराज।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर को पूर्वोक्त संपत्ति की अर्थन को लिए एतसुद्वारा कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त प्रमत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्कर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किर शि अन्य व्यक्ति द्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे सं० 10, 11/1, 12, 21, 22, 26/1, 2, 27 पेठपल्ली, निलगिरीस। (डाक्मेंट सं० 151/83)।

आर० पी० पिरुलें सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निर्देश सं० 18102—अतः मुक्षे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी 50 है तथा जो अणोक नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्मेंट सं० 342/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षेषेय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातं :—— (1) श्री देवकुंजारी।

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्नमनियम ।

(अन्सरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वष्ठीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सी० 50, 92 स्ट्रीट, अशोक नगर, मद्रास-83। (डाक्मेंट सं० 342/83)।

> आर० पी० पिरूलें मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 29-8-1983

प्रस्प बाइं.टी. एन. एस. ------

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्राग्नीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निर्देश सं० 18103—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित शाजार मृस्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

25,000/ रे. से जानकार के और जिसकी सं० प्लाट सं० 11/ए है तथा जो असब टूर, इन- उस्ट्रीयल इस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबद अनूस ची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यौलय मद्रास नार्थ (डाक् मेंट सं० 348/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त शीधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए,

जतः क्षज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री कृतमूर्ति राव।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० एम० राव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त क्षेती हो, के भीलर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृता शा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा तकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पक्षा है।

जन्स्ची

भूमि-- प्लाट सं० 11/ए, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, अमब--ट्टूर। (डाक्सेंट सं० 348/83)।

> आर० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** . 29-8-1983 मोहर <u>:</u> प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 12624—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, **बायकर अधिनियम, 1961** (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕-रुः. से अधिक हैं। और जिसकी सं० टो० एस० 903 है तथा जो ईरोठ मे स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोठ (डाक्मेंट सं० 516/83) मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1983 को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन िन्म्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रंगनाधकी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) आर० सुमती।

(अन्तिरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

भूमि—टी॰ एस॰ 903, पूसारी चेश्निमलैं स्ट्रीट, ईरोठ (डाक्मेंट सं॰ 516/83)।

आर॰ पी० पिरूल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख . 29-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निर्धिषण) अर्जन रेंज- , मद्रासः मद्रास,दिनांक 29 अगस्त 1983 निर्देश सं० 18098 —अतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 है तथा जो सत्यनारायना एवेन्यू, बोट क्लब रोड, मब्रास-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्स्मेंट सं० 143/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थास् :--5--296GI/83 (1) ओपल मेनं ।

(अन्तरक)

(2) कुश्नजी इन्वेटस्मेंटस प्राइवेट लिमिटेंड।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45. दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवो का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिवा गया ही।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—5, सत्यनारायना एवेन्यू दोट क्लब रोड, मदास—28 (डाक्मेंट सं० 143/83)।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

मोहुदु 🕹

प्ररूप जार्च .टी .पुन .पुस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायका (निर्देशका) अर्जन रेंज महास

मद्रास; दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० सं० 18126—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लः

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- हा से अधिक ही

और जिसकी सं० 7 है तथा जो नुगमबाखम है रोड मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि— कारी के कार्यालय, तौसनटलैट्स (डाक्सेंट सं० 197/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधिक :---- (1) श्री वलसा जार्ज।

(अन्तरक)

(2) आर० श्री इसवेस्टमेंट् प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कूना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

जन्स्ची

भूमि और निर्माण---7, नुंगमबाखम है रोड, मब्रास--34 । (डाक्सेंट सं० 197/83)।

> आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

मोहरः

प्ररूप आहर्, टी., एन.. एस., ≝ ≠ ० ०००-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18087—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संड० प्लाट नं० 14 है तथा जो वेंकटेसा अग्रहारम, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्मेंट सं० 155/83) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वेंठानट देखिकर देक्सदानम।

(अन्सरक)

(2) श्री सीतानम।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के <u>ि</u>ल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अमुसुची

भूमि—प्लाटन 15, वेंकटेसा अग्रहारम, मद्रास-4 (डाक्सेंट सं० 155/83)।

> आर० पं.० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 29-8-83

प्रकथ आहें.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[], मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निहें श सं० 17758—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 58 है तथा जो कतीठल रोड, मद्रास— 86 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैट्स (डाक्सेंट म० 238/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पारीख मार्च, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच रित्र जन्तर से जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससं बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री वेदम्मा गोपाल अयगांर।

(अन्तरक)

(2) श्री जेम जरनेद्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीज से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसुची

भूमि और निर्माण—-58, कतीठल रोड, मद्रास-86। (डाकूमेंट मं० 238/83)।

> आर० पी॰ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 29-8-1983

मोहदु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, विनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18109—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से आधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 394/1 के० के० नगर है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाक्मेंट सं० 399/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल्, निम्नुलिखित उद्बेष्य से उक्तु अन्तर्णु लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्दरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के बधीन कर दोने के बसाउक के दायित्व में कमी करने या उसके वृथने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अथातु :--

(1) श्रीरमनी ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमहादेवन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित भें हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त रुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हु , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा 💅।

अनुसूची

भूमि---सर्वे सं० 394/1, के० के० नगर, । (डाक्मेंट सं० 399/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

मोहर 🖫

प्ररूप् आई. टी., एन्. एस्.=----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत स्रकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18107—अतः मुझ, आर० पी० पिल्लै आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ई० 17, 16 स्ट्रीट है तथा जो बेसनट नगर, तिहवानिमयूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब्रास साउथ (डाक्सेंट सं० 390/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ब्न्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वौरेस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीधारु मृहम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास सिक्ति में किए जा सकरें।

स्यब्दीकृरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण——ई० 17, 16 स्ट्रीट, बेसनट नगर, तिस्वानमियुर।

(डाक्मेंट सं० 390/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज-2, मब्रास

सारीख: 29-8-1983

मोहर 🛭

प्ररूप बाहै टी एन एस :----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18143—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मधास है सथा मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैट्स (डाक्स्मेंट सं० 102/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित् में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिल्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्

(1) श्री अब्दुल कादर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुसैन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पृब्दिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ब्रिया गया है।

वनसूची

भूमि—मद्रास । (डाकूमेंट सं० 102/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के दम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

सारीख : 29-8-1983

मोहरः

प्रकप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 अगस्त 1983

निदेश सं० 18129—अतः मुझे, आर० पी०पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 229 है तथा जो लायठस रोड, मबास-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाक्सेंट सं० 1865/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन:

(1) श्री कल्यानकृष्णन।

(अन्तलक)

(2) श्री लैंट रूँफीनगस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधु बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी कित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः —-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—226, लायठस रोड, मद्रास-86 (डाक्समेंट सं० 185/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, मद्रास

तारीख: 29-8-1983

प्रस्य बाहा. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आय्कर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निवेश सं० 18 123-अत. मुझे, आर० पी० पिल्लै **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसिके परचात् 'छक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० 53 है तथा जो बरिकट रोड, मद्रास-17

में स्थित है (और इसले उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाक् मेट सं० 176/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

📦 पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम **के रश्यमान** प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्यास करने ां कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ्रलः, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, सक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिता में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चात्रिए था छिपाने में माल्याके लिए:

अन्तः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गंके अननुसरण ों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) . अधीन , निम्नीलीवत व्यक्तियों , अर्थात् :---6--296GI/83

(1) श्रीमनी अय्यर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल कृष्णन्।

(अन्तरिती)

को यहस्चना जारी करके पृवाैक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन क**ी तारीच से** 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुलारा,
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् लिसित में किए जा सकेगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो जस अध्यास में विका गुमा 🗗 🕽

अनुसूची

भूमि और निर्माण---53, बरिकट रोड, मद्रास-17। (डाक् मेंट सं · 176/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मब्रास

मोहर: 29-8-1983

प्रकृष वार्षं हो . एम् .एस् . --------

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के धंधीन सुचवा

भारत स्रकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, भन्नास

मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1993

निदेश सं० 18 121—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ली नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, प्रकाशम स्ट्रीट है तथा जो महास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेट सं० 160/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितयों) के दीय एसे अन्तरण के किए तय पाया पया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हां भारतीय आयकर अित्रमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कों, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत् !—— (1) श्रीमती गांता बाई।

(अन्तरक)

(2) श्री रविशंकर और श्री सुमती सुन्दरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रांतित के अर्थन् के सिह्यू कार्यवाहियां करता हुं।

चनत् सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ... 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द्रबंद्। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के ... लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण—-23 प्रकाशक स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकूसेंट सं० 160/83)।

> आर० पी० पिरुलं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेजा 2, मद्रास

तारी**ख** : 29—8—1983

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस • ----

मायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 अगस्त 1983

निवेश सं 18130—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै द्वीयकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए मे अधिक है

और जिसकी सं० 21, 3 मेन रोष्ठ सीतम्मा कालोनी है तथा जो मब्रास-16 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तैतीसनटलैंट्स (डाक्मेंट सं० 182/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख करवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दूक्य-मान प्रतिक्रल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरूप उसके दूष्यमान प्रतिकृत से ऐसे दूष्यमान प्रतिकृत का प्रश्नह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में हाक्तिकृत कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अहीर्यां असे
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अबः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उत्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सबीहा मायल।

(अन्तरक)

(2) श्रीनूर रसवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाप अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्बों और पदों का, अं जिन्ह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूभि और निर्माण--21, 3 मेन रोड, सीतम्मा कालोनी मद्रास-18। (डाक्मेंट सं० 183/83)।

> आर० पी० पित्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्राधुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 29--18983

प्ररूप आई. टी. एन. एस_{ं-}-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनाक 6 सिनम्बर 1983

निदेश स० 1268 7—अतः मुझे, आर० पो'० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 मुनिसिपल श्रीनिवास पुरम है तथा जो तिरुपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाकूमेट स० 255/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत **उक्त** अधिनियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने पा उससे बखने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी निसी आय या निसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए वा जियाने में सुविका के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामलिगम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आड़ी अड़बूँ पूर्वीक्त झूँपरित के अर्जन के लिएँ कार्यवाहियां कड़ता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकते व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—4, मुनिसिपल कालोनी, तिरुप्पुर। (डाकूमेंट सं० 255/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

सारीख : 29-8-1983

प्रकृष कार्द<u>. दी. इन्. एवं.</u>------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12680—अतः मुझो, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से बाँधिक है

और जिसकी सं० 15 रान है तथा जो ऊट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊट्टी (डाक् मेंट सं० 115/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की सर्इ है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औं सिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) श्रीराज्।

(अन्सरक)

(2) श्री जगन्नाथ राव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूजाँकत सुम्पित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपच में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में तिए जा सकोंगे।

स्पटकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--15 राम, ऊटी। (डाक् मेंट सं० 115/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 29-9-1983

प्रकप आहाँ, टी. एनं, एसं,-----

भागकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, मब्रास मदास, दिनांक 2 सितम्बर, 1983

निदेश सं० 18095—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 एल है तथा जो सेंट मेरिस रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैलापुर में है (डाक्सेंट सं० 133/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

(1) श्रो चिन्नस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वामीनाथ मुदलियार और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्शिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिम के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

ूमि—-6 एल॰ सेंट मेरिस रोड, मद्रास। (डाक्मेंट सं॰ 133/83)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अंतः अब उका अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

मारीख : 2-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहु². टी. एन. एस. - = - - ==

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मबास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर, 1983

निवेश सं० 18432—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० आर० एस० 3173/8, है, जो पुरसवाखम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाक्सेंट 50/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16 के अधीन, दिनांक फरवरी, 198 3
को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान
प्रतिमल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्मृद्ध
प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में
बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बवानी

(अन्तरक)

(2) श्री मुतुलिनगम

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारीं करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उसत् अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।]

अनुसूची

भूमि-आर० एस० 3173/8, पुरसवाखम (जाकूमेंट 50/83)।

आर० पो० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक: 2-9-83

मोहर 🖫

प्रथ आई. ही. एन, एस.-----

श्राक्तर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर 1983

निदेश सं० 18433--यतः मुझे, आर० पी० पिल्ली, ग्रायक्र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिमका उचितं बाजार मुख्य 25,000/- व• से मधिक है और जिसकी सं 1, वाठलस रोड, है, जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाक्मेंट 43/83) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983 में पूत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य सेकम के वृषयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से धनत ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से फबित नहीं किया गया है है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धन्य धासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) अनन्सकृष्नं

(अन्सरक)

(2) श्री रविनद्रनाथ रेड्डी विवेकानन्य रेड्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

भूमि और निर्माण--1, वाठलस रोड, मद्रास-10 (डाक्मेंट 43/83)

श्रार० पो० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ⅱ, मद्रास

विनोक : 2-9-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर, 1983

निदेश सं० 18093--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू में बियक हैं

और जिसकी सं० 74, है, जो श्री राम कालनी मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्यूमेंट 225/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एओजनार्थ अंटिंग्सी दवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——7—296GI/83

(1) श्री पठिमिनि आदिराणयया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमावती

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयायत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---74, श्री राम कालानी मदास---4 (डाक्यूमेंट 225/83)

आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 2-9-83

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज दो, मद्रास

मद्रास, दिनावः 2 सितम्बर, 1983

निदेश सं० 18087--यत सुझे, आर० पी० पिल्से श्राय २ श्रक्षिनियम, 1981 (1961 का 43) (विसे इसमें इस ह पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन मक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर नम्पति, जिनहा छित्त बाजार मुख्य 25,000/-और जिसकी म० टी० एस०-75 है, जो कोठमबाखम में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्यूमेट 367/83) मे नारतीय रजिन्द्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983 की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उला दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का भन्द्रह प्रांत गत से अधिक है और **धन्तरक** (भन्तरकों) भ्रोर भ्रन्तरिका (अन्तरितिया) क बीच ऐमें अस्तरण के लिए त्रा प्या गा। रितकत तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण जिल्ला । वास्तविक का ग कवित नही किया वया है ---

- (क) श्रन्तरम ये ृई किसी ग्राय की बाबत उपत अधिनियम के श्रधीन कर देने क श्रन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के क्षिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय य किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय गया या किया जाना चाहिए वा, फियाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .--

(1) श्री पैद्यतामक

(अन्तर्क)

(2) श्री स्वामिनातन

(अन्तिरिती)

को यह सूचना अारी झरके र्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

खबत समाति के अर्थत के लंबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूजना के पाजपन्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की धवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी कासे 30 दिन की अविधि, जो भी धवधि बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाश की तारीख से 40 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशेड्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण --इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदा का, को उदन श्रीपित्यम के अध्याय 20-क में परिचाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय वें दिया गया है।

अनुसची

भूमि—दी० गुप्तः 75, कोठमबाखम (डाक्यूमेट 367/83)।

आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज दो, मद्रास

दिनाक: 2-9-83

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस.----

नायकरु निधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नभीन स्वना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मब्रास, दिनाक 2 सितम्बर, 1983

निदेश सं० 18135—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख् के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 112, है, जो कुमरफ मुदली स्ट्रीट मन्नास—34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाक्मेंट 164/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बार्बत, उन्ते जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सरस्वती अम्म।ल

(अन्तरक)

(2) श्री मानिखम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—112, कुमरप्प मुदली स्ट्रीट, मद्रास-34 (डाक्यूमेंट 164/83)

> आर० पी० पिल्लै स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-П, मद्रास

दिनांक 2-9-83

भोदरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर, 1983

निदेश सं० 18403--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे 117, 120, है, जो मोहप्पेर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबट्टूर (डाक् मेंट 461/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्म्मे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री टी० एम० पारथा सारथी

(अन्तरक)

(2) श्री जोसफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 117, 120 मोहप्पेर (डाक्युमेंट 461/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास

विनांक : 2-9-83

प्ररूप आहें. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर 1983

निदेश सं० 18108— यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. में अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० 39, VII कास स्ट्रीट है, जो मद्रास—90 में

श्रीर जिसकी सं० 39, VII कास स्ट्रीट है, जो मद्रास-90 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मदास सीत (डाक्ट्रमेंट 397/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपक्षा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामकृष्ण

(अन्तरक)

(2) श्री सौंदरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन कं किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकृतिक व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे जितबल्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट---39, VII कास स्ट्रीट, मद्रास-90 (डाक्सेंट 397/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 2-9-83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12708—यतः सुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट 499 है, जो सनगनूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घादिपुरम (डाक्स्मेंट 806/83)) में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त बंतरण लिचित् में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्सेंस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री घनपती

(अन्तरक)

(2) श्री लोगनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट 499 सनगनर (डाकूमेंट 806/83)

आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी ,ुसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज II मद्रास

दिनांक : 6-9-83

मोहरु 🖫

प्ररूप पाई० टी० एन० ---

आमकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 268-च (1) के ग्रधीन मूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 सितम्बर 1983

निदेश सं० 18431—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाखम (डाकू मेंट 58/83) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूष्यमान प्रतिफल से, एसे रूष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिरूत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यिनने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्रिकीट, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः~~ (1) श्री घेस विलियम रागेनेसर

(अन्तरक)

(2) श्री अबदुल खूफ ग्रौर अमीना खूफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण--मद्रास (डाक्मेंट 58/83)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 6-9-83

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-JI, मद्रास

मद्राम, दिनाक 2 मितम्बर 1983

निदेश सं० 18125--यनः मुझे, आर० पी० पिल्ली,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० 60/2, है, जो वर्राकट रोड मद्राम-17 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी टी० नगर, (डाक्यूमेट 103/83) में भारतीय रजिस्ट्रीक्रिए अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) इन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः ----

- (1) श्री पट्टतरमी रागचन्द्रन श्रीर दोश गी० समलन्द्रन (अन्तरक)
- (2) श्री राजसेकरन

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

भूमि और निर्माग—-30/2. **बर**िकट रोड नशान--17 (डाक्मेट 103/83)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, दो मद्रास

दिनांक 2-9-83 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस ु- - = =---

(1) नायनार मोहम्मद

(भ्रन्तरक)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रुधीन स्चना

(2) श्री बालवनठ पानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-! मद्रास

मद्रास, विनांक 9 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12653--यतः मुप्ते, आर० पी० पिल्लै,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2, सिखनदर बागा स्ट्रीट है, जो गाँधीनगर, ऊठुमलपेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊठुमलपेट (डा कूमेंट 219/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983 को पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पृत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिआवित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

भूमि श्रीर निर्माण--2, सिखनदर बाशा स्ट्रीट, गाँधीनगर ऊठुमलपेट (डाक्मेंट 219/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (fनरोक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 9-9-83

मोहर ≟

8--296GI/83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

(1) श्री श्रावासम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री कसतूरी रंगन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12676—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकार अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 29/81, 81 ए०, है, जो सुब्रमनियम रोड, कोयम-बतूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (डाक्स्मेंट 453/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिता (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/णा
- ्छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तो, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण -29/81/81ए०, सुक्रमनियम रोड, कोयमबट्टूर (डाक्ट्रमेंट 453/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात:—

दिनांक : 9-9-83

मोहर 🗓

प्ररूप आर्थ. टी. एत. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सुमूना

मारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर 1983 निदेश सं० 12696—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- किं. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 40, राजाजी रोड है, जो रामनगर, कोयमबतूर (डाक्यूमेंट 682/83) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम-बतूर (डाक्यूमेट 682/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण चिवत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की गावत उक्त निभ-नियम की अधीन कर दोने की अतरक को दायित्व में कमी करने दा उससे वचने में सृविधा के लिए और्/मा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :--- (1) रंगनायन चेट्टियार भ्रीर अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० सबीता दोरेस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्भाग–40, राजाजी रोड, रामनगर, कोयमबतूर (डाक्यूमेंट 682/83)

> आर० पी० विन्नै सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेजन्दी, मद्रास

विनांक : 9-9-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस.- - -

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अर्धान सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-यो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12678—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह जिस्ताम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 1454/6 है, जो सिविगरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सिविगरी (डाक्यूमेंट 148/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गद्दं हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चिदम्बरम चेट्टियार धौर अदसं

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलैकेलवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृतितृ के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब दुध किसी कन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 1454/6, सिवगिरी (डाक्यूमेंट 148/83)

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-दो, मद्रास

दिनांक : 9-9-1983

मोहर 🖫

प्रकप आहें. टी. एन. एस. . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-क्षो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निवेश सं० 12688—अतः मुझे, भार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 है, तथा मेपन रोड, रायपुरम, तिरुप्पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पूर डाक्मेंट 221/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, फरवरी 1983

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नितिषित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री रितनम और अवरस

(अन्तरक)

(2) सी० वी० राजन

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना चारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि भौर निर्माण-4, राय पुरम मेन रोड़ तिरुप्पूर (डाकुमेंट 221/83)।

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-9-1983

मोहर ध

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० 18140 - - यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5, VI स्टीट लेक एरिया है, तथा जो मदास--34 में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैंटस (डाकुमेंट 116, 118/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1988 को पुर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपक्षित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए **तथ** पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्सरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिली दुवारा प्रकट नहीं किया गय। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कीलिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम फी धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री वनजा और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री सेलवराज और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्धन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि और निर्माण---5, VI स्ट्रीट, लेक एरिया मदास-34 । (डाकुमेंट 116, 118/83) I

> आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 9-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० 18 117—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3, गोपालकृष्णा रोड है तथा जो मब्रास—17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 140, 141, 142/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूत्रिधा के लिए।

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ---- श्रीदिनकर राव कलपना कृष्ण कुमार

(अन्तरक)

 श्रीमती पश्चावती बालकृष्णं प्रबु और विजयकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंशी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और १थों का, जो उच्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण-3, गोगलकृष्णा रोड मद्रास-17 । (डाकुमेंट सं० 140, 141, 142/83)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मद्रास

तारीखा : 9-9-1983

प्रकृष बाह् टी. एवं. एवं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० 12663 -- यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इल्प्पनगरम है, तथा जो ऊठुमलपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊठुमलपेट (जाकुमेट 358, 359/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अक्त अभिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिंबत व्यक्तियों, अधीत :---

1. पलनिस्वामी और अदरम

(अन्तरक)

2. श्री पेरुमाल तेवर और अदरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

भूमि—-इलुप्पनगरम, ऊठुमलपेट । (डाकुमेंट सं० 358, 359/83)

> अार० पी० पिल्लै सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारी**ख** : 13-9-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मदास

मब्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० 12699—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० टी० एस० 112/2-डी है, जो अनुप्पर-पालयम में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबदूर डाकुमेंट सं०729, 724/83), में भारतीय रजिट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1983

1908 (1908 का 16) के अधान, फरवरा, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनिय व्यक्तियों, अर्थात्:—— 296GI/83

।. श्री केमसिंग आतन्द ग्रौर अदरस

(अन्तरक)

2. श्री रामनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पत्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाणित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस॰ 112/2 डी अनुष्परपालयम, (डाकुमेंट सं॰ 724,729/83)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

तारीख: 13-9-1983

प्ररूप अग्रह .टी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आक्क्त (निरक्षिण)

क्षर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० 12633—यत, मुझे, आर० पी० पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जिन्नकमपालयम है तथा जो दारापुरम स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम में (डाकू-मेंट तं 441/83), में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री सुब्बर्रातनम और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री रामस्वामी घोंडर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वध्विकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे 882, चिन्नकमगालयम दारापुरम । डाकूमेंट सं० 441/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

सारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -=----

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालेय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्वेश सं 10210--यत:, मुझे, आर० पी० पिल्लै, जागक,र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं अनुकुरिषी है, तथा जो करूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरवकुरिची (डाकुमेंट सं ० 173/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियों उद्दर्शय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती नजिमुन्निसा बीबी

(अन्तरक)

2. श्री प्रकबर अली

(अन्तरिती)

को यह स्वना कारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्वन के सिछ कार्यवाहिया करता हूं।

सकत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिका की 45 दिन को मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रमझ्यीकरणः ज्यान्द्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसस स्विधित्रसम्भ, को अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सम्माही अ

अभुसूची

भूमि—अनुकृरिची , करूर । (डाकूमेंट सं० 173/83)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 13-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1983

निर्देश सं० 12709—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ली, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 10/195, 598/1, 2, 3596/1, 2, 3,5/97/1, 2, 3 है तथा जो कुष्णरायपुरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 798/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1983

का 16) के अधान, ताराख फरवरा 1983 को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुइं किसी अाय की वाबत, अक्त मिश्रितयम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्रीमती विजय लक्ष्मी श्रीर अवरस

(अन्तरक)

2. श्री शनमुहम धौर अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वों क्य स्म्मृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं ।

जबत संपरित के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

भूमी:—टी॰ एस॰ 10/195, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम । (डाक्मेंट सं॰ 799/83)

आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 13-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास दिनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12598—यतः मुझे आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 28/38.1 राबरटनसन रोड पी० राम स्वामी है जो कालोनी कोयमबदूर-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबदूर (डाक् मेंट 773/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है के

- (क) जैतरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंत्रक के दायित्य में कमी करने से अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री रतिनम

(अन्तरक)

(2) श्री लक्षणमनिंसग और ईण्वरी

(अन्तारती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनृ को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि और निर्माण—-28/38-1 राबरटनसन रोड, पी० राम स्वामी कालोनी, कोयम्बटूर—40। (श्वकूमेंट 773/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 13-9-83

मोहरः

त्ररूप् आईं.टी.एन्.एन्.,------

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, विनांक 13 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12704—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी॰ एस॰ 7/123/1, 7/124/2,3,4 है, जो कीयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्समेंट सं॰ 1042-45, 1047, 1048/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16)के अधीत, दिनांक 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उपित बाजार मूल्य, उसके रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्ध्ने में सृविधा क्रे लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरुखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री अनवर

(अन्तरक)

(2) श्री रामस्वामी और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकंगे।

स्थकः किरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित ही, धही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ 7/123/1, 7/124/2,3,4 कोयमबटूर। (डाक्मेंट सं॰ 1042, 1043, 1044, 1045, 1047, 1048/83)

> आर० पी॰ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 13-9-83

प्ररूप नार्षं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मंद्रास मद्रास, विनांक 2 सितम्बर 1983

निदेश सं० 12732—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० ी । एस० 95, ओ । एम । आर । कालोनी है, जो हरोड में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकूमेंट सं० 1047/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यभापृत्रों कल संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से मुद्द निक्ती थाव की वाबत उपत विधि-निवण के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की नपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री णिवसुब्रह्मण्यन और अरुन कुमार

(अन्तरक)

(2) श्री चिम्नस्थामी और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोंड़ी भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्चान के राजण्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी० एस० 95, ओ०एम०आर०, कालोनी ईरोड। (डाक्मेंट 1047/83)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मब्रास

तारी ख: 2-9-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13-9-1983

निर्देश सं० ए० सी० 52/रेंज-IV/कल/1983-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4/1 है तथा जो अहमद मामुजी स्ट्रीट, हावड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 जिनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- श्री सरजित कुमार
 - 2. इन्द्रजीत सेथिया,
 - 3. बिमला
 - 4. मालकावति अरोरा
 - महेन्द्र सिंह चावला

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा वेबी भालोटिया

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत र उक्त स्थायर मभ्यत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्वी

जमीन---9 काठा 5 छटांक 39 स्क्वेयर फीट जमीन का साथ मकान ।

पता—4/1, अहमद मामुजी स्ट्रीट, थाना—बाली, जिला हाबड़ा दिलल सं0:-1983 का 795।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता

तारीख: 13-9-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बार क्रीप्रीतिक, 106: (106। का 40) भी धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भाग सरवार

बार्यालय, सहायक अराजर आयुवत (निरीक्षण) अवन रेंज, फलकत्ता

दानकत्ता, दिनांदा 13 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० ए० मी० 45/रेंज-IV कलकता/1983-84--यदः मुझे, एस० के० चौधुरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत उत्तत अधिनियम कहा गया है) को धारा 269-ख के अधीन सअय प्रिध्दारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिन्नकी मंख्या 12/2 है तथा जो स्टान्ट रोड़ 2व वाइ लेन, में स्वित है (ओर इजने उजाबड अनुसूची में ओर पूणक्ष्म से विणान है), रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के ज्योचय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 12 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृजीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उपल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण औं, मैं उनत शिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीत. नि∓ितियन व्यातियों, अर्थात् :-- 10—296GI/83

1. श्री वास्देभ चक्रवतीं, बांसी बदन चक्रवर्ती

(अन्तरक)

2. श्रीनती तारा देवी प्रसाद

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति भे हिन्दद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन-3 काठा 15 छटांक 11 स्क्वेयर फि० जमीन का साथ मकान ।

पता—12/2 स्ट्रान्ड रोड़ 2य बाइ लेन थाना जिला-हावड़ा। दलिल सं०-1983 का 124।

> एन० के० चोधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीज्ञण) अजन रेंज-IV कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किंदबई रोड़, कलकता-16

तारीख: 13-9-1983

प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के जीन गुनना

भारत एरदार

कार्यालय, महाया आयमार आयूदा (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कुनक्ता

वानः ना, दिनारु 13-9-1983

निर्देश म० ए० मी० 45 कि कि कि निर्मा का का कि विश्व अवस्था मुझे, एस० के० चे धरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 टा 42) (जिसे इसबे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' बाराम ही, की धारा 269-ख के अधीन साम धार्मिकी है। हिंदि ही एम करते जा कारण ही कि स्थापित स्थित, विकता धीनत बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से धीयक ही

ओर जिसकी मंख्या 70 है एसा हो "लहा" रोड पानजा में स्थित है (और इसमे उलावड अत्स्वी पे जोर प्रिंग ने व्यक्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि गरी के स्थितिय हा जा से, रिल्ट्री रण अधिनियम, 1903 (1908 प 16) हे अधीर, दिनाक 19 जनवरी, 1938

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित तातार मन्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यश्णान हो सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अंतरिती (अतिरितियो) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से वाधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; भौर/सा

अतः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों. अर्थात:---

- 1. शी उमा जान मोप
- ្ស ដែលជា ជាបែក ស្រុក មិទ្រឹក ស្រុក (គឺ រ៉ាំ)
 (គឺ ដែល សំរុក (គឺ ដែល)

को यह मूचना कारी जाती पूर्णयत पराने पुर्व के विष् कार्यवाहियां करण हा ।

उक्त सम्पत्ति है अर्जन के सरवन्य में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को जर्भा, जो भी अवधि नाद में समाप्त हो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस मूचना के राप्पत्र मो प्रतान की नारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंत्रताकरी के पास लिखित मो किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इममें प्रयुक्त रुट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

——जमीन1, वीघा 12 काठा जमीन का आधा भाग; पना—70, "एफ" रोड़, थाना—लिलुया, जिला—हावड़ा दलित सं० ——1983 का 82 ।

> एस० के० चोबुरी सक्षम प्राधिकारी सहात्रक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 13-9-1983

The of the same of the same of the

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-व (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यात्वन, सहाथक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) असि रीम, स्वयान्य

पार्यना, विकार १३ वितस्था, 1993

निर्देश ए० ए० सी० $47/^{2}$ न-IV/नात/1933-84---यतः मुझे, एए० हे० त्राँ हुति,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिन्दी प्रशास 70 है एक जो "एक" रोड, हाथड़ा में स्थित है (और इसने जानवाद जान्ची में अतर पूर्ण इस में दिखत है), रिज द्रोजनी अधिकारों के उप्योचन, हानड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1903 का 16) के प्रधीत, दिनांक 19 जनवरी, 1983

को पूर्वावत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को एसं इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमा करने या उससे दवने मा स्विधा के लिए; कार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रतन गुदर दो।

(अन्तरक)

(2) श्री ति प्रिक्ति हुमार, श्री कुबी कुमार कुमार (अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करते। पूर्वावत सम्पन्ति के अर्जन् के लिए वर्धवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपा स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किनी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः - इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

्मी त—1 बीचा, 12 काठा जमीच का आधार भाग— पता—70, "एक" रोड, थाना—िनजुपा, जिता—हावड़ा । दिनत स०—1983 का 83 ।

> एप्तर केर चौधुरी सञ्जम प्राधिकारी

सहायक ग्राप्तकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV/ जनकतां 54, रकी प्रहमद किरवई रोड़ कलकत्ता

तारींब : 13-9-1983] मोहर : प्ररूप आई. डी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 सितम्बर, 1983

निदेश सं० ए० सीं०48/रेंज-IV/कलकत्ता—83-84 यतः मुझे, एस० के चौध्रीं

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ओर जिनकी संद्या 2 है तथा जो स्वामी विवेकानन्द रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री न्ती अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 जनवरी 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री चमा वाना दत्त

(अन्तरक)

(2) श्री ती तापती इमंगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जनीय--2 काठा 15 छाता 37 सोवेगर कीट जमीय का साथ मकान । पार--2, स्वामी विशेकातस्य रोड, थाता-रम दम जिया-24-परगना ।

> एरा० के० चौधुरी स्थम प्राधिकारी सहायक आपकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकता

तारींब : 13-9-1983

दलिज सं०-1983 भा 367 ।

(1) श्री सुत्रत साहा

(2) श्रीतीरी ता वोष

(अन्तरक)

(अन्तिः तीः)

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहापक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, दलक्ता

कलकत्ता, विनांनः 13 क्तिम्बर 1983

निर्देश सं० ए० सी० 29/रेज-IV/ ग्रा/1983-84—यत. मुझे एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25, ∩00/-रा. से अधिक है

और जित्की संख्या ब्लाफ-ए जे, 228 है तथा जो सेक्टर-11 नार्दर्न सल्ट लेक शहर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रणित है) र्राजर्द्री तो अधिकारी के कार्यालय एस०आर०ए० कलाता में, रिजर्द्री करण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-18-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रितिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्बित में वास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वा के किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भारत सरकार

का यह सूचन कार्यवाहियाः स्वतः सम्प

को यह सूचना जारी करके पूर्वित्तत संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा ज्ये उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत: 2. 1968904 काठा जमीत के साथ मकान। सेक्टर-11 ब्लाक-एजे-228 नार्दर्न सलट लेक शहर, जिता-24 परगता के अधीत अवस्थित है। दलीज संख्या-1983 का 439।

> एस० के० चीधुरी सक्षम प्राविकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्नरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीब : 15-9-83

प्रस्प. बाई. टी. एन. एस. ----

(1) मिरि फाइनन द्वे ३० १००

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना (2) एसनेगा प्रावर्गे

(जन्दरिती)

भारत सम्बार

कार्य तय, नहायक आयक्तर आय्वत (निरीक्षण) र्का के प्राप्त प्राप्त प्राप्त

र्गरता, सिंगा 19 लिएवर 1883

निर्देश म० ए०मी० 53-वेष-IV /२ ।/1983-81--यन न मुझे एम० के० चोहरी

आयकर अधि शिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अभीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से जिनक ही

और जिनकी तका 119 हे तका जे एक एए० रोड मोनारपुर मे स्थित है (अंट उपने उत्तवह अनुपूची में अता पूर्ण रूप से वर्णित है) र्याजर्दाता व्यक्ति ही के क्षांत्रिय वाक्तिता में रिजर्द्दीकरण आर्जातक 1998 (1903 का 16) के अधीत विनाव 15 जक्की 1983

को पूर्वावल स्मातित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है आर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वावत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल रो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निमालिक्त उट्दोस से उक्त अन्तरण लिखित मे मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीपनिंगम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित के करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मस्विधा को लिए;

को यह सूचना जारी दरके पूर्वाना स्मानि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करण हा।

जवत सम्पत्ति का अर्जन को पन्न म अर्देश भी जाक्षेण :--

- (क) इस स्चना के राज्या में प्रजानन की तारीख से 45 दिन को अवत्त या तन्त्राज्यी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वकत व्यक्तियों मा के जिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इत रूचना के राज्यत में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकान।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क मे परिभाणित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीत—1 वीशा ६ ठार 21 स्वेगर फीट नमीत के साथ महात ।

पता--119 नेताजी सुमान राष्ट्र थाना--मोनारपुर जिला--24 परमना

दिलिन स०--1983 का 375 ।

गुम० के० चोधुरी सक्षम प्राविकारी सह यह अयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज IV कलकत्ता

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियो, अर्थात् :---

तारी ब 19-9-1983 मोहर : प्रस्प आई. टी. एन. एस. ----

श्राप्त र प्रविश्विम्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक स्नायकर आतुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ए 9 सिनम्बर 1983

निर्देश स० अधिकात्सी /एक्पूर्व/1/एस०आर०-3/1-83/ 1630--यतः मुझे, नरेन्द्र ५ १

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त धानि सम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विस्वास करने का कारण है कि स्थार सम्बित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा से अधिक है

आर जिन्की नंद्रता दि/33 है त्या को वेटर क्याई-2 नई दिन्ती में क्या है (ओरा को प्राप्त का का कि जेन पूर्ण क्या विश्वित है) रिजस्ट्री क्वी किया की के बादिका किली ने सारवीय की बाद्री करण अधिनियम 1903 (1903 का 16) के अधीत दिनांक जनवरी

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन वाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल दा पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एरो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उजत अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व वे कमी करने या उरम बचने म स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एर्सी किसी भाग या किसी घर या अस्य आस्टियों को जिल्हें भागतीय भागतर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या जान भीतिस्यम, या धन-बर आधिनार, 1957 (1957 का 27) की एय जनाथ जनारती जान गाट नहीं किया गया भाग किया जान प्रोहण था, दिसाने से सुविधा

अनः अब उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भूग 269-ग की उपभाग (1) के अभी।, निम्मलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- डा० कुलदीप सिंह,
 तितामी एम 101, े ै T--2 न दिल्ली।
 (अस्तरक)
- 2. श्री इन्द्रर जीत किंद्र, निवासी ई/57 दिनी स्वर , निर्देशिकी । (ज्यारिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित्वत समाति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध मो बर्गार्ज भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्थाय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालील से 30 दिन की अर्थाय, को भी अवधि वाद से समाध्य होती हो, की भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रूचना के राजाद में प्रकारन को तारीख से 45 दिन को शंतर उत्परकार समाति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त कब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पकान म० ई/38 गैटर है ता τ -2, नई दिन्ती - एरिया 250 वर्गगत ।

नरेन्द्र सिह स्क्षम प्राविकारी रहिदा कारकर अत्युका (विरीक्षण) अर्पन रेज I नई दिल्ली

नारीख: 9-9-1983

मोहर 🥫

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.- - ----

भागकर ओर्थानयम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 सितम्बर, 1983

ितर्देश सं० आई०ए०सी ० /ए, श्यू०/ 1/एस०आर०—3/1--83/ 1628—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रुप् से प्रधिक है

और जितकी संख्या ग्राम-विजवाशन, महरोली, नई दिस्ली में स्थित है (और उसने उपान्नद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यमपूर्गीस्त नंगीत का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विश्वित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रतारण ने हुई किसी क्षाण की बाबत उक्त क्रिया निरम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भीर,या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती मनहौरी सुपुत्र स्त्र० श्री हृदय, जिल्लासी गाम-जिल्लागन, नहीरि ली।

(अन्परह)

2. मैं शीर पाल एण्ड कंश्र (क स्टूक्शन) प्रा० लिश्र 115, बंशल भवत, 16 केश्जीर मार्ग, नई दिल्ली।

(अस्ति ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किये जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त इ.ब्दौ और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुमुची

कृषि भूमि का 1/18 हिस्से ताद दी 23 बीते और 6 विश्वे, रेक्ट० नं० 45, के० नं० 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 और 18 मिन ईस्ट (3-00), 23 ईस्ट (2-06) 24(2-06), और 25 वेस्ट (3-13), ग्राम-विजनाणन, तहसील-महर्र ली, नई दिल्ली।

गोन्द्र ित सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

न**ंरी व**ः 9–9–83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1983

निर्वेश सं० आई०ए०मी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-83/ 1625, अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषी भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में अविधा के सिए; जौर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) की अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 11--296GI/83

 श्री जगदीश सिंह, मुभाप चन्दर और चन्दर सिंह सपुलगण श्री हृदग, निवासी-श्रिप्तशायन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मैं० सी ० न्याल एण्ड कं० प्रा० लि०,
 115, ग्रंसल भवन, 16-के०र्ज ० मार्ग, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप 🖅

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी का 13/82 भाग, रेक्टेंगल नं० 45, के० नं० 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 और 18 मीन ईस्ट (3-00), 23 ईस्ट (2-06), 24(2-06) और 25 वेस्ट (3-13), स्थापित—ग्राम—बिजवाशन, तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, नई दिल्ली

तारी**ख**: 9-9-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्स०/1/एस०आर०-3/1-83/ 1623—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-बिजवाशन, महरौली, नई दिल्ल में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्रिये जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अधीत :--- श्रीमती मान कौर सुपुत्री स्व० हृवय,
 निवासी—ग्राम-विजवाशन, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं०सी० ल्याल एन्ड कं० (कन्स्ट्रक्शन) प्रा० लि०, 115 श्रंसल भवन, 16-के०जी० मार्गे, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 1/18 हिस्से 28 बीघे 6 बिघ्वे, रेक्ट० नं०, 45, 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15 (1-00) 16(2-10), 17-3-19), 13 और 18 मिन इस्ट० (3-00), 23 इस्ट० (2-06), 24(2-06) और 25 वेस्ट (3-13), ग्राम—बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 9-9-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/1-83/ 1590--अत मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिगें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

- श्री राम् सुपुत्र श्री हृदय, निवासी-ग्राम विजवाशन महरौली नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. मैं० सी ० ल्याल एन्ड क० (कन्स्ट्रक्शन) प्रा० लि० 115 ग्रसल भवन 16-के०णी ० मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13/72 भाग, कृषि भूमि तावाबी 4 बीवे और 18 बिस्वे-रेक्ट०न० 45, के०न० 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 और 18 मिन इस्ट (3-00) 23 इस्ट (2-06) 24 (2-06), और 25 वेस्ट (3-13), ग्राम बिजवाशन तहसील महरौली, नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-!, नई दिल्ली

असा: अबा, उक्त अधिनियम की भारा 269-4 थीं अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात :---

ता**रीख** . 9-9-1983 मोहर प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिरु 🍞

नई दिल्ली, दिनांक 9 मितम्बर 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी \circ /एक्यू \circ /1/एस \circ आर \circ --3/1-83/1585—अतः मुझे नरेन्द्र सिहं

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या ई-464 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिस उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय को वाबस, उपक्ष अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के निए; और/मा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी महेश चन्द्रा गुप्ता निवासी-ई-464 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

 मै० कैपीटल बिल्डर्स एच-39, ग्रीन पार्क एक्स० नई विल्ली, द्वारा भागीदार जमपाल सिंह ।

(अन्तरितीः)

कार्य सह स्वाना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामी ल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 विन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितवयूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल प्रो० न० ई-464, ग्रेटर कलाश-2, नई विल्ली एरिया—

नरेन्द्र सिह्
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिस्ली

तारीख: 9-9-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-31--1-83/1575--म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

अौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्रामनीव सराय, महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषी में और पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

का पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैं ॰ दुगल इंजीनियरिंग कं॰, ए-12, वेस्ट एन्ड नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

मै० लक्ष्मी चन्द बागाजी, रमन हाउस,
 169 बैंकवेय रिक्लेमेशन, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पस्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त रुखों और पवों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

कृषि भूमि तादादी 49 बीघे 18 बिग्षे, खसरा न० 654 (4-16), 656 (4-16), 657 (4-16), 658 (4-16), 666 (501), 669 (4-16), 670 (4-16), 673/2 (1-04), 698 (4-06), 699 (2-04), 678 (1-19), 679 (1-12), और 600 (4-16), ग्राम-नेब सराय, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1 नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारीख: 9-9-1983

प्रस्पृ आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-J, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देण सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/1-83/, 1533—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम डेरामंडी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंछह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले,
 निवासी ग्राम डेरा मंडी, महरौली तहसील, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमन राय स्व० सुपुत्र श्री राज कुमार राय, निवासी-जालन्धर कोल्ड स्टोरेज, शी०टी० रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयावत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 5 बीघे अंबेर 1 बिस्वे, खसरा नं० 68/4 (0-12), 68/5 (4-9), स्थापित--ग्राम **डेर मंडी**, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :----

ता**रीख**: 9-9-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.- - - ----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सिंतम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1-83/ 1532, अत/ मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डो तहसील—महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिका पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ं) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिये:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्ननिष्कित व्यक्तियों, सूर्यात् :— श्री धनपाल, रामपाल, बेगा, बिरमी सुपुन्नगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा भण्डी, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. राकेश सूद सुपुत्र स्व० श्री ओ० पी० सूद, निवासी ई०-14/4; बसन्त विहार, नई दिल्लो और श्रीमती दिपती सूद पत्नी श्री राकेश सूद, निवासी-ई०-14/4 बसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जरे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 6 बिघे और 1 बिघ्वे, खसरा नं० 58/8) (1-5), 58/9(4-16), ग्राम डेरा, मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रःक्षण) अर्जन रेंज–ा, दिल्ली,

तारीख: 9-9-1083

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/1-83/1531— अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1008 (1008 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो. मो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और विरमी सुपुत्रगण
 श्रो काले, निवामी ग्राम डेरामण्डी, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तानिया बन्ना पर्ता श्री अर्जुन बन्ना और बेबी अवनी बन्ना मुद्दती श्री अर्जुन बन्ना निवासी बी-24 चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

कृषि भूमि तादादी 5 बिघे और 8 बिग्वे, खसरा नं० 59/3(0-12), 59/2(4-16), ग्राम डेरा मण्डी, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विल्लो।

तारीख: 9-9-1983

प्रकप बाइ^{*}. टी . पृन् . पृस् . ----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-आर-3/1-83/ 1530—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आध्यकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्व के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा \$96-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000 ∕रु. से अधिक हैं

भीर जिसको संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, महरीली, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जनवरी 1983

को पूर्वों कत संपृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त **किंधिनय्म, के कृधी**न कर दीने के कृत्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृतिधा के लिए; कॉर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, खिनाने कें स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के स्नूसरण में,मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :→→ 12—296GI/83 श्री घनपाल, रामपाल, बेगा और जिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज डी० जी० सिंह पत्नी श्री डी० जी० सिंह, निवासी-ए 9, जी० के० इनक्लेब-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपृत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्म कियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्या है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादावी 7 बिघे और 12 बिग्ने खसरा मं • 58/21(2-18) 59/25(4-16) ग्राम डेरा मण्डी सहसील महरीली नई बिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 विल्ली, नई विल्ली

सारीख: 9-५-४3

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/1-83/ 1529—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली नई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्सा अधि-कारी के कार्यालय, दिल्ला में भारताय रजिस्ट्रोकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरा 1983

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ओं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और विरमी सुपुत्रगण श्रो काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुचित्रा चावला, सुपुत्री आर० सी० चावला, निवासी बी-62, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय,र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे और 12 बिएवे, खसरा नं० 37/22(4-16), 58/2(4-16), ग्राम डेरा मण्डी, तहर्सील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिब्ली

तारीख : 9-9-1983

मोहर 🛭

प्रस्पु बाइ . टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/1/एस आर-3/1-83/ 1528:—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को प्वांक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तानीया बन्ना पत्नी श्री अर्जुन बन्ना और बेबी बम्बा बन्ना सुपुनी श्री मर्जुन बन्ना निवासी बी-24, चिराग इनक्छेव, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति व्याग अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिवे 16 बिश्वे, खमरा नंऽ 59/13, ग्राम डेरा मण्डी, तहसीन महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली

तारीख: 9-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निदंश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/1-83/ 1527—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के इस्पमान

1908 (1908 का 16) के अधान ताराख जनवरा 83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाउ 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मास्टर अमन बन्ना सुपुत्र श्री अर्जुन बन्ना और अर्जुन बन्ना सुपुत्र स्व० श्री आर० के० बन्ना, निवासी बी-24, चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

वनसर्ची

कृषि भूभि तादादी 4 बिघे और बिग्वे, खसरा नं० 59/9, ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली

तारीख: 9-9-1983

अरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर 3/83/1526—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उणित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

 श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली नई दिस्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रबीन कुमार सुपुत्र विरेन्द्र सिंह, निवासी-ए-9, ग्रैटर कैलाश इनक्लेब-2, नई दिल्ली और केशव भगत सुपुत्र स्व० श्री ए० एस० भगत, निवासी 186-गोल्फ लिंक, मई दिल्ली।

('अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावावी 4 बिघ, खसरा नं० 68/7(2-0), 68/14(2-0), प्राप्त डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिस्ली।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, कर्थात् :—

तारीख: 9--9-1983

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/1-83/ 1508—-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम सलाहापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिका से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की यायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; आर्/मा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन्, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राम सिंह सुपुत्र श्री किरपा राम, निवासी ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीना मेहरा पत्नी मेजर पी० के० मेहरा, निवासी-डी 7/6, बसन्त विहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हुई।

उक्त सम्मृत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुस्ची

कृषि भूमि ताबादी 22 बिघे और 18 बिग्वे, एम० नं० 17, किला नं० 23 (4-16), 24(4-16), एम० नं० 22, किला नं० 3 (4--16), 8/1(2-8), 8(6-2), ग्राम सलाहापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली

तारीख: 9-6-1983

मोहर ᠄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983।

सं० आई० ए. सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/1-83/ 1401:—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बार्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, सर्थात्:—

 श्री जोगिन्दर आहूजा सुपुत्र श्री हरअंस लाल आहूजा. निवासी-7926, आरा काणन रोड, पहाड्गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री के० आर० मेनन, सुपुत्र स्व० श्री के० पी० दामोदरा मेनन निवासी सी०-41, मेयफेयर गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 3 बिघे और 13 बिग्वे, खसरा नं० 259 मिन, ग्राम खानपुर, महरौली, नई विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीखाः 12−9−1983

प्ररूप काइँ. टी. एन्. एख. 🛫 -- -

भायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

मंद्री विल्ली, विनांक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस आर०-3/1-83/ 1402:—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83।

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिस्तरों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- श्री जोगिन्दर आहूजा सुपुत्र श्री हरबंस लाल आहूजा, निवासी, 7926 आरा काशन रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कें आर० मेनन सुपुर श्री कें पी० दामोदरा मेनन, निवासी-सी० 41, मेयफोयर गार्डेन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीख से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बच्ध किसी जन्म व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुस्थी

कृषि भूमि तादादी 1 बिचा और 3 बिग्वे, खसरा नं० 260/1 मिन, प्राम खानपुर, नई विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 12-9-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर व्यायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई चिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सिनम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1-83/1409-अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) की अधीन निपारितिखित व्यक्तियाँ, अभीत् ह → 13—296GI/83 श्री लेख राम, भजनी, हरकेण सुपुत्र श्री हरिया, धरम पाल, रामपाल सुपुत्रगण श्री सोहन, नियासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ज्योतिन्दर जैन सुपुत्र श्री विरेन्द्र कुमार, निवासी सी०-6/53 एस० डी॰ ए०, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ए---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिग्वे, खसरा सं• 227, ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1़ दिल्ली।

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकंद्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1

नई विल्ली, विनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०भार०-3/1-83/ 1411—अत:, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाचार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा को ग्राम बाया मगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उच्च अन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री लेख राम, भजनी, हरकेश सुपुत्रमण श्री हरीया, धरमपाल, रामपाल सुपुत्रमण श्री सोहन, निवासी ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. संस्कृति प्रतिष्ठान, सी० 6/53 एस० डी० ए० नई ादिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मचिध बन्द में समान्त होती हो, के भीतर प्रकेशक स्थानता में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 5 बिघे और 15 बिघ्वे, खसरा नं० 225(4-17), 239 /2(0-18), ग्राम आया नगर, नई दिल्ली है ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 दिल्ली।

तारीख: 12~9-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1-8 2/1417:—अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1983
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उच्चित आजार मृत्य से कम के इत्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उजित आजार
मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पुन्तक प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक,
रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जैतरण से हुई किसी आयुकी बाबह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ग़ेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अमस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री धनपास, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम-डेरा मण्डी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुचित्रा चावला सुपुत्री श्री आर० सी० चावला, निवासी-वी-62, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिश को अर्थान को सम्बन्ध में कोएई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ख्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पर्धकरण: ----इसमें प्रयाकत शब्दों और पर्दों का, लो उकत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 7 बिघे और 8 बिख्वे, खसरा नं 37/12(3-8), 37/19(4-0), ग्राम-डेरा मर्जा, तहमीज महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली।

तारीखा: 12-9-1983

प्ररूप आई.. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अगयकर आग्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/1-83/1418—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 एम 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखत उव्यक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीक रूप से कृष्यत् नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम का धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री धननान, रामनाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण
 श्री काले, निवासी ग्राम—डेरा मण्डी, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री अर्जुन बन्ना सुपुत स्व० श्री आर० के० बना,
 बी-24, चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयावत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे और 16 बिछ्वे, खसरा नं० 59/1, ग्राम-डेरा मण्डी, तहसीत-महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन-रेंज-1, हिल्ली।

प्रा**रीख**: 12--9--1983

मोहर 🤙

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983 निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1-83/ 1419---अतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—डैरा मण्डी, तहसील—महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शिस्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :— श्री धनराल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम-डेरा मण्डी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश सूद सुपुत्र स्व० श्री ओ० पी० सूप श्रीर श्रीमती दिपती सूद पत्नी श्री राकेश सूद, निवासी ई०-14/4, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्षीक रण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 9 बिबे और 12 बिश्वे, खसरा नं० 58/10(2-4), 59/6(4-16), 59/7(2-12), ग्राम-डेरा मण्डी, तहसी र-महरौलो, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आर्च. टी. धृन. एस. ----

वायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I

जी-13, प्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर.-3/1-83/ 1420:--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डो, नई विल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनकरी 1983।

की पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किमत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-म के अन्मरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री धनगल, रामगल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निजासी ग्राम डेरा मण्डो, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री तानी गा बन्ना पत्नी श्री अर्जुन बन्ना और अर्जुन बन्ना सपुन स्पर्व श्री आर० के० बन्ना, निवासी-बी०-24, चिराग इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्था भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जम् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सभ्यन्थ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्त में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी ज्ञा व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाखीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का छ जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

किष भूमि तादादी 7 बिषे, खसरा नं० 59/7(2-4), 59/8(4-16), ग्राम डेरा मण्डी, तहसील, महरौती, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I दिल्ली

तारीख:12-9-1983

प्रारूप आहें. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-5/1-83/ 1421—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उबत विधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- . . . स अर वक हु

करेर जिसकी संख्या कि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी,

महरौली, नई विरूली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्व रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के

कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83

पूर्वेक्त सम्मत्ति के जियत बाजार मृन्य से कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के

पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तिरती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्-/या
- (च) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अतस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः सम्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों,अर्थात् :---

- श्री धनपाल, रामपाल, बेगा और बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी ग्राम डेरा मण्डी, नई विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री जैस्स कुष्टोफर जानणान सुपुत्र स्य० कनरल चार्ली रिचर्ड जानणन आफ जानणन अर्वर्डस पो० रायणन कुलु, हिमाचल प्रदेश।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को सारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगत्ति में हितक्षूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जनसकी।

स्वव्यक्तिरण :-- इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्यो का, जहे जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं सर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

किथ भूमि ताबादी 9 बिधे और 12 बिग्वे, खसरा नं० 59/14(4-16), 59/15(4-16), ग्राम खेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई विल्ली।

नरेन्द्र सिंह, समम अधिकारी, सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I

नई दिल्ली, विनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०3/4-83/ 1422:—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री धननान, रानपाल, बैगा और बिरमी सुपुत्रगण काले, निवासी—-ग्राम-डेरा मण्डी, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरह)

 श्री जैम्स क्रुष्टफर जानशन सुपुत्र स्व० कर० चार्लीस रिचर्ड जानशन आफ जानशन अर्चर्डस पो० रायशन कुलु हिमाचल प्रदेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 विघे और 13 विश्वे, खसरा नं० 58/12, ग्राम - डैरा मण्डी, तहसील-महरीली, नई दिल्ली।

> नरेष्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-I,दिल्ली

तारीख: 12~9—1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृष्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनाक 12 सितम्बर 1983

निर्वेषा स० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० आर०-3/1-83/ 1423:——अत. मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो श्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक स्प से किशा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

न्तः अत्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत् :--14---296GI/83 श्री धनभाल, रामपाल, त्रेगा श्रीर त्रिरमी निवासी—— ग्राम—डेरा मण्डी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री केशव भगत सुपुत्र स्व० श्री ए० एस० भगत, निवासी-186 गोल्फ लिक, नई दिल्ली श्रौर प्रवीन कुमार सुपुत्र विरेन्द्र सिंह, निवासी-ए-9, ग्रेटर कैलाश इनक्लेब-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया ब्या हैं [8]

अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 6 निघे ग्रीर 16 बिग्वे, खसरा र्नं 37/23(4-0), 58/3(2-16), ग्राम——डेरा मण्डी, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षम) अर्जन रेज-रि, दिल्ली ।

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा $269-{}^{\mathrm{E}}(1)$ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, एहायह आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1-83/1424:—अत मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर औधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो डेरा मंडी, तहसील— महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

गस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जल: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1' के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री धनपाल, रामपाल, बेगा ग्रौर बिरमी सुपुत्रगण काले, निवासी-ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री केशव भगत मुपुत्र स्व० श्री ए० एप० भगत, निवासी 189 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली, शौर प्रवीन कुमार सुपुत्र श्री विरेन्द्र सिंह, निवासी ए०-9, ग्रैटर कैलाश, इनक्लैव-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 6 बिधे ग्रौर 9 बिध्वे, खसरा नं० 37/21 $\left(1-13\right)$, $58/1\left(4-16\right)$, ग्राम डेरा मण्डी, तहसील महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिह, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्लो ।

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आर्द्घ टी.एन एस -------मधिनियम 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-[,

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० सी०/ए ख्यू/1/एस-आर-3/1-83/1431:--अतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली, में स्थत है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिन्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को पूर्वों अत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आभिनियम, के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निक्षिण व्यक्तियों, अथीत :---

- श्री अगोक कुमार कक्कड सुपुत्र श्री दरगाही दास कक्कड़ निवासी ई-20 ग्रेटर कैनाण इनक्नेत्र-2, नई दिल्ली, हारा अटार्नी श्री वेद प्रकाण, (अन्तरक)
- 2. श्री धनपाल, रामपाल, बेगा ग्रीर बिरमी सुपुत्रगण श्री काले, निवासी-ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

इस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि तादादी 34 बिघे और 12 बिग्वे, एम० नं० 91, किला नं० 1(4-12), एम० नं० 92, किला नं० 5(4-4), एम० नं० 70, किला नं० 16(4-16), 17(4-16), 24(4-16), 25(3-16), एम० नं० 71, किला नं० 20(4-16), 21(3-16)), ग्राम डेरा मण्डी, सहसील—महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख. 12-9-1983 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अ।यक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ा.

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/1 -83/ 1432:—अत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री पृथ्वी लाल भिनान सुरुत श्री मानक चन्द, निवासी-जी-77, मिस्तद मठ, ग्रैटर कैनाण-2, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी श्री वेद प्रकाण

(अन्तरक)

 श्री धनपाल, रामपाल, बेगा श्रौर बिरमी मुपुलगण श्री काले, निवासी—-डेरा मण्डी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथांहुस्साक्षरा वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादी 34 बिघे ग्रौर 12 बिग्ले, एम० नं० 91, िकला न० 1(4-12), एम० नं० 92, िकला नं० 5(4-4), एम० न० 70, िकला न० 16(4-16) 17(4-16), 24(3-16), 25(3-16), एम० नं० 71, िकला नं० 20(4-16), 21(3-16), ग्राम डेरा मण्डी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिह् मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली

तारीख: 12-9-1983 मोहर.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनाक 12 सितम्बर 1983

सं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एप आर-3/1-83/1447:— अत मुझे नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- मं अधिक है

भौर जिसकी संख्या 425, ब्लाक सी, है तथा जो डिफेप कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है, (और इममें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का किम्निलिखत उद्देश्य से अकत बन्तरण लिखित में बास्तिबक हप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ मी, मी, उका अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात :--- श्री वि० कें० मेहता सुपुत्र श्री बी० एम० मेहता, निवासी-7 ए/70, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार बुटा मुपुत्र श्री ए० सी० बुटा, निजासी-6/2, स्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क,रता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, जो उसल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 425, ब्बाक 'सी' ताक्षादी 325 वर्गगज, डिफेस कालोनी, नई विल्ली

> नरेन्द्र सिह्, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख-12-9-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 12 सितम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० आर-3/1-83/1460:—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या 127, ब्लाक 171 है, तथा जो मुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सपत्ति के अधिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क्का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- शी प्रभात ग्रीर अलोक सुपुत्रगण स्व० श्री मदन मोहन, निवासी-निशकाम बेस बिल्डग, बेगम वेन्डज रोड, मेरठ, ग्रीर 105 अवरंस्ट जे० एल० नेहरू रोड, बम्बे।

(अन्तरिती)

 श्रीमती कृष्णा स्वरूप पत्नी श्री गैलेन्द्र स्वरूप, निवासी-127 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 127, ब्लाक नं० 171, 127 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली नई विल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आर्ड टी एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई खिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्वेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू/ 1/एस० आर०-3/1-83/1461—अनः मुझे, नरेन्द्र सिंह्,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या ई० 142, है तथा जो ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाश्वद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अतरण लिसिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्णा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री परघोतम लाल सभरवाल, निवासी---डी--89, कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस्थ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रय्वत शब्दो और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

हैं दिल्लाट न० ई०-442, नादादी 250 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाग-2 नई, दिल्ली '

> नरेन्द्र सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई क्षिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन मृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०- 3/ 1-8 3/ 1 4 6 7—अन: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/3 है, तथा जो गोल्फ लिक, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई खिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पृथों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- मै० इस्टरकाफट 1४० ए-16, नरायमा इंडस्ट्रीयल एरिया, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० डी॰ एस० कनस्ट्रक्शन प्रा० लि० ई० 9, एन० डी॰ एस० ई०, भाग-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रंगला नं० 10/3 गोल्फ लिंक, नई दिल्ली, 2/1/2 मंजिला मकान, तादादी---2471.5 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विस्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-83/1468---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—रंगपुरी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या नय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उनत अंतरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धभने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 महानक्ष्मी गार्डेंन कालोनी कोओपरेटिब, एग्रीफल्चरन मल्टीपरपज कोपरेटिब सोनायटी नि०, द्वारा एस० के० गुप्ता, सेक्रेटरी।

(अन्तरक)

 श्रीमती आशा कुमार, मानान नं० 124 सेंस्टर-9-बी-, चंडीगढा

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संम्बन्धी व्यक्तियों पर राज्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुसाक्षरी दें पास लिखित में किए जा भक्ती।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उसन अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें विया गया है।

अनुसुधी

कृषि भूमि तादावी 9 बिघे 12 विषवे, खसरा नं० 1896 और 98, ग्राम --रंगपुरी तहसील ---महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभ्य, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-83/1474-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-210 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्या नय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को प्वांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ध—- श्रीमती इन्वरजीत कौर पत्नी एस० अमरजीत सिंह जौहर, निवासी सी०-139, डीफेंस कालोनी, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. लेपटनेन्ट कर्नल बी० के० मेहता, सुपुत्र श्री बी० एम० मेहता, 7ए/70 डब्ल्यू०-ई०-ए०-करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

इन्टायर ग्राउन्ड फ्लोर ई-210 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरिया, 1650 वर्ग फीट:

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 12-9-198**3**

प्रकप माई• टी• एन• एस•-

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एत्रयू०/1/एस० श्रार०-3/
1-83/1482—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह
ग्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/६० से श्रविक है

और जिसकी सं० डी-13, हैं तथा जो ई० पी० रेलवे रीफ्युजी कालोनी , ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की नागत, चक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिक्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्यिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के प्रनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- 1. श्री बसम्बर नाथ सुपुत्र पं० राम दत्ता। (अन्तरक)
- श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री ओंकार नाथ, निवासी-1972 चान्दनी चौक अपोजिट सेन्ट्रल बैंक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी भ्रन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवां का., वो उक्त प्रधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में दिमा गया है।

भनुस्ची

प्रो॰ नं॰ डी॰-13, ई॰ पी॰ रेलवे रीफ्युजी कोलोनी, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली, एरीया 300 वर्गगण।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

भरूप आर्द्र . टर्न . एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) क अधीन सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-83/1496—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अधिक है

और जिसकी मं० 175, ब्लाक 172 है तथा जो जोर बाग, नर्सरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अवीन, जनवरी 1983 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रामान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रायमान प्रतिकल से, एसे ख्रायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में धास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक धरें दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मै० राम प्रकाश एण्ड कं० प्रा० लि० 3-क्वीन्स रोड, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

 कुमारी त्रिन्का राय और कुमारी सुमाली राय, श्री सन्तन् राय, निवासी-17, फ्रेंन्डस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सृष्या जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्शिके वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास स्विखित में किए जा मर्कों।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 175 ब्लाक नं० 172, जोर बाग नर्सरी, नई दिल्ली तादादी-375 वर्गगज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-8 3/1510 ---यत मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्--

1. तेजा सुपुत्र स्व० श्री किशन लाल, निवासी---ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं नवरंग कमर्सीयल कं प्रा० लि० 219 चितरंजन एवन्यु, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसनी

कृषि भूमि तादावी 4 बिघे और 16 बिघवे, खसरा नं० 1916, स्थापित ग्राम--आया नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि क्षिण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-9-1983

प्रारूप आर्च.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
' नई फिल्ली दिनांक 12 सितम्बर, 1983
निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/
यतः मुझ, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—आया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन, जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत्, उक्त जिंभिनयम् के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयस्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था छिपाने में सृष्धा के लिए;

जतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् के— श्री तेजा सुपुत्र स्व० श्री किशन लाल, निवाबी—-ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० नवरंग कमसीयल कं० प्रा० लि० 219 चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे और 16 बिग्वे, खसरा नं० 1930, ग्राम—आमा नगर, नई दिल्ली।

> नरेन्त्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

मोहर 🖫

प्ररूप् माई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तुरकारु

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-83/1512---यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—आया नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के नम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तुविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचुने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री तेजा सुपुत्र स्व० श्री किशन लाल, निवासी----ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं ॰ नवरंग कमसीयल कं ॰ प्रा॰ लि॰ 219 चितरंजन एवन्यु, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बिघे और 13 निश्ने, खसरा नं० 1915/1(1-13), 1933 (2-0), ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंण 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०~3/ 1-83/1550--यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री राम किणन, सुपुत्र स्त्र० श्री टेक चन्द, निशासी-154, खानपूर, नई दिल्ली।

अन्तरक)

2. मास्टर गौतम वेदी और मास्टर नितीन वेदी, सुपुत्रगण श्री निरन्दर के० वेदी, निवासी —एन/51, पचशील पार्क, नई दिल्ली वर्तमान निवासी स्थान-ई०/417 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, द्वारा उनके मदर श्रीमती नीती वेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
 - (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपर्तित में हितवव्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पास्तीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कवाँ और पर्दों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिसा गया हैं।

अन<u>ुस</u>्ची

कृषि भूमि तादादी 4 विघे और 16 विषये, खसरा नं० 286, ग्राम-खानपुर, नई विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

परूप आहर .टी. एन. एस. ----

आयकर अधिशियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-घ (1) क्षे अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं०थ्राई०ए०सी'०/एक्सी०v्०/1/एस०भ्रार०5/1-83/1570—-यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्षा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं०एन—56 है, तथा जो पंचणील पाक, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नई दिल्ली जनवरी, 1983

कों पृषांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित, में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मों कभी करने या उससे अचने में सूविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- श्री किमन लाल श्रडवानी सपत्र स्व० श्री गोविन्दराम निवासी 15-डी/1, वस्ट एवन्यु बोकारी स्टील सीटी, (अन्तरक)
- श्रीमती उमा कुमारी पत्नी श्री सुरीन्द्र कुमार, निवासी-एन-56 पंचशीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० एन०-56, पंचशीत पार्क, नई दिल्ली, एरीया 800 वर्गगज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मोहर 🖫

तारीख: 12-9-1983

16-296 GI/83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सिसम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 1-83/1592—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० ई०-1/1, है, तथा जो वसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिट्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य झास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर झिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सिवधा के न्सए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सुन्नाता घोस, निवासी 1—अलीपुर एवन्यु एक्स-टेनशन वेस्ट, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

2. श्री स्रो॰ पी॰ अरोड़ा, निवासी ई०-1/13, वसन्त विहार, नई दिल्ली-57।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

एक मंजिला मकान की तादारी 630 वर्गफीट, एरीया $\xi-1/13$, वसन्त विहार, न ξ दिल्ली-57।

नरेन्द्र सिंह मक्षप्र अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

मोहर 🗳

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/3/एस० आर०-2/ 1-83/8520—अत: मुझे बी० के० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो टीकरी कलां, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री नफी सिंह सुपुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी —ग्राम टीकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निशा देवी गंगवाल पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार गंगवाल, निवासी-8-लोवर रौंडन स्ट्रीट, कलकत्ता-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश म की सारीक्ष भे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्कतिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 9 बिघे 6 विध्वे, खसरा नं० 4 5/3 (4---10), 4(4---16), ग्राम ---टीकरी कलां, दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक अध्यकर अध्युक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित:——

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-2/ 1-83/8518--अत. मुझे बी० के० गृप्ता

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो टीकरी कलां, दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनूसची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नफी सिंह मुदुत श्री प्यारे लात, निवामो -- प्रान टीकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निणा देवी गंगवाल पत्नी श्री राजेन्द्र हुपार गंगवाल, निवासी 8-तोवर रोडन स्ट्रीट, कनकता-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अ।रीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी 10 विघे 9 विश्वे, खसरा नं० 41/175-4); 18(5--5), ग्राम टीकरी कलां, विल्ली।

> बी० के० गुष्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, किल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-9-1983

प्रकप् बाइ. टी. एन. एस्.-----

जन्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्ण) अर्जन रेंज 3, जी-412, सी आर बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई सिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 1-83/8519—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैतथा जो टीकरी कलां, धिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंवह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उधत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखितः व्यक्तयों, अर्थात्:—

 श्री नफी सिंह सुयुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी ग्राम टीकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती निशा देवी गंगवाल पत्नी श्री राजेन्दर कुमार गंगवाल, निवासी 8-लोवर रौडन स्ट्रीट, कलकत्ता-20।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इंतर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में तथा परि-भाषित हाँ, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 विघे 6 बिश्वे, खसरानं० 41/23 (4-10), 24(4-16), ग्राम--डोकरी कर्ना, दिल्ली।

बी० के० गुष्ता मझन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 क्षिल्ती, नई फिल्नी-110002 ।

तारीख: 5-9-1983

प्रकप बाह्र . दी . एन् . एस् . -------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, जी,412,सी0 म्रार0 बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/एस० आर०-2/ 1-83/8392—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एफ०/89, है तथा जो विष्णु गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से मिंगत पहें), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय दिल्नी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ह्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीनिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक हैं से कथित नहीं किया ग्या है है

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सूयिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निस्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्री तिलक राज, जी० अटार्नी श्री प्रकश सिंह, निवासी जी०—4, माम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हकीकत राय कालरा, निवासी-एफ०-9, विष्णु गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एफ०-89, तादादी 183, वर्गगज, स्थापित विष्णु गार्डेन, नई दिल्ली।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी०-412, सी० आर० बिर्लिडग इन्द्रप्रस्थ स्टट नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 1-83/8511—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ई-3, है तथा जो भगवान दास नगर, रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री राम प्रकाण पठानी सुपुत्र श्री यासन्त राम पठानिया निवासी-50-बी०/यु-ए, जत्राहर नगर, दिस्ती । (अन्तरक)
- 7. श्री मुकेश कुमार शर्मी, श्री प्रमोद कुमार शर्मा, श्री संदीप कुमार गर्मा सुपुत्रगण श्री मंगत राम गर्मा, निवासी-111-सी/7, नेहरू नगर, गाजियाबाद, (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्ः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-3, तादादी 220 वर्गगज, स्थापित—भगवान वास नगर, रोहतक रोड़, एरीया ग्राम-शकुरपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> बी०के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी गयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

सारीख**ै**: 5-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस,------

आयवःर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, जी 412, सी०झार० बिलेंडिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 1-83/8385—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं०-76, ब्लाक सी' है तथा जो न्यु मुलतान नगर, नई दिन्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप्त अधिनियम, या धन-अप्त अधिनियम, 1057 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शीमती तक्मी देवी पत्नी स्व० श्री भगवान दास, श्रीमती ईश्वरी देवी पत्नी श्री राम किशन, श्री राम देव सुगुत्र स्व० श्री भगवान दास श्रीर श्री हरी राम सुपुत्र स्व० श्री भगवान दास, सभी निवासी-आई०-17, गंगगुरा, नई दिल्ती।

(अन्तरक)

 श्री मोहिन्दर कुमार सुपुत्र श्री एम० एल० गुप्ता, निवामी-सी-1, डो०सी० आई० डी० कमप्लेक्स, नांगलोई, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण मी प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-बद्याला का नार्या के एस अवस्था के पास लिखित में किए जा सकती।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्का अधिनयम के बध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नं० 76, ब्लाक 'सी' तादादी 200 वर्गगज, स्थापित न्यु मुलतान नगर, एरीया—प्राप - यावाला हेरी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

बी० के० गुप्ता नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ती, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 5-9-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई बिल्ली, विनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एत्रयू०/3/एस० आर०-2/ 1-83/8472—अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्हास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से जिसक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम--वामनौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे प्उपायब ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे रृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री लालीया, निवासी—ग्राम— बमनौली, नई दिल्ली द्वारा ज० अग्रानी श्रीमती कैलाण वती पत्नी श्री रतन सिंह श्रौर दया नन्द सुपुत्र श्री लालीया निवासी—ग्राम—वमनौली, नई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राजेश कुमार, योगेश कुमार सुपुत्र श्री रतन सिंह ग्रीर राम कुमार मुपुत्र श्री दया नन्द निवासी-ग्राम—विभनौगी, तहमील—निव्हरौनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 37 विघे ग्रौर 18 विषवे, खसरा नं॰ 132/2(0--8), 144(5--17), 147(4--13), 148/2(2--7), 378(2--8), 381(4--16), 382(4--16), 384(4--16), 385(3--1), ग्राम—बमनौली, तहसील—महरौली, नई दिल्ली

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 5-9-1983

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/ 1-83/1594—यतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2630 है तथा जो ब्लाक -एम०, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1983 को प्रशंकन सम्पत्ति के उच्चित बाजार सल्य से कम के क्यामा

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रामान प्रतिफल से, एसे श्रामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1757 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों सर्थात्—:

- श्री करतार सिंह लम्बा सुपुत्र श्री निहाल सिंह, निवासी
 2630 बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- 2. श्री मनमोहन सिंह लम्बा सुपुत्र श्री किरपाल सिंह लम्बा, निवासी-2630 बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली श्रौर श्रीमती कैलाश कुमारी तलवार पत्नी श्री मदन लाल तलवार, निवासी-एफ०-3, बालीनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (वा) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भी सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्रो० नं० 2630, ब्लाक 'एम' 'ब्लाक' 16, खमरा नं० 1402/24, तादादी 148 वर्ग गज, नाईवाला बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली।

वी० के० गृष्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु/3/37 ई०ई०/1-83/ 1—यत:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जि इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० ए०-504, है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपावद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन ,तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मै० ग्रंसल प्रोपर्टी एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 ग्रंसल भवन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री राम स्वरूप भ्रौर कुमारी मोनीका राम सरूप, शेर दास, निवसी-36, शिवाजी पार्क, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

फ्लेट नं० ए०-504, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरीया—219 वर्ग फीट।

> बी० के० गुष्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37 ई० ई०/1-83/2—यत:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम गामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जी० एफ०-8, है तथा जो 19 राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई क्लिनी भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से एसे उर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मै० श्रंसल प्रोगर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि● 115
 झंसल भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अजीत सिंह, निवासी -- 9ए/2, डब्ल्यू०ई० ए० करोल बाग, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुस्ची

फ्लेट नं० जी० एफ०-8, 19 राजेन्द्रा प्लेम, नई दिल्ली, एरीया 140 वर्ग फीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ई० ई०/1-83/3—यत:, मुझे, बी० के० गुप्ता,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० 1, 2, 4, 5, भौर 6 है तथा जो 4-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली मे स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पूर्विक्स सम्पित्स के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दगरा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- मै० कल्यानी पेपर प्रोडक्ट्स लि०, आत्मा राम हाउस,
 1-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै॰ मिरक्षा एसोसिएट्स प्रा॰ लि॰ 15बी॰, आत्मा राम हाउस, 1-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1, 2, 4, 5,ग्रौर 6 चौथी मंजिल, भीकाजी कामा प्लेस, नई बिल्ली, एरीया—2961.5 वर्ग फीट।

> बी० के० गुप्ता म अम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/3/37 ई० ई०/1-83/4---पतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस०-14 है तथा जो पदमा टावर-2, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत) है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जनवरी 1983

को पृवांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधितियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िक्सी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री पी० एत० खन्ना, निवासी-14/15ई०, कनाट प्लेस, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं मेहता इन्टरनेशनल प्रा० लि० बी०-122, माया-पुरी इन्डस्ट्रीयल एरीया, भाग-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यच में प्रकाशन की टारी कसे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अनुस्ची

एम०-14, पदमा टावर-2, राजेन्द्रा प्रेस, नई दिल्ली; एरीया--460 वर्ग फीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज-3, किल्ली, नई क्लिनी-110002

तारीख: 12-9-1983

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37 ई० ई०/1-83/6—यतः, मुझे, बी० के० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 908 भौर 909, है तथा जो पदमा टावर नं० 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई विस्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है '——

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत एक्त सिक-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें त्रवने में सुविधा के लिए। भीर/या
 - (श्व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— मै० श्रोकारा फ्लावर एण्ड जेनरल मिल्स लि० ज्वाला फ्लावर मिल्स, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 मैं० इन्डीयन वनस्पती प्रोडक्ट्स एसोसीएणन, 8-भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 908 श्रीर 909 पदमा टावर नं० 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरीया—-1154 वर्ग फीट।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई 'बिल्ली-110002

तारी**छ** : 12-9-1983 मोह**र** प्ररूप आर्ष टी. एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निर्देण स्त० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37 ई० ई०/1-83/8—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी स० 102/3 है तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक स्प से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्ता अभिनियस के अभीन कर देने के अन्त्रक बै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [ख] ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियानी में स्विधा के लिए;

अशः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ मैं, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1,) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मै० भंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रसल भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री करनल एम० आर० यादव (रिटा०), 198/2, गढ़ी, अपोजिट सीनेमा, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जुक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष् सूचना की तामील से 30 विन की जनिध, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच निक्ति में किए जा सकेंगे।

मनुष्यी

फ्रोट नं० 102/3, भीकाजी कामा प्लेस, न ξ दिल्ली प्रीया- \sim 399 वर्गफीट्री

बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-9-1983

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सिप्तम्बर 1983

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/37 ईई०/1-83/ 10-अतः मुझे, बी० के० गप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० 124 बी०, 125 बी०, है तथा जो 5- भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी, 1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित प्रवासतिक रूप सं किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती रूपा गुप्ता, निवासी आर-29, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर प्रवीन चौधरी,
 निवासी एल-1/3,
 एन० डी० एस० ई०, भाग-2,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 124 बी, और 125 बी, 5- भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 284 वर्ग फीट ।

> बीं० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः~-18—296 GI/83

तारीख . 12-9-1983

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/1-83/ 11---अत: मुझे, बी० के ० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जी० एफ० 8 है तथा जो दीपशिखा राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि—कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंबल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० दिल्ली टावर्स प्रा० लि०। 115, अंसल भवन. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० चावला रीप्रोग्नेफिक्स, वी-109, फतेहनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उन्त ' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० जी० एफ-8, दीपशिखा राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 210 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/1-83/ 12 -- अतः मुझे, बी० के० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० यू० जी० 159 है तथा जो 9, भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इंगरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रंज-3, नई दिल्ली मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अवीत, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कर क दश्यमान **प्रति**फल के लिए अंतरिती की गई है े और मुक्ते रह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का छाचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमार प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) आर अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया परितफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित मा बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने मे सुविधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री सरवजीत सिंह लम्बा, निवासी ई-29, बाली नगर. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० सुरिन्द्र सिंह जौली, 2. श्रीमती गुरशरन कौर जौली, निवासी जे*0-2/23,* राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे^ट **दि**या गया है।

अनुसूची

शाप नं० यू० जीं० 59, अपर ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग न० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 184 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्ली, नई विल्ली

तारीख . 12-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक वायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 सिसम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/ एक्यू/3/37ईई०/1-83/13—अत: मुझे, बी० के० गृप्ता शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्धि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 302 है तथा जो 9 भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तार्राख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे अचने यें सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंमी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गंकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-त्र के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती स्वर्ण कौर और विंग कमाण्डर आई० जे० एस० छत्तवाल, निवासो बी-6, डिफेंस कालोनी, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमिता बेदी, मास्टर विनोद शील बेदी, मास्टर सीमर बेदी, निवासी टी-17, बर्ड प्लेस, दिल्ली कैण्ट-10।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त योक्तय में साकशी व्योक्त होती हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बस्थ किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिलिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लैंट न० 302, प्लाँट नं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, रिग रोड, नई दिल्ली, एरिया 460 वर्ग फीट।

> वी० के० गृप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 विल्ली, नई विल्ली

तारोख : 12-9-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्ड. टो. एन. एस.-----

आयकर मॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 सितम्बर 1983

निदंश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3-37 ईई०/1-83/ 14---अत मुझे, बी० के० गुप्ता

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है

और जिसको स० आर०-4 है तथा जो 6, भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकाँ) और अतरिती (अतिरितियो) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (कां) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए.

अस अधा, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ----

(1) मैं० असल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 115, असल भवन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश बदामी, सुप्त स्व० श्रीबी० आर०ए० बदामी, मार्फत होटल सफीटल सुयी, फेड्स कालोनी, नई दिल्ली-65।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नंट न० आर०-4, बिल्डिंग न० 6, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 446 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, विल्ली/नई दिल्ली

भारोख 12-9-1983

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 412 चौथी मंजिल, सी०ग्रार० बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/1-83/15—अतः मुझे, बी० के ० गुप्ता आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० बी०-1 है तथा जो 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

1961 के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके टर्व्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रथ्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

अर्जन रेंज-3, दिल्ली में भारतीय आयजर अधिनियम,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैं० नेहा दीच कन्सट्रम्मन,
 राजेन्द्रा प्लेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारो गुरसीमरान धुग्गल द्वारा उसके पिता : श्री जी० एस० दुग्गल, निवासी 6-ए, बीच हाऊस, पार्क घाण्डी ग्राम रोड, जुह, बम्बई-50।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

वातानुकूल स्पेस नं० बी०-1, ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग नं० 1, राजेन्द्रा प्लेस, नईदिल्ली, एरिया 132 वर्ग फीट।

> बी० के गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

तरीख: 12-9-1983

प्ररूप बार्ड, टी. एन, एस. ------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्यकर प्राप्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 412 मी०म्रार० बिल्डिंग, इन्ब्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/1-83/ 16--अतः मुझे, बी० के० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एम०-६० 25, है तथा जो गोपाला टायर राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप सेविणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर

अधिनियम 1961 के अधीन, नारीख जनवरी, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्मलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मास्टर सभीर वाली सुपुत्र श्री सुभाष वाली, द्वारा श्री विजय गर्मा (अटार्मा) कुमारी पूजा शर्मा सुपुत्नी श्री विजय गर्मा (सही अभिभावक), किंग अपार्टमेंट, जुहु तारा रोड, जुहु, बम्बई।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सुशीला भाटिया पत्नी श्री बी० एल० भाटिया, निवासी 47/19, राजेन्द्रा नगर, नई दिल्ली, और श्रीमती अस्ना सचदेव पत्नी श्री अमृत लाल, निवासी 631, केयती कुंज, हापुड़, यू० पी०।

(अन्सिर्दती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्परित के अर्जन के लिए अर्थिकाहिए करता हुं।

उक्त सम्भत्ति का अर्जन का राम्बन्ध में काइ मां जाक्षण .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स् 45 दिन का अर्जन या नासकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्याप्तारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पलैंट नं० एम०-ई० मंजनिन फ्लोर, गोपाला टावर, 25. राजेन्द्रा प्लेस नई दिल्ली एरिया 290 वर्ग गज ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, र*पन् :---

सारीख: 12-9-1983

प्रक्षप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रश्वितियमः 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 412 सी०म्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्य स्टेंट नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 सिसम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई०/1-83/17—अत: मुझे, बी० के० गुप्ता भायक्षर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम गिधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृख्य 25,000/- क० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जी०-एफ०-8 है तथा जो 19, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए प्रस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्र में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छाइ प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्विक इन्य से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरुरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री अजीत सिंह
 निवासी 9ए/2,
 डब्स्यू०-ई०-ए० करौल बाग,
 नई दिल्ली :

(अन्तरक)

(2) मेमर्स कोहली फोटोस्टेट प्रिटर्स, ई-41-43, ओल्ड डबल स्टोरी, लाजपत नगर-4 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध मं कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभार घत ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में १३य। गया **ह**ै।

अनुसुची

फ्लैट नं० जी०-एफ० 8, बिल्डिंग नं० 19, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 140 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई विल्ली

सारीख : 12-9-1983

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ज़्(1) के भूधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी-412 सी० भ्रार० विल्डिंग इन्द्रप्रस्य स्टेट नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/3/37ईई/1-83/

19—यतः मुझे, बी० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० एम ई० जेड० एल० है तथा जो गोपाला टावर्स, 25, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती क्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19—296GI/83

(1) मास्टर सुमीर बाली और कुमारी पूजा धार्मा, किंग अपार्टमेट, जुडु सारा रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मास्टर रमीट लेहन एण्ड मास्टर सुमीत लेहन, निवासी आर०-882, न्यू राजेन्त्र नगर, नर्ड दिल्ली।

(अन्सरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इसक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अन्सूची

प्रो॰ नं॰ एम॰ ई॰ जेड॰ एल॰, गोपाला टावर्स, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली एरिया 435 वर्ग फीट ।

> बी० के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-9-1983

मक्स आहें दी एक ,शुक्क . ००००००००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के इसीव स्काम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जी 412, सी० श्रार० खिल्डिग्, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 शिवन्यत 1988

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आपरण है कि स्थानंद सम्बन्धि, विश्वास विनय मानाह मुक्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट 'के है तथा जो 25-राजेंन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंभ-3 नई दिल्ली भारतीय में आवकर सुधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रत्ममान प्रतिफल का स्वाह प्रतिकात अधिक है और अब्बर्क (अव्वरकों) और अव्वरित (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तर्क के जिल् तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उक्देश्व से उक्त के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उक्देश्व से उक्त के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उक्देश्व से उक्त के जिए तथ पाया में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के ब्रह्मग्रूण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मास्टर समीर बाली और कुमारी पूजा शर्मा, (द्वारा श्री विजय शर्मा अटार्नी), किंग अपार्टभेंट, जुहू दारा रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) कुमारी श्रंणु होरा श्रौर कुमारी अलका होरा, क्रान्स की एस० ह्योस, निवासी ए-28, न्यारम्यण विहार, नर्द्र दिल्ली।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी कहकी पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के शिक्ष कार्यवाहियां कपता हुई।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई खाश्चेष, यदि हो हो : नक

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वका की तामील से 30 दिन की अविधा, को भी अविध बाह में समाप्त होती हो, के भीतर मुक्केंब्रत स्वकित्यों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अध्याय 20-क में परिकारिक हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका ग्या है।

अनुसूची

पत्नीट नं० 'के' 25, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, एरिया 325 वर्ग फीट ।

> ृँबी०के० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

सारीच : 12-9-1983

प्ररूप आहै । टी । एन् एसे । जिस्सा अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, जी 412, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट-नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सिसम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/3/एक्यू०/1-83/43—अतः

मुझे, बी० के० गुप्ता

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1106 हैं तथा जो 21, अशोकी इस्टेट, बाराखम्भा रींड, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विल्ली है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के हैंअधीन, तारीख जनभरी, 1983

को क्योंकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तिकी का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्दा था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अमूलरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० स्कीपर करस्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०, 1106, अशोका इस्टेट, बाराखम्भा रोड, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ जैकस होम प्राडक्ट्स लि॰, 1102, आकाम दीत, 26-ए, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति, वर्षे अर्जन व कार्यकारहेको करता हुं।

स्वत सम्मत्ति की वर्षन की सम्बन्ध में काई भी वाकीप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्विभा की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 1106, अशोका इस्टेट, 24 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली, एरिया 1560 वर्ग फीट, अत्यधिक।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख : 5-9-1983

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, जी 412, सी० आर० बिल्डिंग,
इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1-83--44—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

म्नीर जिसकी सं० 308-ए हैं तथा जो 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्रुकार्यालय अर्जन रेंज-1, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बोतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्ति सित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मै० विकाल बिरुडसे प्रा० जि०, ई-18, एन० डो० एस० ई०, भाग-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन आनन्द और श्रीमती राम चमेली निवासी 4/2594, बिडनपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षंप ;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज़मुसुची

आफिस फ्लैंट नं० 308-ए, तीसरी मंजिल, 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 195 धर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, -1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीखा: 5-9-1983

मोहर ः

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, जी 411, सी० आर० बिल्डिंग,
इन्द्रप्रस्थ स्टेंट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1-83/ 46—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के जभीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- कि से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 602 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भ्रंसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, भ्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नर्इ दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर कुमार चोपड़ा, निवासी मकान नं० 17, रोड नं० 6, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्न 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोगे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा मृता हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 602, बिल्डिंग नं० 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 485 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,दिल्ली नई दिन्ली-110002

तारीखा : 5-9-1983

प्ररूप आर्च. टी. एत्. एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, जी 412, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ती, दिनाम 5 सिसम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1-83/49--असः मुझे, नरेन्द्र सिह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिन्न ही सं० 62-63/103 है तथा जो स्कीपर हाऊस नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बॉणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में, भारकीय प्रायकर अधिनियम, 1961 के जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिक्त में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अफ्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी अंगीना कोहली, निती कोहली प्रीति कोहली और मास्टरसजय कोहली द्वारासही अभिभावक तथा पिता श्री के० सी० कोहली, सी० 226, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा जौहरी पत्नी श्री प्रेम किशबोर जौहरी,
कुमारी पारल जौहरी और
मास्टर अभित जौहरी द्वारा
सही अभिभावक एवं पिता :
श्री प्रेम किशोर जौहरी माफँत
श्री रंजन कुमार,
निवासी सी 2/11,
एस० डी।० ए०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए, कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितस्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याक 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 108, पहली मंजिल, स्कीपर हाऊस, 62-63 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तावादी 723 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारी**ख** : 5-9-1983

मोहर 🖫

प्रक्रम धाई। ही। स्थ० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 48) की बारा 269-व (1) के मंत्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत आमृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जी 411, सी० आरट० बिल्डिंग, इन्त्रप्रस्थ स्टेट नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-83/ 49-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

षायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके फान्तान् 'उन्त प्रधितियम' कहा ग्रंथा है); की भ्राप्त 269-व्य के प्रधीत समापाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर मागलि जिसका स्वित बाक्षर मुख्य 25,00% स्पर्य से प्रधिक है

अग्रैर जिसकी सं० 95/308-ए है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अग्रमकर अधिवियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्षत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमिलिखत में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी ध्राय या किसी घत या ध्रन्य प्रास्तियों का जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या ध्रत-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं ० विस्ताल बिल्डर्स प्रा० लि०, ई० 18, एन० डी० एस० ई०, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन आनन्द और श्रीमती राम चनेली, निवासी 4/2594, बीडनपुरा, करौल बाग, नश्री विस्ली।

(अन्सरिती)

ना यह सूचना बारी करके पृथींक्त सम्मत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क') इस सूजना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रव्हा बाद कें समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मैं से किसी क्यक्ति दारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज जै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ज किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पृष्ट किरण: --- इसमें प्रयुक्त भव्दों और पतों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षाफिस फ्लैट नं० 308-ए, तीसरी मंजिज, बिल्डिंग नं० 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 195 वर्ग फीट।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम द्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई विल्ली-110002

सारीख: 5-9-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, जी 412, सी० का० बिस्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट मई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सिसम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 **६६/1-83/** 50-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 510 है तथा जो 21, बाराखम्भा रोड, नई विल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो शीला भरत राम, निवासी 25, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर गौतम आहुजा और कुमारी पूजा आहुजा, निवासी 459, जिनत बारी, हमिल्टन रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैंट नं॰ 510, बिस्डिंग नं॰ 21, बाराखम्या रोड, नई दिल्ली, प्रिया 500 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चेना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, जी 412, सी० आर० बिस्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सिसम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1-83/ 51---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 510 है तथा जो 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्ल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः सब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—→
20—296GI/83

(1) मास्टर अशिश भरत राम, मास्टर कार्तिके झरत राम और कुमारी दीक्षा भरत राम, निवासी 25, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना आहुजा, कुमारी रीमा आहुजा,, कुमारी संगीता आहुजा, निवासी 153, बी, टावर, जोली मेकर बिर्ल्डिंग नं० 2, कफ परेड बम्बई-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अर्बाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसची

आफिस फ्लैंट नं० 519, मल्टो स्टोरेड बिल्डिंग, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादांदी 595 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1 ,दिल्ली नई दिल्ली—110002

तारीख: 5-9-1983

प्रकृप वार्दं. टी. एवं. एवं.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक झायकर झायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 5 सितम्बर 1983

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/ 52-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बिधीनयम' कहा गया ही की धार 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० 520 है तथा जो 21, बाराखम्या रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को प्वॉक्तसंपित के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क निम्नीलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्त-

- (क) अन्तरण चे हुई कि बी बाद की बादत करत और-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में जानी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी मालीनी भरत राम, निवासी 25, सरदार पटेल मार्गे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना आहुजा, कुमारी रीमा आहुजा, कुमारी संगीता आहुजा, निवासी 153, बीन्टावर, ओली मेकर बिल्डिंग नं० 2, कफ परेड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे ।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

आफिस फ्लैट नं० 520, बिल्डिंग नं० 21, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, एरिया 440 वग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखाः 5-9-1983

मोहर 👍

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/1--83/ 57---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० 13 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या नय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियो) के बीच एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 (1) मै० बक्शी विकास विकास कन्सट्रक्णन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
 13, टालस्टाय मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय बंसल, भार्फत एस० पाल एण्ड कं०, 1767, भागीरथ प्लेस, दिल्ली-110006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए भागवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, धों भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी ये पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अन्स्ची

आफिस स्पेस तादावी 1782 वर्ग फीट, बिल्डिंग नं० 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, (आठवीं मंजिल)।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-9-1983

प्रकप भाई। ठी। एन। एस।

नायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-ष(1) के मधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई०/1-83/58—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• च• से प्रधिक है

और जिसकी सं० 13 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, 8 मंजिल नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उवस अम्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरुक के वायित्व के कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैं ० बक्शी बिकम विकास करस्ट्रक्शन कं प्रा० लि०, 13, टालस्टाय मार्गे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल बंसल, भार्फत एस० पाल एण्ड कं०, 1767, भागीरथ प्लेस, दिल्ली--110006।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी-क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाप अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा, जो उत् अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

आफिप स्नेस तादावी 1782 वर्ग फीट, आठवीं मंजिल, 13, टालस्टायमार्ग, नई दिस्सी।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई विस्ली

तारीख : 5-9-1983

प्रकप भाद. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्युधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/59—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 521 है तथा जो 521, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किसी भाग की बाब्त, जन्त भूरिंपीयन भी स्थीत कर दोने के जन्तरक के बारियत्व में कमी करने या उत्तरे ब्यूने में सुविधा के शिए; शूर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की शिष्

जतः अय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ≝— (1) श्रीमती अनसुद्भ्या राम प्रसाद गुप्ता, निवासी 8-ए, हरमजि किला, चरमिचल रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना आहुजा, कुमारी रीमा आहुजा, निवासी-153,-बी० टायर, जासी मेकर बिल्डीन नं० 11, कफ रोड, बम्बई-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुनाँकत सम्पत्ति को अर्थन के निष् कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रबुक्त शब्दों और ददों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस क्ष्माय के दिवा ग्दा है।

अनसची

आफिस फ्लैंट नं० 521, बिल्डींग नं० 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरीया 500 वर्ग फीट (पाचवीं मंजिल)।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप: जार्द: टी. एन्. एस: -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सुरकाटु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सीः0एक्यू0/1/37 ईई0/1-83/60—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है तथा जो सरस्वती हाऊस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नृष्ठों किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्री० श्री० मदन, निवासी श्री-39, नारायण विहार, नई दिल्ली।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर, निवासी ग्राम प्रेम नगर, पो० खेरी, जिला लखीमपुर, यू० पी० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कमिश्रयल फ्लेट नं० 405, बिल्डिंग नं० 27, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 686 वर्ग गण ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस.-----

मायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के **अधीन** स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83---अतः मझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 1, ई०-584 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अत्यकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितिक्त व्यक्तितयों, अर्थात :--- (1) मै० देवी इन्टरप्राइजेज, एन०-130, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस॰ एल॰ साह, नियासी ई-6, लाजपत नगर, 11, नई दिल्ली-110024।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

फ्लेट नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, ई-584, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली, एरिया 1020 वर्ग फीट लगभग ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

वायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई०/1-83/ 62-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित नाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है।

और जिस्नि सं० 2, ई-584 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया ग्या प्रतिकल, निम्न्सिचित उच्चेय से उभत अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-विवृध के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जभा, उत्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीग, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ वेबी इन्टरप्राइजीज, एन॰ 130, ग्रेटर कल।म-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एल० साह, निवासी ई-6, लाजपत नगर, III नई दिल्ली-24।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्वावर सम्पत्ति में हितवब किसी भन्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

पनेट नं० 2, ग्राउण्ड पत्नोर, ई-584, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली. एरिया 970 वर्ग फोट, अत्यधिका।

> नरेन्द्रे सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1994

प्ररूप बाई० टी - एन० एस∙---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सिन्नम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/ 52---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो 28 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ना अधिक री के कार्यान्य, अर्जन रेज नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती प्रस्तिति (अन्तरितियों) के शीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अस्तिरिं द्वारा करूर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः भ्रव, जनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--21-296GI/83

मास्टर अशोश सरना सुपुत श्री ए० एन० सरना, अभिभावक ए० एन० सरना, अटार्नी श्री जे० एन० सरना, निवामी बी-4/39, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरदार उज्जवन सिह सुपुत सरदार प्रीक्षम सिह, निवासी जी-12, कोर्ती नगर, नई दिल्ले(।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्मा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 9, 12मंजिल, 28बाराखम्भा रोड,नई दिल्ली, एरिया 608 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, नई दिल्लिं।

तारीख: 5-9-1983

मोहर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अधीन तुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83--65-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० $\hat{\xi}-1/13$ है तथा जो वसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे व्यमें में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अय, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुक्राता घोष, निवासी नं० 1, अलीपुर एवन्यू एक्सटेंग्गन (वेस्ट), अलीपुर (कलकत्ता-700027।)

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० पी० ग्ररोड़ा, निवासी ई-1/13, वसन्त विहार, नई विल्ली-57।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पस्तीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनृसूची

सिंगल स्टोरीड बिल्डिंग नं० $\xi-1/13$, वसन्त विहार, न ξ दिल्ली, एरिया 1877 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सज्ञायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-1, नई दिल्ली

सारी**ख**: 5-9-1983

मोहर् 🖫

प्ररूप आहर्षे. टी. एन. एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/57 ईई०/1-83/67—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 1110 है तथा जो 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण विखिम में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के भ्रम्रीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै॰ विमोहा प्रोपर्टीज प्रा॰ लि॰, एम 37, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनु जप्पल, निवासी-ई-360, ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का स्कोंगे ।

स्पष्टीकरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहैर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लैट नं० 110, 11 वीं मंजिल, तादादी 500 वर्ग-फीट, 'देवीका टावर', 6-नेहरू प्लेस, नई विल्ली

> नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज।1, नई दिल्ली

भत: भन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 5-9-1983

भोहर:

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आर्ठ० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/ 69--अत मझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-172 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तं आधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में में उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उण्धारा (1) के अधीनः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) लेफ्टिनेट कर्नल कंबलजीत सिंह, निवासी-एस-155, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ आशियाना एक्सपोर्टस प्रा॰ लि॰, डी-100, ईस्ट प्राफ कैलाश-, नई दिस्ली ≀

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अभुसूची

2-1/2 मंजिला मकौंन नं० सी-172, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, एरिया 1600 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 5−9−1983

प्ररूप आर्इं.टी.एन.एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/ 70—अतः मुझे, नरेन्द्र सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 57/6 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निष्ठास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तिया, अर्थात् ः—

(1) डा॰ विद्या सागर अटार्नी श्रीमती आशा प्रकाश, श्रीधर्म प्रकाश, निवासी-डी-37, कालकाजी, नई विल्ली-110019।

(अन्तरक)

(2) श्री अलका मिलक,
 निवासी 16-18, राज ब्लाक,
 नवीन शाहदरा,
 दिल्ली-32।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बेसमेंट नं० 6, बिल्डिंग नं० 57, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी 541 वर्ग फीट ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-6983

प्ररूप बाह्र . टी. एन्. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/71--अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० के/3 है, सथा जो कलाश कालौनी नई बिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यायल, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिंगत उद्वेदिय से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाब्त, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के निए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुधरभ में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् (1) मै० अमर एसोसी एटस,
 बी-47, एन० क्षी० एस० ई०,
 भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमृत कौर, निवासी-ई-83, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सें मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि शद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० के-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादाबी 311 बर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5~9-1983

त्ररूप बाइ. टी. एन. एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विस्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए क्यू०/1/37 ईई०/1-83--73--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 89/311 है तथा जो नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप, से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित् को उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य ग्राहितयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्रिनियम या श्रनकर ग्राधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० के ० गुप्ता, निवासी-डब्ल्यू० 56, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रिवन्दर सिंह आहुजा, सुपुत श्री बलबीर सिंह आहुजा, श्रीमती प्रीति आहुजा पत्ती श्री आर० एस० आहुजा, विवासी-पी-11/16, बापा नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुचीं

परौट नं० 311, बिल्डिंग नं० 89, नेहरू प्लेस, नई विल्ली, एरिया 465 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख : 5-9-1983

मोहर 🏖

प्ररूप आइ. . टी. एन. एस. - - - ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/74—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परचाह 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

द्रौर जिसकी सं० बी-4, 68 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के बायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सृतिधा के लिए और/धा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रश्मी वधवा श्रीर श्री बाल कुष्ण वधवा, निवासी 28/5, पन्त नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री निरन्दर पाल बर्मा, निवासी-एफ 12, देशबन्धु गुप्ता मार्केट, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट नं० बी-4, स्कीपर कार्नर, 68 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी नं० 359 वर्ग फीट।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, नई दिल्ली

तारीख : 5-9-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1.नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/1/37 ईई०/1-83/ 76-अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1505 है तथा जो वेबी का टावर, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वाक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशट से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22-296GI/83

(1) मैं० सुरिन्दर कपूर एण्ड कं०, (एच० यू० एफ०), 44-ए, अमृता सगील मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रिव राज चौधरी, श्रीमती आवर्ण चौधरी, श्री नीरज चौधरी, निवासी ई-543, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

देवी का टावर, 6, नेहरू प्लेस, फ्लैट न० 1503, तार्दिाषी 370 वर्ग फीट, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम० प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

प्ररूप भार्यः दी. एन्. एस्.-----

भायसद्ध अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई०/1-83/ 78-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 35 है तथा जो मिस्जिद मठ एक्स० निवासीय योजना, उदय पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बृन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के शिष्ए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कैं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती महेश लता पत्नी श्री बलदेव राज, निवासी 11/14 बी, तिलक नगर, नई दिल्ली - 18।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर खन्ना सुपुत्र स्व 0 श्री मदन मोहन खन्ना, निवानी 61/14 रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली। श्रीमती मिन्नी खन्ना पत्नी श्री सुरिन्दर खन्ना, निवासी 61/14, रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितब्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुशोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वनुसूची

प्लाट नं ० 35, मस्जिद मठ एक्सटेंशन, निवासीय योजना, जदय पार्क, नई बिल्ली , सावादी 324 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

मोहर 🔞

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस.-----

आयकतु अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/ 79-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यू० बी० 10 है तथा जो 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाम की बाबत उकत अभि-नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) भ्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड, 115, भ्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई विल्ली।

(अन्सरक)

(2) मास्टर विशाल बक्शी, मास्टर राहुल बक्शी, अभिभावक मेजर एस० के० बक्शी, निवासी 3117, 21-डी, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रापर्टी प्लैट नं० यू० बी०-10, 21, बाराखम्भा रोड, नई विल्ली, सादादी 460 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

मोहर 🛭

प्रकृष भार्षः, टी.्एन.ः-एस्, -------

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/1-83/80-अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० यू० बी०-33 है तथा जो 21, बाराखम्भा रोज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबज्ञ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,

1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को प्रेवित संपरित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त संपरित का उणित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंजा था विश्वा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-आरा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधीयतयों, अधीत् ु--- भ्रांसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड,
 115, भ्रंसल भवन,
 16, के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार गोयल, मार्फत श्री सी० एल० गुप्ता, निवासी 57/16 ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्पन के लिए कार्यवा^{रि}यों करता है।

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शिषपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दि। की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) कस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबग्र किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रमुत्त णग्वां और पहीं का, जो सन्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

and the later of

यू० बी०-33, एरिया 490 वर्ग फीट, 21, बाराखम्भा रोड, नई विस्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीच : 5-9-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/81—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यू० बी०-32 है तथा जो 21, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी,1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

 (1) अंसल पोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड,
 115, अंसल भवन,
 16, के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र किणन कौल, निवासी 433, जवाहर नगर, श्री नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० यू० बी०-32, 21-बाराधम्भा रोड, नई दिस्ली, तादादी 440 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

जतः अध उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् धः र

तारीख: 5-9-1मैं83

प्ररूप आई. टी., एन , एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/ 87—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 13, कें-84 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती आशारानी जैन, मार्फत श्री डी० आर० शर्मा, 115/57, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता वेवी मनचन्दा, श्रीमती नीलम मनचन्दा और श्री सतीश मनचन्दा, निवासी मकान नं० 992, तिराहा बेहरम खान, दरिया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की ताथील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्ची

बेसमेंट नं० 13, के०-84, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज[—], नई दिल्ली

तारीख : 5-9-1983

मोहर 🕄

प्रकृत नार्व हो । प्रम प्रसृ -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवैश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/88--अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातर जिन्स अधिनियम सहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14, के—84 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय' अर्जन रेंज $^{-I}$, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती आशारानी जैन, मार्फत श्री डी० आर० शर्मा, निवासी 115/57, नेहरू प्लेस, नई विस्सी।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर भुटानी,
 निवासी ई-135, ग्रेटर कैलाश-1,
 नई विस्ली।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

बेसमेंट नं० 14, के-34; ग्रीन पाक, नई दिल्ली; एरिया ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—^I, नई दिल्ली

तारीखा : 5-9-1983

मोहर 🛎

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस:------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/89—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० 40/304 है तथा जो बक्णी हाऊस, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—। नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की के अधीन तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उस्परिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती जसबीर पुरी नियासी 1218, सेक्टर 18-सी चण्डीगढ़160017।

(अन्तरक)

(2) एस्कीम प्राइवेट लिमिटेड 304 बक्शी हाऊस, 40 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तिरती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

304 बक्सी हाऊस 40 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, तादादी 571 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख : 5-9-1983

प्ररूप धा६० टी० एन० व्स०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/90-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह
सामकर ब्राह्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 263-ख के बधीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह
विम्हान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मृख्य 25,000/- र• से प्रधिक है
और जिसकी सं० जी० एफ०-12-ए है तथा जो 7, टालस्टाय
मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वीकन समारत क उन्जन बाबार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रिनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित्र बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्रत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रीक कर से किवान नहीं किया गया है .~~

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आहिन्यों भी, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त द्यधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्च अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- 23-296 GI/83

(1) श्री वृजमोहन सबदेव और श्रीमती संविता सबदेव, निवासी 130, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै॰ दिल्ली इन्बेस्टमेंट कम्पनी, एम-51, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षतिकरण :---इसमें विषुष्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के भाष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित है, तही अप होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी॰ एफ॰-12-ए, ग्राजण्ड फ्लोर, 7, टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली, एरिया 429 वर्ग फीट ।

> नरेन्नद्व सिंह सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 5-9-1983

अस्य बाह्रं . टी . एन . एस . ------------

भागकर अधिनिश्चम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 14 सितम्बर 1983 निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/1-83/ 109-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एच है तथा जो 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के सधीन, तारीख फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

करः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) सोनी एक्सपोर्टस प्रा० लि०, 3, बीरबल रोड, जंगपुरा, नई विस्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर पाल सूरी एण्ड सन्स, (एच० यू० एफ०), 33, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिष्ट्रियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 'एच' आठवीं मंजिल, तादादी 1125 वर्ग फीट, 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 14-9-1983

प्रकृप काई व दी व एन व एस० ----

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रजीत सुमाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई०/3-83/ 177—अत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

प्रायकर ग्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- इपये मे अधिक है और

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 'एच' है तथा जो 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

- को पूर्वोक्त सम्यन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐये वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) प्रन्तरण स हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त मिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (क) एसी किसी आयु या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) मै० बि्स्टन रबर्स तिभिटिंड, एस→23, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, इारा (एम० डी०) कम चेयरमैन श्री डी० एस० खन्ना।

(अन्तरक)

(2) श्री अमन सूरी (माइनर) सुपुत श्री जोगिन्द्र पाल सूरी, निवासी 33 पूसा रोड, नई दिल्ली क्षारा पत्नाचार का पता 254-55 चितला गेट, चावड़ी बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

प्रश्न सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप ।--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इन सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं॰ 'एच', 11वीं मंजिल, 17, बाराखम्मा रोड, नई दिल्ली, एरिया 1098 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीखा : 14-9-1983

प्रकप बाह्रे. ही. एप. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1983 निदेश सं० आई० ए० सी०/ऐक्यू०/1/37ईई०/1-83/

178-- भतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं फ्लेट नं 'जी' है तथा 17, जोबाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पृथां क्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्रय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उन्द्रिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की वायब, उक्त जिमियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बामित्व में कमी करने या बससे वचने के सुविधा के हिस्प; जारू/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० हिल्टन रबर्स लिमिटेड, एस०-23, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र पाल सूरी, निवासी 33, पूसा रोड, नई दिल्ली । पत्नाचार का पता : 454-55, चितला गेट, चावड़ी बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धां और पवां का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूचीं

फ्लैट नं० 'जी', ग्यारहवीं मंजिल, 17, बारखम्भा रोड, नई दिल्ली, एरिया 1020 वर्ग फीट ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 14-9-1983

प्रकृप वार्ष .टी .एन् .एस् . ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 मितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2108—अतः मुझे, मोहम सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

25,000/- रत. से अधिक ह[®]

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-15 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जनवरी, 1983

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत से अधिव. है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उच्चेय्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं जिसी नाम की वाबरा, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उक्स वचने में स्विधा के शिए; बर्दि/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था जिपाने में सृतिथा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अच्ण कुमार तिवारी पुत्र स्व० श्री कन्हैया लाल तिवारी, तिवारी हाऊस, नाहर गढ़ रोड, पुरानी बस्ती, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती कमलेण गुप्ता परनी श्री सुभाष गुप्ता, बी-15, णिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्भित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माभेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-15, शिवमार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम मं० 48 दिनांक 13 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख : 15-9-1983

प्ररूप माइ .टी. एन. एस. ------

ग्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-म (1) के मधीन सुकना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, जयपुर जयपुर, यिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2109—अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित त्राजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-59 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त मंपित के उतिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीविक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रम्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (भ) भ्रन्तरण से तुई किसी भ्राय की बाबत खकर अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। भीर/धा
- (ख) ऐसी किसी ब्राव या किसी बन या ब्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविसयम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विथा जाना चाहिए या, खिपाने में सुबिक्षा के लिए;

भतः धव, उक्त समिनियम की धारा 269-न के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— कैंप्टन मालीराम पुल श्री धन्ना राम जी, प्लाट नं० डी-59, अम्बा बाड़ी, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपा राम पुत्र मंगल राम जाट, ग्राम गोदारा का बास, उदयपुर बाटी, जिला झंझनू।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वाँक्त सम्परित से सर्जन के सिए कार्यवाहियां भारू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० डी-59, स्पित अम्बा बाड़ी, जयपुर में जो उप पंजीयक, जपदुर द्वारा कम सं० 199 दिनांक 29 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-वरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15~9-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2110—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का 15) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदान के सृविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन प्रिनियिक प्रितियो १८३५ --

(1) श्री अरुण कुमार, जयपुरिया।

(अन्तरक)

(2) मै० वन्दना इन्टरनेशनल एक्सपोर्ट,
 ए-43, कीर्ति नगर,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ओपन प्लाट क्षेत्रफल 376 वर्ग मीटर स्थित ब्रह्मपुरी पुलिय स्टेशन, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 138, दिनांक 19 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्ष प्रायधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **ज**यपुर

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर,दिनौंक 17 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2111—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो जोधपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संगित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्जिधा के लिए;

अतः अव, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :---

(1) श्री किशन वर्मा पुल श्री लालू राम जी गूजर, निवासी नया बांस, रतनाड़ा, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कंवर एवं श्री राजेन्द्र सिंह राजपूर निवासी मिलिट्री गार्ड के सामने, रतनाड़ा, प्लेस रोड, जोघपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान से. राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनतची

प्लाट नं० 3, रतनाड़ा, मिलिट्री गार्ड के सामने, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोअपुर द्वारा कम सं० 763 दिनांक 19 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मो हन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 17-9-1983

प्रस्प ब्राई० टी० एन० एस०---

नायफर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के न्योद सुम्बर

भारत ब्रकार

कार्यात्वय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2112—अतः मुझे, मोहन सिंह

वारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धाय 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है तथा जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुचची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भलतपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1907 का 16) के अधीन, तारीख 17 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक के निम्नीनिवत उद्देश्य से उसत बन्तरण निवित में बास्तिवक स्थ से समित सहीं किया नमा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (व) एक्सी निकती आज या किसी भन सा अन्य आपिस्तयों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियक, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त वाँधानियमं को भारा 269-ग के, बन्बरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के वधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, बर्धात् ६—— 24—296 GI/83 (1) श्री किशन कुमार अग्रवाल'
 60, ह्रेम चन्द्र नास्कर रोड,
 कलकत्ता-10।

(अन्तरक)

(2) श्री अनुन्त राम आर्य, चौमुखा महादेव, खेड़ापति मोहल्ला, भरसमूद, राजस्त्राच ।

(अन्तर्क)

नहें यह बुचवा कारी करुके पृक्तेंवत सम्मरित के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर प्रवेशिक खितताों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकांमे।

स्वक्रतिकरता:--क्रममें प्रय्वत कर्कों औह घटों का, को अन्तर क्षिशियम के अध्यक्ष 20-क में परिभक्षिल है, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, खेड़ापति मोहल्ला, भरतपुर, राजस्थान जो उप पंजीयक, कलकत्ता द्वारा 17 जनवरी, 1983 को पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 1:9-9-1982

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

स्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के स्पीन स्पना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण्) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2113—अतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- कि से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 जनवरी, 1983

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन या अन्य नास्तियर की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवाकनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया 'था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री प्रेमचन्द जैन पुन्न श्री गण्यूलाल जैन, श्रीमती निर्मला जैन पित्न श्री प्रेमचन्द जैन एवं श्री राजेश जैन पुन्न श्री प्रेमचन्य जैन, गोखले मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) इन्द्रा एसोशसिएट्स प्रा० लि०, 17, सफदरजंग रौड, दिल्ली ।

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रिंत-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० सी-21, स्कीम ई, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीकय, बम्बई द्वारा कम सं० आर०-2422 /81 दिनांक 3 जनवरी, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

शारीख: 19-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर दिनांक 19 सितम्बर 1983

भावेश संख्या : राज०/सहा०भा० भर्जन 2114, श्रवः, मुझे, भोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 59 है तथा जो उदयपुर म स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित

है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में दिनांक 22 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किप्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री आर० के० बैजल, डिप्टी इन्स्पेक्टर जनरल आफ पुलिस, होम गार्डस्, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद गैमावत पुत्र श्री एस० आर० गैमावत, 59, नीमच माता स्कीम, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 59, नीमच माता स्कीम, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा ऋम सं० 133 दिनांक 22 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति हिन्स्

तारीख : 19 -9-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.---

अभायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर,दिनांक 19 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2115--अतः मुझे, मीहिन सिह

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 179 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं 19 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकास से, एसे दंश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नितिखत सद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिक्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई हैंकसी आत की बाबत, उन्तर अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कभी करने में खबुझे ब्रुपने में सुविधा के मिए; और/सा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

चतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्। —-

(1) श्री वाब् खां पुत्र श्री नन्हें खां, मुसलमान शेख, कमला नेहरू एक्टेंग्राम, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री उदयसास पुत्र श्री कुषात राम जी, जीधरी प्लाट नं० 179 मसूरिया सेक्टर जी, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उपरा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 विज को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंच-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सुकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, थी उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन्स्**ची**

मकान स्थित प्लाट नं० 179, जी सेक्टर जोधपुर, जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 137 दिनांक 19 जनवरी, 1983 पर पंजींबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

मोहर 🖫

प्रकण कार्षं . टी . एन . एत . -----

जाबकर जिंदिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 200-च (1) के सजीव सूचता

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 19 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2116--अतः मुझे, मोहन सिंह

मायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा थया है, की बारा 269-च के अधीन सबस प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्वित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाठ नं० 20 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबक्क नुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णितहै); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाहरीयक सम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किनी नार या किसी धन या अस्य आस्तियों को; जिन्हें सारतीय साय-कर शिक्तियम; 1922 (1922 का 11) या धनत स्थिन्तियम, वा. बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रसट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ब्तः, अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) श्री हीरा सिंह एवं श्री बन्ना राम पुतान श्री सांवतराम, 20, सरदार क्लब स्कीम, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवनारायण गुप्ता पुत्र श्री पामेश्वर दयाल गुप्ता, 20, सरदार क्लब स्कीम, जोधपूर ।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति भी वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उन्तु संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीत से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकार्य।

स्पक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा प्या है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 20 पर स्थित भकाम सम्पत्ति, सरवार क्लब स्कीम, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 240, विनांक 27 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार भागुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2117—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं ज्लाट नं 5/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निल्लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) शन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त वाधितग्रम के अधीन कर दोने के बन्तरक को वाधित्य में कनी कुल्पे या असूसे अकृते में सुविधा के क्षिप्त; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, किया से स्विका के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन [नम्बिलिखित व्यक्तियों,] अर्थात् [——

(1) श्री चैन रूप घोड़ावत पुत श्री सोहन लाल घोड़ावत, निवासी आर० कें० भट्टाचार्य रोड, पटना (बिहार)।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल अहमद पुत श्री मोहम्मद ईशाक, मकान नं० 2545, गेट हबस खो, दिल्लीं-6 ।

(अन्तरिती)

न्ये यह त्यमा जारी करके पृथानित सम्मृतित के अर्थन के तिए कार्यमाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की जनभि या तत्स्विभी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाद्या;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- मच्च किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्र की पास सिवित में किए वा सकों में है।

स्वश्वीकरण्ड—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त किंधू-ृिवसम् के कथ्याय् 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होगा, जो उस कथ्याय में दिया ग्या हैं.!

अनुसूची

ण्लाट नं० 5/3 क्षत्रफल 583.33 वर्ग गज स्थित फतेहटीबा, गोविन्द मार्ग, आवर्ष नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 52, दिनांक 13 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

मोहर 🛭

प्ररूप_ आई_ टी_ एन्. एस_ -----

वायकर वृषि नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्धिशण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2118—अतः मुझे, मोहन सिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्यत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाब्त, उक्त मिनियम के अभीन कह देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बौट्र/गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के दिए;

मतः सन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

(1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री नन्द लाल, निवासी बी-29, आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री मोहन लाल, 704, आदर्श नगर, अयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त स्म्मित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीक रूण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-29, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 75 दिनांक 15 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकयपत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19--9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर लिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 19 जनवरी 1983

निवेश सं० राज०|सहा० आ० अर्जन|2119 —अतः

मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं बी-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1983

को प्रवेकित सम्पत्ति के उमित बाजार मृत्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उमित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिबत उद्विषय से उसते अन्तरण कि बिहत में बास्तविक स्थ् से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाम की बावत उक्त निध-विस्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने वा उत्ते ब्यूने में सुन्या के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन था अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री नन्द लाल, निवासी आदर्श नगर, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिह पुत श्री गोपाल सिंह, ए-75, जनता कासोनी, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त संपरित के अर्जन के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी नाको र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपत्र को प्रकाशन की सारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के शास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया गमा है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-29, गौविन्द भागे, आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 74 दिनांक 15 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और क्स्स्तृत रूप से विवरणित है ।

मीहन सिंह उक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर कृायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

प्रकथ आहे. टी एन. एस. ---

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन स्च्या

भारत सरकार

कार्यालय, सर्ह्ययक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निदेश वं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/2120--अतः मुझे, मोहन सिंह

आंगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित धाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- शिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर वेजे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्थान में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अधिनयम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की लिए;

बत: क्षब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात :-- 25—296GI/83 (1) श्रीमिती कौणत्या देवी पन्नी श्री नन्द लाल, निवासी बी-29, आदर्ण नगर, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री गुरचरण सिंह, निधासी 119, राजा पार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन को निरा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई में। जाकीए:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहण्लाकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-29, गोविन्द मार्गे, आदर्श नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 73 दिनांक 15 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्राणत हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

मोहरः

प्ररूप भाष'. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2121——अत[.] मु**झे**,

मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सौंगनेर तह० सांगनेर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सांगनेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उप्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक प्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;----

(1) श्री नारायण पुत श्री गोरू माली, निवासी बम्बाला, तहसील सांगनेर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुब देवी परनी श्री घीसी लाल जैन, मकान नं० 3707, कालों का मोहल्ना, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ध्वावसायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में कए जा सकोंगे।

स्मण्डीक स्थाः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्तुची

भूमि 4560 वर्ग गज स्थित बम्बाता तहसीत सांगतेर जो उप पंजीयक, सागतेर द्वारा कप सं० 46 दिवाक 24 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और तिस्तत रूप से विविणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-9-1983

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के न्यीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 सिसम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2122---अतः मुझे. मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मांगनेर तह० सांगनेर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सांगनेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूदिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री नारायण एवं श्री कजोड पुतान श्री गोरू माली, निवासी बम्बाला, सहसील सांगनेर, जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री घासी लाल दोशी पुत्र श्री इन्दर मल दोशी, मकान नं० 3707, करूयाण का मोहल्ला, जौहरी बाजार, जयपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2720 वर्ग गज जो ग्राम वम्बाला, तह० सांगनेर, जयपुर-टौंक रोड पर स्थित है और उप पंजीयक, सांगनेर द्वारा क्रम सं० 44, दिनांक 24 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विर्वाणत है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

सत्रीख : 20-9-1983

प्ररूप मार्ड, दी, एन, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चनन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2123---अतः मुझे, मोहन सिह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 22 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भंवर लाल पुत्र श्री भोलूमल माली, इमरिक्षया बेरा, पावटा, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीयनारायण प्रसाद पुत्र श्री रामचन्द्र गृप्ता, महामन्दिर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 400 वर्ग गज जो इमरित्तया बेरा, जोधपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 196 दिनांक 22 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और वस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 20-9-1983

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाँक 20 सितम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आः० अर्जन/2124——अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 31 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तारा देवी पन्नी श्री फूल सिंह राजपूत, निवासी ग्राम कोलर, तहसील भीनमाल, जिला जालौर।

(अन्तरक)

(2) डा॰ एस॰ सी॰ भार्गव, सहोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ जूलोजी, यूनिवर्सिटी आफ जोधपुर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 31, स्थित भैरव बिलास, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 1520, दिनांक 20 जनवरी, 1983 परपंजीबद्ध विकयपत में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर विनाक 19 सितम्बर 1983

निदेश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2125—अतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट न० 40-ए है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बुधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् ध---

(1) श्रीमती भंवरी देवी तत्नी श्री मेघराज परिहार, ग्राउण्ड वाटर बोर्ड, जोवपुर।

(मन्तरक)

(2) श्री आनन्द कुमार पुत्र श्री सतीश धन्द्र गोयल, 1, रेजीडेंसी रोड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुत्रची

प्लाट नं० 40-ए, स्थित पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, जोधपुर द्वारा ऋम सं० 229 दिनांक 25 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विऋय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 19-9-1983

प्ररूप नार्दः टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनाक 20 सिसम्बर 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2126--अतः मुझे, मोहन सिंह

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 40 बी है सथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में शस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निक्निलिंग व्यक्तियों, वर्षात् :--

(1) श्रीमती भंजरी देवी पत्नी श्री मेघराज परिहार, ग्राउण्ड वाटर बोर्ड के पास, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अरूण कुमार पुत्र श्री सतीश चन्द्र गोयल, निवासी 1, रेजीडेंसी रोड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वं से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाच अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उत्तक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 40 बी स्थित पी इब्ल्यू डी कालोनी, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं 228 दिनांक 25 जनवरी, 1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

सारीख : 20-9-1983

प्ररूप आई.दी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 15 सितम्बर 1983 निदेश मे० आर० ए० सी० नं० 226/83~84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 441 है सथा जो राजनगरम सिमिति, राजमंड में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्च में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्म्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंड्ड, में रिजर्म्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1983

की पूर्वेक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ।त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

त्रति: अँब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्री एन० राघवा और अन्य, पिना श्रीकामेण्यर राव, जयकृष्णापुरम्, राजमुंड़ी ।

(अन्तरकः)

(2) श्रा सी० एच० वेंकटण्यर राय पिना श्री नागेण्यर राव, श्री वेंकटेण्यर फैक्ट्रीज, प्रकाण नगर, राजमंडी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचेंना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि विस्तीर्ण 3,11 एकड़, पीडमगोय्या, पंचायती, राजनरमसमिति, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 513/83, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजमुंड्री ।

एम० जेगनमोहन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - =---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 227/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो राजमुंड्री में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुंड्री में रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उन्क्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 26—296GI/83

(1) श्रीसी एच सीताराम और अन्य, पालाचेरला विसक्त, श्रीरामपुरम, को हकोंडा तालुक, जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरकु)

(2) श्री वाई० सत्यनारायणा पिता पोताराजू, अध्यक्ष ए०पी० एस० ई० बी०, इलेक्ट्रिकल को० आपरेटिय बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, राजमुंड्री ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 12 एकड़, राजमुंड्री, रिजर्स्ट्रीकृत विलेख नं 38,39,85,86,87,88,89,90 और 91/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजमुंड्री ।

एम० जेगन मोहन ⁽सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-9-1983

प्ररूप भार् .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्षर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 228/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो वास्टीयर वार्ड, वझाक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय वैझाक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितों की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (व) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—- (1) श्री वी० वरदाराम राव जी पिता श्री कृष्णमूर्ति नायडू, पीनापेंकी तरलाम तालुक, विजयनगरम जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० कोंदंडा राम राजू, डायरेक्टर, गोरिंटा होटल्स, प्रा० लि०, आलमपुरम, ताडेपल्लीगुडम सालुक, वेस्ट गोदाबरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरः करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जनीत विस्तीर्ण 1980 चौ० गज बौल्टीयर वार्डे, विशाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 206/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, विशाखापटनम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख: 15-9-19**83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

पारत चरकार

कार्यालय, सहायक झायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 229/83-84-अतः मृझे, एम० जेगन मोहन

अग्रयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो आनका पल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनका पल्ली में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; आर्ट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय्या धनया अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना जाहिए था, क्याने में सुन्धिय है सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० आर० आप्पाडू और अन्य, पिता की जीना आपस्या, रावडा सावरू, बोटावानीपालेन, आनका पल्ली तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्रा के० चाको पिता बोशाप, के० जी० चाको स्ट्रक्चरल इन्जीनियरिम वर्म्स, बुचीराजूपाल, विशाखापटनम ।

(अन्सरिती)

क्षे यह त्वना वारी करके पृशांकत वस्परित के अर्थन के तिह कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपरित को नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीखं सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त संबदों और वर्षों का, जो उक्त जिथिनयम, के सभ्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मेया हैं।

अनुसूची

भूमि विस्तर्ण 7-41 एकड़ आनकापल्ली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 175, 176, 178 और 179/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आनकापल्ला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 15-9-1983

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. --------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 230/83-84-अतः मुझे, एम० जंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो लंकालापालम, विशाखा— पटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखा— पटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिति व्यक्तियां, अर्थात् हि—

(1) श्री सी० एच० वेंकदनागेश्वराव शास्त्री और अन्य डी० नं० 18-1-64, के० जी० एच० रोड, विशाखापटनम

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ बी॰ के॰ प्रसाद, मैसर्स स्टील फेक्रिकेशन्स, श्रीनिवासा बिल्डिंग, डोरनाकल मेन रोड, सूर्यारावपेट, विजयवाड़ा ।

(अन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंजर भूमि विस्तीर्ण 3 एकड़, 223 सेंट्स, लंकालापालम गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 59/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विशाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-9-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 231/83-84-अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 40-15-9/1 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है ('और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

का पूर्वोक्त संपरित के उचित आजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ख अभिनियम् के अभीन कर दोने के अंतरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बूचने में सूविभा के सिए; जीर/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री टी० तिरुमलराव पिता श्री सूर्य प्रकाश राव कैयर आफ स्टील हाऊस, कांग्रेस हाऊस रोड, विजयवाड़ा-2।

(अन्तरक)

(2) श्री विट्ठल प्रसाद भाट्टाड और श्रीमती तार देवी भाट्टाड, डी॰ नं॰ 11-51-46, पुटी स्वामी स्ट्रीट, विजयवाड़ा-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्र्ची

डी॰ नं॰ 40-15-9/1, घर सम्पत्ति बिद्रावन कालोनी, लब्बीपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 960-4/9 चौ॰ गज, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं॰ 217/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

> एम॰ जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरासाव

तारीख: 15-9-1983

मोहरः

प्ररूप साहै, टी. पुर. पुर. .----

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के मुभीन सुचना

भारत सरकारु 🕟

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाय हैदराक्षाद, दिनांक 15 सिसम्बर 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 232/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो मेंगो गार्डेन, में न्यूजीविड प्में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यूजीवेड में रिजस्ट्रीकरण अधिनिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के एरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एरमान प्रतिफल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) औह अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अधीन :--

(1) टी॰ नेहरू पिता श्री जगन्नाथम, न्युजीविड, जिला कृष्णा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वयाल जेसस जेलेवार कका शराव पिता श्री सामुवेख प्रेसीडेंट, वी न्यूजीविड इंण्लाइज को० आपरेटिव हाऊसिंग बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, न्यूजिविजडा, जिला कृष्णा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सुम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पृच्छीक रुण: — इसमें प्रयुक्त प्रक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुद्धी

विस्तीर्ण 500 गण आम का वगीचा आर० सी० एम० धर्न गेट के सामने, और आर० टी० सी० बस डिपो के करीक, न्यूजीविड, रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 82/83, रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी, न्यूजिविड।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख :** 15−9−1983 ॄमोहर∎

प्ररूप नाई. टी. एम्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक र बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० एस सी० नं० 233/83-84-- अतः मृक्षे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है।

और जिसकी सं० एन० टी०एस० 116 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रस्जिट्टीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) कार्य अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिश्चत उद्देश्य से उक्त अंतरक् निश्चत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ज़लारण से हुई किली जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, मुर्थात् ६(1) श्री ए० अरुणा प्रसाद और अन्य, पिता श्री वेंकटरत्नम, वेंकटेण्यरा पुरम, विजयवाङ्ग-10।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० प्रमिला पति श्री प्रसाद राव, वेंकटेश्वरम पुरम, विजयनाङ्ग-10 ।

(अन्तरिती)

को यह स्त्रवा जारी कारके पूर्वोक्त श्रम्पत्ति को वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चाना के राजपंच में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किरसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के शीखर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- मच्ध किसी अन्य क्यियत द्वारा, बक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्थानिक रमा: ---इसमों प्रमुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ इत्या जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

समृज्यी

खुली जमीन पाटामाटा, एन० टी० एस० 116, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 202 ची० गज, 456 ची० गज, 142 ची० गज और 200 ची० गज, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 472, 497 और 498/83।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 15-9-1983

प्ररूप आई टी एन एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 234/83-84-अतः

मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, ७५.०००/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 14-8-10 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसने उपाब अनष्मूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरिका) और अंतरिती अंतरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय त्य पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्सिक अध्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरण के वायित्य में कजी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के तिए; बीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना वाहिए था, डिपाने में सविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— श्री जी० अप्पाराव पिता श्री कोटय्या, सिंगाराज्वारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा ।

(अन्सरक)

(2) श्री पशावती पति श्री गुरुनाथ राव, कांग्रेस आफिस रोड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लि में किए था सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं., यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

घर सम्पत्ति डी न० 14-8-10, हनुमानपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 103 चौ० गज, रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 600/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीखा : 15-9-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 235/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुक से अधिक है

और जिसकी सं० 26-20-9 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रति-कन, निम्तिलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हृदि किसी बाय की बावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अक्षा चाडिए था स्थिपने में स्विधा के लिए:

अतः अब उपन अधिनियम की धारा 269-ग को अनमरण में, भे उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, सूर्धात्ः—

27—296 GI/83

श्री एन० सीता रम्भया पिता लेट श्री वेंकटेश्वरलू, डी नं० 26-20-9, गांधी नगर, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० वेंकटेम्बर राव पिता श्री गुरुनाथन और अन्य, डी० नं० 24-11-27, माइदनमम रोड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

कौ यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सीबंधी क्यें क्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पवीं का, जो उत्स जिभिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही झर्फ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्मा हीं।

अन्स्धी

घर सम्पत्ति डी नं० 26-20-9, स्थामी स्ट्रीट, गांधी नगर, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 438-8-0 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 175/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी. विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख : 15-9-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सिसम्बर 1983

निवेश सं० 470/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो महबूब नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महबूब नगर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के उधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 (1) श्रीमती इम्तायाझूनिसा खेगम और अन्य, पति श्री मिर्जा अमीर बेग, घर नं० 2-12-13, स्टेट बैंक रोड, महबूब नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० आलाप्पा पिता श्री कोटपा, प्रेसीबेंट पालामूर कूरहारी सेट्टी, हाऊप को० आपरेटिश सोपाइटी लि०, महबूब नगर।

(अन्तिरिती)

को य**ह सूबनाजारी करके प्यॉक्त सम्<mark>यक्ति के</mark> धर्मन के** लिए कार्यभावि<mark>या शुरू करता</mark> हूं।

उना मनति के प्रजंत के मन्त्रस्य में कोई मो साक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजात में प्रशासन की तारीखा से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद स समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूजना के राजपत्र में प्रकासन की तारी खसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब किसी अन्य व्यक्ति बारा, श्रश्लोहस्साकारी के पास लिखिन में किए जा नकींगे।

स्वव्दीकरण:→इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का; जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रह्माय में दियः गया है।

वनुस्पी

भूमि विस्तीर्ण 6 एकड़, 6 सेंट्स, महबूब नगर, रजिस्ट्री इत विलेख नं० 73/83-8रिजस्ट्रीकर्तां भ्रधिकारी, महबूब नगर।

> एम० जेगन मोहत सक्षमः प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, हैदराबाद

तारी**ख** : 15-9-1983

प्ररूप आईं.दी.एन.एस. ------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 471/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो मोहन रोड, खम्भम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूकी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, खम्भम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उन्स्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री टी॰ राधा कुष्णमूर्ति और अन्य, पिता श्री नरसिंहा राय, खम्भम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रिव कुमार पिता श्री वरदया केर आफ माली सेट्टी चिट फण्ड को०, खम्भम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्षत स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्ड}, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

घर सम्पत्ति, मोहन रोड, खम्भम, नं० 31-1-127, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 40/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, खम्भम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

सारीख : 15-9-1983

प्रकृष् अक्षित हो . एन . एस . ------

भायकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सुमृता

भारत सुरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निडीक्रण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 472/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी स० घर है तथा जो मोहन रोड, खम्मम में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्भम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1983

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृत्रिधा के बिए; बॉट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिग्रों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

न्तः अव, उक्त न्यानियम् की भारा 269-म के अनुसर्च में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री सी० एच० वेकटेश्वर लू, पिता श्री बालय्या, खम्भम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० पार्वती बाई पति श्री ईश्वर राव, घर नं० 3-1-128, मोहन रोड, खम्भम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वविरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पळीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मूर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

घर सम्पत्ति नं० 3-1-128, मोहन रोड, खम्भम, रजिस्ट्रीकृत वितेख नं० 220/83, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, खम्भम।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-9-1983

श्ररूप आह⁴. टी. पून , पूस . ------

भायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूत्रना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 473/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवृह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित हाज़ार बूज्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट्स है सथा जो खम्भम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, खम्भम में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अक्षीन, सारीख जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्ममान प्रतिफल से, एसे इक्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे क्याने में सुविधा के किए; और/मा
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धूनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अबं, उक्तं अधिनियमं, की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री वाई० कृष्णमूर्ति, पिता श्री शशस्या, डी० नं० 11-4-60, नेहरू नगर, खम्भम । (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकटेम्बरल्, और अन्य, पिता श्री गोपया, कोल्यचलका, तीरीमलयापालेम, तालुक, जिला खम्भम ।

(अन्त्ररिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्ज़न के छिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्मातित के कर्जर के सम्बन्ध में कोई भी साकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्धि से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षित स्थानित यानित द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजापत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

अनुज्ञा

्ष्लाट नं ० 8 से 12 और 15 से 20 खम्भम, विस्तीर्न 4514.22 चौ । गण, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 162/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खम्भम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि क्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

तारीख : 15-9-1983

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, विनांक जूलाई, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०17/83-84---अतः मुझे, एम० सी० जोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9/1 खेत की जमीन है तथा जो निभोरा खुर्द, तहसील अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरावती (डाक्मेंट सं० 598/92) । में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 फरवरी, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबद उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तिर को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 192. (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भूतृ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क्रिक्त

- (1) 1 श्री सुधाकर मध्कर गांजरे।
 - 2. श्री अनिल मधुक्तर गांडरे (आपाक) एल० जी० श्री मधुकर जागोबाजी गांजरे।
 - श्री मधुकर जागेबाजी गाजरे, सभी रहने वाले : बडणेरा रोड, समर्थलडी, अमरावती ।

(अन्तरक)

(2) म० छाया एण्ड कम्पनी, पार्टनर : श्री मदन लाल, सूरज नारायण खण्डेलवाल, रा० कचहरी रोड, अमरावती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्मिरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पृत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकारी।

स्थळीकरण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस क्ष्याय में दिवा गया है।

मनुसूची

खेत की जमीन जिसका सं० 9/1 उसमें से 4 एकड़ जमीन और कुंआ जो निभोरा खुर्द, तहसील व जिला अमरा— वती में स्थित है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 8-7-198ह

प्ररूप काइ". टी. एन. एस.----

गायकर गिंपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरोक्षण)

अर्जन राज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जूलाई 1983

निवर्षेश सं. आर. 109/रिजिस्ट्रोशन नं. 37/37र्षर्ष/83-84/अर्जनः बी—यतः मुक्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 1558 में पंजीकृत है दूकान नं. 23 दिनोरा अपिंटमेन्टस (निर्माण अभी शुरू हुआ है), तथा जो भार लेट्टा नाम से परिचित, सम्परित, न्यू बाजार, रमजी, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारि के कार्यालय, 269 ए बी भाग से शक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर कार्यालय में पंजीकृत लेखपत्र सं. 37/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्पिया गया प्रतिफल, निम्निवित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिन्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अविनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में , मैं , उक्प अधिनियम की धारा 269-घ की √ारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तिसें अधील् थ श्री मेर्सस कामत रियल एस्टेट डेवलपरंस एफ / 1, इदिरा अर्पाटमेन्टस, केटानी ओलबुकरक रोड पनजी, गोवा

(अन्तरक)

2. श्रीमती फ्रान्सिस कुन्हा वैगास 23, रु. तियोर्डर इक, 75015, प्यारिस, फ्रान्स

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में सिया गया है।

अनुसुधी

(दस्तावेष सं. 37/82-83 ता. 4-2-1983) बारः लेट्टा नाम से परिचितः सम्पेरित में अभी निर्माण गुरू हुआ ट्रिनोरा अपार्ट मेन्टस नाम के भवन में दुकान नं. 23 ग्राउंड फ्लौर, जो न्यू बाजार पनजी गोवा में स्थित है।

> र्मज् माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्य रोज, बंगलूर

तारीख: 6-7-1983

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 10 अगस्त 1983

निद्रोप सं.।।। 806/अर्जन/83-84---अतः सुभ्ते, प्रबोध कामार ब्रुबे,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे **इ**समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रऽ. से अधिक हैं

और जिसकी सं.प्लाट नं. 687 हा. नं. 327/252 सर्किल नं. 6 वार्डुं नं. 2 (पूराना) 9 (नया) है, जमाल राड़ि, कहर और जिला पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से दिर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचितः बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योख से उन्त अन्तरण लिखित में षास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अध्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधरा (। के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

- श्री रंजन किशोर भटाचार्या बल्दवार्ग किशोर भटाचार्या नियासी-दिहारी लाल भटाचार्या रोड जो अभी मध्दनीयां काुआं रोड के नाम से जाना जाता है थाना पित्रबहार, शहर जिला पटना । (अन्सरक)
- 2. श्री अर्तुल काुमार जैन बल्द श्री दिमल सिंह जैन निवासी-राजेन्द्र नगर रोड नं. 7 थाना-कदम कुआं पो. राजेन्द्र नगर शहर जिला-पटना ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्पर्शिको अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की लारींख से 45 दिन की अविधियातस्सम्अन्धीव्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क मे है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागमाही।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 1345 स्कवायर फीट साथ में मकान जो मोहल्ला जमाल रोड थाना कांतवाली, शहर जिला-पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वर्णित है तथा जिसकी संख्या 956 विनाक 2-2-1983 है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के बुवारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रवाध कमार व्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज बिहार, पटना

तारीक 10-8-1983 मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

मोटिम

मस्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई 1984

नई विल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1983

सं० एफ० $8_l 5_l 83$ प० I (ख) — संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्ना- कित कोसी में प्रवेश हेतु 6 सर्द, 1984 से एक सम्मिक्ति रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :--

कोर्स का नाम रिक्तियों की संभावित सं० और (1) भारतीय मैन्य अकावमी, 150 एन० सी० मी० (सेना स्कंध) देहरादून जनवरी, 1985 "सी" प्रमाण-पन्न प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32 रिक्तियां में प्रारम्भ होने वाला 78वां सम्मिलित है। (2) मौसेना अकावमी, कोचीन (जनवरी, 1985 में प्रारम्भ हो रहा कोर्स) (क) सामान्य सेवा 75 एन० सी० सी० (नौ सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाण-पन्न घारियों के लिए 6 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं (ख) नौसेना विमानन 45 (3) बायुसेना अकादमी ए० एफ० ा एन० सी० सी० वायु सेना ए० सी० कोयम्बत्तूर (जुलाई, स्कंध के "सी" प्रमाण-पत्न धारियों जनवरी 1985 में प्रारम्भ होने के लिए 3 आरक्षित रिक्तिया वाले 137वें एफ० (पी०) कोर्स सम्मिलित है के लिए उड़ान पूर्वप्रशिक्षण कोर्स)

(4) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, 275 महास (मई, 1985 में प्रारम्भ होने वाला 41वां एम० एस० सी०) (एन० टी०) कोर्स

जियोष व्यान । (I) जम्मीदवार को आवेदन पत्न के कालम 8 में यह
स्पष्ट रूप से बताना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए
वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हैं। उसे
यह भी सलाह दीजाती हैं कि वह अपनी इच्छानुमार जितनी
बाह्न उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता
क्रम में उसके रैंक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते
समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा
सके।

उभ्मीदशारीं को ध्यान में रखना चाहिए कि नीचे विशोष ध्यान (II) की ध्यवस्था को धोक्षकर उन पर केवल उन्ही कोसों में नियुक्त हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वे बरीयता निर्विष्ट करते हैं अन्य कोर्स (कोसों) में नियक्ति होग नही।

उम्मीदबार द्वारा अपने आवेदन पत्न में पहले निर्विष्ट वरीयनाओं में वृद्धि/परिवर्तन हेतु किसी अनुरोध को आयोग द्वारा स्वीकार नही किया जाएगा । 28—296GI/83 विशेष ह्यान:—(II) स्थासी कमीशन प्रदान करने के लिए भाव सैन्य अकावमी/
नी सेना अकादमी/वायू सेना अकावमी कोर्स के इस परीक्षा से बचे
हुए उम्मोबबार यवि बाद में अरूपकालीन सेवा कमीशन (गैर
तकनीकी) कोर्स के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो
निम्नलिश्रित शर्तों के अछीन स्पकालीन सेवा कमीशन (गैर
तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते
हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदन पत्नों में इस कोर्स के लिए
अपनी पसन्य नहीं बताई है '--

- (I) यवि अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी जम्मीववारों को लेने के बाव भी कमी है, और
- (II) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तक-नीकी) हेतू वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के कम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएगे जिसके लिए वे स्थक्त बरीयता के अनुसार हकवार नहीं हैं।

नोट I---एन० सी० सी० (सेना स्कन्छ)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/(मौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाण-पन्न प्राप्त उम्मीव-बार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोसौँ की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं । चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई आरक्षण 🗦 । अतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा । जिन उम्मीद-वारों को अभी एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पद्म (सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध का वरिष्ठ प्रभाग) (नौसेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्णं करनी है, किन्तु अन्यया वे आरक्षित प्रतियोगिता में बैठने के पाल हों, रिक्तियों के लिए सो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्त उन्हें एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्न (सेना स्कन्ध), (बायू सेना स्कन्ध), (मौ सेमा स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकस्प उम्मीदवारों के मामले में सेना मूख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (६०) नई विल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नी सेना मुख्याक्षया आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई-दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले वायु सेना भवन, में वायु सेना मुख्यालय पी० ओ०-3 नई दिल्ली-110011 को 31 विसम्बर 1984 सक पहुंच जाए ।

आरिक्षित रिक्षितमों के लिए प्रतियोगिता की पान्नता हेतु उम्मीदवार ने राष्ट्रीय कैंडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीतियर डिवीजन सेना स्कन्त में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिवीजन वायु-सेना,नौसेना स्कन्ध में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और आयोग के कार्यालय में आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीष्य को उसे राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी।नौसेना अकादमी। वायुसेना अकादमी कोर्ग के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

नोट II---भारतीय सेना अकायमी कोसं, धायू सैना अकायमी कोसं, ती सेना वकायमी कोसं, में एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध, सी नियर विवीजन बायू सेना स्कन्ध, भी सेना स्कन्ध) के 'सी' प्रमाण-पक्ष धारी उम्मीयवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परिक्रा परिणाम के आधार पर अहंता प्राप्त इन उम्मीयवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा आएमा और उन्हें सामान्य उम्मीयवारों से भरा आएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद धेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश दिया जाएगा । (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अकादमी, माला में प्रवेश हेतू शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकावमी, नौ सेमा अकावमी अधिकारी प्रिशिक्षण शाला और वायु सेना अकावमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीववारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमणः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विवयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रथन पूछे जायेंगे । नमृभेके प्रथमों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उस्मीवधारी को सुचनार्थ विवरणिया मे" विखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र :--अगरतला, अहमवाबाब, ऍजल, इलाहाबाब, बंगलीर, मोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चच्चीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिस-पुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जीरहाट, कोिंह्सम, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोबा), पटना, पोटेंक्नेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिकपति, त्रिमेंद्रम और विशाखापटनम ।

आयोग यदि बाह्रे तो जकत परीका के उपर्युक्त केंद्रों तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीववारों को उक्त परीक्षा के किये उनकी पसन्य के केन्द्र वेने के सभी प्रयास किये जायेंगे तो भी आयोग परि-स्वित वश किसी उम्मीववार को अपनी विवक्षा पर अन्त केंद्र दे सकता है। जिन उम्मीववारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षास्थल (स्वलों) की जानकारी वे दी जाएगी (नीचे परा 11 देखिए)।

उम्मीदवार की ज्यान रखना चाहिए कि केंद्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा । किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केंद्र में परिवर्तन वाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हैतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सिष्ठव, संच लोक सेवा कायोग को इस बात का पूरा खौजित्य बताते हुए एक पल रिजस्टड बाक से अवस्य भेजना चिहए कि वह केंद्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त 6 अप्रैल, 1984 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रताकी शर्तें :⊸⊷

(क) राष्ट्रिकताः उम्मीववारयातो

- (i) भारत का न।गरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रणा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिक्वती घरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का ष्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीक्ता, और पूर्वी अफ़ीकी वेश जैसे कीत्या, उगांबा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार), जान्त्रिया, मालाबी, जैरे और इषियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो ।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको सारत सरकार ने पाझता प्रमाण-पन्न प्रवान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदकारों के लिए यह पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस जम्मीवनार के लि पास्ता प्रमाण-प आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस गर्त पर अंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण-पत्न संघ जोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की बोवणा से पहले दे दिया जाए।

- (वा) आयु-तीमाएं लिंग या वैवाहिक स्थिति :---
- (i) मा० से० अकावजी, नौसेना और वायु सेना अकावजी के लिये: केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात हैं जिमका जम्म 2 जनवरी, 1963 के पहले और 1 जनवरी, 1966
 [कि बाद न हुआ हो ।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीव-वार (विवाहित या अविवाहित) पान है जिनका जण्म 2 जनवरी 1962 के पहले और 1 अनवरी, 1966 के बाद न हुआ हो ।

नोड: --- अन्म की तारीका केवल वहीं मान्य होगी जो मट्टिकुमेसन/हासर सेकेव्यरी या समकतापरीका के प्रमाण-पत में लिखी गई हो।

> जिन उम्मीववारों ने भा० से० जनावमी/मी सेमा और वाय सेना के लिय पहली पर्सव बताई है, उन्ह चयन स्टाफ धारा सत्थापन के प्रयोजन हतु सेवा चयन बोब के समक्ष साकात्कार के जिय उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (मून रूप में) प्रस्तुत करना है।

(ग) श्रतिक नोग्यतार्थे :---

- (i) भारतीय सेना अकावमी, नौ सेना अकवामी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिय किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की किप्री या समकक्ष वोम्यता,
- (ii) बाबु सेना अकावसी के लिए।—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भीतिकी और/या गणित विषय के साथ बिधी या समकता। जिन उम्भी-वनारों ने अपनी बिधी परीक्षा भीतिकी और/या गणित के अलावा अन्य विषय केकर उत्तीर्ण की है वे भी पात हैं किन्तु सर्व यह है कि उन्होंने हायर सेकेच्यरी परीक्षा (पुराना पैटनं) या स्कूली विक्षा 10+2 पैटनं के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा वा कोई समकता परीक्षा गणित और भौतिक विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो ।

नौ सेना/वासुंसेना की पहली पसंव वाले स्नातकों की ग्रेजएकन के प्रमाण के कप में प्रीविजनल सर्टीक्रिकेट सेवा चयन बोर्ड प्ररा होने के दो सप्ताहों के अन्वर कमशः सेना मुख्यालय (रिक्टिंग) (६ एस० पी०) (ई)/को सेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० सेक्शन)/वायु सेना मुख्यालय— बाकवर 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीवबार अभी बिधी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आबेदन कर सकते हैं, परन्तु उनको बिधी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एम० ए०/इस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीवबारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ई) नई विल्ली-110022 तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई विल्ली-110011 को और आयु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीववारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय पी० औ०-3, बायु सेना भवन, नई विल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख तक पर्तुष जाए जिसके न पर्तुषमें पर उनकी उम्मीववारी रह हो आएगी।

- (i) मा• से• ककादमी, नौ सेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये 31 विसम्बर 1984 तक या उससे पहले।
- (ii) अधिकारी प्रसिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिए 30 अप्रैल, 1985 तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी बिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पाल होंगे।

अपवाव की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीववार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, वैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विकार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट 1—ऐस उम्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी अहुंता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको वी गई यह विशेष छूट है। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीणें करने का प्रमाण निर्धारित तारीख सक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अहुंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयो-जित किये जाने, परिणाम की बोवणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II — नो उम्मीवनार रक्षा मन्त्रालय द्वारा रक्षा ,सेवाओं में किसी
प्रकार के कमीशन से अपविज्ञत है, वे इस परीक्षा में
प्रवेश के पाल नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया ता उनको
उम्मीवनारी रह की आएगी।

नोट III -- विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनसें किशोर भीर कारीगर प्रशिक्ष सम्मिलित हैं), जिनकी अपसे नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैटने के पाल नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्न तभी लिये जायंगे जब वे उनके कमार्थिंग अफसरों के द्वारा निर्धारिक्ष रूप में अभुशंक्षित हों।

4. आवेदन के साथ देय गुल्क: ६० 28.00 (अठ्ठाईस रूपये) (अमु-सूचित जातियों/अमुसूचित जमजातियों) के लिये ६० 7.00 (सात रूपये) जिन आवेदन-पत्नों के साथ यह निर्धारित भुल्क महीं भेजा जाएगा उनकी एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा ।

5. मुल्क से छूट : आयोग यदि चाह तो, तिर्घारित शुल्क से छूट हे सकसा है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूटान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में मारत में प्रव्रजन कर आया है या ततकालीन पश्चिम पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया था या वह बर्मा से वस्तुत: प्रत्यावित मारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या ससके बाद मारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बीमंका से वस्तुत: ज्ञत्यावित भारतीय मूलक व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के मारत-बीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 मवस्वर, 1964 को या उसके बाद मारत शामा है या वान वाला है और नि रित बुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए : केवल सम्मिक्षित रक्षा सेवा परीका मई, 1984 के लिये निर्वारित पक्ष में छुपे हुए आवेदन-पक्ष ही लिये जार्थेंगे जो इस परीका के मोटिस के साथ लगे हुए हैं । आवेदन-पक्ष भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए । आवेदन प्रपक्त और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित रनेस्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

- (i) दो ध्यये का मनीआर्धर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई विल्ली प्रधान बाकपर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्धर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से बाक बारा ।
- (ii) दो रूपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर ।
- (iii) निकटतम मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालय, नौसेना तथा बायु सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुस्क ।

आधेवन प्रपन्न तथा पावती कार्ड उम्मीववार के हाथों द्वारा स्थाही आली कलम या आसपेन से ही भरे जाने चाहिए । सभी प्रविष्टिया महदों में होनी चाहिए, रेखाओं या बिन्दुओं में नहीं । अधूरा या गलस भरा हुआ आबेदन-पन्न रह कर दिया जाएगा ।

उम्मीदबार यह घ्यान रखें कि आवेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय शंकों के अन्तर्राष्ट्रीय कप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष घ्यान रखें कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक होगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदबार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना बाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पल में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आवेदन-पल सही रूप में भरने के लिये विशोध सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, बाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के सगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीचे आवेदन-पत्न भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता को आखिरी सारीख के पहले प्रस्तुत किया गया

जो व्यक्ति पहले, से ही सरकारी मौकी में आकस्मिक या वैनिक वर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्म-चारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे कर्मचारी जो लोक उत्पमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह बरिजचन (अन्वरदेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्या को सुचित कर विया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ज्यान रखना चाहिए कि बेदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पश्च मिलता है तो उनका आवेदन-पन्न अस्बीकृत कर दिया जाएगा और उनकी, उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

सशस्त्र सेना में काम कर रहें उम्मीदवार अपने आवेषन-पत्न अपने कमा-बिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत कर जो पष्ठांकन (वेखिए क्षेत्रावेषन प्रपक्त के भाग 'ख') को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. घरा हुआ आवेदन-पत्त आवश्यक प्रलेखों के माथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को 19 विसम्बर, 1983 (19 विसम्बर, 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरूणांचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम. जम्मू और काश्मीर राज्य का लहाज प्रभाग, हिमायल प्रदेश के लाहील और स्वीति जिले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्यक्त में से किसी एक इलाके से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले

में 2 अनवरी, 1984) तक या उससे पहले बाक द्वारा अयाय मिजना विया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्मारित तारीख के बाब प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पन्न पर जियार महीं किया जाएगा ।

असम, मेघालय, अरूषणाल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काण्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहोल और स्पीति जिले अन्डमान और निकोबार द्वीप समूह या अझदीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि बाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 किसम्बर 1983 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालेण्ड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर, राज्य के लहाज प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले अन्डमान और निकोबार द्विपसमृह या लक्षदीप या विदेशों में रह रहा था।

- दिल्पणी (i) :— जो उम्मीवनार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत के संगत कालम में अपने पतों में अति-रिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थीत् असम, मेघालय, जम्मू तथा काशमीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (ii) :-- उम्मीववारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने अविदन पन्न को स्वयं सं० ली० से० ला० के काउंडर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा मेर्जे। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को विये गये आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8 प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीवनारों द्वारा :

(i) द० 28.00 (अट्ठाइस ६पये) [अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीववारों के लिए द० 7.00 (सात कपये)] का शुक्त जो सनिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विस्ती प्रधान डाक घर पर वेय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट वैंक, मध्य शाखा, नई विस्ती पर वेय भारतीय स्टेट वैंक की निसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को अपने आवेबन-पन्न प्रस्तुत करते समय वैंक

हूमिट की पिछली और सिरे पर अपना नाम तथा पता

लिखना जाहिए । पोस्टल आवेरों के मामले में उम्मीदवार
पोस्टल आउंद के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धा-

विवेश में रहने वाले उम्मीववारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चायुक्त या राजपून या विवेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निधीरित शुक्त इस प्रकार जमा करें जिससे यह "051 लोक सेवा आयोग" परीक्षा शुक्त के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीव आवेदन-पन्न के साथ मेज दें।

> (ii) आयु का प्रमाण पेल :— आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के

समुजित प्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। उम्मीदवारों को पूर्वोक्त मेंद्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण पन्न की दी अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए। किन्तु जिस उम्मीदवार ने हायर सैकेन्डरी परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा उत्तीणं कर ली है वह हायर सैकेन्डरी परीक्षा प्रमाण पन्न या समकक्ष प्रमाण पन्न की दो अनु-प्रमाणित /प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंबली, शापशपत, नगर निगम के सेवा अधिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आये हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर मार्घ्यानक परीक्षा प्रमाण पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्न सम्मिलित ह ।

कभी-कभी मैट्रिकुलेगन/उण्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न सें जन्म की तारीका नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीववारों की मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के असिरिक्त उस संस्थान के हैंब मास्टर/प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण पत्न की एक बनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि केजनी लाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्न सें उस संस्था के वाजिला रिजस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीका या बास्तविक आयु सिखी होनी चाहिए। उम्मीववारों को बेतावनी वी जाती है कि यदि आयेवन पत्न के साथ इन अनुवेशों में यथा निर्वारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं मेजा गया तो आवेवन पत्न वस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (i): जिस उम्मीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त

साध्यमिक विद्यालय प्रमाण पत्त हो, उसे केवल आयु से

संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ट की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
भेजनी नाष्टिए।

टिप्पणी (ii) : उम्मीदनार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदनार की जश्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पक्ष प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पन्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पन्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अमुरोख पर न सो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (iii): उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारी एक बार घोषित
कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर सेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अभुमति नहीं वी जाएगी।

(iii) लैंक्शिक योग्यता के प्रमाण पत्न की अमुप्रमाणित/व्रभाणित विति

उम्मीदवार को इस आशय के प्रमाण पल की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा 3 (क) में
बिहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीववार द्वारा इसके इस
प्रकार अजित कर लगे की संभावना है कि पैरा 3 (ग) में विहित
तारीख तक इसको उत्तीणं करने का प्रमाण दिया जा सके । जो प्रमाण
पक्ष प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को वेने वाले
प्राधिकरण (अर्थात्) विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय द्वारा जारी
किया गया हो । यदि ऐसे प्रमाण-एल की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति
प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह

बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने धाहिए जो बह अपेक्षित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए वाध्य नहीं होगा।

षायुसेना अकवामी के वास्ते प्रतियोगिता में बैठ रहे उम्मीदवार द्वारा अपनी गैक्षिक योग्यता के समर्थन में प्रस्तुत कियी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में यदि परीक्षा विषयों का उल्लेख न होतो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण पक्ष की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति के लाथ-याथ प्रधानाचार्य/विभाग के प्रधान के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें दर्शीया गया हो कि उसने भौतिकी और/या गणित परीक्षा विषय के रूप में लेकर आहेक परीक्षा उत्तीर्ण की है। किन्तु यदि उम्मीदवार ने अपनी डियी या समकक्ष परीक्षा भौतिकी और/भागणित के अलावा अन्य विषयों के साथ उतींण की है तो उस डिग्री या समकक्षा प्रमाण-पक्त की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति के माथ-साथ विश्वविद्यालय/बोर्ड की हायर सेकेण्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण पत्न की अनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए । किन्तु ऐसे मामले में यदि हायर सेकेण्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न)/स्कूली शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/बोर्ड के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीक्षाविषयों का उल्लेख न हो तो सम्बद्ध हैंडमास्टर/प्रिसिपल के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत की जाए जिसमें यह वर्शाया गया हो कि उम्मीव-बार ने उक्त परीक्षा गणित और भौतिकी परीक्षा विषय के रूप में लेकर उत्तीणं की है।

- (iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ ।
- (v) उम्मीदबार के हाल ही के पामपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदबार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन प्रपन्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में दिये गये निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीववारीं द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के वावे के समर्थन में यहां उम्मीववार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिन्ने के सक्षम् प्राधिकारी (प्रमाणपक के नीचे उल्लिखित) से परिणिष्ट IV में विए गए प्रयक्त में लिए गए प्रमाण पक्त की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (ग) शुक्त से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :
 - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपित्तत अधिकारी या संघं या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीवनार निर्धारित शृष्क वेने की स्थिति में नहीं हैं।
 - (ii) वस्सुतः विस्थापित/प्रत्यावितत व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्निलिखन प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

- (क) भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :
 - (i) दण्डकारण्य परियाजना के ट्रांजिट केब्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों के शिविर कमांबेंट।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मिजिस्ट्रेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो। अथवा
- (iii) अपने जिले के शरणार्थी प्नर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

अथवा

(iv) सब-जिबीजनल अफसर अपने अधीनस्य सब-जिबीजन की सीमा तक ।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्स पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुन-र्वासन), कलकत्ता ।
- (ख) श्रांत<u>का से प्रस्तावर्गित :--</u>

श्रीलंकामें भारत का उच्चायुक्त ।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :---

भारतीय राजदूतावास रंगून, या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट ।

(ग) तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति : (i) विभन्न राज्यों के द्रांजिट केंब्रों तथा राहत शिविरों के कैम्प कम ब्रेंट।

अयवा

(ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह, फिलहाल रहता हो

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वांस के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

अथवा

- (iv) अपने प्रभार में सब-डिथीजन के अन्दर सब डिथिजनल अधिकारी अथवा
- (v) मरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त ।
- (क्र) भा० सेना अकावना और वायु सेना अकावसी और नौसेना
 अकादमी कोर्स में अनिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता
 में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पक्ष
 (सेना स्कन्ध)/(वायु सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग/(नौसेना
 स्कंध) प्राप्त उम्मीववारों द्वारा:

यह दिखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंघ)/बायु सेना स्कंघ का वरिष्ठ प्रभाग/नी सेना स्कंघ हैं अथवा वह एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्न (सेना स्कन्ध)/बायु सेना स्कंघ का वरिष्ठ प्रभाग नौसेना स्कंघ परीक्षा में प्रवेण ले रहा हैं/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को आवेदन-पन्न के साथ भेजे गए समी प्रमाण पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके नारीक्ष लिखनी है ।

- 9. गुरूक की बापसी :- आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया गुरूक वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या धयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है:—
 - (i) जिस उम्मीवनार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया उसको रु० 15.00 (पन्त्रह रूपये) [अनुसूचितआतियो/अनुसूचित जनजातियो के उम्मीवनारों के मामले में रु० 4.00 (चार रूपये)] बापस कर दिया जाएगा परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदनार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीणे हुआ है या डिग्री परीक्षा में उत्तीणं होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उस उम्मीदनार को शुल्क बापस नहीं किया आएगा ।
 - (ii) जो उम्मीदवार मई, 1983 या अक्टूबर 1983 मे आयोजित सम्मिलित रका सेवा परीक्षा में बैठा हो और उनमें
 से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के
 लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में
 ह० 28.00 (अहुर्गंस रुपये) [अनुसूचित जातियों/
 अनुसूचित जनजातियों के मामले में रू० 7.00 (सात
 रूपए)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह
 जरूरी है कि अक्टूबर, 1983 की सम्मिलित रक्षा सेवा
 परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी रह कराने और शुल्क
 वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के
 कार्यालय में 15 अक्टूबर 1984 को या उससे पहले
 पहुंच जाए।
- 10. आबेदन पत्र की पावती .- आयोग के कार्यालय में देर ने प्राप्त आबेदन-पत्नों सहित प्रत्येक आबेदन-पत्न की पावती दी जाती है तथा आबेदन-पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप मे उम्मीदवार की आवेदन-पत्न की रिजस्ट्रेशन सं० जारी कर वी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्स परीक्षा के आबेदन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नही मिलती हैतो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तण्य का कि उम्मीयवार को आवेवन-पत्न की रिजस्ट्रेणन संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार का अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारी आ से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए । अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बंचित हो जाएगा ।
- 12. परीक्षा में प्रवेण : किसी उम्मीदवार की पानता या अपान्नत के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पन्न के बिना किसी भी उम्मीववार को परीक्षा में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- 13. कदाचार के वोषी उम्मीवनारों के खिलाफ कार्रवाई :→ उम्मीव-वारों की चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्न भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महस्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रलेख या उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परियत्न या कोई फेर-बदल न करे और न ही फेर-६६० किए गए घढे हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दौ

मा इसमे अधिक प्रलेखों में या उनकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अणुद्धि या असंगति हो ता इस असगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदबार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार को दोषी **घोषित** होता है या हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना ; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरेको प्रस्तुत करना ; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना ;
- (v) अशुद्ध या असस्य बक्तब्य देना या महस्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रजाना ; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में, किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना ; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों, या
- (vili) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत जातें शिक्षी हों जो अक्लीश भाषा या अभक्र आशय की हों ; था
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो ; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेगान किया हो या अन्य प्रकार की गारीरिक असि पहुंचाई हो ; या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति वेते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुवेश का उरुर्लघन किया हो; या
- (xii) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत होना या ऐसा करने के लिए किसी को उत्तेजित करना ।

यह अपने की वण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :--

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा
- (ख)(i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का चयन के लिए।
 - (ii) केंद्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है, और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा। किन्तु गर्तयह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक: ---
 - (i) जम्मीववार को इस सम्बन्ध में लिखित अध्या-वेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर विया गया हो, और
 - (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अश्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार म कर लिया गया हो ।

14. भूल प्रमाण-पार्कों का प्रस्तुतीकरण — सेवा चयन बोर्ष के साक्षास्कार में अर्हुता प्राप्त करने वाले उम्मीदिवारों में से, आई० एम० ए०/ एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में सेना मुख्यालय/मार्ती 6 (एस० पी०) (ई), नई विल्ली-110022 को तथा नी सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में मौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० येना भवन, नई विल्ली-110011 को या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदिवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी० ओ०-3, वायु सेना भवन, नई विल्ली-110011 को अपनी सामणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्न सेवा चयन बोड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्वर और 31 दिसम्बर, 1984 [एस० एस० मी० (एम० टी०) के मामने में 30 अप्रैल 1985 तक] प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्नों की सत्य अनुप्रमाणित प्रति-लिपियां या फोटोस्टेट प्रतियां किसी भी स्थिति में स्थीकार नहीं की जाएंगी।

15 "आवेदन के सबंध में पत्र-श्यवहार"— आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र-श्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, तर्ष विल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण क्षवस्य होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षाका वर्षं और महीना ।
- (3) आवेदन-पन्न की रिजस्ट्रेशन संख्या/रोल नम्बर या जन्म की तरीख (अगर आवेदम पजीकरण मं०/रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।
- (4) उम्मीदवारों का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

विशोष <u>घ्यान</u>——(i) जिल पत्नो केसाथ ऊपर का क्यौरा नहीं होगा सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

> (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीद-घार से पक्ष/पक्षादि प्राप्त होता है तथा रामे उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर घ्यान नहीं दिया आएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी ।

16 पूर्व में परिवर्तन् — उम्मीदवार को इस बान की ध्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पक्ष मे दिए पते पर भेजे जाने वाले पक्ष आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर जिला दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे क्रूकिपर के पैरा 15 में उल्लाख निवरण के साथ आयोग को यथाणी झ सुचित कर देना चाहिए"।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीववारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेवन करने के बाद अपना पता ववल विधा हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नाम, पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (पा) वेस्ट ब्लाक 3, वर्ग 1, रामाकृष्णापुरम, नई विल्ली-110022 और वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०-3) नई दिल्ली-110011 को सूचित कर देना चाहिए । जो उम्मीवार इन आदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पत्न न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनो पर पूरा-पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते । 17 विज्ञित परीक्षा में योग्य उम्मीववारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ — जिन उम्मादवारों के नाम सेता खयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुभागित है उनका अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध मीधे मेना मुख्यालय, ए० जी० ज्ञान रिकृटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (II) वेस्ट प्रमाक 3, विंग 1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली—110022 और वायु सेना उम्मीववारों के लिए वायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०) नई दिल्ली-110011 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीद्धारों की साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षारकार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों मे और प्रणासनिक सुविधा को ध्यान मे रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/ वायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केंद्रों पर सेवा चयन कोई के समक साक्षास्कार हेसु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे :—

- (क) सफोद कमीज में पासपोर्ट आकार फोटो की 6 प्रतियां।
- (ख) बिस्तर और कम्बल (मौसम के अनुसार)।
- (ग) सफोद कमीजों ओ रहाफ पेंटों के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी पी० टी० के सफेद जूते और दो ओड़े सफेद मौजे।
- (स्र) पैंटों और कमीजों के दो जी है।
- (च) फाउन्टेन पेन स्याही और पैंसिल ।
- (छ) बूटपालिश और मफेद ब्लैंकों ।
- (ज) एक मण्ठरदानी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाये गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :---

सघ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्कारित ग्युनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा । वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अहेता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तिन्य परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होगे।

जो उम्मीवजार आई० एम० ए० (धी० ई०) कोर्स और/या नौ सेना (एम० ई०) और/या वायुसेना अकावमी कोर्स की सिखित परीक्षा में अहुँता प्राप्त करते हैं, जाहें वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अहुँता प्राप्त करें या नहीं उनको सितम्बर/अवसूबर 1984 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए अहुँता प्राप्त करते हैं, उनको दिगम्बर, 1984/अनवरी 1985 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा।

उम्मीववार सेवा धयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जाधिम पर वहा के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परी-क्षण हाता है उनके बौरान या उसके फलस्यरूप अगर उनको कोई चोट पहुचती है सो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहा-यता पाने के वे हकवार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो । उम्मीदवारों को आयेवन पद्म के साथ सलग्न प्रपद्म में इस आगय के एक प्रमाण-पद्म पर हरगक्षर करने होंगे।

स्थीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) निष्वित परीक्षा नथा (11) सेवा चयन बोई के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अहंक अक प्राप्त करने होगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किए जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोई के परीक्षणों में प्राप्त कुल अकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जाएगा। अलग-ग्रलग जम्मीववारो की परीक्षा के परिणाम किस रूप से किस प्रकार सूचित किये जाएं इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीवनारों से कोई पक्ष-श्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकाशमी, नौ सेना अकाशमी, नौ सेना अकाशमी, वायु सेना अकाशमी या अधिकारो प्रणिक्षणणाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की सक्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा।

नोट :— बायुसेना के प्रत्येक उम्मीदवार की पायलट संबधी अभिवर्षि का परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है उसको बायु सेना चयन बोर्ड में लिए जाने वाले बाद के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जा उम्मीववार पायलट संबंधी अभिवर्षि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय सेना की (एफ०पी०) शाखा हेतु प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अर्हुताएं :--जो उम्मीदबार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उड्डयन महा विद्यालय, नौ सेना अकादमी कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणणाला मद्रास में पहले प्रवेश पा भुके हैं पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए हैं उनको भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, नायु सेना अकादमी या चल सेना अकादमी में अल्पकालिक सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापन लिया गया हो उनको भार-तीय सेना अकादमी में प्रवेण नहीं विधा जाएगा ।

जित उम्मीववारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैक्ट्रेस के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाव में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौतेना प्रशिक्षण प्रतिष्टानों से वापस लयागया हो वे भारतीय नौ सेना में प्रवेश के पाल नही होंगे।

जिन उम्मीदशारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय मेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नानक कोर्स से वापस लिया गया हो उनके बारे में यल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारों में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एन०सी० सी० पथा स्नातक कोर्स में पहले वापस लिया गयः हो, उनको सारतीय मेना अकादसी में प्रवेक नहीं दिया जाएगा।

- 20. भारतीय सेना अकावभी या नौ सेना अकावभी या वायु सेना अकावभी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध :—भारतीय सेना अकावभी और नौ नेना अकावभी या वायु सेना अकावभी के कोर्स के उम्मीववारों को इस बान का बचन वेना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे णावी नहीं करेंगे । जो उम्मीववार अवने अवेशन की तारीख के बाद णादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए जुना नहीं जाएगा बाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले हो भफ्त हो । जो उम्मीववार प्रशिक्षण काल में शावी कर लेगा उसे बापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया बह सब उसशे वसूल किया जाएगा । अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाइयक्रम का कोई उम्मीववार :
 - (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या भादी के लिए संविदा कर सी हो, जिसकी पहले से कोई जीवित पति/ पत्नी है या था
 - (था) जिसने, पहले से जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति में भावी की हो या साबी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रा^{द्धि} का पान्न नहीं होगा ।

परन्तु, यदिकंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तियत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य टोस कारण हैं नो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में खूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध:—भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी, या बायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण करने के बाव, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिए जिचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षारकार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमित नहीं वी जाएगी।

जो उम्मीदवार भा० से० अकादमी/नीसेना अकादमी/धायु सेना अकादमी से इस्तीफा दे देते हैं उन्हें किसी भी परिस्थित में अधिकारी प्रशिक्षण-शाला, मद्रास में शामिल करने पर विचार नहीं किया जाएगा।

22. संघ लोक सेवा आयोग में "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदबार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुल्तिका छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे सं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदबारों को सहायता मिल सके। यह पुल्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, देहली-110054 के पास बिकी के लिए सुलम है और इसे उनसे सीघे मेल आईर द्वारा या नकद मुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद मुगतान पर (I) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "मी०" क्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110011 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर और (III) गवने मेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुअल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ-सिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध हैं।

एम० बालाकुष्णत, उप सनिव

परिक्षिष्ट ${f I}$

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

क. परीक्षा की योजना

- 1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :---
- (क) नीचे के पैरा 2 में निविध्ट रीति से लिखित परीक्षा,
- (ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिल्हे किसी भी एक सर्विसेज सलेक्शन सैंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाए।
- 2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये विया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिए नियस अधिकतम अंक निम्नलिखित होगे —

(क) मारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	—— अधिकसम अंक	
1. अंग्रेजी	2 षण्टे	100	
2. सामान्य ज्ञान	2 घण ्टे	100	
 प्रारम्भिक्ष गणित 	2 षण्टे	100	

विषय	नियत समय	अधिकतम
		र्जन
अनिवार्य :		
1. अंग्रेजी	2 भ ण्टे	100
*2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
वैकल्पिक		
*3. प्रारम्भिक गणित या प्रार	<u>-</u>	
म्भिक भौतिकी	2 षण्टे	100
 4. गणित या भौतिकी 	2 षण्टे	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्न में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्न में गणित विषय केना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशासा में प्रवेश के लिए

बिषय	नियत समय	अधिकतम अंक	
1. वंग्रेजी	2 ष ण्टे	100 190	
2. सामान्य ज्ञान	2 घप्टे		
/_\ <u>></u>	A 7 A A C		
(भ) बायु सना अकाव	ामी में प्रवेश के लिए		
विषय	अवधि	अधिकतम अं क	
विषय			
_ 	अ वधि	अंक	

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकावमी, मीसेना अकावमी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकावमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक कमशः 300, 450 और 200 और 300 होंगे।

- 3. समस्त विषयो के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जार्येगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिणिष्ट V पर उम्मीदवारों को मूचनार्य विवरणिका र देखिये।
- प्रश्न पत्नों में जहां भी आवश्यक होगा केवल तील और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पन्नों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलम नहीं की जाएगी।
- 6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्ह्न अंकों का निर्धारण आयोग
 की विवक्षा पर है।
- 7. उम्मीदवारों की बस्तुपरक प्रश्न पत्नो (परीक्षण पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नही है। अतः वे उसे परीक्षा भवन में न लायें।

बा. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तरः

प्रारम्भिक गणित के प्रथन पत्नों का स्तर मैद्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रथन पत्नों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जसा होगा।

अन्य विषयों मे प्रश्न-पत्नो का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विषविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जासकती है।

इन में से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी। 29—296GI/83

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी (कोड सं॰ 01)

प्रश्न पत्न इस प्रकार होगा कि जिससे उम्मीवजार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखें और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी किसी एसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। प्रधन पत्न में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रधन भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययम किये बिमा देना वाहिए।

प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

अंक गणित

संख्या पद्धतियां :--वनपूर्ण संख्यार्ये, पूर्णांक, परिमेय और बास्तिबकः संक्यायें, मूल संक्रियार्ये---जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल-दणमलव भिन्न।

एकिक विधि :--समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता, साधारण तथा चकवृत्ति व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानु-पात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत :—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवत्य और गुणन खण्ड/गणन खण्डन प्रभेय/महत्तम समापवर्तक सभा लपुत्तम समापवर्तक, युक्तिब की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघु-गुणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारमूल संकियायें: साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेम, बहुपवों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्यं सिद्धांत। द्विष्ठ समीकरणों का हल इसके मूलों और गुणोकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविष्ठ भूल पर विचार किया जाय)। वो अज्ञात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। वो चरों में युगपत रैखिक असमिकायें और उनके हल प्रायोगिक प्रशन जिनसे वो चरों में दो युगपत रैखिक समीकरण या असमिकायें बनती हैं या एक चर में द्विषात, सभीकरण तथा उनके हल, समुक्वय भाषा तथा समुक्वय अंकन पद्धति, परिमेक व्यंजक तथा प्रतिबन्ध तरसमक चातांक नियम।

क्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब 90° ∠ X ∠ 90° ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि X —0°, 30°,

45°, 60° और 90° सरल विकोणमितीय तत्समक। विकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोग। ऊंचाइयों और पूरियों के सरल कोण।

ज्योमिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति: निम्निलिखित पर प्रमेय:——(i) किसी विन्धु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी विभुज की भुजाएं और कोण, (iV) विभुजों की सर्वीग-समता, (V) समक्ष्प विभुज, (Vi) माध्यकाओं और शीर्ष, जम्बी का

विस्तार कलन:

बगी, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, तिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल । उम आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब यृत्तीय शकुकों और बेलमो का पार्थ-पृठाय तथा आयतम/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ।

संस्थिकी :

सांक्ष्यिकी तथ्यों का सम्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं० 05)

- (क) विस्तार कलन :---मापन के मालक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मालक। आवेश और सविषा। बल और वेग का सयोजन तथा नियोजन। एक समामत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन का गति नियम। बल की संकल्पन बल के मालक। माला और भार।
- ्रु (स्र) पि<u>ष्ड का बल विज्ञानः</u> —गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण सल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनत समतल/वेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मशोनें/घर्षण, पर्यणकोण, पर्यण, गुणांक कार्य शक्ति और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।
- (ग) तरल गुणधर्म:—वाब और प्रणोव/पास्कल का नियम। आर्क-मिडीज का नियम। घतरव और विशिष्ट गुरुख पिडीं और इंक्यों के विशिष्ट गुरुखों को निर्धारित करने के लिए आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये वाब का मापन। बोली नियम/वायु पस्प।
- (घ) ताप: पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। ट्रवार्स्स नियम परम भूम्य वायस और वार्स्स नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कली-रोमित/ताप का सवरण, धासुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संक्षयन और वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० पी० वी॰ पी० ममी (आर्द्रता औसांक भीर आपेक्षिक आर्द्रता)।
- (ड) प्रकाशः -- ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय वर्षण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, सैन्स, प्रकाशित यंत्र कमरा, प्रक्रेंपित, पारापार चित्रदर्शी दूरयोन, सूक्ष्मवर्शी, वाइनोक्ष्यूलर तथा परिवर्शी। प्रिष्म, प्रकीर्ण के माध्यभ से अपवर्तन।
- (च) ब्र्वानि :---व्रवित संचरण, व्यक्ति परावर्तेन, अनुनाव/व्यक्ति दामी-फोन का अभिलेखन ।
- (छ) बुम्बकत्य तथा विद्युत—चुम्बकत्य के नियम, चुम्बकीय केत्र चुम्बकीय कल रेखार्ये, पार्थिक घुम्बकत्य । चालक और रोधी। ओमनियम, पी० डी०, प्रतिरोधक विद्युत चम्बकीय कल, अणी पार्थ्व में प्रतिरोधक । विम्वनापी विद्युत चुम्बकीय वल की तुलना। विद्युत छारा का चुम्बकीय प्रमाल, चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फलमिंग का बाम हस्तिम्यम। मापकर्यक्ष-धारामापी एसीटर, बोल्ट/मीटर, बाटमीटर, विद्युत धारा का रासायमिक प्रभाव, विद्युत् लपन, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जिल्हा।

भौतिकी (कोड सं० 06)

पदार्थं के सामान्य गुण और यांत्रिकी:

यूनिटें और विभागें, स्केलर और वेक्टर, मालागें, जक्रल, आधर्ण, कार्यं कर्जा और सबेग। यात्रिकी के मून नियम, घणीं गति; गुरुखाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और अमरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ सनाय, द्रव की गयानता, रौटरी पम्य।

2. व्यक्ति:

अवसंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, बाप्सर प्रभाम, इविन तरंग वेग, किसी गैस में इविन के वेग पर दाव, तापमान और/आईता का प्रभाव, बोरियों, बिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अननाद निस्पंद, स्थिर तरंगें। इविन का आवृत्ति वेग तथा तीन्नता। परा-श्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धात।

3. ऊष्मा और गतिविज्ञान :

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी सथा स्वोच्य परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; ब्रब्ध के अनुगति सिद्धांत के तत्व; बोस्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जल याम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा ईंग्रन; कार्नोटप्रेमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरफ अनुज्योग। क्रिष्णिका विकिरण

4. प्रकाश:

ज्यानितोत्र प्रसाशिको । प्रकाश का वेग, समतल गौर गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन । प्रकाशीय प्रतिविम्यों में गोलीय और बर्णिक वोष और उनका निवारण । नेल और अन्य प्रकाशित यंत्र । प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण ।

विद्युत् और चुम्बकत्व

विश्वन क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रश्य के वैश्वन और चुस्वकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसस, चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूर्विण मग्नेट एण्ड मूर्विण क्वायल गलवेनोमीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण और धर्म और उनका निर्धारण; ताप विद्युत प्रभाव, विद्युत, चुम्बकीय प्ररण, प्रत्या-वर्ती धाराओं का उत्पादन/द्वातकार्मर और मोटर; इलक्ट्रानिक वाल्व और उनका सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

बार के परमाणु सिद्धांत के तस्त्र, इलैक्ट्रांस, गैसों द्वारा विश्वुत का विभागन, कयोडर। रेडियोऐक्टिवता, क्रुन्निम रेडियो एक्टिवता आइसोरोप विजंडन और संलयन की प्रारम्मिक घारणा।

गणित (कोड सं० 04)

1. बीज गणितः

समुक्वयों का बीजगणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिसोध, युक्त फलन, तुल्यता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिए द-मौदवर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैद्रिसेस

मैद्रिसेज की बीजिकिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, सहखण्डजआब्यूह; मैद्रिसेसों का प्रतिलोधन, मैद्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के हुल निकालने के लिए मैद्रिसेसों का बनु-प्रयोग (सीन अक्सात संख्यावों में)।

3. विश्नेषिक ज्यामिभी

विविम की विश्लेषिक ज्यामिति, सरल रेखार्ये, सरल रेखाओं की जोड़ी, बृत्त, वृत्त निकाय, परकलय वीर्षेत्रुत्त अतिपरिक्लय (मुख्य अंशों के सन्वर्ष में) वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्गरेखार्ये और अभिलम्ब।

शिविम की विश्लेषिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निदेशांक)

कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण:

अवकल गणितः सीमांत की संकल्पना, बास्तविक चर फलन का सांतत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उसरोत्तर अवकलन रोल का प्रमेय। मध्याभान प्रमेय; मैक्लारिन और टेलर सिरीज (प्रमाण आवण्यक नहीं है) और उनका अनुभ्योग परिमेय। सूचकांकों के लिए विभवप्रमरण चरणातांकी प्रमरण, अधुगणकीय क्षिकोण-विसीय और अति परिकलियक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अलिप्टिठ, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अधःस्पर्शी अधोलम्ब, अनन्तस्पर्शी बकका (केवल कार्सीय निर्देशांक) और उयामितीय अनुप्रयोग। एनक्सेप आंशिक अवफलन। समांगी फलमों के संबंधित आयलर प्रमेय।

समाकजन-गणित :--- समाकजन की मानक प्रणाजी। सतत फलन के निष्णित समाकजन की रीमान-परिभाषा। समाकजन गणित के मूज सिद्धांत। परिणोधन, क्षेत्रकजन, आयतन और परिक्रमण बनाक्वांत का पृष्ठीय क्षेत्र-फल। संख्यारमक समाकजन के बारे में सिम्प्समन का नियम।

अवकल समीकरण: प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम, गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक कपान्तरण। साधारण पेन्डलम और समीदिश।

5. यांत्रिक (वेक्टर पदाति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विज्ञानः समतलीय तथा सगामी बलौ की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तस्वों के गुरुख केन्द्र। स्थैतिक घर्षण, साम्यवर्षण और सीमान्त वर्षणावर्षण कोण। यक्षजानत समतल पर के कण की साम्यावस्था कल्पित कार्य (वो आयामों में)।

गित विकान: शुद्ध गित विकान-कण का त्वरण, वेग, वाल और विस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरम्तर त्वरण की अवस्था में सीक्षी रेखा की गित। न्यूटन गित सम्बन्धी निद्धांत। केन्द्र कक्षा। सरल प्रमववा गित (निर्वात में) गुक्वावस्था में गित। आवेग कार्य और ऊर्जी रैखिक संवेग और ऊर्जी का संरक्षण। समान बतुंस गित।

6. सांक्रियकी प्राधिकता:--प्राधिकता की शास्त्रीय और सांक्रियकीय परिभाषा, चयात्मक प्रणाली की प्राधिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, अप्रतिबंध प्राधिकता। यादृष्ठिक चर (विविक्त और अविरत) वनस्व, फलन, गणितीय प्रस्याशा।

मानक वितरण : — द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्यम और प्रसरण वेषम्य सीमान रूप सरल अनुप्रयोग। प्वासीं वितरण परिभाषामध्य और प्रसरण योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में प्वांसीं बटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल समानुपात और गरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य वहन का गर्मजन।

बिचर वितरण: यह संबंध दो वरों का रैश्विक समाश्रवण, सीधी रेखा का समजन, परवलियक और चलधातीकी, धक, सह संबंधित गणांक के पूण। मरल प्रतिवर्ण वितरण और परिकल्पनाओं का मरल परीक्षण, यादू-च्छिक प्रतिवर्ण (मांक्यिको, प्रतिवर्णी बटन और मानक बुटि) मध्य पदों के अन्तर की अर्थवसा के परीक्षण में प्रमामान्य टी०, सी० एच० आई०, (CHI 2) और एक० का सरस वितरण।

िटणणी:--उम्मीदवारों को वो विषयों--सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांक्षिपकी--में से किमी विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीवनारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षारकार के अतिरिक्त मौक्षिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जायेगी। उनके पुप परीक्षण भी किये जाएंगे, जैसे प्रुप परिचर्चा, प्रुप योजना, बहिरंग प्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्विष्ट विषयों पर संक्षिप्त ब्याख्यान देने के लिए कहा जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेघा प्रक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण नास्तय में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए है अपितृ इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा साम।जिक षटनाओं के प्रति विलचस्पी का भी पता चिनगा।

परिशिष्ट II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये उम्मीववारों के गारीरिक मानक

टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को निर्धारित गारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता नवंधी मानक नीचे विये जाते हैं।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदनार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वी-कृत कर विये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अन्तिम अवस्था पर निराशा से अचने के लिए आवेदन-पक्ष भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

- 1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंक्षित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रिष्ठिकणालय में केवल उन्ही उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्येवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दो जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपोल का अनुरोध करने को प्रक्रिया भी बता वी जाएगी। उम्मीववारों के लिए नीचे मक्षिप्त रूप में विए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है:—
 - (क) उम्मीववार का भारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्ता में मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।
 - (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन।दैहिक दोष या स्पूलता नहीं होनी चाहिए।

(ग) कव कम से कम 157.5 सें० मी० का हो (मौसेना के लिए 157 सें० मी० तथा वाय सेना के लिए 162.5 सें० मी०) गोरखा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़-वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का 5 सें० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कव में 2 सें० मी० की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं:—

कद और अजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (विनाजूता)	किलोग्राम में वजन		
(विना पूर्वा)	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	47
155	46	48	48
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
16 <i>5</i>	52	53	5 6
168	53	55	5.7
170	55	57	58
173	57	59	80
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	6 5	6 7	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपर्युक्त सारणी में विये गये औसत वजन से 10 कि गां कम-ज्यावा (नीसेना के लिए 6 कि गां कम-ज्यावा) वजन सामान्य सीमा के अक्षर माना जाएगा; किन्तुं भारी हृद्धियों वाले सन्बे-चौड़े व्यक्तियों तथा पत्तने पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गृणवक्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

- (ष) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लोने के बाद इसका स्थूनतम फैलाब 5 सें० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निवका किनारा मामने चलक से लगा रहे और फीते का ऊपरी माग पीछे स्कन्ध फलक (गोरंडर स्लेड) के निम्न कोण (लीअर एन्गिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जकरी है। इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।
- (कः) शरीर में हक्कियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।
- (च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानिसक विकृति या दौरा पड़के का पूर्ववृत नहीं होना चाहिए।
- (छ) उम्मीदवार मामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार की इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 में भी की दूरी से जोर की कानाफूसी मुन सके। कर्ण नामिका कंठ की पिछली या अब की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।
- (त्र) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई। कियारमक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।

- (झ) उवरपेशियां सुविकमित्रे ह तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत क विधा जाएगा।
- (ङा) यदि शिमी उम्मीदवार को श्रींनया है और उसकी शह्य चिकित्मा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि होंनिया की शत्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका अच्चम पूरी तरह ठीक हो चुका हो :
- (ट) हाइश्रोसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूल की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामाध्यका मिलती है तो इससे उम्मीववार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (अ) उम्मीवनार को दूर दृष्टि थार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौसेना सथा वायु सेना के लिये केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ थे में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 की तथा हाइरसेट्रोपिया ?.5 की (एस्टिगमेटिज्म) सहित से अधिक नहीं होगा चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो महीं है आंख की आंसरिक परीक्षा कोष्यल-मोस्कीप से की जाएगी । डम्मीदवार के दोनों नेतों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दिन्द की मानक सी० पी०-3 होगा। उम्मीदवार में जाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौ सेना हेतु उम्मीदवारों का पृष्टि स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:---

दूर पृष्टि	6/5, 6/6 तक स्घ मोग्य 6 /9
निकट वृष्टि	एन ठ प्रस्येक आंख
वर्णं वृष्टि	एम० एल० टी० द्वारा सी० पी०-1

मायोपिया 0.5 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

नेस-पेशी सन्तुलन

मेब्बोक्स रोड टेस्ट के साथ हेट्रोफोरिया निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हो:—

- (i) 6 मीटर पर -- ऐऋोफोरिया 8 प्रिण्म हा ोप्ट्रैस ऐसीफोरिया 8 प्रिण्म हायोप्ट्रैस हाइपरफोरिया 1 प्रिण्म हायोप्ट्रेस
- (ii) 30 सें॰ मीटर पर-- ऐक्सोफोरिया 16 प्रिज्म बायोप्ट्रेस एसोफोरिया 06 प्रिज्म बायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया प्रिज्म बायोप्ट्रेस
- (क) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में कुबरती व मणबूत बांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदवार स्वी-कार्य है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 22 बांत बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को सीज पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ण) छाती की एक्स-रे परीक्षा में भेज पशुंका की उपस्थित हेतु ग्रेव मेरदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरदण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

- केवल बागु सेना के उम्मीदवारों के लिये स्पर्युक्त के साथ-काथ निम्नलिक्कित विकित्सा भानक भी लागु होंगे:—
 - (क) बायुसेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है:---

क्व :

162.5 सें॰ मी॰

टांग की सम्बार्धः

कम से कम 99 सें० मी० और अधिक

से अधिक 120 सें० मी०।

अरुकी सम्बार्दः

अधिक से अधिक 64 सें० मी०

बैठ कर कंबाई :

कम से कम 81.5 सें॰ मी॰ और अधिक से अधिक 96 सें॰ मी॰।

- (चा) भेरवंड का एक्सरे कटिकिक किया जाएगा । एक्सरे में प्रकट निम्नलिखित वार्ते अनहींक होंगी :---
 - (i) भैरवण्ड का कणिकागुरुमीय रोग
 - (ii) भाषाइटिस/स्पोक्सिसिस
 - (iii) मंत्र से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस/लडोसिस स्को-लियोसिस कॉल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्डी-कृति का कारण बनेगा।
 - (iv) स्पोंबीलोलिसिस वैसिस/स्पोंबीलीलिसिस
 - (V) हर्निएटिक न्यूकलियस पलपोसस
 - (Vi) कशेवका का सम्पीडन अस्विमग
 - (vii) मनेयर मेम का रोग
 - (viii) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंचरणीय क्षभाव के साथ ग्रेव पर्शृकाः।
 - (ix) कोई अन्य अपसामान्यता, जिसे कोई विशेषक ऐसा ठहराए।
- (ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।
- (भ) दृष्टि

दूरकी वृष्टि:

6/6, 6/6 तक

सुधार योग्य 6/9

पास की दृष्टि :

प्रत्येक भारत की एन० 5

वर्णे पुष्टिः

सी॰ पी॰---1 (एम॰ आई॰ एस॰)

मेनीफोस्ट हाइपरमेट्रोपिया-2.00 डी॰ से अधिक न हो नेक्ष पेशो सन्दुलन।

मेडोक्स रोड टैस्क के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो :---

 (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म अयोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 6 प्रिज्म आयोप्ट्रेस

(ii) 33 सें॰ मीटर पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस ऐसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिंगमेंटिज्म 0.75 डी॰ सिर्फ

द्विनेत्री दृष्टि अण्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है । (प्यूजन तथा स्टरवोमिस तथा साथ में अण्छा आयाम व गहनता)।

- <u>(ड.)</u> मानक
- (^j) वाकपरीक्षण : प्रत्येक काम से 610 सें० से कामाफूसी सुनाई दे।

- (ii) श्रव्यतामितिक 250 एष० एक्स० तथा 4000 एक० परीक्षण: जैंड० के बीच की आवितयों में श्रव्यता-मितिक कमी 10 डी० बी० से अधिक न हो !
- (च) रुटीन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में हों।
- नौसेनिक विभागन शाखा के उम्मीदवार शृतु स्वास्थ्य भानक वही होंगे जो वायुसेमा के उड़ान इयटी हेतु उम्मीदकारों के हैं।
- 4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित थियोष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता चलता है तो मेडिकल बोडं द्वारा अन्तर्षक ठहराए जाने की स्थिति में वह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए भी अयोग्य ठहरा सकती हैं।

परिशिष्ट---III

सेवा आदि के संक्षिप्त जिवरण नीचे दिए गर्ये 🕻 :---

भारतीय सेना अकादमी वेहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए:---

- 1. भारतीय सेना अकावमी में भर्ती करने से पूर्व :---
- (क) उसे इस आक्षय का प्रमाण पत्न वेना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रणिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्त्रक्ष्प यदि उसे कोई चीट लग जाए ऊपर निर्विष्ट किसी कारण से या अन्यया आवश्यक किसी सिजिकल आपरेशन या संविदना हरण दवाओं के परिणामस्वक्ष उसमें कोई शारीरिक अधकतता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विषय किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहन का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता पिता या संरक्षक को इस आगय के बन्ध-पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीववार पाद्यकम-पूरा होने से पहले आपस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुक्त, भोजन, वस्त्र और किए गए व्यय तथा दिये गये वेतन और भर्ते की कुल राशि या उतनी शिश जो सरकार निश्चित करे उसे आपस करनी होगी।
- 2. अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण विया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेंटलमैन कैंडेट" के रूप में वर्ज किये जायेंगे। "जेंटलमैन कैंडेट" पर साधारण अनुशासनारमक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकावमी के नियम और विनियम लागू होंगे।
- 3. यद्यपि, आवास, पुस्तक, वर्वी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार अहन करेगी; लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदबार अपना खर्च खुव बर्वाग्रत करेंगे । भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदबार का न्यूनतम मासिक व्यय 290.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आशिक रूप में वर्वाग्रन करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें किसीय सहायता दी जा मकती है। लेकिन जिन उम्मीदबारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु० या इसमे अधिक हो, वे इस विसीय सहायता के पाल महीं होंगे। विसीय महायता की पालता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदियार के माना पिता/सम्बक्त किसी प्रकार की बिसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हो तो उन्हें अपने पुन्न/सरिक्षत के भारतीय सेना अगादमी में प्रणिक्षण के रिग्ने असिम रूप से चुने जाने के तुरन्स बाद अपने जिला के जिला मिजस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्न देना बाहिए जिसे जिला मिजस्ट्रेट अपनी अनुशन्सा सिहत भारतीय सेना अकादमी वेहरादून के कमाण्डेस्ट को अग्रेपित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमाण्डेन्ट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:---

(क) प्रतिमास २० ९०.०० के हिसाब से पाच महीने काजेब खर्च

450.00

(स्त्र) वस्त्र तथा उपस्कर की मदो के लिए

800.00

योग

1250.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी:—

90.00 ६० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जैब

खच

450.00 ₹0

- मारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छास्रवृश्तियां उपलब्ध हैं:---
- (1) परशरा म भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महा-राष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को दी जाती हैं। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रं∙ प्रति वर्ष है जो कि कैंडेटो को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अविधि कें दौरान दी जाती है बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोधजनक हो। जिन जम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सराकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।
- (2) कर्नल केंडल फ्रेंक मेमोरियल छात्रवृत्ति:—इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- इपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैंडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्न हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय महायता के असिरिक्त होती है।
- 6. भारतीय सेना अकावमी के प्रत्येक कैंडेट के लिये सामान्य मतौं के अक्तर्गत रामय-समय पर लागू होने वासी दरों के अनसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को मौप विया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह:
 - (क) अन्तरेट को कभीशन दे विये जाने पर वे दी जाएगी।
 - (खा) यदि कैंडट को कमीशान नहीं दिया गया तो भर्तो की यह रक्षम राज्य को वापम कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस कत्ते से खरीवे गए बस्त्र तथा अन्य आवश्यक भीज कडेंट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रिणाणाधीन कैंडेट त्यागपन वे वे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या बापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त बस्तुओं को उससे बापस से लिया जाएगा। इन बस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को ६ ब्टिगत रखते हुए निपटान कर विया जाएगा।

7 नामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत देने की अनुमति नही वी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागात देने बार्क जेटिलमैन कैंडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत स्वीकार होने तक घर जाने की आजा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, मोजन तथा सम्बद्ध सेवाओ पर होने वाला खर्च उनसे वस्ल किया जाएगा। भारताय सेना अकावमी में उम्मीववारी को भर्ती किये जाने भे पूर्व उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आणय के एक बांड पर हम्साक्षर करने होगे। जिन जेटलमैन कैंडेंट को प्रणिक्षण का सम्पूर्ण कोर्ग पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा। उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रणिक्षण में हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को अपनी रेजिमेंट या कोर में बापम भेज दिया जाएगा।

- 8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही विया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अपले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।
- 9. कमी मान देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान देतन और मत्ते, पेंशन और छुट्टी दी जायेगी तथा सेवा की अन्य मतें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

 I प्रशिक्षण:--
- 10 भारतीय सेना अजावमी में आर्मी कैडेट को "जेंटलमैन कैडेट" का नाम विया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कहा सैनिक प्रशिम्मण विया जाता है ताकि वे इपेंदी के उप-यूनिटों का नेतरब करने के योग्य बन सके। प्रशिक्षण को सफलन पर्वक पूरा करने के उपरांत जेंटल-मैन कैडेटों को सैकिण्ड लैफिटनेंट के "में कमीशान प्रवान किया जाता है बसर्तें कि एस० एव० ए० पी० ई० भारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
 11. सेवा की सर्तें:---

(i) वेतन

रैक	वेतनमान
सेकिण्ड लेपिटनेस्ट	750-790
लेफ्टिनेस्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का चयन ग्रेड)	1800-50-1900
लेपिटनेन्ट-फर्नल (चयन द्वारा)	1750~1950
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000 - 50 - 2100
लेफ्टिनेन्ट कर्नेल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नेल	1950-2175
त्रि गेडियर	2200~2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेन्ट जनरल (आर्मी कमान्डर)	3250 प्रतिमास

(ii) मोग्यता, वेतन और अनुवान

लेफिटनेस्ट कर्नल और उससे नीचे के रैक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रू., 2400 रू., 4500 रू. अथवा 6000 रू. के एक मुण्त अनुदान के हकवार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') ग.० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

III मत्ते :---

- (iii) येतन के अतिरिक्त अफगरों को इस समय निम्निलिखित भत्ते मिलते हैं .---
 - (क) निविलियन राजान्त्रिन अफपरों पर समय-समय पर लागू दरो और शती के अनुमार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भले दिये जाते हैं।
 - (खा) 75 ६० प्राप्त मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

- (ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है। इसके भुगतान की दरें उपर्युक्त विदेश भत्ते की संगत एकल वर की 25 प्रतिमत से लेकर 40 प्रतिमत रामि तक अलग-अलग हैं।
- (घ) वियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नही रखा जा सकता है, तब वे अफसर 140/ रु प्रतिमास की दर से बियुक्ति भना प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (इ) मज्जा भत्ता:--प्रारंभिक सज्जा भक्ता ७० 2100 है। प्रथम कमीशन की नारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 द० नये सज्जा भत्ते का बाबा किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में कर्नेल के स्तर तक मृक्त राशन दिया जाता है।
- (iv) तैनातीः

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं:---

- (v) पदोन्नतिः
- (क) स्थायी पदोन्नतिः

उच्चभर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा मानाए

समय वेतनमान से

ल पिटनेन्ट 2 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा कैप्टन 6 वर्ष कमीशन प्रात सेवा 13 वर्ष कमीशन प्राप्त रोवा मेजर

मेजर से लेफिटनेंट कर्नल यदि चयन द्वारा पदो-

न्नसिन हुई हो 25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लैफ्टिनेंट कर्नल 16 वर्ष कर्माशन प्राप्त सेवा कर्नल 20 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा **क्रिगे**डियर 23 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा 25 यपं कमी शन प्राप्त सेवा मेजर जनरल लैफ्टिनेंट जनरल 28 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा जनरल कोई प्रतिबन्ध मही।

(ख) कार्यंकारी पदोन्नति:

निम्नलिखित न्युनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पाल होंगे बगर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों :---

कप्टन 3 वर्ष 5 वर्षे मेजर लैपिटमेंट कर्मल 6 है वर्ष कर्नेल 8 है वर्ष **बिगेडिय**र 12 वर्ष मेजर जनरल 20 वर्षे स्रीपटर्नेट जनरल 25 वर्ष

- (ख) नौसेना अकादमी, कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीवधारों के लिये:⊸–
- (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अतिम रूप से चन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीयवारों को नौसेना अकादमी, कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि अमा करानी होगी।

- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदक पस्न नहीं दिया हो :---
 - (i) 45.00 ६५में प्रति मास की बर से पांच माम के लिये जेब खर्च

225,00 ₹∘

(ii) कपड़ो और सफ्जा-सामग्री के लिए

460.00ছ০

जोड

685.00₹0

- (2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी विसीय सहायता के लिये आवेदन-पत्न विया हो:---
 - (i) 45.00 ६० प्रति माम की दर से दो मास के लिये जैब खर्च

90.00 €∘

(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए

460.00 বৃ৹

जोड

550.00₹∘

- (ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारो को कैंडेटो के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाओं और प्रतिष्ठानों में नीचे विया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:---
 - (क) कैंडेट प्रशिक्षण सथा 6 मास का नौकार्य प्रशिक्षण 1 वर्ष
 - (ख) मिडशिपमैन नौकायें प्रशिक्षण

6 मास

(ग) कार्यकारी सब-संपिटनेंट तकनीकी कोर्स

12 मास

(ष) सब-स्नैपिटनेट

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों को नौवहन निगरामी संबंधी पूर्ण प्रमाण पन्न लेने के लिये भारतीय नौसैनिक जहाजो पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिये कम से कम 6 मारा की अवधि आवश्यक है।

- (ii) नौसेना अकावमी में कैंडेटो के लिये शिक्षण, आवास और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भीजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार बहुन करेगी। किन्तु कैंडेटों के माता-पिता/ अभिभावकां को उनका जेब खर्च और निजी खर्च बहुन करना होगा। यदि कैंडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 500 ६० से कम हो और वह कैंडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैंडेट के लिए 55 कु प्रति मास विसीय सहायता स्वीकार कर संकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने आने के बाद गीव्र ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्न दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन-पत्र को अपनी अनुणंसा के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा। यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाओं/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त विसीय सहायता दी जा सकती है बगर्ले कि माता-पिना/अभिभावक की मासिक आय 600/- रु० से अधिक न हो।
- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्था-पनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अका-दमी छोड़ने के बाद उसके पहले छह मास के प्रशिक्षण के बौरान जन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में

प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहां जो और उनके प्रतिब्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंडेटो की मिडिशापमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे देतन प्राप्त करने लगेगे, तब उनके माता-पिना की उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

- (iv) कैंडेटो को सरकार सं निशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उनकी एक रूपता को मुनिम्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना अकावमी मे सैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैंडेटो के माता-पिता/अभिभावको को वहन करना होगा। विस्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्न देने वाले कैंडेटो को कुछ कपड़े निशुल्क या उधार दिये जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।
- (v) प्रशिक्षण के घौरान सर्विस कैंग्रेटो को अपने मूल रैंक के वही बेसन और वही भत्ते मिलेंगे जो कैंग्रेटो के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अर्थेटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होगे। यदि उन्हें उस रैंक मे बेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस बेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंग यदि उनके मूल रैंक का वंतन और भत्ते सीधे भर्ती होने वाले कैंग्रेटो को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों सथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात हो तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्दर की राशि भी मिलेगी।
- (v1) सामान्यत किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान स्याग-पत्न देने की अनुमित नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय मौसेना जहाजो और प्रतिष्ठानों में कीसँ पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस बुलाया जा सबता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकत है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मून सर्विस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोसं में दुबारा दाखिल होने का पाल नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ करणाजन्य कारणां के आधार पर स्थान-पत्न देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलो पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।
- 2 किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना मे कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अमिभावक को
 - (क) इस आशय के प्रमाण कि पर हस्ताक्षर करने होगे कि वह भली भांति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के बौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बेलता हो जाए या उपर्युक्त कारणो या अन्य कारणो से चोट लगने पर किये गये आपरेशन से या आपरेशन के बौरान मूर्छित करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
 - (ख) इस आशय के बांब पर हस्ताक्षर करने होने कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार पूरा होने से पहले बागस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे सो शिक्षा, शुल्क, भोजम, अस्त्र, बेतन तथा भसे, जो कैंडेटो ने प्राप्त किये हैं, उनका मूस्य या उनका वह अंगा जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता हैं।

3	वेर	तन	और	भत्ते
ر ا	٤,	à		

रैंक	वेतनमान	
(4)	सामान्य सेवा	
	र मये	
मि डशिपमै न	560.00	
एक्टिंग सब-सैफ्टिनेट	750.00	
सब-स्रैपिटनेंट	830-870	
लै पिटनेन्ट	1100-1450	
लैपिटनेंट कमोडोर	1450-1800	
कमौबर (चयन मान द्वारा)	1750-1950	
कमोडर (सभय वेतनमान द्वारा)	1900.00	
	(नियत)	
कैप्टन	1950-2409 रुपये	
	(कमोडोर वह वेतन प्राप्त	
	करता है जिसके लिये वह	
	कैप्टन के रूप में वरिष्ठता	
	के आधार पर हकदार	
	होता है।)	
रियल एडमिरल	2500-125/2-	
	2750 रुपये	
नाइस एडमिरल	३००० चपये	

(ब) भत्ते

वेतन के अतिरिक्ष्त अञ्चयरों को निस्त्रलिखित मत्ते मिलते हैं.--

- (1) सिविलियन राजपन्नित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरो और मतों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ता मिलता है।
- (11) 75/- २० प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण मत्ता (कमी-शोर रैंक के सथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरो को)।
- (111) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, सब धारित रैंक के अनुसार 50/- ध्पये से 250/- खपये तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- (iv) 140/- व॰ प्रतिमाम के हिसाब से इन अफसरो को नियमित भत्ता मिलेगा ---
 - (क) जिन विदाहित अफनरा को ऐसे स्थानो पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिन विवाहित अक्तपरो को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएना अयदा जितनी अविधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिसण्जा भत्ता प्रारंभिक परिसण्जा भत्ता 2400/- ६० है।
 - (ख) नवीकरण परिसज्जा भत्ता ६० 2100/- है।
- (vi) जितनी अवधि के लिये बेस पस्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिये उन्हें मुक्त राशन मिलेगा ।
- (VII) मौसेना में कैप्टन (भारतीय मौसेना) के स्तर तक मुक्त रागन दिया जाता है।
- टिप्पणी I एपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनबुक्वी चेतन, सर्वेकण, आमुतोषिक/अर्हता वेतन/अनुदान तथा गोतास्तोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II: -- अफसर पनबुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवायें अपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिये चुने गये अफसर बर्बे हुए वेतन तथा भर्सी को पाने के हकवार होते हैं।

1/2 वर्ष

1 वर्ष

4. पदोस्रति :

(क) समय वेशममान द्वारा मिकशिपमैन से एर्निटग

सब-संपिटनेंट तक

ऐर्निटग सब-सीपिटर्नेट से ु सब-सीपिटमेंट तक

स**ब-स** पिटनेंट से

लें पिटनेंट तक

क्षॅपिटनेट तक

ऐक्टिंग और स्थायी सब-कैपिटकेंट (वरिष्ठता के लाभ/समपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

नै पिटनेंट से भैं पिटनेंट कमोडोर तक

सीपटमेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्टता

लैपिटर्नेंट कमोडोर से

कमोडोर तक (यदि जयन द्वारा पदोन्नति 24 वर्षे की संगणीय कमीशत प्राप्त सेवा

न हुई हो)

(क) चयन द्वारा

जीपिटमेंट कमोडोर से

कमोडोर तक

लैपिटर्नेंट कमोबोर के कप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता

कमोबोर से नैप्टन तक

कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता

डीप्टन से रियर एडमिरस[्]

भीर सससे ऊपर सक

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. वैतावी

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैभात किए जा सकते हैं। टिप्पणी:—यदि किसी और सूचना की भावस्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय, नई विल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने बाले उम्मीववारों के लिये:—

 इससे पूर्व कि उम्मीववार अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में भर्ती हों:—
 - (क) उसे इस आशय से प्रमाण-पत्न पर हस्ताकार करने होंगे कि बहु मली मांति समझता है कि उसे या उसके बैध बारिसों को सरकार से मुखाबजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई बोट या शारीरिक दुर्बलता हो आए या मृत्यु हो जाए या सपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए लापरेशन या आपरेशन के दौरान मूछित करने की औषधि के प्रयोग के प्रश्लास्त्रकप ऐसा हो जाए।
 - (ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाँड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदबार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शायी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतम तथा भरों जो उसने प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे चूकाने के जिम्मे-वार होंगे।

2. जो उम्मीदबार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदबारों को "सेना अधिनियम" के अन्तर्गत जैण्डलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य अनुशासन की वृष्टि से ये जैण्डलमैन कैडिट के रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य अनुशासन की वृष्टि से ये जैण्डलमैन कैडिट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्षी व कोजन तथा विकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेव खर्च स्वयं थहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के वौरान स्वृतम 90.00 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई कोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का सौक रखता हो तो तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप से बहुन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय वरों पर इस होतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है वगर्ते कि कैडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की बाय 500 रु० प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार विभीय सहायता की दर 90.00 रुपये प्रतिमास है। जो उम्भीदवार विश्वीय सहायता की दर 90.00 रुपये प्रतिमास है। जो उम्भीदवार विश्वीय सहायता की कर कि कि कि प्रतिमास है। जो उम्भीदवार कि सी कुने जाने के बाव निर्धारित प्रपन्न पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को क्षेत्रना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन-पन्न की कमार्डेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल, महास को के जे देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गए उम्मीदवारों को बहां पहुँचने पर कमाईट के पास निम्नलिरित धन राशि जमा करनी होगी:---

(क) 90.00 द० प्रति मास की दर से वस महीने के लिए जैंक खर्च

900.00 रुपये

(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये

500.00 रूपये

योग

1400.00 रुपये

यि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

 समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिधान मत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्न दे दे या उसे निकाल विया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए सो इन वस्सुओं को उससे वापस से लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के बौरान स्थाग-पक्ष देने की अनुमति नहीं वी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाव स्थागपत देने वाले जैण्डलमैन कैडेटों को यल सेना मुख्यालय द्वारा उनका स्थागपत स्वीकृत होने तक घर जाने की आजा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने थाला खर्च बसूल किया जायेगा। अफसर प्रशिक्षण स्कल में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आश्रम का एक बांड भरना होगा।

7. जिस/जैब्दलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य कहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इस परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उनकी रेजिमेंट्र कोर में वापस केज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर विये जाने के बाद वेतन तथा भत्ते पेंशन छट्टी तथा अभ्य सेवा शत निम्न प्रकार होंगी:---

9. प्रशिक्षण:

1. चने गय उम्मीववारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेण्डकमैन कडेटों के रूप में नामंकित किया जायेगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में सगमग 9 मास तक प्रशिक्षण कोसें पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त जण्डलमैन कैंडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेकंड लेफिटनेन्ट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. सेवा की गर्ते

(क) परिवीका की अवधि

कभीशन प्राप्त करने की तारी का से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यवि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कभी कन खारण करने के अनुपयुक्त धताया गया तब उनकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाव किसी भी समय उसका कभी शन समाप्त किया जा सकता है।

(च) तैनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विवेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा परोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वय की अविधि के लिये प्रदान किया जायगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अविधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंग यदि हर प्रकार से पान्न तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किय जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वय की अविधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किय जाने की अहंता प्राप्त नहीं कर पाएंग उन्हें पांच वर्ष की अविधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर विया जाएगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भन्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेण्ड लेपिटनेन्ट और लेपिटनेन्ट के वेतन की दर इस प्रकार है:---सैकेण्ड लेपिटनेन्ट --- 750-790 रु॰ प्रति मास

लेपिटनेस्ट---830-950 द० प्रति मास

तथा अन्य भक्ते जो नियमित अफसरों को मिसते हैं।

<u>(න) භුදු</u>ව

छुट्टी के संबंध में ये अफमर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिये लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खण्ड-1 थल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित है। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ह्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकवार होंगे।

(च) कमीशम की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

[(i) अपचार करने या संतोषजनक रूप से सेवा न करने पर; या

- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- [(iii) उसकी सेवाओं की ओर अधिक आवश्यकता न होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्वारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की करणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपदान पाने का पात्न नहीं होगा।

(इ) पेंशन लाम

- (i) ये अभी विचाराधीन है।
- (ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 8000.00 का सेवांत उपवान पाने के हक्षवार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का बायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाव से 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(ল) বিবিষ:---

सेवा संबंधी अन्य सभी कर्ते जब तक उनका उपयुक्त उपबंधों के साथ भेव नहीं होता है वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिये लागू हैं।

(घ) वायु सेना अकावमी में प्रवेश लेने वाले जम्मीदवारों के लिये।

1. चयन

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में वो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एक्ट्री और एन० सी० सी० वायु सेवा स्टंब वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

- (क) डायरेक्ट-एण्ट्री---आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः दो बार मई और नवम्बर में ली जाती है सफल उम्मीदेवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये क्षेत्रा जाता है।
- (ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश—राष्ट्रीय कैंडेट कोर महानिवेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदन-पत्नों को आमितित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पाल उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिये वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निवेश दिया जाता है।
- 2. प्रशिक्षण पर भेजना: वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशिक्षित क्षीर उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाये जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डाइरेक्ट-एण्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आधीग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची अलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट-एण्ट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० लो० से० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा नाय सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कींडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण: वायु सेना अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली शर्तें

- (i) यद्यपि जगह, पुस्तक, वर्दी, ठहरने और चिकित्सा उपचार सहित, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मी-दवारों से आशा की जाएगी कि वे अपना जेब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रतिमास कम से कम 90 रुपये से अधिक खर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंडेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्णरूप या आंशिक रूप में वहन करने में असमर्थं ह तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैंडेट के अभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500 रुपये या इससे अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने का पात नहीं होगा। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल संपत्ति तथा अन्य परिलब्धियों और सभी स्रोतों से होने वाली आय को भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को अपने पुत्र/बच्चे के वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद अपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश उस आवेदन को अपनी अनुशंसा सहित कमांडेंट, वायुसेना प्रशासनिक कालिज, रेड फील्ड्स, कोयम्बदूर को अग्रेषित कर देंगे।
- (ii) वायु सेना प्रशासिनक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर निम्निलिखित रकम कमांडेंट के पास जमा करनी है :---

(क) 90 रुपये प्रतिमास की दर से 5 मास	
के लिए जेब भत्ता	450 रूपए
(ख) वस्त्र और उपस्कर मदों के लिए	5 2 5 रुपये
योग :	975 रुपये

उर्गुक्त रहन में से निम्नितिखित रहन कैडेट को वित्तीय महायता प्रदान किए जाने को स्थिति में वापम देय है।

90 रुपए प्रतिमास की दर से 5 मास के लिए जेब भत्ता 450 रुपए

4. भिविष्य में पदोन्नति की संभावनायें:—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मोदवारों को पाइलट अफसर का रैंक दिया जाता है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भन्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभन ६० 2450/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन ६० 750/- प्रति माह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्जवन होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनायें अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु मेना में दो प्रकार से पदोन्नति होनी है अर्थान् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायो रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिये अतिरिक्त परिलव्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्ववेड्न लीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय वेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में कमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती हैं। विंग कमांडर और उससे कपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधवत गठित पदोन्नति बोडों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिये पदो- अति के अच्छे अवगर होते हैं।

ाभत्तेः —

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	₹०
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाईंग अफसर	910-1030
फ्लाइंग लेफ्टिनेन्ट	1159-1550
स्क्वेड्रन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-195 0
म्रुप कैप्टन	1950-2175
एअर कमोडोर	2200-2400
एअर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्थल	3000

महंगाई तथा प्रतिकर भत्ते: — अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के अन्तर्गत की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भत्ता:—ह० 75/- प्रति माह; उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

विंग कमांडर और उससे नीचे ६० 750.00 प्रति माह पुप कप्टन और एयर कमोडोर ६० 666.00 प्रति माह एयर बाइस मार्थन और उससे ऊपर ६० 600.00 प्रति माह

योग्यता वेतन:—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विग कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर इ० 70/- और इ० 100/- है और अनुदान इ० 6000/-, इ० 4500/-, इ० 2400/-, और 1600/- है।

प्रवास भत्ता:--जहां वायु सेना अधिकारियों को ट्कड़ियों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है। उन देशों मे निपुत्र एक तृत्रय सचिव, दितीय सचिव, प्रथम सचिव कन्सूलर को दिए जाने वाले विदेश भन्ने का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिगत तक (पारित रैक के अनुपार) प्रवान भत्ता देय होता है।

नियुक्ति भता:—ऐपे वियाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है। गैर परिवार स्टेशन स्थिन/परकार द्वारा अधिमूचित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने का अनुमति नही होती है उन्हें ह० 140/- प्रतिमास को दर से नियुक्ति भत्ता दिया जायेगा।

परिधान भता — वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी की अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारिष्यक परिधान भता हुए 210% है (समय-प्रमाप पर इसमें संबंधित किया जाता है) नवीकरण के लिए हर सात साल के बाद हुए 1300,- दिये जाएने । कैस्पिक्ट कमोशन प्रदान करने समय मूरन दो जानो है।

बायु सेता में प्रुत कैंप्टन के स्तर तक मुक्त राजा दिया जाता है।

6. छट्टी और अवैकाण यात्रा	र्याप्रत भना_	
वार्षिक अवकाश	वर्ष में 60 दिन	
आकस्मिक अवकाश	वर्ष में 20 दिन : एउ	यार मे
	10 दिन स अतिह न	ही ।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के वाद जब भा अधिकार विधिक आकिस्मिक अवकाश लेगे वे तथा उनके परिवार के गदस्य मुक्त सवारी के हकवार होंगे चाहे अवकाश की अवधि कुछ भी को न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक से एक बार अधिकारी अपने इसूटी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए निशुल्क सनारी बाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 965 कि० मी० के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान ड्यूटी पर सैनाव होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वार्टट पर 1600 कि भी की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त याला करने की सुविधा होगी इसमें आने और जाने की याला सम्मिसित होगी।

जी अधिकारी छट्टी लेकर अपने खर्च से याक्षा करने के इच्छुक हैं वे कलेण्डर वर्ष में सीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके याद्वा करने के हकदार होंगे। समें एक बार पूरे परिवार के साथ याज्ञा की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आधित माता-पिसा, बहन और नाबालिंग भाई मामिल होगे।

7. पेंगन साभ:--

सेवा निवक्ति के समय रैक (स्थायी)	अर्ह्ध सेवा की न्यूनतम	सिवृश्ति मानक	वेंश दर	: की
	अवधि			
		र ०	प्रति	माह्
पाइलट अफसर फ्लाइंग अफसर	20 কর্ম	575	"	,,
पाइलट लेपिटनेन्द	20 বর্ষ	800	**	,,
स्क्वेड्रन लीडर	2 2 वर्ष	925	**	**
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	26 वर्ष	975	,,	,,
विंग कमांडर (सलेक्टिव)	24 वर्ष	1000	,,	"
प्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1150	,,	,,
एयर कमोडोर	28 वर्ष	1250	*1	,,
एयर वाइस मार्शल	30 वर्ष	1425	**	,,
एयर मार्शल	30 वर्ष	1375	,,	,,
एयर मार्शेल बी० सी० ए० एम०	30 वर्ष	1475	5 ,,	,,
कौर ए० को० एम० सी० इ न स	री ∘			
एयर चीफ मार्शेल	30 वर्ष	1700) ,,	,,

8. सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विविक्षा पर सेवा नियुक्ति उपवान निम्नलिखित है :---

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिये रु० 12,000/- जिसमें से पिछले रैंक के बेढ़ महीने के वेतन घटाकर।
- (चा) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए २० 1200/- जिसमें से पिछले रैक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पेंशन या उपवान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अविधि को आईक सेवा के लिये कुल परिलब्धियों के चौथाई के बराबर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपान देय हैं जोकि परिलक्षियों का 16-1/2 गुणा होगा और दे 36,000/- से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपवान निम्मसिखित रूप से होंगे:—

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो वो महीने का वेसन;
- (ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाये तो छ: महीने का बेतन; और
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

शिकलांगता पेंग्रन और बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहिन तथा माई) की विशेष परिवार पेंग्रन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

मन्द्र सुविधाएं :

क्रिधिकारी तथा उनके परिवार निःशुस्क चिकित्सा सहायता, रियायती बर पर धावास, ग्रुप बीमा योजमा ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कैट म सुविधाओं आदि के हकवार हैं।

परिशिष्ट-4

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदशरों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाप-पत्न का फार्म:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनसूचित जनजातियां) आवेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षत्र) आदेश 1951*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

अनस्चित जातियां और अनुस्चित जन जातियां सूचियां (संशोधन) आवेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जम जातियां, आवेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)

संबिधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातिया आदेश 1956।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां आवेश 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आवेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (वावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आवेश, 1962।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) उत्तर प्रदेश, आदेश 1967।*

संविधान (गोआ दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (गोआ, दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968।*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970।*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978।*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978।*

2. श्री श्रौर/या उनका परिवार आमतौर से गांध/कस्था*
हस्ताक्षर **पदनाम
(कार्यालय की मृहर के साम) राज्य/संघ*राज्य क्षेत्र
स्यान
तारीख

***जो शब्द लागून हों उन्हें क्रु**पया काट वें।

नोट:---वहां "आमतौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रे-जेंटेशन आफ वि पीपुल एक्ट 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

- (i) जिला मिजस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मिजस्ट्रेट/कलकटर/दिष्टी किम्मिनर/एकिंगनल किप्टी किमियनर/किप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाक्ष्पेंडरी मिजस्ट्रेट/सिटी मिजस्ट्रेट*सब-क्रिबीजनल मिज-स्ट्रेट/साल्लुक मिजस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मिजस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट किम्मिर
 - *(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहवा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीववार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता है/हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सिषद/डेवलपर्मेंट अफसर (लक्ष-द्वीप)।

परिभिष्ट—V लोक सेवा आये

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण:

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "बस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रका (जिसको आगे प्रश्नाण कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकाश के लिए आपको एक उत्तर चुन केना है।

इस विवरणिकाका जदेश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

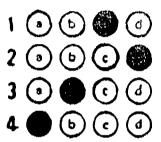
(ख) परीक्षण का स्वरूप:

प्रस्त-पत्न परीक्षण 'पुस्तिका' के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 आदि के कम से प्रकाश होंगे। हर प्रथनांश के नीचे ए, बी, सी, डी, चिह्न के साथ सुमाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यवि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही छां सी उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिये गये नमूने के प्रकाश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रकाश के लिये आपको सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से ग्रिधिक प्रत्युत्तर चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना आएगा।

(ग) उसर देने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक से लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर प्रक्रक (जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के क्षाय भेजी जाएगी) से प्रश्नांशों की संख्यायें 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए०, बी०, सी०, डी० चिह्न वाले बृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) निषी विखाया गया है। उत्तर प्रतक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:---

- 1. प्रश्नाशों के उत्तरों के लिये केवल श्रच्छी किस्म की एच० भी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- गलत निशान को बदलने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशाम लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लायें।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी नहीं बरतनी चाहिये जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलवट शादि पड़ जाएं या खराब हो जाएं।

(व) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्घारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान प्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पक्र निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप वें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा वेड विया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा अ।पको कुछ विवरण उत्तर-पत्रक पर कूटबंब भी करना होगा। इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विये सभी अनुदेश आपको मायधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सायधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नाश

के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुवेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी माग को आरंभ या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुवेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं आपको अपने साथ एक एक वी० पेंसिल, एक रज़क, एक पेंसिल प्रापंतर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का दुकका या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं। क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कक्वे काम के निए आपको अलग कागज विया जाएगा। आप कक्वा काम या शुक्र करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(छ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पन्नक देंगे। उत्तर पन्नक पर अपेक्षित सुबना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यया, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक प्यंवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यधिप इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा गुढ़ता की जांचना है। फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ अाप जिसनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नाशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर वें। आपके द्वारा अंकित मही प्रस्थुत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जार्येमे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

(छ) परीक्षण का समापनः

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखाई बंद करने को कहें, आप लिखता बंद कर दें! आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आअध्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमतिनहीं है।

नमूने के प्रथमांश (प्रथन)

(नोट--*सही/सर्थोत्तम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त आव होता है?

- (a) रक्त का वास सायुमण्डल के वास से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से अधिक होता है।
 - (ा) रक्त वाहिकाओं की अन्वरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाव समान होता है।
 - (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव के अनुकप घटता बढ़ता है।

2. (聚年):

अरहर में फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना
 - (c) सभी ऋदु में पौन्ने अनगना
 - (d) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना

3. (रसायन विज्ञान)

H3 VO4 का एनड्राइड निम्निलिखित में से क्या होता है?

- (a) **VO**3
- (b) VO₄
- (c) V2O3
- *(d) V2O5

4. (अर्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी कोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (b) मजबूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पाद वोनों बराबर हों।
 - (a) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
 - (d) मजबूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षित परावैद्युतक 9 के परावैद्युत के से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराफ़ में संचरण केग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का केग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

6. (मूबिशान)

बेसास्ट में व्लेजिओक्लेस क्या होता है?

- (a) आसिगोक्लेज
- *(b) सैबटेडोराइट
- (c) प्रवादट
- (d) एनाणीइट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\dfrac{d^2y}{dx^2} = \dfrac{dy}{dx}$ समीकरण $\dfrac{dx^2}{dx}$ को संगत रखने वाला बश्र-परिवार निम्नलिखित में से किससे निर्विष्ट है।

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y=ac^x+be$
- *(d) y=aex-a

8. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊष्मा ईजन 400° K, और 300° K तापक्रम के भध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होंगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
 - (c) 4/(3+4)
 - (d) 3/(3+4)

9. (सांक्यिकी)

यदि विपद विचार का भाष्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4²
- b) 3
- (c)∞
- (d) --- s

10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अस्याधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- *(b) बर्मा की अधिकांस निषयों का डेस्टाई भाग है।
 - (c) महा श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (d) देश के मधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

बाह्यणवाव के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सहय नहीं है।

- (a) शीक्ष धर्म के उत्कर्ण काल में भी बाह्यस्थाव अनुधावियों की संख्या बहुत थी।
- (b) काह्मणनाव बहुत अधिक कर्मकांड और आडवर से पूर्ण धर्म या।
- *(c) बाह्यणवाद के अन्युदय के सध्य, विश्व सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न बसाओं को प्रकट करने के संस्कार निर्मारित थे।

12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीयनरवादी वर्णन समृह कौन-सा है?

- (a) बौद्ध, स्याय, बार्वाक, मीमांसा
- (b) स्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अद्वेत, वेदांत, सांबय, चार्नाक योग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विज्ञान):

'बुक्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निम्निक्षित में से क्या है?

- *(a) व्यवसाय के आधार पर विद्यानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
 - (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्त का समर्थन।
 - (o) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाय।
- (d) अभिक संबों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधिस्त ।

14. (मनोविज्ञान):

लक्स्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्म संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) भाषारमक अवस्था में स्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपातपूर्ण अधिगम

15. (समाज पास्त्र)

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न मे से कौनसी उपलब्धि है?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजीर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) खुआखूत कम हुई है।
- (c) बंचित वर्गों के सोगों को भूस्त्रामित्व का साम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:-- उम्मीववारों को यह ज्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांग (प्रथन) केवल उवाहरण के लिए विए गए हैं और यह जकरी नहीं हैं कि में इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th September 1983

No. A-32014/2/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Ahuja, a Selection Grade Personal Asstt. of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis with effect from 3rd September 1983 to 2nd December 1983 or until further orders, whichever is earlier.

- 2. His appointment as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade B CSSS or for seniority in that of grade.
- 3. Shrl V. K. Ahuja, Selection Grade Personal Assistant is outside the zone for long term promotion as Senior P.A. (Grade B of CSSS). As such his promotion as Sr. P. A. is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

Smt. BHAVANI THYAGARAJAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhl, the 27th September 1983

No. G-3/69-AD-V.—In continuation of Notification No. G-3/669-AD.V dated 13th June, 1983, the President is pleased to appoint Shri G. Vittal as Sr. P. P. in C.B.I. for the period upto 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. S-3/70-AD.V.—In continuation of Notification No. S-3/70-AD.V dated 13th June, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. K. Srivastava as Sr. P. P. in C.B.I. for the period upto 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. S-7/70-AD.V.—In continuation of Notification No. S-7/70-AD.V dated 13th June, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. P. Nigam as Sr. P.P. in C.B.I. for the period upto 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. S-17/71-AD.V.—In continuation of Notification No. S-17/71-AD.V dated 13th June, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. R. Pande as Sr. P.P. in CBI for the period upto 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. A-19036/11/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri D. B. Bhende, Inspector of Police, Gujarat State Police as officiating Dy Supdt. of Police in C.B.I., S.P.E., on deputation with effect from 26th August, 1983 forenoon and until further orders.

The 28th September 1983

No. PF-S-8/73-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Shiv Prasad Mishra, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Sr. Public Prosecutor on adhoc basis with effect from the forenoon of 9th September 1983 and till 31st December 1983 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 29th September 1983

No. O-II-1822/83-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Kishan Lal an IPS officer of Rajasthan Cadre as DIGP in the CRPF.

2. Shri Kishan Lal took over charge of the post of DIGP, CRPF, Neemuch on the forenoon of 14th September 1983.

- No. O-II-1823/83-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri P. S. Yadav, an IPS officer of Rajasthan Cadre as DIGP in CRPF.
- 2. Shri Yadav took over charge of the post of Deputy Director, ISA, CRPF, Mount Abu on the forenoon of 17th September 1983.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 29th September 1983

No. 10/27/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 3rd August, 1982, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri S. N. Chaturvedi, Deputy Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Joint Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st October, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Chaturvedi will be at New Delhi,

No. 11/42/80Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 6th June, 1983, the President is pleased to appoint Shri Prem Nariani an officer belonging to Grade 'A' of the C.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st Dtcember, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Nariani will be at Bombay.

No. 10/19/82-Ad.I.—The President is please to extend the period of ad-hoc appointment of S/Shrl M. V. Rao and Anand Kumar, Investigators in the office of the Registrar General, India, New Delhi. as Research Officer, in the same office, for a further period unto the 29th February, 1984, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of S/Shrl M. V. Rao and Anand Kumar will be at New Delhi.

No. 11/11/82-Ad I.—The President is pleased to appoint, Shri M. K Mukheriee, Investigator in the office of the Director of Census Operations Orissa, Rhubaneswar. as Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year with effect from the forenoon of the 15th June, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

His headquarters will be at Bhubaneswar.

The 1st October 1983

No. 10/7/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint, Shri N Rama Rao, a Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations. Tamil Nadu, Madras, on deputation, on regular basis, as Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the Office of the Registrar General India New Delhi, for a period not exceeding 4 years with effect from the forenoon of the 13th July, 1981.

- ? The headquarters of Shri Rama Rao will he at New Delhi.
- 3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 5th August 1983.

The 3rd October 1983

No 10/17/82-Ad I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint, through direct recruitment, Dr. S. Rajendran as

Research Officer (Language) in the Office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 12th September, 1983 until further orders

2 His headquarters will be at Calcutta

No 10/39/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri S. S Sangal, Research Officer in the Planning Commission, to the post of Research Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 23rd September, 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

- 2 His headquarters will be at New Delhi.
- 3 His deputation in this office will be governed under the terms and conditions as contained in the Ministry of Finance Office Memorandum No. F 10(24)E III(B)/60 dated 4th May 1961, as amended from time to time.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE) CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNÂL

New Delhi, the 1st October 1983

No F 345(4)-CEGAT/82—Shri S P. Bahri, Assistant Registrar Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal New Delhi, who was formerly working as Office Superintendent Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Fxcise New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1983, on attaining the age of superannuation

F S GIII President

(DEPTT OF EA) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 26th September 1983

No 35/A—In continuation of Notification No 60/A dated 25th June 1983, the ad-hoc appointment of Shri M S Pandey DCO and Shri K K Pathak DCO of India Security Press Nasik Road, is further extended for a period of 3 months wef 20th July 1983 and 11th July 1983 to 19th October 1983 and 10th October 1983 respectively on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier

No 36/A—The undersigned hereby appoints Shri N N Sardesai Head Accountant India Security Press Nasik Road to officiate as Accounts Officer (IInd post) India Security Press for a period of 6 months well forenoon of 22nd August 1983 to 21st February 1984 in the first instance.

Sd /- II LFGIBLE - General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 28th September 1983

No. 2907/CA I/129-69—On his attaining the age of superannuation Stri M I Ray, Audit Officer (Comm!) serving in the office of the Member, Audit Board & Ex-31—296GI/83

Officio Director of Commercial Audit, Calcutta has retired from service with effect from 31st August 1983 (AN).

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 3rd October 1983

No Admin I/OO, No. 300—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs 840—1200 with effect from the forenoon of 26th September 1983 until further orders

S. No. & Name

- 1 Shri B P Malviya
- 2 Shri S. N. Dave
- 3 Shri S C. Jain

PRAVIN TRIPATHI
Joint Director of Audit (Admn)

DEPARTMENT OF LABOUR DIRECTORATE' GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay 400 022, the 27th September 1983

No 15/9/83-Estt —The Director General. Factory Advice Service and Labour Institute, Combay is pleased to appoint Shri Athur Venkataraman Venkatanaravanan as Assistant Director (Industrial, Hygiene) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19th September, 1983, until further orders.

DR S S RAMASWAMY Director General

MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF COMMERCE KANDI A FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION

Kutch-370 230, the 26th September 1983

No FTZ/Admn/7/2/79-15089—The Development Commissioner Kandla Free Trade Zone. Gandhidham-Kutch hereby appoints Shri P 'M Mohivuddin, Preventive Officer Grade I under Customs & Central Excise Collectorate. Cochin as Appraiser Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O M No F-10(24)E III/80 dated 4th May 1961 as amended from time to time in the pay scate of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from forenoon of 12th September 1983 for a period of one year in the first Instance.

ASHOK BHATIA
Development Commissioner,
Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPÁRTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 29th September 1983

No A-19018(162)/75 Admm (G) Vol II — The President is pleased to appoint Shri Mahendra Kumar. Assistant Director (Gr II) (IMT) in the Office of the Development

Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (LMT) in the same Office with effect from the forenoon of 30th August 1983 until further orders.

No. A-19018(693)/83-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri S. R. Saxena, Junior Engineer (C) in the Office of the Director General Poets and Telegraph, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (Civil Engineering) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 2nd August 1983 until further orders.

C, C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 26th September 1983

No. A.32013/4/79-A6(Col.II).—The President is pleased to appoint Shri A. T. Basak Dy. Director of Inspection (Textiles) Grade II of Indian Inspection Service, Group of Indian Inspections Grade I of Indian Inspection Services, Group 'A' in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 22nd August, 1983 and until further orders.

- 2 The Appointment of Shri A. T. Basak as Director of Inspection. Grade I of Indian Inspection Service, Group A is subject to the out-come of the three L.P.Aa bearing Nos. 67/83 68/83, and 69/83 in Civil Writ petition Nos. 1457/81, 1973/81 and 1590/81 pending in the High Court of Delhi.
- 3 Shri A. T. Basak relinquished charge of the post of Dy. Director of Inspection (Textiles) in the office of Director of Inspection NI Circle, New Delhi on the afternoon of 20th August. 1983 and assumed charge of the office of Director of Inspection Calcutta on the forenoon of 22nd August. 1983.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th September 1983

No. A-19012(183)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Krishna Kumar, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Mineral Officer (Intelligence) in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 29th August; 1983.

The 28th September 1983

No A-19012(62) /77-Estt.A.—Shri K. C. Sen Gunta, Permanent Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of

Mines is appointed to the post of Administrative Officer on adiace basis for a period of 6 months in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

The 1st October 1983

No. A.19012(164)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. A. Menghani, Assistant Stores Officer (Adhoc), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Stores Officer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 18th July, 1983 on regular basis.

No. A.19011(218)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri V. K. Jain, Chemist. Indian Bureau of Mines is promoted to the post of Senior Chemist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th August, 1983.

No. A.19011(318)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri V. S. Kaduskar, Assistant Mining Geologist to the post of Assistant Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th June, 1983.

No. A.19011(329) /83-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri Mohan Ram, Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity wef the forenoon of 5th August, 1983.

No. A-19011(330)/83-Eatt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. B. Deshmukh. Assistant Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity wef the forenoon of 5th August, 1983.

No. A.19011(331)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri J. C. Agarwal, Assistant Ore Dressing Officer to the past of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th August, 1983.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 27th September 1983

No. A-19012(175) /63-Estt.A.—Shri P. V. Purohit, Permanent Superintendent, Indian Bureau of Mines has been appointed to the poet of Assistant Administrative Officer on adhoc basis for a period of 6 months in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 9th June, 1983.

A. R. KASHAV. Sr. Administrative Officer Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 28th September 1983

No. C. 6002/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Troup 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 -RB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhoc provisional basis :---

Sl. Name and Designation			Unit /Office	With effect from
1. Shri V. Sivanandan, Survey Assistant, sel. Gd.			No. 59 Party (SCC), Hyderabad.	13-6-83 (FN)
2. Shri Bhupal Singh Rawat, Surveyor Set. Gd.	•	•	No. 49 Party (SCC), Hyderabad.	29-6-83 (FN)

S. No.	Name and Designation	~~					Unit/Office	With effect from
3. S	Shri Bimesh Kumar, Surveyor Sei. Gd.		•	•	•	•	No. 16 Party (STI), Hyderabad.	29-6-83 (FN)
4. S	Shri Hira Lal Malik, Surveyor Sel. Gd.	•	•	•	•	•	No. 15 Party (STI), Hyderabad,	23-7-83 (FN)
5. S	Shri S. N. Mitra, Surveyor Sel. Gd.	•	•	•	•	•	Eastern Circle, Officer, Calculta.	18-7-83 (FN)
6. S	hri V. S. Bist, Surveyor Sel. Gd.	•	•	•	•	•	No. 92 Party (SEC), Varanasi.	29-6-83 (FN)
7. S	hri Ramji Lal, Surveyor Sel. Gd.	•	•	•	•	•	No. 61 Party (CC), Jabalpur	8-8-83 (FN)
8. S	hri Hubb Lal, Surveyor Sel. Gd.	•	•	٠	•	•	No. 85 Party (SCC), Nagpur.	30-6-83 (FN)

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India. (Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 7th September 1983

No. A-12025/5/82-Admn. I—The Director, Publications Division is pleased to appoint the following officials of this Division as Asstt. Business Manager, on regular basis, with effect from the dates shown against each, until further orders.

S. No.	Name & Designation	Date		
1.	Sh. Edward Beck, a permanent Technical Asstt. & officiating as Asstt. Director (Prod.)	8-8-1983 (FN)		
2.	Sh. G. Shyam Nadh. a quasi permanent Sales Asstt. and officiating as Business Execu- tive	8-8-1983 (FN)		
3.	Smt. Shakuntla, a permanent Technical Asstt, and officiat- ing as Asstt. Business Manager	2-8-1983 (FN)		

MARKS. N. ELIAS Dy. Director, (Admn.) for Director

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 27th September 1983

No. A.12025/18/80-NICD/Admn.I/PH(CD&L)(Vol.II)/PH.—The President is pleased to revert Shri Shiv Kumar, Deputy Assistant Director (Ent.), NICD, Delhi to his parent office in the post of Biologist at Government of Rajasthan, Medical & Public Health, Jaipur with effect from 16th August, 1983 (AN).

K. CHANDRAMOULI, Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th September 1983

No. A.12024/6/82-Admn.I.—The president is pleased to appoint Dr. D. R. Chawla (a Grade IV Officer of the Indian Statistical Service) to the post of Statistician n this Directorate with effect from the forenoon of the 23rd November, 1982, in a temporary Capacity and until further orders.

RAMESH CHANDRA Dy. Dir. (Admn. (O&M)

New Delhi-110011, the 30th September 1983

No. A.19019/18/76-Admn.I.(pt.)/PH(CD&L).—On attaining the age of superannuation Dr. B. L. Wattal, Deputy Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th July, 1983 (31st July, 1983) being Sunday).

The 1st October 1983

No. 6-9/70-Admn.I/EPI.—On attaining the age of superannuation, Shri F. C. Mehru, Assistant Electrical Engineer in the Central Research Institute, Kasauli, retired from Government Service wef the afternoon of 30th November, 1982.

No. A-31013/3/82(CRI)-Admn.I/EPI.—The President is pleased to appoint Dr. Bhoop Singh, in a substantive capacity, to the permanent post of Veterinary Officer, Central Research Institute, Kasauli with effect from the 2nd June, 1980.

B. K. JANA, Dy. Dir. (Admn. (PH)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 30th September 1983

No. A.19012/10/80-S.I.—On his selection for appointment to the post of Senior Labour Officer of Heavy Vehicles Factory, Avadi, Madras, Shri C. D. Ganapathy relinquished charge of the post of Labour Welfare Officer Government Medical Store Depot, Madras on the afternoon of 23-8-1983.

No. A.19012/6/81-S.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. V. Nabar to the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay with effect from the forenoon of 19th August, 1983, and until further orders.

R .C. GULATI, Dy. Asstt. Dir. (Stores)

New Delhi, the 4th October 1983

No. A.19018/2/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Pramila Srivastava to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Lucknow on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 29th August, 1983.

P. K. GHAI Dy. Dir. (Admn. (CGHS.II)

New Delhi, the 3rd October 1983

No. A.32014/6/81(JIP)/Admn.IM(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Chandrasegaran to the post of Senior Scientific Officer at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education

and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 21st July, 1983 on ad-hoc basis and until further orders.

No. A.32014/1/82-(JIP)/Admn.I/M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S, R. S. Iyengar to the post of Accounts Officer at Jawaharial Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 12th August, 1983 on transfer on deputation basis and until further orders.

Dy. Dir. (Admn. (Cdb)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRI. & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 3rd September 1983

No. F.2-4/83-Estt(I).—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') of the Directorate of Extension, Shri R. K. Gauri, permanent Librarian is promoted to the post of Distribution Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, (Deptt. of Agri. & Coopn.) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd September, 1983 and until further orders.

The 12th September 1983

No. 2-1/79-Estt(I).—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group 'B')" of the Directorate of Extension, Shri O. P. Gupta, permanent Sub-Editor (Hindi) is promoted to the post of Asstt. Editor (Hindi) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, (Deptt. of Agri. & Coopn.) in a temporary capacity with effect 'from the forendom' of 31-8-1983 and until further orders.

R. G. BANERJEE, Director Administrative

CENTRAL INSTITUTE OF COASTAL ENGINEERING FOR FISHERY

Bangalore-560052, the 26th September 1983

No. A.19(15)/1/83-FH.Admn.—Shri H. L. Verma, Permanent Assistant and officiating Superintendent, Central Ground Water Board, Faridabad is appointed as Administrative Officer in the Central Institute of Coastal Engineering for Fishery, Bangalore on the initial pay of Rs. 740/- p.m. in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on the recommendation of Union Public Service Commission in a purely temporary capacity on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment letter No. A.12(25)/82 FH(P) dt. 14-6-83 with effect from 24th September 1983 (F/N) until further orders.

N. P. BHAKTA, Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202 389, the 30th September 1983

No. NAPP/Adm/1(252)/83-S/10481.—Consequent on his transfer to Tarapur Atomic Power Station, Tarapur Shri G. D. Moorthy, Security Officer in this project has relinquished charge of his post in the afternoon of September '22, 1983.

R. K. BALI, Administrative Officer-III

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 9th September 1983

ORDER

Ref. NFC/PA.V/2606/3474/1147.—Whereas, I, Shri T. Chavan, Watchman, Security, NEC has been remaining absent from duty unauthorisedly without prior intimation/sanction of leave from 10-7-82;

AND WHEREAS a telegram was issued on 7-8-82 to the said Shri Chavan directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Shri Chavan did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to him on 21-8-82 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.VII/3474/Sec/1649 dated 21-8-82 was also sent to him by registered post A.D. to his local residential address at H. No. 1039, Kalasiguda, Bolarum, Medchal, R.R. Dist-500 010;

AND WHEREAS the post copy of the telegram was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'Addressee left R/S';

AND WHEREAS the said Shri Chavan continued to remain absent from duty unauthorisedly and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1)(ii) & (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Chavan was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/3474/1706 dated 14-10-82;

AND WHEREAS the said Shri Chavan has received the charge sheet dated 14-10-82 on 18-10-82 but did not submit a written statement of his defence;

AND WHEREAS it was considered necessary that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/3474/1837 dated 9-11-1982;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated, 9-6-83 stating that Shri Chavan did not attend the inquiry and it was practically impossible to get the presence of the accused Government servant and as such the inquiry was held ex-parte and holding the charge as proved;

'AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 9-6-83 (copy enclosed) hold the charge as proved and have come to the conclusion that the said Shri Chavan is not a fit person to be retained in service and the penalty of removal should be imposed on him;

~ NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CCA) Rules read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II.dated 7-7-79 hereby removes the said Shri Chavan from service with immediate effect.

A. W. KHAN, Administrative Officer

Encl.; One Shri T., Chavan M., No. 1039 Kalasiguda, Bolarum Medchal, R. R. Dist. 500 010

"(ATOMIC-MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 23rd April 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—The adhoc appointment of Shri Ram Nath, a permanent Upper Division Clerk and Officiating Accountant, Atomic Minerals Division, as Assistant Accounts Officer in the same Division for the period from 27-12-1982 to 27-1-1983 made vide this Office Gazette Notification of even number dated January 13, 1983, is hereby cancelled.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 19th September 1983

No. 608/191/83-Adm.—The Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-411024, hereby appoints Mrs. Rohini Vijaykumar Karkhanis, Hindi Translator, CWPRS, as Hindi Officer on deputation basis for a period of one year, extendable upto three years, in the CWPRS, Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 17th August, 1983. The terms and conditions of her deputation will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No. 10/24/E-III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

2. In terms of the option exercised by her on 5-9-1983 read with option dated 19-3-1983, opting for grade pay in the post of Hindi Officer, the initial pay of Mrs. R. V. Karkhanis, Hindi Officer, is fixed at Rs. 650/- p.m. w.e.f. 17-8-1983 (FN) in the pay scale of Rs. 650-1200 in terms of para 4.4 of O.M. No. F. 1(II)E-III(B)/75, dated 7-11-75.

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (NDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 27th September 1983

No. E(I)00770.—Director General of Meteorology regrets to notify the death of Shri K. D. Barman, an officer of Indian Meteorological Service, Oroup 'A', posted as Meteorologist Grade I in the Regional Meteorological Centre, Calcutta, on 2nd September, 1983.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th September 1983

No. A-35018/4/83-EA.—Shri B. P. Jaiswal, Deputy Director, Office of the Regional Director, Delhi retired from Government Service unner the provision of F.R. 56 (K), with effect from 31-8-1983.

O. P. JAIN, Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th September 1983

No. A-28013/1/83-EA.—Shri B. K. Kar, Aerodrome Officer office of the Regional Director, Calcutta retired from Government service) on the 31-7-1983 on attaining the age of superannuation.

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

New Delhi, the 26th September 1983

No. A.32013/1/83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kalra, Controller of Communication, Bombay to the post of Director of Training & Licensing at Headquarters on a regular basis with effect from 26-9-1983 and until further orders.

The 30th September 1983

No. A.19011/48/80-EI.—Shri V. V. Bagga, Deputy Director, Air Routes & Aerodromes (Operations) retired voluntarily from Govt. service on the afternoon of 30th September, 1983 under Rule 48-A of the CCS (Pension) Rules, 1972.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Guntur, the 26th April 1983

No. 1/83 (Estt)—The following Group-B (Gazetted) Officers have retired from service on attaining the age of superannuation on the dates noted against each:

SI. No	Name of the officer and designation S/Sri	_	Place where retired	Date of retirement (in A.N.)
1.	C.S. Krishnamurthy, Superintendent of Central Excise		. Hgrs. Office, Guntur.	31-8-1982
2.	J. Srinivasa Rao, Superintendent of Central Excise		. A.P.P. Mills Range, Rajahmudry	30-9-1982
3.	Y. Sundararao, Asst. Chief Accounts Officer		. Hqrs. Office, Guntur	31-12-1982
4.	S.K. Kanakacharyulu, Superintendent of Central Excise		Eluru Divisional Office	31-3-1983
5.	Ch. Mukundan, Superintendent of Central Excise (Up-graded)		. Guntur Divisionl Office	31-3-1983

No. 2/83 (Estt)—The following Office Superintendents of Central Excise, Guntur and Hyderabad Central Excise Collectortes who have been appointed to the cadre of Administrative Officers/Asst. Chief Accounts Officers/Examiner of Accounts, Group-B (Gazetted) respectively have assumed charge on the dates noted against each:

SI. Name of the officer & Designation No.		Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri	 -		
1. V. Visweswara Rao, Examiner of Accounts		Hqrs. Office, Guntur.	4-10-1983 F. N.
2. R.V. Krishna Rao, Assistant Chief Accounts Officer		Do.	10-2-1983 F.N.

No. 3/83 (Estt.)—The following permanent S. G. Inspectors of Central Excise of Guntur Central Excise Collectorate who have been appointed as Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted) have assumed change on the dates noted against each:

SI.		Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	M.A. Kurudush, Supdt of CE	Vizag-IV Range	16-9-1982
2.	V. Veerabhadraiah, Supdt of CF	Hqrs. Office, Guntur.	4-10-1982
	P. Krishnamurthy, Supdt of CE	Dy. Collector's Office, Vizag.	14-12-1982
	K.V. Seetharamarao, Supdt of CE	Hqrs. Office, Guntur	17-12-1982
	G.V. Ramanatham, Supdt of CE	Maritime work, Vizag-I Dvn.	14-2-1983 AN
	A. Venkatarayasarma, Supdt of CE	Hors. Officer, Guntur	Do.
	Sk. Mahaboob Saheb, Supdt of CE	Do.	Do.
	P.V. Raghava Rao, Supdt of CE	Eluru Dvl. Office	Do.
	M. Audinarayana, Supdt of CE	Garividi Fy. Range, Vizag-II Dvn.	15-2-1983
	G. Suryanarayana, Supdt of CE	A.C.C. Factory Range, Vizag-II DV.	14-2-1983 AN
	Ch. Mukundan, Supdt of CE	Guntur Dvl. Office	14-2-83 AN
	Md. Rajab Ali, Supdt of CE Charles Thambi Dorai, Supdt of CE	Autonagar Range, Vizag-I Dvn. Hers. Office, Guntur	15-2-1983 AN
	B. Venkuraju, Supdt of CE	Do.	14-2-1983 AN Do.
	B. Venkatramaiah, Supdt of CE	Industrial Estate Range Vizag-I Dvn	16-2-1983
	B. Nagaraju, Supdt of CE	Hqrs. Office, Guntur	14-1-1983 AN
	K.S. Sundara Rao, Supdt of CE	Rajahmundry Dvl, Office	14-2-1983 AN
	M. Suryanarayana Chari, Supdt of CE	Vizag.II Dvl. Office	14-2-1983 AN
	D. Nageswara Rao, Supdt of CE	Hgrs. Office, Guntur.	16-2-1983
	K. Panduranga Vithal, Supdt of CE	Kakinada Cus. (CUT-Door) Kakinada	14-2-1983 AN
21.	B.V. Krishnaruo, Supdt of CE	Hindustan Polymers Range, Vizag-II. Dyn.	14-2-1983 AN
22.	I.R.K. Acharyauu, Supdt of CE	Vizag-I Dvl Office	15-2-1983 AN
23.	A. Subramanyam, Supdt of CE	Train Checking Party, Vijayawada Dvl. Office.	14-2-1983 AN
24.	Y. Lakshmaiah, Supdt of CE	Hgrs. Office, Guntur.	14-2-1983 AN
25.	S.A.K. Jeelani, Supdt of CE	T.C.P. Waltair Vizag-I Don.	15-2-1983
	Y. Venkateswararao, Supdt of CE	Hanuman Co-Operative Sugars Range, Serinarasannapalem, VJA Don.	· ·
27.	N. Koteswararao, Supdt of CE	Hars, Office, Guntur	14-2-1983 AN
28.	S.A. Saleem, Supdt of CE	Hindustan Zinc Range, Vizag-I Don.	14-2-1983 AN
29.	V.J.B. Venkatarao, Supdt of CE	• • • •	
		Hqrs. Office, Guntur	14-2-1983 AN
	Y. Suryanarayana Murthy, Supdt of CE	Do.	Do.
	K.V. Chalapathirao, Supdt of CE	Eluru Dvl. Office	Ðo.
32.	Ch. Kamaraju, Supdt of CE	Vizag-I Dvl. Office	15-2-1983
33.	M. Mrutuza Ali, Supdt of CE	Hqrs. Office, Guntur.	2-4-1983

D. KRISHNAMURTI Collector

Baroda, the 19th August 1983

No. 18/1983.—Shri N. B. Chokshi, Senior Superintendent of Central Exicise (Group 'A') Ahmedabad Din-H, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-7-1983.

No. 19/1983.—Shri R. C. Bhimnathwala, Superintendent of Central Excise (Group-'B') Baroda Din-I, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-1983.

N. B. SONAVANE Collector of Central Excise, Baroda

Vadodara, the 22nd September 1983

No. 28/1983.—Shri V. B. Boolchadnani, Asstt. Collector of Central Excise (Group-'A') Ahmedabad Din-II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-8-1983.

N. B. SONAVANE Collector of Central Excise And Customs, Vadodara

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Cipco Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 265/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cipco Private Limited has this day been struck off the register and the said company is disolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Costal Trading Company Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 1872/Liq/560(5)83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Costal Trading Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Edayar Chemicals and Oil Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 2224/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Edayar Chemicals and oil Industries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Thrikkakara Chemical Industries Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 2505/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Thrikkakara Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Argus Electronics Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 2634/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Argus Electronics Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Rasalam Industrial Fabricators Private Limited

Cochin-682 011, the 26th September 1983

No. 2818/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rasalam Industrial Fabricators Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Gcoro Export and Import Business Enterprises Private Limited

Cochin-682 011, the 29th September 1983

No. 2965/Liq/560(3)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Georo Export and Import Business Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of Metallic Traders & Industries Private Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (1106)560/4154.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Metallic Traders & Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Apna Credit & Investment Private Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (1045)560/4155.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Apna Credit & Investment Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Anami Saran Engineers Private Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (807)560/4156.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of Anami Saran Engineers Private Limited has this day been struck off the and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Express Switchgears Private Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (742)560/4157.—Notice is hereby given pursuant to Sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Express Switchgears Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Tirhut Flying Gliding Club Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (790)560/4158.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, the name of Tirhut Flying Gliding Club Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Prominant Agencies Private Limited

Patna, the 30th September 1983

No. (771)560/4159.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Prominant Agencies Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

M/s Tamhankar Disa & Associates 1535, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deepak Madhukar Dandwate 241, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 9th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/241/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 104, S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar situated
at Punc-411009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQU. RANGE Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, at S. No. 82/2A, Parvati, Sahakar Nagar, Pune- 411 009. (Area—720 sq. ft.)

Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 394 in the month of Jan., 1983.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1983

Scal;

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Tamhankar Disa and Associates (Builders) 1535, Sadashiv Peth, Pune-30,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradip Trimbak Rawat 376, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, 8th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/243/82-83.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 3, C. S. No. 1583, Sadashiv Peth situated at

Puno

32---296GI/83

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, at C.T.S. No. 1583 Sadashiv Peth, Tilak Road, Pune-30. (Area—155 sq. ft.) Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune under document No. 397 in the month of January, 1983.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D ... e said Act to the collowing persons, namely :-

Date: 8-9-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 8th September 1983

Ref. No. CA-5/37EE/244/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, C.T.S. No. 1583, Sadashiv Peth situated at Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Tamhankar Disa and Associates (Builders) 1535, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Trimbak Rawat 376, Shukrawar Peth, Pune-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 2, C.T.S. 1583, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Area—260 sq. ft.)
Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Puner under document No. 396 in the month of Jan., 1983.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-9-1983 Seal:

 Shri Baburao Alias Maruti D. Gawde and three others Dhanore, Dist. Pune. Mouje Dhanore, Tal. Khed, Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2(Shti Balkrishna J. Rathi Plot No. 94, Lane No. 11, Prabhat Road, Pune-411 004.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 16th August 1983

Ref. No. CA-5/947-SR-Jt.D.R.Pune/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 144, old S. No. 51/2, Dhanore situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.D.R. Pune on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouje Dhanore, Gat No. 144, Tal. Khed, Dist. Pune. (Area.—124 Acres.)

Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Joint District Registrar, Pune under document No. 333 in the month of February, 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 16-8-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th September 1983

Ref. No. 12551.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS/8/630, Thadagam Road situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 374/83) on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Vijaydeepa Constructions, 11/39, Raja St., Kolathur, Mettur Tk. Salem.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh Anand 156, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 8/630 ,Thadagam Road, Coimbatore. (Doc. 374/83)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 26-9-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18105.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 120, St. Mary's Road situated at Madras-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 422/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri K. Balasubramanian 70, Dr. Rangachari Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Siemens India Ltd. 134A, Dr. Annie Besant Road, Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 120, St. Mary's Road, Madras-18. (Doc. 422/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 29-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. K. Raghavan Nair 23, II Cross S. Raghava Reddy Colony, Jaffarkhanpet, Madras-95.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramamurthy 41/1, Eswaran Koil St., Madras-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18081.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 23. II Cross St. Raghava Reddy situated at Colony,

No. 23, II Cross St. Raghava Reddy situated at Colony, Jaffarkhanpet, Madras-95.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 511/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23, II Cross St. Raghava Reddy Colony, Jaffarkhanpet, Madras-95. (Doc. 511/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-8-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18091.-Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 32, III Maln Road, Madras-28 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 245, 246/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. Krishnamurthy 32, III Main Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Najmunnissa, V. A. Rabiammal, 112, Abdul Rahman Road, Koothanallur, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32, III Main Road, Madras-28, (Doc. 245, 246/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18067.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 179, Defence Officer's Colony situated at Madras-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. 560/83) on Fabruary, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major R. C. Ramiah
 Defence Officers' Colony Nandambakkam, Madras-89.

(Transferor)

(2) Shri P. Babu Jacob 14B, Kalathi Annamalai St. Arani N.A. Dt. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 179, Defence Officers' Colony, Naudambakkam, Madras-89. (Doc. 560/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 29-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18074.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 4/3, Adyar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 132/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income urising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-296GI '83

(1) Shri A. K. Dhanarajan Shri K. Amirtha Gowrl Shri K. Damodaran 23, Malligapuram, Madras-2.

(Transferor)

(2) Shri Jitinder Singh Chopra Amrita Kelavkar 2498 (AJ5) Shanthi Colony, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 4/3, Adyar (Doc. 132/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 29-8-1983

Scal :

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. Ravindran 190, North Usman Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri V. T. Chinnaraj Nadar 11, Sarojini St., Madras-17.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18079.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 67/2, 70/2 situated at Aziz Nagar, Puliyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 504/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 67/2, 70/2, Puliyur, (Doc. 504/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the follow-persons, namely:—

Seal: Date: 29-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18084.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
TS 97/4, Gillnagar situated at Puliyur, Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 268/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Manohar Thakurdas, Prakash Thakurdas, 139/3, West Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. Premaji, 10, Nagamani Garden St. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 97/4, Gillnagar, Puliyur Madras-24. (Doc. 268/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 29-8-83

(1) C. A. Ramakrishnan, 1, Ganeshram Colony, Srinivasa Avenue, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) R. Muthulakshmi and M. Bhayani, 7. Seventh Main Road, Madras-28.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18092.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7, VII Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 227/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, VII Main Road, Madras-28. (Doc. 227/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 29-8-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Rajy Valdyanathan, D-66, Saket, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. Samarias Finances, 168, Big St. Madras-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18094.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

29, Luz Avenue, Madras-4 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 183/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at 29, Luz Avenue, Madras-4. (Doc. 183/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18100.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 19/1B, situated at Nazarathpet, Poonamallee (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Poonamallee (Doc. 631/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. D. Swami, Srinivasa Farm, Nazarathpet, Poonamallee.

(Transferor)

Shanthakumari,
 Rajaram Metha Nagar,
 Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building S. No. 19/1B, Nazarathpet, Poonamallee.

(Doc. 631/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 29-8-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 12629.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 10, 11/1, 2, 20, 21, 22, situated at 26/1, 2, 27, Yedappalli, Nilgiris

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. 151/83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Woodless Tea Estate (P) Ltd., Corsley, Kotagiri, Nilgiris.

(Transferor)

 Jayanthi Pandiaraj, Rep. by Japaki Soundararaj, Corsley, Kotagiri, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 10, 11/1, 2, 21, 22, 26/1, 2, 27, Yedappalli, Nilgiris.
(Doc. 151/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-60006

Date: 29-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-83.

 Devakunjari, C-50, 92nd St.

(Transferor)

(2) T. N. Subramanian, for Rajesh Gomathinayagam, Subramanian, 70, 53rd St. Madras-83.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18102.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot C-50, situated at Ashok Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 342/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

I and and building at C-50, Ashok Nagar, 92nd St. Madras-83.

(Doc. 342/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 29-8-83

19213

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) C. H. Krishnamurthi Rao, 1st Main Road, Ambattur Industrial, Madras-58.

(Transferor)

(2) S. R. M. Rao, 133, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-LI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18103.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11/A, situated at Ambattur Industrial Estate, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 348/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been us y stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Plot 11/A, Industrial Estate, Ambattur. (Doc. 348/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-83

Seal:

34---296GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 12624.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 903, Erode situated at Erode (Doc. 516/83) (and more fully described in the Schedule annexed here'o),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Erode on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ranganayaki, T. G. Subramaniam, T. G. Sundaram, T. G. Srinivasan, B. Mahalakshmi, Vishalakshmi, R. Ruckmani, T. G. Premavathi, T. G. Ramavathi, 32, Rajaji St., Erode-2.

(Transferor)

(2) R. Sumathi. 16, Srinivasa St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land TS 903, Pusari Chennimalai, St. Erode (Doc. 516/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-JI. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 29-8-83

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18098.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5, Satyanarayana Avenue situated at Boat Club Road, Madras-28

Mylapore (Doc. 143/83)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 143/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. Opal Menon, Radha Gopal Menon, 5 Satyanarayana Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) Kurunji Investments (P) Ltd. 855, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Satyanarayana Avenue, Boat Club Road, Madras-28. (Doc. 143/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-8-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. Valsa George,
 Khader Nawaz Khan Road,
 Madras-6.

(Transferor)

(2) Aar Sree Investments (P) Ltd., 25, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18126.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 197/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Doc. 197/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 29-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-4. (2) G. S. Santhanam,

K. P. Sannadhi St.,

(Transferor)

(2) G. S. Santhanam, 32-33, Venkatesa Agraharam, Madras-4.

(1) Vedanta Desikar Devasthanam,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18087.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 14, Venkatesa Agraharam situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 155/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Plot 15, Venkatesa Agraharam, Madras-4. (Doc. 155/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-8-83

Seal ·

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gem Granites, 12, Third St.,

Madras-86.

(Transferor)

Madras-86.

 Vedamma Gopaliengar, 58, Cathedral Road,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 17758.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

58, Cathedral Road, situated at Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 238/83) in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 58, Cathedral Road, Madras-86. (Dóc 238/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-8-83

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18109.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 394/1, K. K. Nagar, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at Madras South (Doc. 399/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. I. Ramani, 37, 18th Avenue, Madras-83.

(Transferor)

(2) T. A. Mahadevan, D 196, E Sowbagya Colony, Madras-78 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Land at S. No. 394/1, K. K. Nagar. Doc. 399/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 29-8-83

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. S. Doraiswamy, 168, Poonamallee High Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) E. Arumugham, 26A, Siyan Padai St., Villupuram SA Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18107.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot E-17, 16th St., situated at Besant Nagar, Thiruvanmiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 390/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the ealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

The SCHEDULE

Land and building at E 17, 16th St., Besant Nagar, Thiruvanmiyur. (Doc. 390/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-8-83 Seal:

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(1) G. A. Abdul Khader, 125, Greams Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mohammed Hussain, 633, Mount Road, Madras-6

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18143.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing No. Mndras situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand ghts (Doc. 102/83) on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

35--296GI 83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Land at Madras (Doc. 102/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-8-83

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Cafice of the inspecting assistant commissioner of income-tax

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18129.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. 226, Lloyds Road, Madras-86 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thoulandlights (Doc. 185/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any successor other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 T. R. Kalyanakrishnan, Kalyanakrishna Iyet's House, Chalapuram, Calicut-2.

(2) Light Roofings Ltd., 226, Lloyds Road, Madras-86, (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Land and building at 226, Llovds Road, Madras-86. (Doc. 185/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 29-8-83

Scal:

transfer with the object of :-

FORM NO. I.T.N.S.-

V. R. S. Mani Iyer, 53, Burkit Road, Madras-17. (1)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. S. Gopalakrishnan, 53 Burkit Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18123.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 53, Burkit Road, Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 176/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Land and building at 53, Burkit Road, Madras-17. (Doc. 176/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow? persons, namely:-

Date: 29-8-83

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) M. Shantha Bai,

23, Prakasam St. Madras-17.

(Transferor)

 K. Ravishankar & Sumathy Sundaram, 20, Giri Road, Madras-17.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras, the 29th August 1983

Ref. No. 18121.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 23, Prakasam St. situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 160/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

Land and building at 23, Prakasam St. Madras-17. (Doc. 160/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29 8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th August 1983

Ref. No. 18130,-Whereas I,

R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, III Main Road, situated at Scethamma Colony,

Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 182/83) on February 1983 (or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the upparent consideration therefor hy more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Sabiba Moil, 49, Bharathi Road, Madras-5.

(Transferor)

Mrs. Noor Razvi, 21, III Main Road, Seethamma Colony, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, III Main Road, Seethamma Colony, Madras-18. (Doc. 182/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Date: 29-8-1983

FORM I.T.N.S .--

(1) S. M. Ramalingam, 12, Market St., Sathyamangalam, Periyar Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Prema, 28, Dengji Colony, Municiff Stinivasapuram

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th September 1983

Ref. No. 12687.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 4. Municiss Srinivasapuram situated at Tituppur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 255/83) on February 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Municist Colony, Tiruppur. (Doc. 255/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6.9 1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. R. Jagannatha Rao,

K. Raju, Contractor, Glenrock, Ooty The Nilgiris.

(Transferor)

Melbourne Cottage, Ettins Road, Ootv.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref. No. 12680.—Whereas I, R, P. PILLAI,

PART III—SEC. 1]

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15N, Ooty situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 115 '83) on February 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15N, Ooty, (Doc. 115/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18095.-Whereas I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 6L, St. Mary's Road, Madras situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 133/83) on February 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M. Chinnaswamy, 146, Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

 (2) S. P. Swaminatha Mudaliar, Murugavel Siyakumaran, S. P. Guhan, S. P. Sadasiyam, S. Sakthiyel, 51 Adam St. Madras-4

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 6L. St. Mary's Road, Madras. (Doc. 133/83).

> R. P. PILI AT Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tay Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18432.-Whereas I, R P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS 3173/8, situated at Purasawalkam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Purasawalkam (Doc. 50/83) on February 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the 'aid Act, to the following persons, namely :--

36-296GI/83

(1) Mrs. D. Bhavani, 51, Medavakkam, Tank Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Dr. Muthulingam, 71, Annamalai, Gounder St. Dharmanuri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 3173/8, Purasawalkam. (Doc. 50/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 2-9-1983 Seal :

(1) A K Anandakrishnan, 4, Waddles Road, Madias-10.

(Transferor)

Y S Ravindranath Reddy,
 Y S Vivekanand Reddy,
 Weddles Road, Madias-10

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGL-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref No 18433 —Whereas I,

R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1, Waddles Road, situated at Madias-10,

No 1, Waddles Road, situated at Madias-10, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Purasawalkam (Doc 43/83) on February 1983, for an apparent consideration which is less than the falmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partels has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underalgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Land and building at 1, Waddles Road, Madras 10 (Doc. 43/83)

R P PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 2-9-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Padmini Adiseshiah, 74, Sri Ram Colony, Madras-4.

(Transferor)

(2) K. Padmavathi, C. G. Kurup, 6/7, Kuppuswamy Road, Madras-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18093.---Whereas I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 74, Sri Ram Colony, Madras-4, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 225/83) on February 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 74, Sri Ram Colony Madras-4. (Doc. 225/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 2-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dr. G. A. Vaidyanathan,
 S.R. Iyer Colony, Ramanathapuram,
 Trichy Road, Coimbatore-18.

(Transferoi)

 S. Swaminathan, Abu Dhabi, United Arab Emissery,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18087.--Whereas I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. TS 75, Kodambakkam situated at
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kodambakkam (Doc. 367/83) on February 1983,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 75, Kodambakkam. (Doc. 367/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18135.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 112, Kumarappa Mudali St., situated at Madras-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thousandlights (Doc. 164/83) on February, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Saraswathi Ammal, 112, Kumarappa Mudali St., Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri P. Manickam, 1E, Puliyan St., Block 16, Nevveli-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 112, Kumarappa Mudali St., Madras-34. (Doc. 164/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18403.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 117, 120, situated at Mohappair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambattur (Doc. 461/83) on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. M. Parthasarathy, 1, Mannadi Othavadai St., Madras-49.

(Transferor)

(2) Shri A. N. Joseph, Manager, Brittania High School, Madras-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 117, 120, Mogappair. (Doc. 461/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-1983

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18108.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

39, situated at VII Cross, St., Besant Nagar, Madras-90 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 397/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Shri N. Ramakrishnan, 8/4, II Floor, Old Rajinder Nagar, New Delhi-110 060.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Soundaram, P. V. Gopalakrishnan, 2, I Cross St., Beach Home Avenue, Madras-90.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 39, VII Cross St., Madras-90. (Doc. 397/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1983

Ref. No. 12708.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 499, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 806/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating me reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri K. Ganapathy, Plot No. 29, Road No. 2, Sion East, Bombay-400 022. (Transferor)

(2) Shri K. R. Loganathan, R/o 23A, Fast Ponnurangam Road, RS puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the resuction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 499, Sanganur. (Doc. 806, 83)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-1983

(1) Shri Grace William Ebenezer

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Rawoof & Shrimati Ameena Rawoof.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras 600 006, the 6th Contember 1983

Ref No 18231—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Counciler Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have 12a on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000% and bearing No Madias situated at tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has but transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration at 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration at 1908 (16 of 1908) in he office of the Registration and I have reason to be that it and market value of the afores a property and I have reason to be to that it and market value of the property as aforesaid exceeds the apa ent consideration therefor by more than fifteen per ceat of such apparent consideration and that the consileration been truly at a sagreed to between the parties has not been truly at a d in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said transfer with the said instrument of transfer with the object of the said transfer with the said instrument of the said transfer with the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

YPHANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the imposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Madras. (Doc. 58/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 59C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of the notice under section (1) of Section 269D of the said set to the foll ring persons, namely:—

Date . 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd September 1983

Ref. No. 18125.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

60/2, Burkit Road situated at Madias-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 103/83) on February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pattatharasi Ramachandran,
 T. P. Ramachandran, 60/2, Burkit Road,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Rajasekaran, 241, Mowbrays Road, Madras-18. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land and building at 60/2, Burkit Road, Madras-17. (Doc. 103/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri T. Nainar Mohammed, Advocate, VOC St., Udumalpet.

(Transferor)

Shri M. Baladandapani,
 U. R. Sikkandar Basha St.,
 Gandhinagar, Udumalpet.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th September 1983

Ref. No. 12653.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

2, Sikkandar Basha St., situated at Gandhinagar, Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 219/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 2, U. R. Sikkandar Basha St., Gandhinagar, Udumalpet. (Doc. 219/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Maduas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th September 1983

Ref. No. 12676.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29/81, 81A, situated at Subramaniam Road, RS puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 453/83) on February, 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Srivasammal, 81, 81A, RS puram, Subiamaniam Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. K. Kasturi Rangan, 15A, Avanashi Road, Tiruppur.

(Transfere.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) Iv any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/81, 81A, Subtamaniam Road, RS puram, Coimbatore. (Doc. 453/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Modras-600 006, the 9th September 1983

Ref. No. 12696.—Whereas, I. R. P. PILLAI, bring the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

40. Rajaji Road, situated at Ramnagar, Coimbato e-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 682/33) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he eby inicite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. Ranganathan Chettiar Sundaram Chettiar, Mohan Prasad Krishnaji, 295, Agraharam St., Erode.

(Transferor)

(2) Dr. V. Sabitha Doraiswamy, 40. Rajaji Road, Ramnagar, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 40, Rajaji Road, Ramnagar, Coimbatore. (Doc. 682/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th September 1983

Ref. No. 12678.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1454/6 situated at Sivagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivagiri (Doc. 148/83) on February, 1983

Sivagiri (Doc. 148/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Chidambaram Chettiar Muthuswamy, Palaniswamy, Natarajan, S/o Govinda Chettiar Goundampalayam, Sivagiri, Erode.

(Transferor)

(2) Kalaichelvi W/o Vetrivel, Sivagiri, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1454/6, Sivagiri. (Doc. 148/83)

R. P. PILLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) C. V. Rajan S/o K. G. Vaighese, New Market St., Tiruppur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 9th September 1983

Ref No 12688 - Whereas, I, R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 4. Main Road, Royappapuram, situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been I ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc 221/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reeson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(1) P. Rathmam, P. Manickam, P. Raju,
P. Mani, P. Krishnakumai, P. Chandrasekaran,
P. Thangaraj, 4, Royappapuram, Main Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 4, Royappapuram Main Road, Tuuppur (Doc. 221/83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date - 9 9 1983

(1) Mis K Vanoja, K Jagadish, K Yoganand, Mrs Lakshmma, R/o 5 VI St I ake Area Madras 34

(Transferor)

(2) M Selvaraj, Mrs S Jeyaseeli D Victoi, R/o 7 Ramanayakkam St Madras 34

(Transferee)

NOTICE UNDFR SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOM: I AX

ACQUISITION RANGE-II MADPAS-000 006

Madras 600 006 the 9th Septe ibei 1983

Ref No 18140—Whereas, I, R P PiLLAI being the Competent Authority u de Section 2693 of the Income tax Ac, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing No 5, VI St, Lake Area situated at Madras 34 (and more filly describe) in the Schedule innexed herefo), has been transferred under the Registration of the 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc 116, 118/83) on February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market vilue of the aforesaid piperty and I have reason to believe that the air market vilue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans er with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tix under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the puiposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1972) or the rid Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 lays from the lite of publication of this not coin the Official Gazette of a period of 30 days if the service is not coon the relative persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter \(\lambda A \) of the said Act, shall have the same in fing as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 5, VI St Lake Area Madras 34 (Doc 116 118/83)

R P PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commisseener of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons namely—

Date 9-9-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 9th September 1983

Ref No 18117—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), h. ve reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

3, Gopalakrishna Road, situated at Madras 17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T Nagai (Doe 140, 141, 142/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—296GI/83

(1) M Dinkar Rao, R/o 3, Gopalakrishna Road, Madras-17

(Transferoi)

(2) Kalpana Krishnakumai, R/o
5, Pillayar Koil St., Krishna Nagar, Madras-75.
Padmavathy Balakrishnan, R/o
16, Coats Road, Madras-17.
M. R. Prabhu & R. Vijayakumar, R/o
A3, EID Parry Residential Estate,
Madias-57

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 3, Gopalakrishna Road, Madras-17. (Doc 140, 141, 142/83)

R P PILIAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 9-9-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12663.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Huppanagaram, Udumalpet situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 358, 359/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pev tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Palaniswamy, P. Nataraj, Prabhu, Pradeep, P. Vasudevan, Sarvesh, P. Viswanathan, Iluppanagaram, puram, Udumalpet. Saraswathi, 50/26, Sai Baba Colony, Krishnaswamy Lay out, Coimbatore.

 (Transferor)
- (2) R. N. Perumal Thevar,
 P. Meenakshisundaram,
 P. Govindaraj,
 Chinnammal, 7/145, Nanjundapuram Road,
 Ramanathapuram, Coimbatore-45.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Illuppanagaram, Udumalpet. (Doc. 358, 359/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Khem Singh Anand, Harpreet Singh Anand, R/o
 Cherian Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) A. R. Ramanathan, S/o Arunachalam, R/o Bungalow Oorani St., Puduvayal, Ramnad Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12699.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 112/2D situated at Anupperpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 729, 724/83) on February, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS \gtrsim /2D, Anupperpalayam. (Doc. 724, 729/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12633.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chinnakkampalayam, situated at Dharapuram

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 441/83) in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. Subbarathinam, Dr. Sri Ram Subbarathinam, R/o 4A/2, Ananda Bhavanam, Pulabai Desai Road, Bombay.
 (Transferor)

S. Ramaswamy Gr.

(2) S. Ramaswamy Gr. S/o Subbiah Gr. Komarapalayam, Chionakampalayam, Dharapuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) 'sy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ex. LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 882, Chinnakampalayam, Dharapuram. (Doc. 441/83)

R. P. PILLAI
Completent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Najimunnissa Bivi, R/o Suliyon well St., Pallipatti, Karura Tk.

(Transferor)

(2) K. A. Akbar Ali S o Abdul Azcez Rowther, Ryo Kumanan St., Pallipatti, Karur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12010.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Anukurichi, Karur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Aravakurichi (Doc. 173/83) in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anukurichi, Karur. (Doc. 173/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12709.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing TS No. 10/195, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 798/83) in February, 1983 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Vijayalakshmi, Rajagopal, Sivasubiamaniam Rajendran, 175/1, Adis St., Coimbatore-18.
 Sivakumar, Mallika, Malathi, 34A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
 Hariharan, 9/33A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.
 R. Usha, U. Sudha, 175A, Adis St. Coimbatore-18.
 Aruna and Deepa, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
- (2) AR. K. Shanmugham, 16/12, RR Lay out RS puram, Coimbatore-2, SP. R. R. Rajendran, SRR Rajarajacholan, Subramaniam, RM. Ramasamy, 16/4, RR Lay out, RS puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 10/195, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, Krishnarayapuram. (Doc. 798/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12598.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28/38-1, Robertson Road, situated at PM Swamy

Colony, Coimbatore-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1906 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 773/83) on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) B. Rathinam, R/o 28/177, Subri St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Lakshmansingh and Easwari, R/o 8/38-1, Robertson Road, PM Swamy Colony, Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/38-1, Robertson Road, PM Swamy Colony, Coimbatore-40. (Doc. 773/83)

> R. P. PHLAI Comp. lent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 096

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1983

Ref. No. 12604.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

TS. No. 7/123/1, 7/124/2, 3, 4 situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1042, 1043, 1044, 1045, 1047, 1048/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. S. Anwar, 50, Sivasubramaniam Road, R.5 putum. Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. V. Ramaswamy, R. Siyakumar, R. Shyamsundar 6, Vinayakar Koil St., Dr. Siyanandanagar, Coimbatore, R. Kareem Mulk, 38A, Sulthania St., Dharapuram, Periyar Dt. K. Rangaswamy Chettiar, 32/45, Ponniarajapuram, Coimbatere.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 7/123/1, 7/124/2, 3, 4, Colmbatore. (Doc. 1042, 1043, 1044, 1045, 1047, 1048/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-9-1983

Seal

FORM I.T.N.S.----

(1) K. P. Sivasubramanian, K. P. Arunkumar, Kuttapalayam, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd September 1983

Ref. No. 12732.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 95, situated at OMR Colony, Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 1046/83) in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely: --

39-296GI/83

(2) M. Chinnuswamy, Alamelu, C. Mohan, 96, Kutcheri St., Gobi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 95, OMR Colony, Erode. (Doc. 1046/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 2-9-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-52/Acq.R-IV/Cal/83-84.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4/1 situated at Ahmed Mamuji Street, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Sarajcet Kumar Sethia,
 - 2. Sri Indrajcet Sethia,
 - Smt. Vimla Arora.
 Smt. Malkawati Arora,
 - 5. Sri Mahendra Singh Chawla all of 221, G. T. Road (N) Ghurury, P. S. M. P. Ghore,

(Transferor)

(2) Smt. Puspa Devi Bhalotia, 68, Luke Avenue, P. S. Lake, Calcutta-26. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 9 cottahs, 5 chittaks 30 sqft with bldg. Address: 4/1, Ahmed Mamuji Street, P. S. Bally, Dt. Howrah. Deed No. 795 of 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-45/Acq.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/2, situated at Strand Road 2nd Bye Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 12-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Basudev Chakraborty, Sri Banshi Badan Chakraborty, Mirjapur, P. S. Singur, Dt. Hooghly.

 (Transferor)
- (2) Smt. Tara Devi Prasad W/o. Rajaram Prasad, 44, Bonbehari Bose Road, P. S. & Dt. Howrah.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3-cottahs, 15-chattaks, 11-sq. ft. with building. Address: 12/2, Strand Road 2nd Bye Lane, P.S. & Dt. Howrah.

Deed No.: 124 of 1983.

S. K. CHAUDHURI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

Scal:

(1) Sri Uma Kant Ghosh, 3 'G' Road, P. S. Luluah, Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Priti Lata Kumar and Sri Subir Kumar Kumar, 4/14, G.T. Road (South) Howrah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-46/Acg.R-IV/Cal/83-84.---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing

No. 70 situnated at 'F' Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

THE SCHEDULE

Land: ½ share of 1 Bigha, 12 Cottahs. Address: 70 'F' Road, P.S. Luluah, Dt. Howrah. Deed No.: 82 of 1983.

S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

Sri Shyam Sundar Ghosh, 3 "G' Road, P.S. Luluah, Dt. Howrah.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)

(2) Pritilata Kumar & Srl Subir Kumar Kumar, 4/14, G.T. Road, (South) Dt. Howrah. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-47/Acq R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 70 situated at 'F' Road, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: ½ share of 1 Bigha, 12-cottahs. Address: 70 'F' Road, P.S. Luluah, Dt. Howrah. Deed No.: 83 of 1983.

S. K. CHAUDHURI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Chamak Bala Dutta, 2, Kansari Para Lane, Santipur, Dt. Nadia.

(Transferor)

(2) Tapasi Karmakar, 4C, Goshain Lane, Calcutta. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 13th September 1983

Ref. No. AC-48/Acq..R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2 situated at Swami Vivekananda Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 2-cottahs, 15-chattaks, 37-sq. ft. with Building.
 Address: 2, Swami Vivekananda Road, Mouja-Krishnapur,
 P.S. Rajarhat (At present Dum Dum).
 Deed No.: 367 of 1983.

S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, **CALCUTTA**

Calcutta, the 15th September 1983

Ref. No. AC-29/Acq.R-II/Cal/83-84.-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Block-AJ, 228, situated at Sector-II, Northern Sale Lake

City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Cal. on 18-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Subrata Saha of 12, Hara Chandra Mallick St., Calcutta-5.

(Transferor)

(2) Smt. Rina Bose of Plot No. 156, Block-BD, Sector-I, Salt Lake City, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2.1968904 Cottahs land with building Situated at Sector-II Block-AJ-228, Under Northern Salt Lake City, Dist.-24-Pgs. Deed No. 439 of 1983.

S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 13-9-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 19th September 1983

Ref. No. AC-53/Acqn.R-IV/Cal/83-84.— Whereas, I, S. K. CHAUDHURI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119 situated at N.S. Road, P.S. Sonarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/S. Giri Finance & Trading Ltd., 1/2, Rowland Road, Calcutta-20.

(Transferor)

(2) M/s. Esneena Private Ltd. 44, Lockgate Road, Calcutta-700002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 Bighas 8 Cottahs 0 Chataks 24 Sq. Ft, with Building.

Address: 119, Netaji Subhas Road, P.S. Sonarpur,

Dist.: 24-Parganas. Deed No.: 375 of 1983.

> S. K. CHAUDHURI, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 19-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1630.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-38 situated at Grater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

40---296GI /83

 Dr. Kuldip Singh M-161, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh E/57, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E/38, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 250 sq. yds. First Floor.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Manhori
 D/o Late Shri Hirdey
 R/o Vill. Bijwasan,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s C. Lyall & Co. (Const.) Pvt. Ltd. 115, Ansan Bhawan, 16, K. G. Murg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING. I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1628.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 1/18th share in 28 bighas and 6 biswas comprised in Rect. No. 45, K. Nos 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 and 18 min East (2-06), 24(2-06) and 25 West (3-13) in Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. 1AC/Λcq.I/SR.III/1-83/1625.—Whereas, l, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property biving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been consterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jam., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdish Singh Subhash Chander and Chander Singh S/o Shri Hirdey R/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

 M/s C. Lyall & Co. (Const.) Pvt. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13/72 share of lands comprised in Rect. No. 45, K. Nos. 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 and 18 min East (3-00) 23 East. (2-06), 24(2-06) and 25 west (3-13) situated in Bijwasan. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1623.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mam Kaur D/o Late Shri Hirdey R/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s C. Lyall & Co. (Const.) Pvt. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1/18th share in 28 bighas and 6 biswas comprised in Rect. No. 45, K. No. 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 and 18 min East (3-00) 23 East (2-06), 24(2-06) and 25 West (3-13) in Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ramu
S/o Shri Hirdey
R/o Vill. Bijwasan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/8 C. Lyall & Co. (Const.) Pvt. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1590.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bijwasan, New Dehli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on Jan., 1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore, said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 18 biswas being 13/72 share of lands comprised in Rect. No. 45, K. Nos. 6(3-05), 7(2-08), 14(3-19), 15(1-00), 16(2-10), 17(3-19), 13 and 18 min east (3-00), 23 East (2-06), 24(2-06) and 25 west (3-13) in Vill. Bijwasan, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

respect of any income arising from the transfer;

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Shakuntla Devi
 W/o Mahesh Chandra Gupta
 R/o E 464, Greater Kailash II,
 New Delhi

(Transferor)

(2) Capital Builders
H 39, Green Park Extn,
New Delhi
through partner Jaspal Singh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G 13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No lAC/Acq I/SR III/1-83/1585 —Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No E-464 situated at Greater Kallash-I, New Delhi

No E-464 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transcried under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

First floor of property No E-464, Greater Kailash-II, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely: —

Date 5-9-1983 Seal ·

-_--

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 5th September 1983

Rcf. No IAC/Acq I/SR IJI/1-83/1575.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing No. Agri land situated at Vill. Neb Serai, New Delhi

Agri land situated at Vill. Neb Serai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 M/s Dugal Engineering Co. A-12, West End, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Laxmichand Bagaji Ramon House 169, Backbay Reclamation Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ofter person litterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land in the revenue estate of Vill. Neb Serai Teh. Mehrauli, New Delhi. K. No. 654(4-16), 656(4-16), 657 (4-16), 658(4-16), 666(5-01), 669(4-16), 680(4-16), 683'2(1-04), 698(4-06), 699(2-04), 689(1-19), 679(1-12), 680(4-16). Total:—49—18

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1533.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhanpal Rampal Bega and Birmi S/o Kale R/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raman Rai S/o Late Raj Kumar Rai r/o Jullunder cold storage, G. T. Road, Jullunder.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bighas and 1 biswas Kh. No. 68/4 (0-12), 68/5 (4-9), situated in Vill. Dera Mandi Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

(Transferor)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref.No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1532.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1967 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi

Agri. land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—296GI/83

 Shri Dhanpal, Rampal, Bega, and Birmi S/o Kale R/o Dera Mandi,

New Delhi.

(2) Shri Rakesh Sood S/o Late O P. Sood R/o E-14/4, Vasant Vihar, New Dehi and Mrs. Dipti Sood

W/o Rakesh Sood R/o E-14/4 Vasant Vihar,

New Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 1 biswas Kh. No. 58/8(1-5), 58/9(4-16), Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

Seal;

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delni, the 5th September 1983

Ref. No. JAC/Acq.I/SR.III/1-83/1531.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi S/o Kale R/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.
- (2) Mrs. Tania Batra W/o Shri Arjun Batra and Baby Avni Batra D/o Shri Arjun Batra R/o B-24, Chirag Encl, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bighes and 8 biswas Kh. No. 59/3(0-12), 59/2(4-16), Vill. Dera Mandi, Teh Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1982 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dhappal, Rampal, Bega and Birmi S/o Kale R/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Saroj D. G. Singh W/o D. G. Singh R/o A-9, G. K. Enclave-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/S.R.III/1-83/1530.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bighes and 12 biswas bearing kh. No. 58/21(2-16), 59/25(4-16), Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE |
G 13, GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No IAC/Acq I/SR III/1 83/1529 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Agri land situated at Vill Deia Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in Jan, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Dhanpal Rampal Bega and Biimi S/O Kale R/O Dera Mandi, New Delhi

(2) Smt Suchitra Chawla D/o R C Chawla, R o B 62, Defence Colony, New Delhi

(Transferce)

(Fransferoi)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used here'n an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

Agii land measuring 9 bighns and 12 biswas Kh No 37/22(416), 58/2(4-16), Vill Doia Mandi, Teh Mchiauli New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date 5 9-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No. IAC/Acq.I/SR-III/1-83/1528.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi S/o Kale R/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Tania Batra W o Arjun Batra and Baby Amba Batra D/o Arjun Batra R/o B-24, Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 59/13, Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I, P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/I-83/1527.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in Jan., 1983 New Delhi in Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer By agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

(1) Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi S/o Kale R/o Dera Mandi, New Delhi,

(Transferor)

(2) Master Aman Batra S/o Arjun Batra and Arjun Batra S/o Late R. K. Batra R/o B-24, Chirag Encl. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas K. No. 59/9, Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

FORM I.T.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, J. P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No 1AC/Acq.I/SR.III/1-83/1526.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi S/o Kale R/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Praveen Kumar S/o Vitendra Singh R/o A-9, Greater Kailash Encl-II, New Delhi and Keshav Bharat S/o Late Shri A. S. Bharat R/o 186, Golf Links, New Delhi

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 4 bighes Kh. No. 68/7(2-0), 68/14 (2-0), Vill, Dera Mandi, Teh. Mehraull, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authoricy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Singh s/o Kirpa Ram r/o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Vcena Mehra w/o Major P. K. Mehra, r/o D-7/6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III 1-83/1508.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri-land situated at Vill. Salahapur, Teh. Mehrauli, New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agri- land measuring 22 bighas and 18 biswas M. No. 17, Killa No. 23(4-16), 24(4-16), M. No. 22 Killa No. 3(4-16), 4/1(2-8), 8(6-2), Vill Salahapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/1-83/1401.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land. situated at Vill. Khanpur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in Jan., 1983 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—296GI/83

 Shri Joginder Ahuja s/o Shri Harbans Lal, r/o 7926 Ara Kashan Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shi K. R. Menon s/o late K. P. Damodara Menon, r/o C-41 Mayfair Gardens, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 bighas and 13 biswas Kh. No. 259 Vill. Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

 Shri Joginder Ahuja s/o Harbans Lal Ahuja, r/o 7926 Ara Kashan Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

--, ----,

(2) Shri K. R. Menon s/o Late K. P. Damodara Menon, r/o C-41 Mayfair Gardens, New Delhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1402.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 bighas and 3 biswas Kh. No. 260/1 Vill., Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III|1-83|1409.—Whereas, I, NARINDAR SIŃGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Agri, land Vill. Aya Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on January, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) S/Shri Lekh Ram. Bhajan, Harkesh sons of Haria. Dharampal, Rampal sons of Sohan, r/o Aya agar, New Delhi.

(Transferor)

19279

(2) Shri Jyotindra Jain s/o Sh. Virendra Jain, r/o C-6/53 S.D.A., New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Kh. No. 227(4-16) Vill. Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1411.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fazilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Lekh Ram, Bhajni, Harkesh
 O Haria Dharampal Rampal s/o Sohan
 O Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sanskriti Pratush than C-6/53, S.D.A., New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land Kh. No. 225(4-17), 239/2(0-18). Vill. Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III|1-83|1417.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Dhanpal,
Rampal,
Bega and
Birmi sons of
Kale,
r/o Deta Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Km. Suchitra Chawla d/o Shri R. C. Chawla, r/o B-62, Defence Colony, New Delhi.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 bighas and 8 biswas Kh. No. 37/12(3-8), 37/19(4-0). Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Dhanpal Rampal. Bega and Birmi sons of Kale r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Arjun Batra s/o Late R. K. Batra, r/o B-24 Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1418.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri, land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land Mg. 4 Bighas and 16 biswas Kh. No. 59/1 Vill.

THE SCHEDULE

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-9-83

Dera Mandi, New Delhi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1419.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at VIII. Dera Mandi, New Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January, 1983

New Delhi on January, 1984

Ne

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

) S/Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi sons of Kale r o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Rakesh Sood s/o Late D. P. Sood & Mrs. Dipti Sood w/o Rakesh Sood, r/o E-14/4. Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas and 12 Biswas Kh. No. 58/10 (2-4), 59/6(4-16), 58/7.(2-12), Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Randon Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83 Seal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1420.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Offlice of the Registering Officer at New Delhi in January 1983

New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi sons of Kale r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Tania Batra w/o Arjun Batra and Arjun Batra s/o Late R. K. Batra r/o B-24, Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas Khasra No. 59/7(2-4), 59/8(4-16), Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1421.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri, land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—296GI/83

(1) S/Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi sons of Kale r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri James Shristopher Johnson s/o Late Col. Charles Richard Johnson of Johnson Orchards P. O. Raison, Kulu, Himachal Pradesh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas and 12 biswas Kh. No. 59/14 (4-16), 59/15(4-16) Vill. Dera Mandi, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1422.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in January, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Sbri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi sons of Kale r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri James Christopher Johnson s/o Late Col. Charles Richard Johnson of Johnson Orchards P. O. Raison Kulu. Himachal Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 3 Bigbas and 13 biswas Kh. No. 58/12 Vill. Dera Mandi, New Debi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983 Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1423.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dhanpal,
Rampal,
Bega and
Birmi sons of
Kale
r/o Dera Mandi,
New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Keshav Bhagat s/o Late A. S. Bhagat r/o 186, Golf Links, New Delhi & Parveen Kumar s/o Virendra Singh r/o A-9, Greater Kallash Enclave II, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Dera Mandi, New Delhi Mg. 6 bighas and 16 biswas, Kh. No. 37/23(4-0), 58/3(2-16).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-83

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-1II|1-83|1424.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1983

of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Dhanpal, Rampal, Bega and Birmi sons of Kale r/o Dera Mandi, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Keshav Bharat s/o Late A. S. Bhagaw. r/o 186 Golf Links, New Delhi and Shri Praveen Kumar s/o Virendera Singh r/o A-9 Greater Kailash Enclave, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas and 9 biswas Kh. Nos. 37/21(1-13), 58/1(4-16), Vill. Dera Mandi. New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref No IAC/Acq I SR-III|1-83|1431 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agii land situated at Vill Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei at New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Kakkar s/o Dargahi Dass Kakkar r/o E-20, Greater Kailash Enclave II, New Delhi through attorney Ved Parkash

(Transferor)

(2) S/Shri Dhanpal Rampal, Bega and Birmi sons of Kale, r/o Vill Dera Mandi, New Delbi

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/2 share in agri land Mg 34 bighas and 12 biswis M No 91, Killa No 1(4-12), M No 92, Killa No 5(4-4), M No 70 Killa No 16(4 16), 17 (4-16), 24(3-16), 25(3-16), M No 71, Killa No 20(4-16), 21(3-16), Vill Dera Mandi, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi/New Delhi

Date 12 9-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III|1-83|1432.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Agri, land situated at Vill, Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prithvi Lal Bhasin s/o Manak Chand r/o G-77, Masjid Moth, Greater Kailash-II, New Delhi. through attorney Ved Parkash.

(Transferor)

(2) S/Shri Dhanpal Rampal. Bega and Birmi sons of Kale, r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agri. land Mg. 34 bighas and 12 biswas M. No. 91, Killa No. 1(4-12), 92, Killa No. 5(4-4), M. No. 70 Killa No. 16(4-16), 17(4-16), 24(3-16), 25(3-16), M. No. 71 Killa No. 20(4-16), 21(3-16) Vill. Dera Mandi, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-83

Shri V. K. Mehta s/o B. M. Mehta R/o 7A/70 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor) (2) Shri Narendra Kumar Butta s/o A. C. Butta R/o 6/2, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1447.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 425 Block 'C' situated at Defence Colony,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever region against later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 425, Block 'C' measuring 325 sq. yards, Defence Colony, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

both s/o late Shri Madan Mohan R/o Nishkam Bess Building, Begam Beindge Road, Meerut and 105, Avcest J I Nehru Road, Bombay.

(1) Shri Prabhat & Alok,

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No IAC/Acq I/Sr.III/1-83/1460.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

127, situated at Sunder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Krishna Swarup w/o Shaitendra Swarup R/o 127, Block No. 171, 127, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 127, Block No. 171, 127 Sunder Nagar, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Parshotam Lal Sabrawal, D-89, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Urvashi Jain, E-482, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 14th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1461.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing E-442 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the linbility
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-442, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 250 sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

ing persons, namely:—44—296GI/83

Date: 14-9-1983

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-83/1467.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

10/3 situated at Golf Links, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Intwscraft Ltd., A-16, Naraina Industrial Area Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. D. S. Construction (Pvt.) Ltd., E-9, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 10/3, Golf Links, New Delhi, Consisting of two semi detached 2 storeyed residential units with two three storeyed garage and servant blocks built on 2471.5 sq. yards, yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1468.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri-land situated at Village Rangpuri, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahalaxmi Garden Colony, Co-operative Agricultural Multipurpose Co-op. Society Ltd. through Shri S. K. Gupta, Sccretary

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Kumar, H. No. 124 Sector 98, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-land Kh. No. 1896 and 98, 9 bighas 12 biswas at Vill. Rangpuri, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/1-83/1474.—Wherens, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

E-210 situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Inderjit Kaur w/o S. Amarjit Singh C-139, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. V. K. Mehta S/o Mr. B. M. Mehta 7A/70 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exerces later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire ground floor of E-210 Greater Kailash-IJ, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDIFR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Basamber Nath s/o Pt Ram Dutta, Sm! Bimla Devi w/o Shii Onkai Nath R/o No. 1972, Chandni Chowk, Opp. Central Bank, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL-I, G 13 GROUND FLOOR OR BUILDING, IP ISTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref No IAC/Acq J/SR III/1 83/1482 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

D-13, situated at Greater Knilash II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sib section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt Bimla Devi w.o Onkar Nath 1972 Chandni Chowk, Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No D-13, EP Railway Refugees Colony, Greater Kailash-II, New Delhi Measuring 300 Sq. yards

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I.
Delhi/New D'lhi

Date 12 9-1983 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR.IJI/1-83/1496,—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. 175 Block No. 172 situated at Jor Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 M/s. Ram Parkash & Co. (P) Ltd., 3 Queens Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Srinka Ray and Miss Sumali Ray D/o Santanu Ray, R/o 17, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 175, Block No. 172 Jorbagh Nursery, New Delhi admeasuring 375 sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Teja s/o Late Kishan Lal R/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219 Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/1-83/1510.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Agri, land village Aya Nagar, Rs. 25,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas and 16 Biswas Kh. No. 1916 Village Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Sectior 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1983

(1) Shri Teja s/o Late Kishan Lal R/o Ayn Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Navrang Commercial Co. Pvt. Ltd., 219 Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-1II/1-83/1511.—Whereas, J. NARINDAR SINGH.

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land village Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas and 16 Biswas Kh. No. 1930, Village Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Teja s/o Late Kishan Lal, r/o Vill. Aya Nagar, New Delhl.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. (P), Ltd. 219 Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref., No. IAC/Acq. I/SR-III/1-83/1512.—Whereas, INARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agri. land, Vill. Aya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—296GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazztte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 3 Bighas and 13 biswas Kh. Nos. 1915/1(1-13), 1933(2-0) Vill Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-9-1983

Seal s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/183/1550.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land Vill. Khanpur New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kishan s/o Late Sh. Tek Chand, R/o 154, Khanpur, New Delhi-62.

(Transferor)

(2) Master Gautam Vedi & Master Nitin Vedi both sons of Shri Narindar K. Vedi R/o N/51, Panchshila Park, New Delhi presently at E/417 Greater Kallash-II, New Delhi.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 bighas and 16 biswas Kh. No. 286 Vill. Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax,
Acqisituion Range-I, New Delhi

Date: 12-9-1983

 Shri Kishan Lal Ajwani S/o Late Sh. Govins Ram, r/o 15-D/1, Western Avenue P.O. Bokaro Steel City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-1/SR.III/1-83/1570.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-56 situated at Panchsheel Park, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Uma Kumari W/o Shri Surinder Kumar R/o N-56, Panchsheel Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N-56, Panchsheel Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-9-19' 5 Seal:

ocar

(1) Mr. Subrata Ghosh, I Alipur, Avenue Exten. West, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. P. Arora E-1/13, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/Sr.III/1-83/592.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. No. E-1/13, situated at Vasant Vihar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storied H. No. partly built on 630 Sq. ft. Area Plot No. E-1/13, Vasant Vihar, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1983

Shri Kaki Singh S/o Piare Lal r/o Vill. Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

()2 Smt. Nisha Devi Gandwal w/o Rajinder Kumar Gandwal r/o 8, lower Garden Street, Calcutta. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE R. NO. 412, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-III/SR.II/1-83/8520.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri-land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land measuring 4(4-16) Tikri Kala

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Nafe Singh s/o Shri Piare Lal r/o Vill. Tikri Kalan, New Delhl.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smf. Nisha Devi Gangwal w/o Shri Rajender Kumar Gangwal r/o 8, Lower Ronden Street, Calcutta.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/1-83/8518.—Whereas, I. B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land situated at Vill. Tikri Kalan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 9 biswas K. No. 41/17, (5-4) & 18(5-5) Tikri Kalan, New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/1-83/8519.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Nafa Singh s/o Shri Piare Lal r/o Vill. Tikri Kalan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nisha Devl Gangwal w/o Shri Rajender Kumar Gangwal w/o Shri Rajender Kumar Gangwal Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 6 bisewas K. No. 41/23 (4-10), 24(4-16) Tikri Kalan, New Delhi,

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-83/8392.--Whereas, I. B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 569B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. F/89 situated at Vishnu Garden New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of hte Registering Officer at New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tilak Raj as Gen. Attorney of Shri Parkash Singh r/o G-44, Sham Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hakikat Rai Kalra r/o F-9, Vishnu Garden,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F/89 measuring 183 sq. yds. situated in Vishnu Garden. New Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JII
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-83/8511.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Plot No. E-3, situated at Bagwan Dass Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—296GI/83

 Shri Ram Parkash Pathania 8/o Shri Sant Ram Pathania r/o 50-B/UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Mukesh Kr. Sharma, Parmod Kumar Sharma Sandeep Kr. Sharma ss/o Shri Mangat Ram Sharma r/o III-C/7, Nehru Nagar, Ghaziabad (UP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-3, mg. 220 sq. yds. situated in Bagwandass Nagar, Rohtak Road, area of vill. Shakurpur, Delhi State, Delhi.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III R. NO. 412, FOURTH FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-83/8385.—Whereas, I,

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR-II/1-83/8385.—whereas, 1, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot No. 76 Block-C, situated at New Multan Nagar N. Delbi Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Lachhml Devi w/o late Shri Bhagwan Dass, Smt. Ishwar Devi w/o Shri Ram Kishan, Shri Ram Devi Late Shri Bhagwan Dass and Shri Hari Ram Late Shri Bhagwan Dass All r/o I-17, Jangpura, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahinder Kumar s/o Shri M. L. Gupta r/o C-1, DSIDC Complex, Nanglol, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 76, Block-C, 200 sq. yds. situated at New Multan Nagar, area of vill. Jawala Heri, Delhi State Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/1-83/8472.--Whereas, I,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000/- and bearing No.
Agri. Land situated at Vill. Bamnauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value or the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Rattan Singh s/o Shrl Lalia
 r/o Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi
 General Attorney Smt. Kailash Wati
 w/o Shri Rattan Singh vide GPA dt. 16-8-82 and
 Shri Daya Nand s/o Shri Lalia
 r/o Bamnauli, Teh. Mehrauli New Delhi (Transferor)
- (2) S/Shri Rajesh Kumar, Yogesh Kumar ss/o Shri Tattan Singh and Shri Ram Kumar s/o Shri Daya Nand r/o Bamnauli, Teh. Mehrauli New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri-Land measuring 37 bighas and 18 biswas bearing Kh. No. 132/2(-8), 144(5-17), 147(4-13), 148/2(2-7), 378(2-8), 381(4-16), 382(4-16), 383(4-16), 384(4-16), 385(3-1), Vill. Bamnauli Teh. Mehrauli, New Delhi.

B. K. GUPTA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.HI/SR-III/1-83/1594.—Whereas, 1, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2630, Block-M, situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Sh. Kartar Singh Lamba s/o Shri Nihal Singh r/o 2630, Bank St., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh Lamba s/o Shri Kirpal Singh Lamba r/o 2630, Bank St., Karol Bagh, New Delhi & Smt. Kailash Kumari Talwar w/o Shri Madan Lal Talwar r/o F-3, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2630, mg. 148 sq. yds. Khasra No. 1402/247, Block-M, Block-XVI. Naiwala Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/1.—Whereas. I.

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

IAC Acq III, New Delhi I.T. Act, 1961 and filed on (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inferetor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties and Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, New Delhi.

(Transfero:)

(2) Ram Sarup and Miss Monica Ram Sarup, Sher Dass, C-36, Shivaji Park, Punjabi Bagh, New Delhl.

(Transfer.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-504 in 3 Bhikaji Cama Pl., New Delhi Area 2198.89 ft.

> B. K. GUPTA Competent Authority lone, of Income-tax Acquisition Range-III aspecting Assistant Commi Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1983

 M/s. Ansal Properties and Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhavan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh, 9A/2, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III//SR-II/37EE/1-83/2.—Whereas, 1, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. GF-8 situated at 19 Rajendra Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at IAC Acq-III, New Delhi I.T. Act 1961 and filled on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-8 in 19 Rajendra Place, New Delhi. Area 140 Sq. yds.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

(1) M/s. Kalyani Paper Products Ltd., Atmaram House 1, Tolstoy Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. LAC/Acq.III/37EE/1-83/3.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

B. K. GOPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat Nos. 1, 2, 4, 5 6 at 4th Floor situated at in 4 Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule appeared beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi, in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Miraksha Associates (P) Ltd., 15B, Atmaram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 1, 2, 4, 5 and 6 at 4th Floor in Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Area: 2961.5 Sq. Ft.

B. K. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

(1) Shi P. N. Khanna, 14/15F Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Mehta International Pvt. Ltd., B-122, Mayapuri Industrial Area, Phase I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

ef. No. IAC/Acq III/37EE/1-83/4.—Whereas, I, B. K. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-14, Padma Tower-II situated at Rajendra Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 and filed in the Office of the IAC Acq.III, New Delhi IAC Acq.III, New Delhi, I.T. Act 1961

in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-14, Padma Tower-II, Rajendra Place, New Delhi. Area 460 Sq. ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi /New Delhi

Date: 12-9-1983

(1) M/s. Okara Flour & General Mills Ltd., Jawala Flour Mills, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Indian Vanaspati Products Association, 8 Bhagat Singh Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412, FOURTH FLOOR, CR BUILDING
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

ef. No. IAC/Acq.III/37EE/1-83/6.—Whereas, I, B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat Nos. 908 & 909, Padma Tower No. I situated at Rajendra Place New Delhi (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filled in the office of the IAC Acq.III, New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which gught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—296GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 908 & 909 Padma Tower No. 1 at Rajendra Place, New Dalhi. Area: 1154 sq. ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

LUNA ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Ansal Properties and Industries (P) Ltd.,
 Ansal Bhavan, New Delhl.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Col. M. R. Yadav (Retd.) 198/2, Garhi Opp. Sapna Cinema, East of Kallash, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
R. NO. 412 FOUTH FLOOR CR BUILDING,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-83/8.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 102 / situated at Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 and filed in the Office of the IAC Acq.III, New Delhi in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from t, a date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102/3, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area: 399 sq. ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING,
ACQUISITION RANGE-III NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/1-83/10.--Whereas, I,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat Nos. 124B and 125B situated at 5, Bhikaji Cama Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 and filed in the Office of the IAC Acq.III, New Delhi

in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Mrs. Rupa Gupta, R-79, Greater Kailash Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Praveen Chowdhary, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 124B and 125B at 5, Bhikaji Cama Place New Delhi. Area: 284 sq ft,

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 12-9-1983

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III R. NO. 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.111/37EE/1-83/11.—Whereas, I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating

Flat No. GF-8 in Deepshika situated at Rajendra Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi in Jonuary, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Delhi Towers (P) Ltd. 115, Ansal Bhavan, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Chawla Reprographics, B-109, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No GF-8, in Deep Shikha Building Rajendra Place. New Delhi, Area: 210 sq. ft.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi /New Delhi

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIIN RANGE-III

R. No. 412, I OURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No IAC/Acq-III '37EE/1-83/12.-Wherens I, B. K. GUPIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. UG/- in No. 9, situated at Blikaji Came Place

New Delhi.
IAC Acq. III, New Delhi. I. T. Act, 1961 and fild on 8-9-1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed on in the office of the January 1983

in the office of the January 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sarabjit Singh Lamba, 1-29 Ealt Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Surinder Singh Jolly, and (2) Smt. Gursharan Kaur Jolly, J-2/23, Rajouri Garden, New Delhl.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG/59, on upper, Ground, Floor in building No. 9 at Bhikaji, Cama Place, New Delhi area 184 Sq. Ft.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIIN RANGE-III

R. No. 412, FOURTH FLOOR CR BUILDING, LP. ESTAIE, NEW DFLHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/13.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 302, Plot No. 9 situated at Bhikhaji Cama

Place

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on

has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi on Jan 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Swarn Kaur and Wing Commander, I. J. S. Chatwal, B-6, Defence Colony, New Delhi-24

(Transferor)

(2) (a) Mrs. Amita Bedi,

(b) Master Vinod Sheel Bedi,

(c) Master Samir Bedi, T-17 Barred Place, Delhi Cantt. 10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, Plot No. 9, Bhikaji Cama place, Ring Road, New Delhi.

Area 460 Sq. ft.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III
412, FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37-EE/1-83/14.—Whereas I, B. K. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Flat No. R-4 6-Bhikhaji, Cama Place, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the

I. A. C. Acq. Range III, New Delhi on Jan 8-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ansal Properties & Industries Pvt. I.td. 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Prakash R. Badami, S/o Late Shri B. R. Badami, C/o Hotel Sofitel Surya, Friends Colony, New Delhi-65

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-4, 6, Bhikji, Cama Place, New Delhi. Area 446 Sq. Ft.

B. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
412, FOURTH FLOOR CR, BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DEIHI.

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/1-83/15.—Whereas I,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-1, in Ground Floor No. 1 situated at Building at Rojendra Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, N. D. on Jan. 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Neha Deep Constructions, Rajendra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Gursimran Dugal through heir father Sh. G. S. Dugal, 6-A, Beach House, Park Ghandigram Road, Juhu, Bombay-49

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Airconditioned Spare No. B-1, on ground floor in proposed multi-storied Building at I, Rajendra Place, New Delhi.

Area: 132 Sq. ft.

B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
412, FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DEIHI.

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/16.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M. E. Mazanine floor, Gopala tower situated at Rajen-

dra Place, New Delhi.

hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC, Acq. III, New Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Master Sameer Wali S/o Subhash Bali through Shri Vijay Sharma (Attorney) Miss Puja Sharma d/o Sh. Vijay Sharma (Natural Guardian), Kings Apartment Juhu Tara Road, Juhu, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Bhatia W/o B. L. Bhatia 47/19, Rajendra Nagar, New Delhi & Mrs. Aruna Sachdev W/o Amrit Lal, 631, Kevti Kunj, Hapur, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M. E. Mezanine Floor Gopala Tower, 25, Rajendra Place, New Delhi. Area 290 Sq. ft.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1983

Seal :

48-296GI/83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III R. No. 412, FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/17.—Whereas I. B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Space in Ground Floor in Building No. 19 situated at Rajendra Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed here(0), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi in January 1983 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
espect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shi Ajit Singh, 9A/2 . E Y K. o. Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Kohli Photostat Printers, E/41-43, Old Double Storey, Lajpat Nagar, PV. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor Space Area, (G. E. 8), in Building No. 19, Rajendia Place, New Delhi.

Area 100 Sq. ft.

B. K. GUPTA
Connectent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1983

FORM ITNS----

(1) Master Sumeer Wali & Miss Puja Sharma, Kind Apartment, Juhu Tara Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Master Rameet Trehan & Master, Sameet Trehan, R-882, New Rajinder Nagar, New

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-III
R. No. 412, FOURTH FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/19 -- Whereas I. B. K. GUPΓA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. MEZ-1, situated at Gopala Tower, Pajendra Place, New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi in January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the forced property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

MFZ-L. Gopala Tower, 25, Rajendra Place, New Delhi. Area 435 Sq. ft.

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Data: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III R. No. 412, FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/1-83/20.—Whereas I,

B. K. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. K-Mezanine, floor si value fair nuarket

situated at 25 Rajendra

Place, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 & filed in the office of the IAC Acq. III, New Delhi in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Master Sameer Wali & Miss Puja Sharma Through Mr. Vijay Sharma (Attorney) King Apartment, Juhu Tara Road, Bomby.

(Transferors)

(2) Miss Anju Hora & Miss Alka Hora (Through B. S. Hora father & Legal guardian) A-28, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. K-Mezzanine, floor, 25 Rajendra Place, New Area: 325 Sq. ft. (70 ft. Common service area)

> B. K. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1106, Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)

(1) M/s Skipper Construction Co. Pvt. Ltd.

(2) M/s Jack's Home Products Limited 1102, Akash Deep, 26-A. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEIHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. 1AC/Acq. I/37EE/1-83/43.—Whereas I, MOHINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Flat No. 1106 situated at Ashoka Estate, 24-Bara-

khamba Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration IAC, Acq. 1, in the office of the Registering Officer at New Delhi

in January 1983,

for an apparent consideration which is less for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of : transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 1106, Ashoka Estate 24, Barakhamba Road, New Delhi. 1560 sq. ft., Approx.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1983

Scal:

(1) M/8 Vishal Builders (P) Ltd. L-18, N. D. S. E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DEIHI.

New Delhi, 5 September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37FE/1-83/44,—Whereas I, MOHINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 308-A, situated at A-95, Nehru Place, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration IAC. Acq. I

in the office of the Registering Officer at 14C, Acq. I, New Delhi in lanuary 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) 1. Sh. Prayeen Anand and 2. Mrs. Ram Chameli r/o 4/2594, Beadanpura, Karol Bagh, New, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Office flat No. 308-A, On 3rd floor, measuring App. 955 Sq. ft. in 95 Nehru Place, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1983

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND HIOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Rcf. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/46.—Whereas, I.NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 602, situated at 38-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ansal Properties Industries, (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ealbir Kumai Chopra, H. No. 17, Road, No. 6, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, in 38. Nehru Place, New Delhi. Area 485 sft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/48.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 108, 1st Floor, situated at Skipper House 62-63, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Angola Kohli, Niti Kholi, Priti Kholi & Master Sanjay Kohli, through their N. Guardlan & Father Sh. K. C. Kholi, C-226 Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Pratibha Johry w.o Sh. P. K. Johry, Miss Parul Johry & Master Amit Johry through their N. Guardian & Father Sh. Prem Kishore Johry, C/o Ranjan Kumar, C-2/11, SDA, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 108, 1st Floor, Skipper House, 62-63, Nehru Place, New Delhi, Area 723 sft. approx.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/1-83/49.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 308-A situated at 95, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at New Delhi in January 1983.

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49---296GI/83

(1) M/s. Vishal Builders (P) Ltd., E-18, N.D.S.E. Part-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) 1. She Praveen Anand and 2. Mrs. Ram Chamali r/o 4/2594, Beadanpura, Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovzble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 308-A, on 3rd Floor, measuring App. 195 sft. in 95, Nehru Place, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mrs. Shella Bharat Ram, 25, Sarder Patel Marg, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Gautam Ahuja & Miss Pooja Ahuja, 459, Zinat Bari, Hamilton Road, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 5th September 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/50.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

and bearing No.

Flat No. 510 situated at 21-B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi in Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Office flat No. 510 in proposed multi storeyed building at 21, B. K. Road, New Delhi.

Area 500/- sft. on the 5th floor.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/51.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 519 situated at 21, B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Master Ashish Bharat Ram, Master Kertike Bharat Ram, Miss Deeksha Bharat Ram r/o 25, Sardar Patel Marg, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Veena Ahuja, Miss Rima Ahuja, Miss Sangeeta Ahuja, 153-B, Tower Jolly Maker Bldg. No. II Cuff Parade, Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 519 in proposed multi-storeyed building at 21, B. K. Road, New Delhi, 595 sft. on the 5th floor.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983 Seal:

- (1) Miss Malini Bharat Ram, 25, Sardar Patel Marg, New Delhi.
- Mrs. Veona Ahuja, Miss Rima Ahuja, Miss Snngeeta Ahuja 1/0 153-8, Tower, Jollymakar Bldg. No. II Cuff Patade, Bombay-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

IAC/Acq.I/37EE/1-83/52.—Whereas, Ref. No. 1AC NARINDAR SINGH NAKINDAK SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 520 situated at 21-B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

which period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 520 in proposed multi-storeyed building at 21 B. K. Road, New Delhi. 400 sft, on 5th floor.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 I) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1983

Scal 1

(1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co. (P) Ltd., 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sanjay Bansal C/o S. Paul & Co., 1767, Bhagirath Place, Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC NARINDAR SINGH IAC/Acq.I/37EE/1-83/57.—Whereas, 1. NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Multi-building 13 situated at Tolstoy Marg, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Jan, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Capter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Booking of office space measuring 1782 sq. ft. on the 8th floor in the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/1-83|58.—Whereas, I. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 13, Tolstoy Marg, situated at Tolstoy Marg, New Delhi

13, Tolstoy Marg, situated at Tolstoy Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co. (P) Ltd., 13, Tolstoy Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Satya Pal Bansal C/o S. Paul & Co., 1767, Bhagirath Place, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of office space measuring 1782 sq. ft. on the 8th floor in the proposed multi-storeyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

Scal:

- (1) Shri D. D. Madan, D-39, Narain Vihar, New Delhi. (Transferce)
- (2) Smt. Prem Nagar, P.O. Bishanpuri, Distt. Kheri (Rahimpur) M.P. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/60.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 and filed in the office of the IAC Acq. I, New Delhi on Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial flat No. 27, measuring 680 sq. ft. in Saresvati House, 27 Nehru Place, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

[PART III—Sec. 1

FORM ITNS-

(1) Mrs. Ansuiya Ram Prashad Gupta, 8-A, Harmiz Villa, Charmiechel Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vcena Ahuja, Miss Rima Ahuja, 153, B-Tower, Jolly Maker Buld No. II, Cuff Parade, Bombay-5. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE I 412 FOURTH FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 5th September 1983

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

Ref. No. JAC/Acq.I/37EE/1-83|59.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Flat No. 521 situated at buld at 21, B. K. Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the I.T. Act 1961 and filed in the office of the IAC. Acq-I, New Delhi on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

THE SCHEDULE

Office flat No. 521 in proposed multi-storeyed buld at 21, B. K. Road, New Delhi. (500 sq. ft. on 5th floor.)

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

Seal ;

(1) Messrs Devi Enterprises, N 130, Greater Kailash-I, New Delhi

(Tiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh S L Shah, E-6 Lajpat Nagai III, New Delhi

may be made in writing to the undersigned :-

(Trnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No IAC/Acq I/37FF/1-83/61—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Plat No E-584 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration IAC, Acq-1 in the Office of the registering Officer at N Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which by e not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soil Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—296GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 1, Ground Floor, F 584, Greater Kailash-II, New Delhi (Area 1020 sq. ft. approx.)

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rani T
Delhi/New Delhi

Date 5-9-1983 Sea 1:

(1) Messrs. Devi Enterprises, N-130, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. L. Shah, E-6, Lajpat Nagar III, New Delhi.

(Trnsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/62.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 9, situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration IAC, Acq.-I in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, E-584, greater Kailash II, New Delhi. (Area 970 sq. ft. approx).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION ARNGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the .5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/64.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration IAC, Acq.-I, in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Master Ashish Saran s/o A. L. Saran U/G A. L. Saran through Attorney Sh. J. L. Saran r/o B-4/39, Safderjang Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sardar Ujjal Singh s/o Sardar Pritam Singh r/o G-12, Kirti Nagar, New Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 12th floor 28 Barakhamba Road, New Delhi. Area 600 sq. ft

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Dato: 5-9-1983

(1) Sh. Subrata Ghosh, No. 1, Alpur Avenue Extension (West), Alipur, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sh. O. P. Arora No. E-1/13, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ARNGE-I, G-J3 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/65.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. E-1/13 situated at Vasant Vihar New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration IAC, Acq.-I,
in the office of the Registering Officer at
New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Singal storied building at E-III3, Vasant Vihar, New Delhi, Ground Floor plinth Area 1877 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

(1) M, s. Uimoha Properties (P) Ltd., M-37 G. K.-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Renu Uppal, E-360, G.K.-II, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION ARNGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Rcf. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83,'67.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1110 situated at Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration IAC, Acq.-1, in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the falmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used busin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office flat No. 1110 on 11th floor measuring 500 sq. ft. in multi storeyed Buldg, known as Devika Tower 6 Nehru Place New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores tid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/69.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43' of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/- and bearing

No. C-172, situa ed at Greater Kailash-I, New Delhi IAC. Acq.-I,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. Kanwal Jit Singh, S-155, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Ashiana Exports, P. Ltd.,
 D-100, East of Kailash, New Delhi.

(Trnsferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 Storycd, C-172, Greater Kailash-I, New Delhi. 1600 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/1-83/70.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

s. 25,000/- and bearing No.

Basement No. 6, situated at in 57, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Vidya Sagar attorney on Mrs. Asha Prakash, Dharamu Parakash, D37, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Alka Mal 16-18, Raj, Block Naveen Shahdara Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 6 in 57 Nehru Place, New Delhi. Measuring 511 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Dafe: 5-9-1983

FORM ITNS-

(1) M/s. Amar Associates B-47, N.D.S E., Part I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Amrit Kaur, E-83, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Trnsferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/71.—Whereas J. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

19318

No. K-3, situa.ed at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K-3, Kailash Colony, New Delhi. Building at a plot of 311 yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE NEW DFI HI

New Delhi the 5th September 1983

Ref No IAC/Acq 1/37FE/183/73 —Whereas I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing
Flat No 311 situated at in building No 89 Nehru Place New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for uch trinsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri M K Gupta, W 56, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shr. S Ravinder Singh s/o Balbii Singh Ahuja R/o C-II/16, Bafa Nagar, New Delhi (2) Smt Preeti Ahuja W/o R S Ahuja r/o C II/16, Bafa Nagar, New Delhi

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 311 in building No 89 Nehru Place, New Delhi, mensuring 465 sft

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—57—296GI/83

Date : 59-1983 Seal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-83/74.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Basement B-4, Skipper corner, situated at 88, Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Rashmi Wadhawa & Mr. Balkrishan Wadhwa, 28/5, Pant Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Paul Verma, F-12, Desbandhu Gupta Market, Karol Bagh. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement B-4, Skipper corner, 88, Nehru Place, New Delhi, measuring 359 sft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said fact to the following persons namely:-

Date: 5-9-1983

(1) M/s. Surindar Kapur & Co. (HUF), 44-A, Amrita Shergil Marg, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rewi Raj Chaudhry & Brs. Adarsh Chaudhery r/o E-543 Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFLHI.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 5th September 1983

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a; are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-83/76.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1503 s.tuated at Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Devika Tower, 6 Nehiu Place, New Delhi, Flat No. 1503, Area 370 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L

G13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/1-83/78.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 35 situated at Masjid Moth Extension (Udey Park), New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mahesh Lata w/o Shri Baldev Raj, 11/14B, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Surinder Khanna s/o late Sh. Madan Mohan Khanna 61/14-Ramias Road, Karol Bagh, New Delhi.
 - Smt. Minnie Khanna w/o Sh. Surinder Khanna 61/14 Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, land measuring 324 sq. metre bearing No. 35 situated at Masjid Moth Extn. (Uday Park), New Delhi.

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. 1AC, Acq-1, 37EE/1-83/79.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. UB-10, situated at 21 Barakhamba Road,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration in the office of the Registering Officer at

IAC ACQ-I New Delhi in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Ansal Properties and Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vishal Bakshi Master, Rahul Bakshi, U/G Major S.K. Bakshi, 3117, 21-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-10 in Barakhamba Road, New Delhi. Area 460 sft.

> NARINDAR SINGIL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 5-9-1983

(1) Ansal Properties and Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Rajınder Kumar Goel, C/o Mr. C L. Gupta, 57/16A Chandigarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No IAC/Acq I/37EE/1-83/80—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No UB-33 situated at 21 Barakhamba Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration in the office of the Registering Officer at IAC ACQ-I, New Delhi in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UB-33, Area 490 sft 21 Barakhamba Road, New Delhi. Date 5-9-1983

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:

Date 5-9 1983 Seal:

(1) Ansal Properties and Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, New Delhi.

433 Jawahar Nagar Sri Nagar.

(2) Shri Inder Kishan Kaul,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NFW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq I/37FE/1-83/81.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. UB-32 situated at 21, Barakhamba Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the J.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority under the Registration in the Office of the Registering Office.

IAC Acq.-I, New Delhi in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-32 in 21 Nehru Place, New Delhi, Area 440 sft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis Asha Ruu Jam S/o D R Sharma, 115/57, Nehiu Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Mrs Sita Devi Manchanda r/o H No 992, Tuah i Behram Khan Darya Ganj New Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G 13 GROUND FLOOR OR BUILDING IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref No IAC/Acq I/37EE/1-83/87—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and beating

and bearing
No K 84 Basament No 13 situated at Green Park New
Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration in the office of the Registrating Officer at

IAC Acq I, New Delhi in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expres later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that hapter

THE SCHEDULE

Basement No 13 at K 84, Green Park New Delhi 494 Sq fts

NARINDAR SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Runge I Delhi New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date 5-9-1983 Seal FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Asha Rani Jain C/o D. R. Sharma, 115/57, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ishwar Bhutani, E-135, Greater Kailash, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/1-83/83.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K-84, Basement No. 14, situated at Green Park, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of IAC Acq. I, New Delhi in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

ing persons, namely:—
52—296GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 14 at K-84, Green Park, New Delhi. 458 sft.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi 'New Delhi

Date: 5-9-1983

(1) Mrs. Jasbir Puri 1218, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Esschem (Pvt.) Ltd. 304, Bokshi House, 40, Nehru Place, New Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/1-83/89.--Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Bakshi House No. 304, situated at 40, Nehru Place,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-I, New Delhi in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

304, Bakshi House, 40 Nehru Place, New Delhi, measuring 571 sq. ft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following reasons, namely :---

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1983

Ref. No. IAC 'Acq 1/37EE/1-83/90.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Flat No. G.F. 12-A, situated at 7-Tolstoy Marg New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi IAC. Acq.-I, in January 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Mr. Brij Mohan Sachdev & Mrs. Savita Sachdev r/o 130, Golf Links, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Delhi Investment company, M-51, Cannaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-12A on Ground Floor, 7-Tolstay Marg, New Delhi. 429 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 5-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Soni Exports (P), Ltd. 3, Birbal Road, Jangpura, New Delhi.

(Transferor)

ioginder Paul Suri and Sons (HUF)
 Pusa Road, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1983

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/2-83/109.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. H-17, situated at Barakhamba Road, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq.I, New Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 8th floor measuring 1125 sq. ft. at 17, Bara-khamba Road, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1983

FORM I.T.N.S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1983

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/3-83/177.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. H-17, situated at Barakhamba Road, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-I, New Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Hilton Rubbers Ltd., S-23, Green Park Extn. New Delhi, through Mg. Dir. cum Chairman Mr. D. S. Khanna,

(Transferor)

(2) Mr. Aman Suri (Minor) s/o Mr. Joginder Paul Suri (father and Natural Guardian) r/o 33. Pusa Road, New Delhi. Correspondence Add. 454-55, Chitla Gate, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H on 11th floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi. 1098 sq. ft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 14-9-1983

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 14th September 1983

Ref No IAC/Acq I/37EE/3-83/178 -- Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No G-17, situated at Barakhamba Road,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on February 1983

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) M/s Hilton Rubbei Ltd. S-23, Green Park, Ext. New Delhi through Mg. Dir. cum Chairman Mr. D. S Khanna.
- (Transferor) (2) Mr Joginder Paul Suri r/o 33, Pusa Road, New Delhi. Correspondence Add 454-55, Chitla Gate, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G on 11th floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi, are 1020 sq. ft.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

14-9-1983 Date

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th September 1983

Ref. No. Rej/IAC,Acq.)/2108.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Plot No. B-15 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the postile has not been truly extent in agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Arun Kumar Tiwari, S/o Late Shri Kanhaiyalal Tiwari, Tiwari House, Nahargath Road, Purani Besti Jaipur. (Transferor)

(2) Dr. Smt. Kamlesh Gupta, W/o Subhash Gupta, B-15, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-15, Shiv Mong, situated at Bani Park. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide No. 48 dated 13-1-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income--tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur the 15th September 1983

Ref No Rej/IAC(Acq)/2109 -Whereas, I, MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing Plot No D-59 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Japan on 29 1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Shri Capt Mali Ram S/o, Dhannai amji Plot No D-59 Amba Bari Jaipui

(Transferor)

(2) Shri Deepa Ram 5/0, Shii Magla Ram Jat Village Godara Ka Baas, Leh Udaipurwati Disti Jhunihunu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No D-59, situated in Amba Bari Jaipui and more fully described in the sale deed registered by the S R Jaipur vide regn No 199 dated 29-1 1983

> Acquisition Range Jaipur Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income--tix Acquisition Range Taipur

Date 15-9-1983 Scal:

19365

FORM ITNS-

(1) Shri Arun Kumar Jaipuria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipui, the 15th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/2110—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Vandana International Export, A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 376 sq mtr. situated near Brahampuri Police Station Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R Jaipur vide No 138 dated 19-1-1983

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 15-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2111.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 2 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sri Kishan Varma, S o, Shri Laluramji Guar, R/o, Nayabas, Ratanada Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Kanwai & Sh. Jajendra Singh Rajput, R/o Opp. Military Guard, Ratanada Palace Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pelrod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, situated in Ratanada Area, inform of Military Guards, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide regn. No. 763 Dated 19-1-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 17-9-1983.

(1) Shri Krishna Kumar Agarwal, 60, Hemchandra Nasker Road, Calcutta-10.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2112.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable the control of the said Act') in the said Act'. property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Plot No. situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 17-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(2) Shri Anant Ram Arya, Chowmukha Mahadev, Kherapati Mohalla, Bharatpur, Rajasthan.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exprises later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

Part of two storied building situated at Mohalla Kherapati, Bharatpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bharatpur vide registration Dated 17-1-1983.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-9-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2113.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. C-21 situated at Japur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Japur on 3-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Premchand Jain, Shu Niumal Jain & Sh. Rajesh Jain, Jaipur

(Transferor)

(2) Shri India Associates Pvi Itd, 17, Safderjung Road, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. C-21, Scheme-E, situated in Bani Park, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S R Bombay vide registration No R-2422/81 Dated 3-1 83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income--tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.)2114.-Whereas, I, MOHAN SINĠH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 59 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered under the Regisrtation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 22-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) off Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri R. K. Baijal, Dy. Inspector General of Police, Home Guards, Jainur.
- (Transferor) (2) Shri Piamod Gemawat, S/o, Shri S. R. Gemawat, 59, Neemuchmatha Scheme, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. 59, Neemuchmatha Scheme, Udaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. T. Udaipur vide No. 133 Date 23-1-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax Acquisition Range, Jalpur

Date: 19-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No Rej/IAC (Acq.)2115.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 179 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (e) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Babu Khan S/o Shri Nane Khan, Musalman Shekh, Kamla Nehru Nagar Extension, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Udailal, S/o, Kusalaramji Choudhary, Plot No. 179, Massoria, Sector-6, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 179, situated in G-Sector, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S R. Jodhpur vide No. 137 dated 19-1-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No Rej/IAC(Acq)2116—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 20 situated at fodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jedhpur on 27-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

 if the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Shri Hua Singh & Sh Bannaram, S/o, Shri Sawat Ram, 20 Sarder Club Scheme, Jodhpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Shiv Narain Gupta, S/o, Shii Rameshwar Dayal Gupta, 20, Saidai Club Scheme, Jodhpui (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 20, situated at Sardar Club Scheme, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the SR Jodhpur vide No. 20 dated 17-1-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assett Commissioner of Income--tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-9-1983.

(1) Shri Chainreop Gorawat S/o Shri Sohan Lal Gorawat R/o, R. K. Bhattacharia Road, Patna (Bihar)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shri Iqbal Ahemad S/o, Shri Shekh Mohammad Ishraq, House No. 2545, Gate Habash Khan, Delhi-6.

> > (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)2117.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1.5/3 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joipur on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/3 measuring 583.33 sq. yd. situated in Eatch Tiba, Govind Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the sale deed registered by the SR, Jaipur vide No. 52 dated 13-1-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1983.

(1) Smt. Kaushalya Devi, W/o, Shri Nond Lal, R/o 704, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi, W/o, Shri Mohanlal, R/o 704, Adarsh Nagar, Jnipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No. Rej/IΛC(Acq.)2118.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs-25,000/- and bearing Plot No. B-29, situated at Jaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. B-29, Govind Marg, situated in Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide regn, No. 75 dated 15-1-1983.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--54-296GI/83

Date: 19-9-1983,

FORM ITNS-----

(1) Shrimati Kaushalya Devi, W/o Shri Nand I.al, R/o, B-29, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No.Rej/IAC(Acq.)2119.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Plot No. B-29. situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpur on 15-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Surendra Singh, S/o, Shri Gopal Singh, A-75, Janta Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a periodof 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-29, Govind Marg, situated in Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide regn, No. 74 Date 15-1-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 19-9-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Re.f No, Rej/IAC(Acq.)2120.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-29 situated at Jaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-1-83

Ifor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

 Smt. Kaushalya Devi w/o Shri Nand Lal r/o B-29, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Surjeet Kaur w/o Shii Buicharan Singh r/o 119. Rajapark, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-29, Govind Marg, situated in Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide regn. No. 73 dated 15-1-83.

MOHAN SINGS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-9-1983

Seal

FORM ITNS.——

(1) Shri Narain s/o Shii Goru Mali r o Bombala, Teh. Sanganer,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kumad Devi w/o Sh. Ghisilal Dosi Jain, No. 3707, Kalon-ka-Mohalla, Johan Bazar, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUL BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ret. No. Rej/IAC(Acq.) 2121.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Teh, Sanganer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanguner on 24-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4560 sq. yd. situated in Bambala, Teh. Sanganer, on Jaipur Tonk Road, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sanganer vide No. 46 dated 24-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1983

(1) Shu Naram & Sh. Kajod ss/o Sh. Goru Mali r/o bambara 1ch Sangarer (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2, Sn 1 Glindel De 1 s/o Shii Indermal Dosi, House No 3707, Kalon Ka Mohaila, Johari Bazar, Jaipur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CINIRAL REVENUE BUILDING

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jaipui, the 19th September 1983

No Rej/IAC(Acq) 2122 - Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Teh Sanganer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Teh Sanganer on 24-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /01

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2720 sq yd in Village Banbala near Sangerier, on Jaipui-Tonk Road, and more fully described in the sale deel registered by the SR Sanganer vide No. 44 dt 24-1 83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipui

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :~

Date 19-9-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2123.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 22-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhanwarlal s/o Shri Bholumal Mali Imertia Bara, Paota, Jodhput. (Transferor)

(2) Shri Narayan Prasad s/o Shii Ramohand Gupta, Mahamandir, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 440 sq. yd. situated in Imertia Bara, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide regn. No. 196 dt. 22-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Taradevi, w/o Sh. Phoolsingh Rajput, Vill. Colar, Teh. Binmal, Jalore. (Transferor)

(2) Dr. S. C. Bhargava, Associate Professor, Deptt. of Zoology, University of Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2124.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 31, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 20-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 31, situated in Bherav Bilas, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide No. 1520 dated 20-1-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
54—246GI/83

Date: 19-9-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.) 2125.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value the immovable property having a fexceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 40-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), uader the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jodhpur on 25-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following parents. Pamely:— (1) Smt. Bhanwari Devi w/o Meghrai Parihar, Near Ground Water Board, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar, s/o Shri Satish Chand Goyal, I, Residency Road, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40-A situated near PWD Colony, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 229 dated 25-1-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhanwari Devi w/o Meghraj Ground Water Board, Jodhpui. Parlhar Near

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar, s/o Shii Satish Chand Goyal, 1, Residency Road, Jodhpur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCAME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1983

Ref No. Rej/IAC(Acq.) 2126.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40-B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 25-1-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 40-B situated near PWD Colony, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No 228 dated 25-1-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :--55--296GI/83

Date: 19-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P)

Hyderabad (AP), the 15th September 1983

Ref No 226/83-84—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No S No 441 situated at Rajanagatam Samithi, Rajah

mundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per daed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on Jan. 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Nyaypathi Raghava and others, S/o Kamaswara Rao, Jayakrishnapuram, Rajahmundry

(Transferor)

(2) Sii Cherukuri Venkateswarao, S/o Nageswararao, S₁₁ Venkateswara Factories, Piakasnagar, Rajahmundry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serveei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

f and admeasuring 3.11 acres situated at Pidumgoyya Panchayathi, Rajanagaram Samithi registered by the SRO, Rajahmundiy vide document No. 513/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tass Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (AP), the 15th September 1983

Ref. No. RAC. No. 227/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following appersons, namely:—

- (1) Sri Ch. Sitaram and Others, Palacherla Sivaru, Srirampuram, Korukonda Taluk, E.G. Dt., (Transferor)
- (2) Sri Y. Satyanarayana, S/o Potharaju, President A. P. S. E. B. Electrical Co-op. Building Society Ltd., Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 Dr_{V} land admeasuring 12 acres situated at Rapahmundry registered by the S. R. O. Rajamundry vide document No. 38[83, 39[83, 85]83, 86[83, 87[83, 88[83, 89]83, 90/83, and 91/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Ref. No. RAC. No. 228/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site situated at Waltain Ward, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Jan. 83

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Varadaramarao, S/o Krishnamurthy Naldu, Pinapenki Terlam Taluk, Vijayanagaram Dt., (Transferor)
- (2) Sri G. Kodanda Rama Raju, Director, Gorinta Hotels Pvt., Ltd., Alampuram, Tadepalligudem Tq., W.G. Dt., (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 1980 sq. yds. situated at Waltair Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 206/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Ref. No. RAC. No. 229/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Land situated at Anakapalli

Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Anakapalle on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Reda Appadu and Others, S/o. Chinna Appayya, Ravada Sivaru, Bottavanipalem, Anakapally Tq.,

(Transferor)

 Sti K. Chacko S/o Boshap, K. J. Chacko Structural Engineering Works, Buchirajupalem, Visakhapatnam,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said incomovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7-41 acres situated at Anakapalli registered by the S. R. O., Anakapally vide document No. 175/83, 176/83, 178/83 and 179/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Rcf. No. RAC. 230/83-84 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. Land situated at Lankalapalem Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri. Ch. Venkata Nageswara Sastry and Other, D. No. 18-1-64, K. G. H. Road, Visakhapatnam. (Transfero)
- (2) Sri T.V.K. Prasad, M/s. Prasad Steel Fabrications, Srinivasa Buildings, Dornakal Main Road, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land admeasuring 3 acres 223 cents situated at Lankalapalem villige registered by the S. R. O., Visakhapatnam vide document No. 59/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P)

Hyderabad (AP), the 15th September 1983

Ref No 231/83-84—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing
No 40-15-9/1 situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Jan 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

- Steel (1) T. Tirumairao, S/o Suryaprakasarao, C/o House Congress Office Road, Vijayawada-2 (Transferor)
- (2) Mr. Vithel Prasad Bhattad & Mrs. Taradevi Bhattad, D No 11 51 46 Pootiswam, Street, Vijayawada 1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D No 40-15-9/1, House property situated at Brindavan Colony, Labblecta Vijayawada-area of 950-4/9 Sq. yds, registered with S R O Vijayawada vide document No 217/83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Hyderabad (AP)

15-9-1983 Date Seal .

(1) T. Nehru, S/o Jagannadham, Nuzivid Krishna Dt. (Transferor)

(2) Shri Dayal Jesus Jaleyar Prakasarao, S/o. Samuel, President, The Nuzivid Employees Co.-op. House Building Society Ltd, Nuzivid, Krishna Dt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Ref. No. R. A. C. No. 232/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site situated at Mangogarden Nuzivid (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzivid on Jan, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

500 Yard Mangogarden opposite RCM Church, near RTC Bus Depot, Nuzivid, registered with S. R. O. Nuzivid, vide document No. 82/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A,P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Ref. No. 233/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(heremafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. NTS 116 situated at Vijayawada

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Jan. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—296GI/83

(1) A. Aruna Prasad & Others, S/o Venkataratnam, Venkateswarapuram, Vijayawada-10

(Transfero)

 T. Prameela, W/o. Prasadarao, Venkateswarapuiam, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sites, Patamata NTS. No. 116 of Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, Vide documents Nos, as follows.

S. No.	Document No.	Area	
1.	472	202-0	7
2.		456-0	Sq. yds
3.	497	142-0	[+4.,
4.	498	200-0	J

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A P.)

Date: 15-9-1983

FORM ITNS-----

(1) G. Apparao, S/10 Kotayya, Singarajuvari Street, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) G. Padmavethi W/o Gurunadharao, Congress Office. Road, Vijayawada. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Ref. No. 234/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
m the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 14-8-10 situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on Jan. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at D. No. 14-8-10, Hanumanpeta Vijayawada, area of 203 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 600/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-9-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD (A.P)

Hyderabad (A.P), the 15th September 1983

Ref. No. 235/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a falr market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-20-9 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on Jan. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sh. L. Sita Ramayya, S/o Late Venkateswarlu, D. No. 26-20-9, Gandhinagar, Vijayawada. (Transferor)
- (2) I. V. Venkateswararao, S/o Gurunadham,& Other D. No. 24-11-27, Mydanam Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property D. No. 26-20-9, Swamy Street, Gandhinagar, Vijayawada, area of 438-8-0-Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 175/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th September 1983

Ref No. 470/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Mahaboobnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mahaboobnagar on Jan 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb yinitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Imtayazunnisa Begum and Others, w/o Mirza Ameer Balg, H. No. 2-12-13, State Bank Road, Mahaboobnagar.

(Transferor)

(2) Sri T. Balappa, S/o Kotappa. President, Palantoor Kurnin Setty House Co-op. Society Ltd., Mahaboobnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6 acres 06 cents situated at Mahaboobnagar, registered by the S.R.O., Mahaboobabad vide document No. 73/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983.

FORM ITNS ---

 Sri T. Radhakrishna Muthy & Others, S/o Narsimharao, Khammam.

(Transferor)

(2) Sri M. Ravi Kumar, S/o Varadayya.
C/o Malisetty Chit Fund Co., Khammam.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th September 1983

Ref No. 471/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Mohan Rd., Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Mohan Road, Khammam bearing No. 3-1-127, registered by the S.R.O., Khammam vide document No 40/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th September 1983

Ref. No. 472/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No House situated at Mohan Rd, Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khammam on Jan. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Ch. Venkateswarulu, S/o Balayya, Khamman

(Transferor)

(2) Smt. S. Parvathi Bai, w/o Eswararao H. No. 3-1-128, Mohan Road, Khammam, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 3-1-128, Mohan Road, Khamman registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 220/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983.

(1) Sri Y. Krishnamurthy, S/o Seshaiah D. No. 11-4-60, Nehiu Nagar, khamma.

(Transferor)

(2) Sri P. Venkateswarlu and Others, S/o Gopaiah, Kolyachelka Tirimalayapalem Taluk, Khammam Dt.,
(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD-A. P.

Hyderabad, the 15th September 1983

RAC No. 473/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plots situated at Khammam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khammam on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots bearing Nos. 8 to 12 and 15 to 20 situated at Khammam admeasuring 4514,22 sq. yds. registered by the S.R.O., Khammam vide document No 162/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-9-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR.

Nagpur, the 8th July 1983

No. IAC/ACQ/7/83-84.—Whereas, I

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land at Nimbhora Khurd Tah. & Dist. Amravati

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 22-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) 1. Shri Sudhakar Madhukar Ganjre 2. Shri Anil Madhukar Ganjre (M.nor) L/a Shri Madhukar Jagobal, Ganjre 3. Shri Madhukar Jagobaji Ganjre All R/o Badra Road, Samarthwad, Amravati.

(Transferors)

(2) M/s. Chhaya & Co. for Partner. Shri Madanlal Surajnarayan Khandelwal, R/o Kacheri Road, Amravati,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate procedeings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing C. No. 9/-1 At Mauia; Nimbhora Khurd Tah. & Distt. Amravati,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner_of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Date: 8-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Kamal Real Estate Developers, F/1, Indira Apartments, Cactano Albuquerque Road, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Francisquinba Viegas, 23, Rue Theodore Deck, 75015 Paris, France

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th July 1983

No. R-109 Regn. No. 37/37EE/83-84 Acqn.B.—Whreeas, I, MRS. MAUJN MADHAVAN, the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Regitseration No. 1558, Shop No. 23, Trionora Apartments" (construction just started)—property known as "Baru Letta" / New Bazaar situated at Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under document No 3.7/82-83 on 4-2-83 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVA: Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ton Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---57---296GI/83

Date: 6-7-1983

Scal:

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 37/82-83 dated 4-3-1983.) Shop No. 23 on the ground floor in the Building name Trionora Apartments" construction just started in the property known as 'B'aru Letta" New Bazaar, Panaji, Goa,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna-800001, the 10th August 1983

No. III-806/Acq/83-84/—Whereas.I P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 687, Holding No. 327/252 Circle No. 6 ward No. 2

situated at Jamal Road, Town and (Old)9 New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 2-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the connideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Ranjan Kishore Bhattacharya S/o Durga Kishore Bhattacharya R/o Bihari Lal Bhattacharya Road also known as Makhania Kuan Road, P. S. Pirbahore Town and Dist, Patna
- (2) Atul Kumar Jain S/o Sri Bimal Singh Jain, Mohalla-Raendra Nagar Road No. 7, P.O. Rejendra Nagar, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1345 sq ft. with building situated at Mohalla Jamal Road, P. S. Kotwali, Town and Dist. Patna and morefully described in deed no. 956 dated 2-2-83 registered with DSR Patna

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-8-1983

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAVANE, POONA-4

Poona 4, the 6th September 1983

Ref. No. CA-5/SR.Haveli/975/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. T. S. No. 159/2, Shaniwar peth, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli-I, Pune on 26-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shriniwas Shankar Potnis 1205/2, Shivaji Nagar, Pune-4.
 - 2. Shri Raghunath Shankar Potnis
 - 3. Shri Arvind Shankar Potnis
 - Shri Shrikrishna Shankar Potnis All the residing at Janak Ganj, Lashkar, Gwalior, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Dattatray Borkar, 159, Shaniwar Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building C.T.S. No. 159/2, Shaniwar Peth ,Pune. ((Area-524 sq. meters)

Property as described in hte sale deed which i rsgesitered in the office of the Sub-Registerar, Haveli-I, Pune under document No. 2786 dated 26-4-1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range ,Patna.

Date: 6-9-1983

75

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION MAY, 1984

New Delhi, the 22nd October, 1983

No E-8/5/83-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 6th May, 1984, for admission to the undermentioned courses:

Name of the Course and Approximate No. of Vacancles

- (1) Indian Military Academy, Dehra Dun (78th Course commencing in January, 1985) 150 [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].
- (2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1985.
 - (a) General Service
 [Including 6 reserved for N C C 'C' Certificate (Naval Wing) holders].
 - (b) Naval Aviation 45
- (3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Flying Training Course for 137th F(P) Course commencing in January, 1985]
 (Includes 3 reserved for NCC 'C' Certificate (Air Wing) holders).
- (4) Officers' Training School, Madras [41s
 SSC (NT) course commencing in May, 1985]

N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

N.B. (ii)—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of his examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions:—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC(NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) /(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by 31st December, 1984.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

- NOTE:—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigach, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 6th April, 1984 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality:--

A candidate must either be-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

- (b) Age limits, sex and marita status:---
 - (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy.—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1963 and not later than 1st January, 1966 are only eligible.
 - (ii) For Officer's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st January, 1966 are only eligible.

Note: Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

- (c) Educational qualifications ;-
 - For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.
 - (ii) For Air Force Academy:—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1984.

(ii) For admission to officers' Training School, Madras on or before 30th April, 1985.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

- Note 1: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.
- Note II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India ou or after 1st November, 1964 or Is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 6 HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1984 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary,

Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Military Area/ Sub-Area Headquarters, Naval and Air Force Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with bail point pen. All entries/ answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any Illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambliguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertaking or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 19th December, 1983 (2nd January 1984, in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pladesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti

District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th December, 1983 and whose applications are recieved by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, I ahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th December 1983.

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
 - 8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION
 - (A) By all candidates:—
 - (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhl.
- Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the Candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose

Candidates residing abroad should denosit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application,

(ii) Certificate of age-

The date of hirth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which

extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note I:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CFRTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT FXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested 'certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain

its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree or equivalent examination submitted by a candidate competing for the Air Force Academy in support of his educational qualification does not indicate the subjects of the examination, he must submit in addition to the attested/certified copy of University certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/ Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with Physics and for Mathematics, as subjects of examination. If however, the candidate has passed his degree or equivalent examination with subjects other than Physics and/or Mathematics, he must, in addition to attested/certified copy of degree or equivalent certificate, submit an attested/certified copy of the University/Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education or an equivalent examination. In such a case, if the attested/certified copy of the University/ Board certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must also be submitted.

- (iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:—Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.
 - (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
 - (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate:—

- (a) Displace person from ensiwhile East Pakistan:
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project of of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.
- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatrlates from Srl Lanka:

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma:

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

- (d) Displaced persons from erstwhile West Pakistan:
 - Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR.

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the 1.M.A., Air Force Academy Course, and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing (Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

NOTE:—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 9 RELUND OF FEE—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, not can the fee be held in reserve for any other examination or selection—
 - (i) A refund of Rs 157- (Rupees fifteen [Rs 4/(Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be inade to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, no refund a fee will be made to that cindidate
 - (ii) A refund of Rs 28/- (Rupces Twenty eight) [Rs 7/- (Rupces seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1983 or in October 1983 and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Scivices Examination May, 1984 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October 1984
- 10 ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS—Fvery application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a cindidate does not receive an acknowledgement of his application with a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission

- 11. RESULT OF APPLICATION—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration
- 12 ADMISSION TO THE EXAMINATION—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission
- 13 ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCI.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted 58—296GI/83

- A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—
 - (i) obtaining support for his candidature by any means, or
 - (ii) impersonating, or
 - (111) procuring impersonation by any person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tempered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
 - (vii) using unfair means during the examination, or
 - (vili) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
 - (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
 - (x) harassing or doing boddy harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
 - (x1) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination or
 - (xu) attempting to commit of as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,
- may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (1) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
 - (n) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules
 - Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—
 - (1) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
 - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration

- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg. 6(SP)(e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011: in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1984 [30th April, 1985 in case of SSC (NT) only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.
- 15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGIS-TRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
 - N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND POLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in adress should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSPOUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE FXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG, 6(SP)(e)(ii), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022 AND AIR HO (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011, FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE FVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SFIECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP) (e) (ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 and Air Headquarters (PO3) Yayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles.

- (a) Passport size photographs in white shirt--- 6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in September/October 1984 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1984/January, 1985.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tes's as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner

of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

Note: Every candidate for the Air Force is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Ap itude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must under ake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course---

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/guant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL. ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, o rhte Naval Academy or the Air Force Academy. Candidates who resign from IMA/Naval Academy Air Force Academies will not be considered for induction in OTS Madras under any circumstances.

22. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi 110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

M. BALAKRISHNAN Dy. Secy.

APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises :---
 - (a) written examination as shown in para 2 below;
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

(a) For admission to Indian Military Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	 2 Hours	100
2. General Knowledge .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy:

Subject	Time allowed	Maximum Marks
COMPULSORY	 <u> </u>	
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge .	2 Hrs.	100

OPTIONAL

*3. Elementary Mathematics or

Elementary Physics .

•4. Mathematics or Physics

2 Hrs. 100
2 Hrs. 150
*Candidates offering Elementary Mathematics will take
Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take
Mathematics as their 4th
paper,

(c) For Admission to Officer's Fraining School:

Subject	Tim c allowed	Maximum Marks	
1. English	. 2 Hours	100	
2. General Knowledge .	. 2 Hours	100	

(d) For Admission to Air Force Academy:

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.
- B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects wil lapproximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Raitnoal fraction, multiplication, division, Square roofs, Decimal fractions.

and Real numbers. Fundamental operations—addition, sub-

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Flumentary Number Theory—Division aglorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem, H C F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknows—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and con-

Trigonometry

Sinc X, Cosine X, Tangent X when $0^{\circ} < \times < 90^{\circ}$

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90°.

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes,

(vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MkS units, scalars and vectors, Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Molion, concept of Force Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces, Centre of Gravity. States of equalibrium. Simple Machines. Velocity Ratio, Various simple machines including inclined plane Screw and Gears, Friction angle of frictions coefficient of friction. Work, Power and energy Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedies principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedies principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation, Measurement of pressure exerted by a gas, Boyle's Law, Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids Charles Law, Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (c) Light.—Rectilinear Propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope. Microscope, binocular & perioscope. Refraction

through a prism, dispersion.

- (f) Sound —Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law, P.D., Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule, Measuring instruments.—Galvanometer, Ammeter. Voltmeter Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating Flectromagnetic induction. Faraday's I awa, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple, harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity Surface tension; Viscosity of liquids Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibilations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats, stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Vander Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of theirmodynamics and simple applications Black body radiation.

4 Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6 Modern Physics

Hements of Bohi's theory of atom. Flectrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Rudioactivity Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion,

MATHEMATICS (Code No. 04)

1 Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Molvre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of detreminants; adjoint of a matrix inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles capse, parabola, hyperbola (referred to principal axis) Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation Rolle's theorem, Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, subtangent subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Euller's theorem for homogeneous functions.

Lntegral calculus—Standard methods of integration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpsons rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, Couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newtons law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion, Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous) density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—binomial Distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error, Simple application of the normal, t, chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note: —Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

Note.—Candidates must be physically fit according to the prescribed physical standard. The standards of medical fitness are given below.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

- 1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Öfficers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—
 - (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
 - (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or over-weight.

(c) The minimum acceptable height is 157 5 cms (157 cms for Navy and 162 5 cms for Air Fotce)—I or Crorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms less In case of candidates from Lacadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms Height and weight standards are given below—

Height and Weight Standards

	a .		W	eight in Kg	۹.
_	Centa hout s		18 усага	20 years	22 years
152	 		44	46	47
155			46	48	49
157	,		47	49	50
160			48	50	5
162			50	52	5
1.65			52	53	5
148			53	55	5
170			55	57	5
173			57	59	6
175			59	61	6
178			61	62	6
180			63	64	6
183			65	67	6
185			67	69	7
188			70	71	7
190			72	73	7
193			74	76	7
195			77	78	7

A+10% (± 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The heating should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels Blood pressure should be normal
- (1) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement or liver or

- spleen Any cyldence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (4) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healing is complete.
- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (1) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection
- (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye A candidate must have good binocular vision The colour vision standard will be CP-3 A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards

Distant Vision . 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near vision N-5 each eye

Colour Vision . . . CP-1 by MLT

Myopla is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye

Occular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

- (1) at 6 meter . . Exophoria 8 prism dioptres
 Esophoria 8 prism dioptres
 Hyperphoria 1 prism dioptres
- (11) at 30 cm

 Fxophoria 16 prism dioptres
 Esophoria 06 prism dioptres
 Hyperphoria 1 prism dioptres
- (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth A minimum of 14 dental points will be acceptable When 32 teeth are present, the total dental points are 22 A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

- 2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only:—
 - (a) Antropmetric measurements acceptable for Air Force are as follows:—

Height . . . 162 5 cms.

Leg Length . . . Min. 99 cms. & Max. 120 cms.

Thigh Length . . Max. 64 cms.

Sitting

Height . . . Min. 81 · 5 cms. & Max. 96 cms.

- (b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying:—
 - (1) Granulomatous disease of Spine
 - (ii) Arthritis/Spondylosis
 - (iii) More than mild kyphosis/I ardosis. Scoliosis. More than 15° by Cobb's method will be cause for rejection.
 - (iv) Spondylolisthesis /spondylolysis
 - (v) Herniated Nuclens Pulposus
 - (vi) Compression fracture of Vertebra
 - (vii) Scheurman's Disease
 - (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory difficit.
 - (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision

Distant Vision: . . 6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Near vision: . . N-5 each eye

Colour Vision: . . CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia.. .must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Hetrophoria with the Maddox Rod test must not exceed:

(i) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres.

Esophoria 6 prism dioptres.

Hyperphorla 1 prism dioptres.

(ii) at 33 cms Exophoria 16 prism dioptres

Esophoria 6 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptres Myopia Nil

Myopia Nil Astigmatism + 0 · 75D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

(i) Speech test . Whispered hearing 610 cms each ear.

(ii) A thometric test . Audiometric loss should not

Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz

- (f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.
- 3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.
- 4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILI-TARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before the Candidate joins the Indian Military academy-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tution, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemencadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magi trate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4 Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the followin amount with the Commandant on arrival.—
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs 90 00 pc month—Rs, 450 00
 - (b) FOI items of clothing and equipment—Rs. 800 00 Total . As 1250 0

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the caticus in the event of financial assistance being sanctioned to them.—

Pocket anowance for rive months at Rs. 90 00 per month Rs. 450.00

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Mintary Academy .--
- (1) PARSHURAM BHAU PAIWARDHAN Scholar ship—1his scholarship is awarded to cadets from MAHA KASHIRA AND KAKNAFAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500 00 per annum for the duration of a cadets stay at the Indian Military Academy subject to the cadets making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KLNDAL FRANK MEMORIAL Scholarship—This Scholarship is of the value of Rs. 360 00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commindant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
 - (b) it he is not granted a commission retunded to the state

On being granted a commission, article of clothing and necessaries parenased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State

7 No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Anny H10 Cost of training, messing and allied services will be recovered from them betwee their departure. They and their parents guardians will be required to execute a bond to this effect

before the candidates are allowed to join Indian Military Acidemy A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps

- 8 Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training Commission will be permanent.
- 9 Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10 At the Indian Military Academy, Army Cadets are 15 km as Centlemen Cadets and are given strenuous military ining for a period of 18 months aimed at turning out fincers capable of leading infantry sub units. On successful inpletion of training Gentlemen Cadets are granted Perma t Commission in the rank of 2nd Lt subject to being in dically fit in S.H.A.P.E.

11 Icrms and Conditions of Service

Rank

Pay Scale

Rank			Pay Scale	Rank	Pay	Scale
			Rs.			Rs.
∠nd Lieut	•	•	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1900	fixed
Licut .			830950	Colonel	1950-	-2175
Captain			1100-1550	Brigadier		-2400
Major			14501800	Мај.	2500-	-125/2
				General		2750
Major (Selection	n Gr	ade				
Pay)			18005019	900		
Lt Colonel				Lt. General	3000	p.m.,
(By Selection)	•	•	1750—1950	Lt. Genera (Army Com	3250	pm.
Lt. Colonel (So Grade Pay)	electio	on	2000-50-2100			,

(a) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs 1600/, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay@ Rs 70- pm.

(III) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances -

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time
- (b) A kit maintenance allowance of Rs 75/- pm
- (c) I v₁ o ation Allowance is admissible when serving Ex-India This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.

- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p. m.
- (e) Outfu Allowance:—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is to be claimed atter every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(t) Free rations are provided upto the level of Colonel in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt.		•	2 years of Commissioned Service
Capt.			6 years of Commissioned Service
Мајог			13 years of Commissioned Service
Lt. Col.	from l	Major	25 years of Commissioned Service
(if not p	romot	ed by	
Selection)		

by selection

Lt. Col		. 16 years of Commissioned Service
Col		. 20 years of Commissioned Service
Brigadier .		. 23 years of Commissioned Service
Major Gen.		. 25 years of Commissioned Service
Lt. Gen		. 28 years of Commissioned Service
General .	_	No restriction

General . . No resuricuo

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

Captain					3 усагз
Major					5 years
Lt. Colonel			,		6-1/2 years
Colonel					8-1/2 years
Brigadier					12 years
Major Gene	ral				20 years
Lt. General					25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officor-in-Charge, Naval Academy, Cochin

					Total				Rs.	550 -00
		(ii)	For itement	ms of	clothing •		1 oqu •	ip-	Rs.	460 .00
		(i)	Pocket @ Rs.		nce for per mo				Rs.	90 ·00
	(2)	Car	ndidates	apply	lng for	G	verni	nont	financ	; lal aid ;
					Total		•		Rs.	685 .00
		(ii)	For iter ment	ms of	clothing	ano	i equ	ip- ·	Rs.	460 .00
		(i)	Pocket @ Rs.		nce for per mo				R3.	225 (93
)	Ca	ndid	ates not	appl	ying for	33	/sta 1	n : n	linanc	ial aid :

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under i

- (a) Cadets Training including a float training for 6 months . . . 1 year
- (b) Midshipmen a float Training . . 6 months
- (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Noval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub para (ii) above will be extended to

them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts
- (vt) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appontment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits
- 2 Before a condidate is selected as a codet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign-
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Govt in respect of any inquiry which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise
 - (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition food clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3 PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Davil	Pay Scale
Rank	General Service
(1)	(2)
Midshipman	. Rs. 560 Rs. 750 . Rs. 830—870 . Rs. 1100—1450 . Rs. 1450—1800 . Rs. 1750—1950
Commander (By times scale) . Captain .	. Rs. 1900 fixed . Rs. 1950—2400 (Commodore, receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral	. Rs 2500-125/2 2750
Vice Admiral	. Rs. 3000

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances:—

- (1) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time
- (11) A kit maintenance allowance of Rs 75 pm
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs 50 to Rs 250 pm depending on rank held, is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 140 pm. is admissible to-
 - (a) married officers serving in non-family station, and
 - (b) married officers serving on board IN Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports
- (v) (a) Outfit Allowance Initial Outfit Allowance is Rs 2,400/-
 - (b) Renewal Outfit allowance is Rs 2,100/-
- (vi) Free rations for the period they remain in the ships away from the base ports.
- (vii) Free rations are provided upto the level of Captain (IN) in the Navy
- Note I —In addition certain special concessions like hardlying money sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

Note II: -- Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut. . 1/2 year

Ag. Sub. Lieut. to Sub Licut . . 1 year

. 3 years as Ag. and con-Sub. Lieut to Lieut firmed Sub. Lt. (Sub-

ject to gain/forfeiture

of seniority).

Lieut to Lieut Cdr. 8 years seniority as Lieut.

24 years (reckonable Lieut. Cdr. to Cdr. (if not

commissioned service) . promoted by selection)

(b) By selection

2-8 years seniority as Lieut, Cdr. to Cdr.

Lieut Cdr.

Cdr. to Capt. . 4 years seniority as Cdr.

Capt. to Rear Admiral and above No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad

Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS TRAINING SCHOOL, MADRAS

- 1. Before the candidate joins the Officers Training School Madras-
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury whchi he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injuly received as aforesaid or otherwise.
 - (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

- 2. Candidates finally selected will undergo a course training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School,
- 3. While the cost of training, including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90.00 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate destrous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Fraining School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :-
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 90.00 per month

Rs. 900.00

(b) For items of clothing and equipment

Rs. 500.00

Rs. 1400.00 Total

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned in them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/ guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School
- 7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

- 1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Euch officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fall to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allewances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lelut. are:-

(i) Second Lieut.

Rs. 750-790 p.m.

(ii) Lieut.

Rs. 830—950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

- (e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibld.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) It his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test of course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

- (1) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

- 1. Selection.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).
 - (a) Direct Entry.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.
 - (b) NCC Entry.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.
- 2.Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flylne (Pilo)1 canddiates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs

3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Conditions governing Financial Assistance:-

- (i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all Sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Air Force Administrative College Red Fields, Colmbatore.
- (ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For items of clothing and equipment Rs. 525.00 Total: Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned:—

Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month =Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pllot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of he Flying Branch get approximately Rs. 2450/p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancles, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank			I	Flying Branch
	 			Rs.
Plt. Offr.			•	825865
Flg. Offir.				910—1030
Flt. Lt.				11501550
Sqn. Ldr.				1450—1800
Wg. Cdr.				15501950
Gp, Capt.				1950—2175
Air Comde.				2200—2400
Alr Vice Marshal				2500—27 5 0
Air Marshal .				3000

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates:—

Wg. Cdr. and below .	•		Rs. 750 00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde.			Rs. 666 00 P.M.
Air Vice Marshal and above		_	Rs. 600 00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess: Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Captain in the Air Force.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.--60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank (Substantive)		Minimum length of qualifying service	Standard rate of Retiring Pension	
		20 years	Rs. 575 ·00 P.M.	
Flt. Lt.	٠	20 years	800 00 P.M.	
Sqn. Ldr.		22 years	925 ·00 P.M.	
Wg. Cdr. (Time Scale)		26 years	975 ·00 P.M.	
Wg. Cdr. (Selective)		24 years	1000 00 P.M.	
Gp. Capt.		26 years	1150 ·00 P.M.	
Air Comde		28 years	1250 ·00 P.M.	
Air Vice Murshal .		30 years	1425 ·00 P.M.	
Air Marshal		30 years	1375 ·00 P.M.	
Air Marshal VCAS and	đ			
AOSC-in-C		30 years	1475 00 P.M.	
Air Chief Marshal .		30 years	1700 ·00 P.M.	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under:--

- (a) For 10 years service—Rs, 12,000/- less 11 month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 1200/- less 1 month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 1th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 161 times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows:—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years:
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen families etc.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and	This is to certify that Shri ————— son
State/Union Territory* — belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:— the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Oddra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1964* the Constitution (Oddra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1964* the Constitution (Oddra Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	of Shrl ——— of village/town*
Caste / Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste / Scheduled Tribe* under:— the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1964* the Constitution (Onder Pradesh) Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	in District/Division* of the
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Vashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1966* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	State/Union Territory belongs to the
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1968*	Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1964* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951* [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1965; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order, 1968*	the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order, 1968*	the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*	[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay reorganisation Act 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]
the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Magaland) Schedule Tribes Order, 1970*	the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes
Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Tribes Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	
Order, 1962* the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	
the Constitution (Uttar Pradesh) Scheduled Tribes Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	O-dec 1062#
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order, 1970*	the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*
Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	
Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	
the Constitution (Nagaland) Schedule Tribes Order. 1970*	Ondan 1000#
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*	-
·	the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shrt ————————— and /or* his family
ordinarily reside(s) in village/town* of
District/Division* of the State/Union Territory* of
Signature
**Designation
State/Union Territory*
(with seal of office)
(with sear or office)
Place
Date
*Please delete the words which are not applicable

Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 80 of the representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/‡Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Executive Commissioner

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

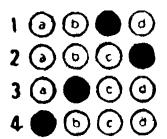
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certicate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your responses on the answer sheet. Responses marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may loose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that

Item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No, and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal maks. Aftempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
 - (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (c) planting in the correct season

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂ O₃
- *(d) V₂ O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when:

- •(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittibity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagloclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 is given by$$

- (a) y=ax+b
- (b) y = ax
- (c) $y = acx + be^{-x}$
- *(d) $y = ac^{X-d}$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- •(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a blnomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) It is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (h) Brahmanism was highly formalised and pretentions religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following:

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyaya Vaisesika, Jainism and Buddhism Carvaka
- (c) Advaltā, Vodānta, Sāmkhya, Cárvákā Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsá, Cárvākā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organi-i
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. ((Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) Increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.